THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 55 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.10 2082 गुरुवार, 22 मई-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भारत का पाकिस्तान पर फिर सख्त ऐक्शन

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान हाई कमीशन के एक अधिकारी को भारत सरकार ने 24 घंटे के अंदर देश छोड़ने का आदेश दिया है। भारत ने पाकिस्तान हाई कमीशन के एक अधिकारी को 'पर्सोना नॉन ग्राटा' घोषित किया है। इसका मतलब है कि भारत सरकार उन्हें स्वीकार नहीं करती है। उन पर आरोप है कि उन्होंने ऐसे काम किए जो उनके पद के नियमों के खिलाफ थे, इसलिए, उन्हें भारत छोड़ने के लिए कहा गया है। कुछ दिन पहले भी एक पाक अधिकारी को 'पर्सोना नॉन ग्राटा' घोषित किया गया था।

27 नक्सलियों का एनकाउंटर

> डेढ़ करोड़ का इनामी नक्सली ढेर > 20 शव और हथियार बरामद > 1 जवान शहीद

जगदलपुर, 21 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में अबूझमाड़ के जंगल में बुधवार सुबह सुरक्षाबलों ने 27 नक्सलियों को मार गिराया है। सभी 27 शव और हथियार बरामद कर लिए गए हैं। मारे गए नक्सलियों में 1.5 करोड़ का इनामी बसवा राजू भी शामिल है। वहीं फायरिंग में डीआरजी (डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड) का एक जवान शहीद हो गया है। दंतेवाड़ा, नारायणपुर और बीजापुर जिले की सरहद पर मुठभेड़ चल रही है।

पुलिस को सूचना मिली थी कि अबूझमाड़ के बोटेर में नक्सलियों का पोलित ब्यूरो सदस्य और नक्सल संगठन का महासचिव बसवा राजू मौजूद है। इसी आधार पर फोर्स को रवाना किया गया था। अबूझमाड़ के बोटेर पहुंचते ही जवानों पर नक्सलियों ने फायरिंग कर दी। सुरक्षाबलों के इस ऑपरेशन को प्रदेश के गृहमंत्री विजय शर्मा ने बड़ी कामयाबी बताया है।

7 दिन पहले 31 नक्सली मारे

पुलिस ने 7 दिन पहले ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कर्रेगुट्टा ऑपरेशन की जानकारी दी थी। छत्तीसगढ़-तेलंगाना बॉर्डर स्थित कर्रेगुट्टा के पहाड़ों पर सुरक्षाबलों ने 24 दिनों तक चले ऑपरेशन में 31 नक्सलियों को मार गिराया था। इनमें 16 महिला और 15 पुरुष नक्सली शामिल हैं।

हिड़मा इकलौता जो टॉप-2 टीम में

नक्सल सूत्रों के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में करीब 40 सालों में हिड़मा ही इकलौता ऐसा नक्सली है जिसे संगठन के टॉप-2 टीम (सेंट्रल कमेटी) में जगह मिली है। वो भी तब जब नक्सल संगठन में अंदरूनी कलह चली और नक्सलियों को सिर्फ ढाल के रूप में इस्तेमाल करने की बात उठने लगी। वहीं डीवीसीएम (डिविजनल कमेटी मेंबर) के पद से देवा बारसे का प्रमोशन कर उसे डीकेएसजेडसीएम (दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर) कैडर में शामिल कर कमांडर बनाया गया।

शाह का दावा-2026 तक खत्म कर देंगे नक्सलवाद

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अगस्त 2024 और दिसंबर 2024 में छत्तीसगढ़ के रायपुर और जगदलपुर आए थे। वे यहां अलग-अलग कार्यक्रमों में शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अलग-अलग मंचों से नक्सलियों को चेताते हुए कहा था कि हथियार डाल दें। हिंसा करोगे तो हमारे जवान निपटेंगे। वहीं उन्होंने एक डेडलाइन भी जारी की थी कि 31 मार्च 2026 तक पूरे देश से नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। शाह के डेडलाइन जारी करने के बाद से बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ ऑपरेशन काफी तेज हो गए हैं।

नक्सिलयों का शीर्ष नेता बसवा राजू ढेर, पीएम मोदी व गृह मंत्री शाह ने जवानों को सराहा

जगदलपुर, 21 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ लगातार सुरक्षाबलों की तरफ से ऑपरेशन चलाए जा रहे हैं। इसी कड़ी में नारायणपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा के सीमावर्ती क्षेत्रों में हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। अनुमान है कि अभियान के दौरान कई माओवादी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। मुठभेड़ के दौरान नक्सली हमले का बहादुरी से मुकाबला करते हुए डीआरजी के एक जवान का बलिदान हो गया। मुठभेड़ में कुछ अन्य जवानों को इस ऑपरेशन के दौरान चोटें आई हैं। सभी घायल खतरे से बाहर हैं। सर्च अभियान लगातार जारी है। सुरक्षाबललों की इस सफलता पर पीएम मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने जवानों के पराक्रम की सराहना की है।

सोनिया-राहुल के खिलाफ केस बनता है : ईडी

नेशनल हेराल्ड मामले में 2 से 8 जुलाई तक रोजाना होगी सुनवाई

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय ने बुधवार को दिल्ली की एक अदालत को बताया कि नेशनल हेराल्ड मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी और राहुल गांधी तथा अन्य के खिलाफ पहली नजर में धन शोधन का 'प्रथम मामला बनता है। ईडी ने विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने के समक्ष मामले का संज्ञान लेने के संबंध में प्रारंभिक दलीलें पेश कीं। इस बीच, न्यायाधीश ने ईडी को निर्देश दिया कि वह इस मामले में अपने आरोपपत्र की एक प्रति भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी को उपलब्ध कराए, जिनकी निजी शिकायत के आधार पर ईडी ने वर्तमान मामला दर्ज किया था। इस मामले में बहस अभी चल रही है।

हाल ही में आरोपपत्र दाखिल करने वाली ईडी ने 2021 में अपनी जांच शुरू की थी, जब एक मजिस्ट्रेट अदालत ने 26 जून 2014 को स्वामी की ओर से दायर एक निजी शिकायत पर संज्ञान लिया था। नेशनल हेराल्ड धन शोधन मामले में संघीय एजेंसी का प्रतिनिधित्व कर रहे अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू ने कहा कि आरोपी तब तक 'अपराध की आय का आनंद ले रहे थे' जब तक कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नवंबर 2023 में नेशनल हेराल्ड से जुड़ी 751.9 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त नहीं कर ली। ईडी ने आगे दावा किया कि गांधी परिवार ने न केवल अपराध से प्राप्त धन को अर्जित करके धन शोधन किया, बल्कि उस पेसे को अपने पास भी रखा। ईडी ने बताया कि नेशनल हेराल्ड के संबंध में सोनिया गांधी, सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और अन्य के खिलाफ प्रथम दृष्टया धन शोधन का मामला सामने आया है। इस बीच, न्यायाधीश ने संघीय एजेंसी को शिकायतकर्ता सुब्रमण्यम स्वामी को एक प्रति उपलब्ध कराने का आदेश दिया। ईडी ने 2021 में अपनी जांच शुरू करने के बाद हाल ही में अपना आरोपपत्र दाखिल किया।

बलूचिस्तान विस्फोट : पाकिस्तान के झूठे आरोपों को भारत ने नकारा

कहा-ध्यान भटकाने के लिए हथकंडे अपना रहा पाक

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत के खुजदार में बुधवार को हुए विस्फोट में चार बच्चों समेत पांच लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान ने इस घटना में भारत की संलिप्तता का दावा किया है। पाकिस्तान की ओर किए जा रहे झूठे दावों का भारत ने खंडन किया है। विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तान के आरोपों का पुरजोर खंडन करते हुए इन आरोपों को निराधार बताया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पाकिस्तान के आरोपों की निंदा करते हुए कहा कि पाकिस्तान अपने मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए इस तरह के हथकंडे अपनाता रहा है। भारत ने घटना में हुई मौतों पर संवेदना व्यक्त की है। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा कि भारत आज खुजदार में हुई घटना में भारत की संलिप्तता के बारे में पाकिस्तान द्वारा लगाए गए निराधार आरोपों को खारिज करता है।

भारत ऐसे सभी घटनाओं में जान गंवाने वालों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है। हालांकि, आतंकवाद का वैश्विक केंद्र बनने की अपनी साख से ध्यान भटकाने और अपनी गंभीर विफलताओं को छिपाने की पाकिस्तान की यह आदत बन चुकी है कि वह अपने आंतरिक मामलों के लिए भारत को दोषी ठहराता है।

'इस्लाम का जरूरी हिस्सा नहीं वक्फ-न ही संविधान के तहत मौलिक अधिकार'

सुप्रीम कोर्ट में सरकार ने कहा

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। केंद्र ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, लेकिन यह इस्लाम का आवश्यक हिस्सा नहीं है। इसलिए इस पर संविधान के तहत मौलिक अधिकार के रूप में नहीं दावा किया जा सकता। सरकार की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल (एसजी) तुषार मेहता ने शीर्ष कोर्ट से कहा कि जब तक वक्फ को इस्लाम का आवश्यक हिस्सा नहीं माना जाता, तब तक अन्य सभी विफल हो जाती हैं।

'वक्फ एक इस्लामी अवधारणा, लेकिन इस्लाम का आवश्यक हिस्सा नहीं'

मेहता ने कहा, वक्फ एक इस्लामी अवधारणा है, जिसे नकारा नहीं जा सकता, लेकिन जब तक इसे इस्लाम का आवश्यक हिस्सा नहीं माना जाता, तब तक अन्य दलीलों का कोई मतलब नहीं है। 2025 के वक्फ (संशोधन) अधिनियम को चुनौती देने वाली याचिकाओं केंद्र ने यह जवाब दिया है। मेहता ने अधिनियम का बचाव करते हुए कहा कि किसी भी व्यक्ति को सरकारी जमीन पर दावा करने का अधिकार नहीं है, भले ही वह जमीन वक्फ के रूप में घोषित की गई हो। उन्होंने कहा, कोई भी व्यक्ति सरकारी जमीन पर दावा नहीं कर सकता। सुप्रीम कोर्ट का एक फैसला है, जो कहता है कि अगर संपत्ति सरकारी है और वक्फ के रूप में घोषित की गई है, तो सरकार उसे बचा सकती है। सॉलिसिटर जनरल ने आगे कहा, वक्फ संपत्ति एक मौलिक अधिकार नहीं है।

इसे कानून द्वारा मान्यता दी गई थी। अगर कोई अधिकार विधायी नीति के तहत दिया गया है, तो उसे हमेशा वापस लिया जा सकता है।

अप्रैल संसद से पारित किया गया था वक्फ संशोधन विधेयक

चीफ जस्टिस (सीजेआई) बी.आर.गवाई और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की बेंच इन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है। वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 को अप्रैल में संसद से पारित किया गया था और पांच अप्रैल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इसे मंजूरी दे दी थी। जिसे बाद यह कानून बन गया। लोकसभा में इसके पक्ष में 288 और विपक्ष में 232 मत पड़े थे, जबकि राज्यसभा ने समर्थन में 128 और विरोध में 95 मत पड़े थे।

कोरोना के 7 नए केस सामने आए

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। कोरोना वायरस के मामले एक बार फिर से बढ़ रहे हैं। गुजरात के अहमदाबाद में 7 नए पॉजिटिव केस सामने आए हैं। इनमें 2 साल की बच्ची और 72 साल के एक बुजुर्ग भी शामिल हैं, फिलहाल इन्हें होम आइसोलेशन में रखा गया है। देश में कोरोना एक्टिव केसों की कुल संख्या 257 पहुंच गई है।

केरल में सबसे ज्यादा 95 पॉजिटिव केस हैं। वहीं तमिलनाडु में 66, महाराष्ट्र में 56 और कर्नाटक में 13 एक्टिव मामले हैं। मुंबई के केईएम अस्पताल में सोमवार को 2 कोविड पॉजिटिव मरीजों की मौत हुई है। हालांकि डॉक्टरों का कहना है कि इनकी मौत कोविड से नहीं, बल्कि पुरानी बीमारियों की वजह से हुई है। एक मरीज को मुंह का कैंसर था और दूसरे को किडनी से जुड़ी बीमारी नेफ्रोटिक सिंड्रोम थी।

राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर राहुल मोदी-खड़गे ने श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की आज 34वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे दिल्ली के वीर भूमि पहुंचे और उन्हें श्रद्धांजलि दी। राहुल गांधी ने 'X' पर पापा राजीव गांधी के साथ बचपन की फोटो शेयर की। लिखा-पापा, आपकी यादें हर कदम पर मेरा मार्गदर्शन करती हैं। आपके अधूरे सपनों को साकार करना ही मेरा संकल्प है और मैं इन्हें पूरा करके रहूंगा।

पीएम मोदी ने कहा-मैं हमारे पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी जी को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने 'X' पर लिखा- राजीव गांधी जी भारत के एक महान सपूत थे, जिन्होंने करोड़ों भारतीयों में नई उम्मीद जगाई।

महाराष्ट्र सरकार ने सीजेआई गवई को परमानेंट स्टेट गेस्ट बनाया

प्रोटोकॉल गाइडलाइन जारी की

> चीफ जस्टिस को राज्य के चीफ सेक्रेटरी-डीजीपी ने रिसीव नहीं किया था

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार ने भारत के चीफ जस्टिस (सीजेआई) की यात्रा के दौरान राज्य में आधिकारिक शिष्टाचार का पालन तय करने के लिए प्रोटोकॉल गाइडलाइन्स जारी की हैं। मंगलवार देर शाम जारी गाइडलाइन्स के तहत, सीजेआई बी आर गवई को आधिकारिक तौर पर महाराष्ट्र में परमानेंट स्टेट गेस्ट का दर्जा दिया है। जस्टिस बीआर गवई 14 मई को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया बनने के बाद 18 मई को पहली बार महाराष्ट्र गए थे। हालांकि, मुंबई में उन्हें स्टेट चीफ सेक्रेटरी, डीजीपी या मुंबई पुलिस कमिश्नर में से कोई भी रिसीव करने नहीं आए थे, जिसपर सीजेआई गवई ने नाराजगी जाहिर की थी। इस घटना के बाद महाराष्ट्र सरकार को काफी शर्मिंदगी उठानी पड़ी थी। सोमवार को राज्य के कैबिनेट मंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि उन्होंने प्रोटोकॉल में चूक के लिए राज्य सरकार की ओर से सीजेआई गवई से फोन पर माफी मांगी है।

स्टेट गेस्ट को एयरपोर्ट पर स्वागत-विदाई देने का नियम

महाराष्ट्र स्टेट गेस्ट रूल्स, 2004 के अनुसार, स्टेट गेस्ट के तौर पर नामित या माने जाने वाले किसी पदाधिकारी को राज्य प्रोटोकॉल सब-डिवीजन की तरफ से एयरपोर्ट पर स्वागत और विदाई की व्यवस्था की जाती है। जिलों में कलेक्टर ऑफिस नामित प्रोटोकॉल अधिकारियों को रिसीव करने या छोड़ने की व्यवस्था करता है। अब महाराष्ट्र में परमानेंट स्टेट गेस्ट के तौर पर नामित किए जाने के बाद सीजेआई सभी प्रोटोकॉल-संबंधी सुविधाओं के हकदार होंगे। उन्हें राज्य के किसी भी हिस्से में अपनी यात्रा के दौरान आवास, गाड़ी की व्यवस्था और सुरक्षा दी जाएगी। चीफ जस्टिस के मुंबई दौरे के दौरान चीफ सेक्रेटरी या उनके सीनियर प्रतिनिधि, डीजीपी या सीनियर प्रतिनिधि उनका स्वागत करेंगे। किसी जिले के दौरे पर वहां के जिला कलेक्टर और पुलिस कमिश्नर या एसपी या उनके सीनियर अफसरों को सीजेआई का स्वागत करने का निर्देश दिया गया है।

सीजेआई ने कहा था-महाराष्ट्र के अफसर प्रोटोकॉल का पालन नहीं करते

मुंबई में 18 मई को महाराष्ट्र-गोवा बार काउंसिल ने चीफ जस्टिस बीआर गवई का सम्मान समारोह रखा था। गवई इसी कार्यक्रम में पहुंचे थे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि जब किसी संस्था का प्रमुख पहली बार राज्य में आ रहा हो, खासकर जब वह भी उसी राज्य का हो, तो उन्हें खुद ही सोचना चाहिए कि जो व्यवहार किया गया वह सही था या नहीं।

पाक में सिंध के गृहमंत्री का घर जलाया

इस्लामाबाद, 21 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में प्रदर्शनकारियों ने सिंध के गृह मंत्री जियाउल हसन लंजर का घर जला दिया। प्रदर्शनकारियों ने घर की सुरक्षा में तैनात गार्ड्स को भी पीटा। रिपोर्ट के मुताबिक सिंध के नौशेहरो फिरोज जिले में पुलिस और एक राष्ट्रवादी संगठन के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई थी।

इसमें कम से कम 2 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा दोनों तरफ के कई लोग भी घायल हो गए। पाकिस्तान सरकार की योजना सिंध नदी पर नहर बनाने की है। इससे स्थानीय लोग नाराज हैं। उनका कहना है कि सरकार उनकी जमीन और पानी छीन रही है। जब प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रीय राजमार्ग पर धरना देने की कोशिश की, तो पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की। इसके तनाव बढ़ गया। नाराज होकर लोगों ने सिंध के गृह मंत्री के घर पर हमला कर दिया था। प्रदर्शनकारियों ने कुछ ट्रकों को लूट लिया और उनमें से कुछ को आग लगा दी।

जस्टिस वर्मा कैश कांड : एफआईआर की मांग वाली याचिका खारिज

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। कैश मामले में घिरे इलाहाबाद हाईकोर्ट के जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ एफआईआर की मांग वाली याचिका बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दी। कोर्ट ने कहा कि, ये मामला प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के पास है। आप पहले जाकर उनसे गुहार लगाएं। फिर हमारे पास आएं। सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने इस मामले की सुनवाई की। एफआईआर की मांग वाली याचिका एडवोकेट मैथ्यूज नेडुमपारा ने लगाई थी। दरअसल, जस्टिस वर्मा के लुटियंस दिल्ली स्थित घर में 14 मार्च की रात आग लगी थी। उनके घर के स्टोर रूम से 500-500 रुपए के जले नोटों के बंडलों से भरे बोरे मिले थे।

बीजेपी आईटी सेल प्रमुख और अर्नब गोस्वामी पर एफआईआर

झूठी जानकारी फैलाने का आरोप, तुर्किये के इस्तांबुल कांग्रेस सेंटर को कांग्रेस ऑफिस बताया था

बेंगलुरु, 21 मई (एजेंसियां)। भाजपा आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय और रिपब्लिक टीवी के जर्नलिस्ट अर्नब गोस्वामी के खिलाफ कांग्रेस ने एफआईआर की है। दोनों पर कांग्रेस पार्टी के खिलाफ झूठी और भ्रामक जानकारी फैलाने का आरोप है। अमित मालवीय ने 17 मई को 'X' पर अर्नब गोस्वामी एक वीडियो शेयर किया, जिसमें वो बता रहे हैं कि कांग्रेस पार्टी का तुर्किये में रजिस्टर्ड ऑफिस है। मालवीय ने लिखा-राहुल गांधी को बताना चाहिए कि ऐसा करने की जरूरत क्यों पड़ी। यह हैरान और समझ से बाहर का मामला है। देश को इसका सच जानने का हक है। इसी वीडियो को लेकर शिकायत में कहा गया है कि ऐसा सोची-समझी रणनीति के तहत देश की जनता को गुमराह और कांग्रेस पार्टी को बदनाम करने के लिए किया गया है। यह लोगों की भावनाओं को भड़काने, देश की सुरक्षा और लोकतंत्र को कमजोर करने की कोशिश है। पहलगाम हमले के बाद भारत-पाक तनाव के बीच तर्किये ने पाकिस्तान को खुलकर समर्थन दिया था। साथ ही भारत के खिलाफ इस्तेमाल के लिए पाकिस्तान को ड्रोन्स-हथियार और इन्हें चलाने वाले ट्रेंड लोग भी भेजे। इसके बाद देशभर में तुर्किये को बॉयकॉट किया गया।

बीएनएस की धारा 192 और 352 के तहत बेंगलुरु में केस दर्ज

भारतीय युवा कांग्रेस के लीगल सेल प्रमुख प्रमुख श्रीकांत स्वरूप बी एन की शिकायत पर हाई ग्राउंड पुलिस स्टेशन बेंगलुरु में केस दर्ज किया गया है। बीएनएस की धारा 192 (जानबूझकर दंगा भड़काने की मंशा से भड़काऊ जानकारी देना) और धारा 352 (जानबूझकर अपमान करके शांति भंग करना) के तहत मामला दर्ज हुआ है। शिकायत में प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, सीबीआई और अन्य एजेंसियों से अपील की गई है कि इसे आपात स्थिति की तरह गंभीरता से लिया जाए।

प्रो. अली खान को सुप्रीम कोर्ट से अंतरिम जमानत

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के अशोका विश्वविद्यालय में एसोसिएट प्रोफेसर और राजनीति विज्ञान विभाग के प्रमुख अली खान महमूदाबाद को महिला सैन्य अफसरों कर्नल कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह पर विवादित टिप्पणी करने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम जमानत दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने महमूदाबाद को सीजेएम, सोनीपत की संतुष्टि के लिए जमानत बांड भरने को भी कहा है। साथ ही अली खान महमूदाबाद को निर्देश दिया है कि वे ह दोनों पोस्ट से संबंधित कोई भी ऑनलाइन लेख नहीं लिखेंगे या कोई भी ऑनलाइन भाषण नहीं देंगे जो जांच का विषय है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें भारतीय धरती पर आतंकवादी हमलों या हमारे राष्ट्र द्वारा दी गई जवाबी प्रतिक्रिया के बारे में कोई भी टिप्पणी करने से रोक दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करना होगा।

सुप्रीम कोर्ट बोला-नेवी के अधिकारी अहंकार छोड़ें

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने नेवी को उसकी एक महिला अधिकारी को स्थायी कमीशन नहीं देने के लिए जमकर फटकार लगाई। कोर्ट ने नेवी के अधिकारियों से कहा-अब बहुत हो गया है, वे अपना अहंकार त्याग दें और अपने तौर-तरीके सुधारें। दरअसल, जस्टिस सूर्यकांत और एन कोटिश्वर सिंह की बेंच मंगलवार को 2007 बैच की शॉर्ट सर्विस कमीशन अधिकारी सीमा चौधरी की याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिन्हें कोर्ट के आदेश के बावजूद स्थायी कमीशन नहीं दिया गया था।

बेंच ने अधिकारियों से पूछा कि क्या संबंधित अधिकारी सोचते हैं कि वे अदालत के आदेशों को दबा सकते हैं। आप किस तरह की अनुशासित फौज हैं। हम आपको महिला अधिकारी को स्थायी कमीशन देने के लिए एक हफ्ता देते हैं, गर्मी की छुट्टियों के बाद मामले की जानकारी कोर्ट को दें। सीमा चौधरी को 6 अगस्त 2007 को भारतीय नौसेना की जज एडवोकेट जनरल (जेएजी) ब्रांच में एसएससी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया था। उन्हें 2009 में लेफ्टिनेंट और 2012 में लेफ्टिनेंट कमांडर पद पर प्रमोट किया गया। 2016 और 2018 में दो-दो साल का सेवा विस्तार दिया गया था।

'यह ध्यान भटकाने की कोशिश'

> सर्वदलीय सांसदों के विदेश दौरे पर कांग्रेस का केंद्र पर हमला

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ऑपरेशन सिंदूर को लेकर दुनियाभर को संदेश देने के लिए सर्वदलीय सांसदों को विदेश दौरे पर भेज रही है। इस बात पर सियासत भी तेज हो गई है। जहां कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने केंद्र सरकार के इस कृत्य की आलोचना की है। बुधवार को उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तरफ से ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अंतरराष्ट्रीय दौरों पर सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजना एक पीआर स्टंट और ध्यान भटकाने की कोशिश है। जयराम रमेश ने कहा कि सरकार ने अभी तक पहलगाम आतंकी हमले और चीन-पाकिस्तान जैसे गंभीर मुद्दों पर संसद का विशेष सत्र नहीं बुलाया है। उन्होंने पूछा कि हम आतंकवाद, पाकिस्तान और चीन के मुद्दों को लेकर गंभीर हैं, तो संसद का विशेष सत्र क्यों नहीं बुलाया जा रहा? कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टियां 22 अप्रैल से ऑल-पार्टी मीटिंग की मांग कर रही हैं। दो बैठकें तो हुईं, लेकिन पीएम उसमें शामिल नहीं हुए। इसके बाद राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे ने पीएम को पत्र लिखकर संसद सत्र बुलाने की मांग की। जयराम रमेश ने कहा कि पाकिस्तान की आतंकवाद को समर्थन देने और उसके चीन के साथ रणनीतिक रिश्तों को संसद में चर्चा का विषय बनाना चाहिए था, लेकिन सरकार ने ध्यान हटाने के लिए जातीय जनगणना और अब ये विदेशी दौरे शुरू कर दिए हैं।कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आगे भाजपा सांसद संबित पात्रा के बयान पर भी पलटवार किया, जिसमें उन्होंने कहा था कि राहुल गांधी पाकिस्तान तो ऑक्सीजन दे रहे हैं। रमेश ने कहा कि पाहलगाम हमले में जो आतंकी शामिल थे, उन्हें पकड़ो।

जयराम रमेश ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि हमने चीन और पाकिस्तान की गठजोड़ पर सवाल उठाए हैं। जसवंत सिंह ने जिन्ना की तारीफ की थी। अटल बिहारी वाजपेयी लाहौर बस यात्रा पर गए थे। नरेंद्र मोदी खुद नवाज शरीफ के घर नाश्ता करने गए थे। उन्होंने कहा कि सरकार सिर्फ सांसदों को विदेश भेजकर 'ऑपरेशन सिंदूर' का प्रचार कर रही है, लेकिन जो असली काम है-आतंकियों को पकड़ना, उस पर ध्यान नहीं दे रही। इसी बीच बुधवार को जदयू सांसद संजय कुमार झा की अगुवाई में एक सर्वदलीय सांसद प्रतिनिधिमंडल जापान, दक्षिण कोरिया, इंडोनेशिया, मलेशिया और सिंगापुर की यात्रा के लिए दिल्ली एयरपोर्ट से रवाना हुआ।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर जांच कमेटी ने हाई कोर्ट में पेश की रिपोर्ट

टीएमसी नेता और पुलिस की भूमिका पर उठे सवाल

मुर्शिदाबाद, 21 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ संशोधन कानून 2025 के विरोध में हुई सांप्रदायिक हिंसा की जांच के लिए कोलकाता हाई कोर्ट द्वारा गठित जांच कमेटी ने अपनी रिपोर्ट पेश कर दी है। रिपोर्ट में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। जिसमें स्थानीय नेताओं और पुलिस की निष्क्रियता पर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। कलकत्ता हाई कोर्ट द्वारा गठित जांच समिति की रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले महीने बंगाल के मुर्शिदाबाद के कई इलाकों में वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में राज्य के सत्तारूढ़ दल तृणमूल कांग्रेस का एक नेता शामिल था। हमलों का निर्देश स्थानीय पार्षद महबूब आलम ने दिया था। स्थानीय पुलिस पूरी तरह से निष्क्रिय और अनुपस्थित थी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हिंसा में हिंदुओं को निशाना बनाया गया और जब परेशान लोगों ने मदद के लिए पुकारा, तो पुलिस ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। रिपोर्ट हाई कोर्ट की खंडपीठ के समक्ष प्रस्तुत की गई है। समिति के सदस्यों ने गांवों का दौरा किया और हिंसा के पीड़ितों से बात की। जांच दल में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और न्यायिक सेवाओं के सदस्य शामिल थे। बता दें कि हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई थी, जबकि अनेक लोग घायल हो गए थे। रिपोर्ट में अंधाधुंध आगजनी और लूटपाट तथा दुकानों को लगातार नष्ट करने की बात भी उजागर की गई है। मुख्य हमला शुक्रवार, 11 अप्रैल को दोपहर 2.30 बजे के बाद हुआ,

'पांच बड़े जज छुट्टियों में भी काम कर रहे, फिर भी दोष हम पर'

सुनवाई के दौरान किस पर भड़के सीजेआई गवई?

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने बुधवार को नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि वकील छुट्टियों के दौरान काम नहीं करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जो भी मामले अदालत में लंबित हैं उसके लिए सिर्फ न्यायपालिका को दोषी ठहराया जाता है।

सीजेआई क्यों हुए नाराज?

दरअसल, एक वकील ने ग्रीष्मकालीन अवकाश के बाद याचिका को सूचिबद्ध करने के लिए आग्रह किया था। इस पर सीजेआई बीआर गवई और न्यायमूर्ति जॉर्ज मसीह की पीठ ने नाराजगी जताई।

'छुट्टियों के दौरान वकील काम के लिए नहीं हैं तैयार'

सीजेआई ने कहा, छुट्टियों के दौरान पांच जज बैठे हैं और काम करना जारी रखे हुए हैं, फिर भी हमें लंबित मामलों के लिए दोषी ठहराया जाता है। हकीकत में, वकील ही हैं जो छुट्टियों के दौरान काम करने के लिए तैयार नहीं हैं।

'आंशिक अदालत कार्य दिवस'

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने उन पीठों पर एक अधिसूचना जारी की है जो आगामी ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान काम करेंगी, जिसे 26 मई से 13 जुलाई तक 'आंशिक अदालत कार्य दिवस' के रूप में नामित किया गया है। आंशिक अदालत कार्य दिवस के दौरान दो से पांच अवकाश पीठ बैठेंगी और चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सहित शीर्ष पांच न्यायाधीश भी इस अवधि के दौरान आदालतें चलाएंगे। पहले की प्रथा के अनुसार, गर्मी की छुट्टियों के दौरान केवल दो अवकाश पीठ हुआ करती थीं।

किस-किस दिन रजिस्ट्री रहेगी बंद?

अधिसूचना में पीठों में न्यायाधीशों के साप्ताहिक आवंटन की रूपरेखा दी गई है। 26 मई से 1 जून तक सीजेआई बीआर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ जेके माहेश्वरी और बीवी नागरत्ना क्रमशः पांच पीठों का नेतृत्व करेंगे। इस अवधि के दौरान सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक खुली रहेगी। रजिस्ट्री सभी शनिवार (12 जुलाई को छोड़कर), रविवार और सार्वजनिक छुट्टियों पर बंद रहेगी।

राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे इस साल नहीं मनाएंगे अपना जन्मदिन, पत्र लिखकर वजह बताई

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) प्रमुख राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे ने इस साल अपना जन्मदिन नहीं मनाने का फैसला लिया है। उन्होंने यह जानकारी एक भावनात्मक पत्र के माध्यम से पार्टी कार्यकर्ताओं को दी। अमित ठाकरे ने मराठी भाषा में लिखे पत्र को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर शेयर किया है। अमित ठाकरे का 24 मई को जन्मदिन है। ऐसे में वे इस बार अपना जन्मदिन नहीं मनाएंगे। अपने पत्र में अमित ठाकरे ने लिखा, हाल ही में पहलगाम में हुए आतंकी हमले और उसके बाद की कार्रवाई में कई निर्दोष नागरिकों और बहादुर जवानों ने अपने प्राणों की आहुति दी है। इस दुःखद घटना ने पूरे देश को झकझोर दिया है और इसी पीड़ा को समझते हुए जन्मदिन न मनाने का निर्णय लिया है। उन्होंने लिखा, "आप सभी का स्नेह, शुभकामनाएं और आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ रहे हैं और आगे भी बने रहेंगे, यही मेरी अपेक्षा है।" गौरतलब है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के बाद उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र लिखकर उनके नेतृत्व की सराहना की थी। उन्होंने पत्र में लिखा कि मोदी के नेतृत्व में भारत ने कई निर्णायक मील के पत्थर पार किए हैं। साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि सीमाओं पर बहाए गए खून और बलिदानों को देखते हुए हमें जश्न की बजाय संवेदनशीलता और जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है।

पूजा खेडकर कोई आतंकी नहीं

उसने सबकुछ खो दिया सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व ट्रेनी आईएएस को दी अग्रिम जमानत

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने फर्जी सर्टिफिकेट मामले में पूर्व आईएएस प्रोबेशनरी अधिकारी पूजा खेडकर को अग्रिम जमानत दे दी है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने खेडकर को जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया। गत जनवरी में न्यायालय ने उन्हें गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण प्रदान किया था। पीठ ने कहा, उन्होंने कौन सा गंभीर अपराध किया है? वह मादक पदार्थ माफिया या आतंकवादी नहीं है। उन्होंने 302 (हत्या) नहीं की है। वह एनडीपीएस (मादक पदार्थ निषेध से संबंधित कानून) अपराधी नहीं है। आपके पास कोई प्रणाली या सॉफ्टवेयर होना चाहिए। आप जांच पूरी करें। उन्होंने सब कुछ खो दिया है और उन्हें कहीं नौकरी नहीं मिलेगी। पीठ ने कहा, मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह एक उपयुक्त मामला है जहां दिल्ली उच्च न्यायालय को याचिकाकर्ता को जमानत देनी चाहिए। दिल्ली पुलिस के वकील ने खेडकर को अग्रिम जमानत दिए जाने का कड़ा विरोध करते हुए कहा कि वह जांच में सहयोग नहीं कर रही हैं और उनके खिलाफ आरोप गंभीर हैं। खेडकर पर आरक्षण का लाभ प्राप्त करने के लिए 2022 में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) सिविल सेवा परीक्षा के लिए अपने आवेदन में गलत जानकारी देने का आरोप है। उन्होंने अपने खिलाफ लगे सभी आरोपों का खंडन किया है। यूपीएससी ने खेडकर के खिलाफ कई कार्रवाई की, जिसमें फर्जी पहचान के जरिए सिविल सेवा परीक्षा में शामिल होने के लिए आपराधिक मामला दर्ज करना भी शामिल है। दिल्ली पुलिस ने उनके खिलाफ विभिन्न अपराधों के लिए प्राथमिकी भी दर्ज की है। पीठ ने कहा कि खेडकर जांच में पूरा सहयोग करेंगी और अपनी स्वतंत्रता का दुरुपयोग नहीं करेंगी और किसी भी तरह से गवाहों को प्रभावित नहीं करेंगी या रिकॉर्ड पर मौजूद सामग्री के साथ छेड़छाड़ नहीं करेंगी। अगर उपरोक्त शर्तों का कोई उल्लंघन होता है तो प्रतिवादी को अग्रिम जमानत रद्द करने की मांग करने की छूट सुरक्षित है। उपरोक्त निर्देशों के साथ आपराधिक अपील की अनुमति दी जाती है।

'दिल्ली के मुस्लिम बहुल इलाके में'

मंत्री आशीष सूद ने अरविंद केजरीवाल से पूछे ये सवाल

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार में मंत्री आशीष सूद ने कहा कि आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनके नेताओं ने कई दावे किए थे, लेकिन दिल्ली की जनता ने उन्हें सिरे से खारिज कर दिया। शिक्षा मंत्री रहे मनीष सिसोदिया को अपनी सीट तक बदलनी पड़ी। इसके बावजूद, वह हार गए। सरकार ने स्वास्थ्य और शिक्षा में भले ही बड़े दावे किए हों, लेकिन जनता ने उन्हें खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि विदेशी अखबारों न्यूयॉर्क टाइम्स और वाशिंगटन पोस्ट में खबर छपवाने से नहीं, बल्कि जमीनी काम से सरकार सफल होती है, लेकिन इस दिशा में केजरीवाल पूरी तरह से विफल साबित हुए। इसलिए अब उनके पार्षद और नेता पार्टी छोड़ रहे हैं और केवल बयानबाज़ी कर अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। इन लोगों को कुछ भी हासिल होने वाला नहीं है। मंत्री ने अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधते हुए कहा कि उन्हें जवाब देना होगा कि दिल्ली के नॉर्थ ईस्ट के मुस्लिम बहुल इलाके में एक लाख 48 हजार बच्चों के लिए सिर्फ 48 स्कूल ही क्यों हैं? अगर उन्हें इतनी ही चिंता है, तो वहां की बच्चियों को पढ़ने के लिए सात-सात किलोमीटर दूर पैदल क्यों जाना पड़ता है। आशीष सूद ने कहा कि जैसे ही बॉर्डर पर धमाकों की आवाज हुई, तो केजरीवाल लुधियाना छोड़कर दिल्ली भागे। वह विभाजनकारी राजनीति कर रहे हैं। लेकिन, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता सभी बच्चों के लिए काम कर रही हैं, चाहे वे हिंदू हों या मुसलमान। हम धर्म के आधार पर राजनीति करने वाले लोग नहीं हैं।

इंसान और पतंग ज्यादा हवा में उड़े तो समझ लेना कि वह कटने वाला है

प्रियंका चतुर्वेदी पर संजय राउत ने साधा निशाना

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। 'ऑपरेशन सिंदूर' के सफल संचालन के बाद भारत ने हर मोर्चे पर पाकिस्तान और आतंकवाद पर शिकंजा कसा है। भारत सरकार, 'ऑपरेशन सिंदूर' का मकसद और पाकिस्तान का असल चेहरा दुनिया को बताने के लिए अलग-अलग देशों में 7 सांसदों के नेतृत्व में डेलिगेशन भेज रही है। इनमें शिवसेना-यूबीटी की नेता और राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी का भी नाम शामिल है। इसे लेकर शिवसेना-यूबीटी के नेता संजय राउत ने निशाना साधा है। दरअसल, डेलिगेशन में प्रियंका चतुर्वेदी को चुने जाने से संजय राउत नाराज हैं। संजय राउत ने नाम लिए बगैर प्रियंका चतुर्वेदी पर निशाना साधा। संजय राउत ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, इंसान और पतंग ज्यादा हवा में उड़े तो समझ लेना कि वह कटने वाला है। प्रियंका चतुर्वेदी को बीजेपी के वरिष्ठ नेता रविशंकर प्रसाद की अगुवाई वाले डेलिगेशन में शामिल किया गया है। यह डेलिगेशन यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, जर्मनी, इटली और डेनमार्क का दौरा करेगा। इस डेलिगेशन में डी पुरंदेश्वरी (बीजेपी), प्रियंका चतुर्वेदी (शिवसेना-यूबीटी), गुलाम अली खटाना (राज्यसभा सदस्य), अमर सिंह (कांग्रेस), समिक भट्टाचार्य (बीजेपी) और पंकज शरण (राजनयिक) शामिल हैं। डेलिगेशन का हिस्सा बनने पर प्रियंका चतुर्वेदी ने प्रतिक्रिया देते हुए 'एक्स' पर पोस्ट किया था, ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा बनने और रविशंकर के नेतृत्व में पश्चिमी यूरोप की यात्रा पर जाने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल होकर मैं गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। यह पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को समर्थन देने के खिलाफ हमारी एकजुट लड़ाई है। उन्होंने अपने नेता उद्धव बालासाहेब ठाकरे का आभार जताया। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को भी धन्यवाद दिया था।

साध्वी लक्ष्मी और उनके भाई की जमानत रद्द

एचसी ने कहा- गुमराह किया लटकी गिरफ्तारी की तलवार

छिंदवाड़ा, 21 मई (एजेंसियां)। छिंदवाड़ा जिले के चौरई के प्रसिद्ध श्रीराम-जानकी मंदिर से जुड़े 90 लाख रुपये के गबन मामले में हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। मंदिर की पूर्व साध्वी लक्ष्मी दास (रीना रघुवंशी) को करारा झटका देते हुए कोर्ट ने उनकी वह अर्जी खारिज कर दी है, जिसमें उनकी ओर से जमानत की पूर्व शर्त हटाने की मांग की थी। दरअसल, दिसंबर 2024 में मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने साध्वी लक्ष्मी दास को 90 लाख रुपये जमा करने की शर्त पर अग्रिम जमानत दी थी। लेकिन, अब आरोपी ने कोर्ट में नई अर्जी लगाकर कहा कि उसके पास इतनी रकम नहीं है, इसलिए इस शर्त को हटाया जाए। सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति पीके अग्रवाल की एकलपीठ ने अर्जी खारिज करते हुए कहा कि आरोपी ने अदालत को गुमराह कर जमानत आदेश हासिल किया था। कोर्ट ने आरोपी के भाई हर्ष रघुवंशी को पहले से दी गई जमानत भी रद्द कर दी है।

महंत के खाते से जुड़वाया मोबाइल, उड़ाए पैसे

मामला 17 अप्रैल 2023 का है, जब मंदिर के महंत कनक बिहारी दास महाराज की नरसिंहपुर में सड़क हादसे में मौत हो गई थी। इसके बाद आरोपी साध्वी ने फर्जीवाड़ा कर महंत के बैंक अकाउंट में अपना मोबाइल नंबर जुड़वाया और नेट बैंकिंग से मंदिर के नाम जमा 90 लाख रुपये हड़प लिए। मंदिर के पुजारी श्याम सिंह ने मामले में एफआईआर दर्ज कराई। जांच में फर्जीवाड़े की पुष्टि हुई। इसके बाद दोनों आरोपी साध्वी और उनके भाई कोर्ट पहुंचे थे। लेकिन, अब कोर्ट के सख्त रुख के बाद अब दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी की संभावना बढ़ गई है।

'मैं कभी कन्नड़ नहीं बोलूंगी'

भाषा को लेकर एसबीआई मैनेजर से हुई बहस का वीडियो वायरल, आगे क्या हुआ?

बेंगलूरू, 21 मई (एजेंसियां)। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के एक अधिकारी का वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह ग्राहक से कन्नड़ बोलने को लेकर बहस करती दिखाई दे रही है। वीडियो वायरल होने के बाद विवाद खड़ा हो गया और अब कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि बैंक अधिकारी का व्यवहार निंदनीय है। जानें क्या है पूरा मामला मामला सूर्य नगर के अनेकल तालुक में बैंक की सूर्य नगर एसबीआई शाखा का बताया जा रहा है, जिसका वीडियो खूब वायरल हो रहा है। वीडियो में बैंक की महिला अधिकारी और ग्राहक के बीच कन्नड़ बोलने को लेकर बहस हो रही है। वीडियो में अधिकारी को वीडियो रिकॉर्ड करने वाले व्यक्ति से यह पूछते हुए भी सुना जा सकता है कि क्या कोई ऐसा नियम है, जिसके तहत उसे कन्नड़ बोलना अनिवार्य है। अंत में बैंक अधिकारी यह कहते हुए वहां से चली जाती हैं कि "मैं कभी कन्नड़ नहीं बोलूंगी।"विवाद बढ़ने के बाद एसबीआई बैंक की तरफ से सफाई दी गई और कहा गया कि, "हम एओ साउथ बेंगलुरु की सूर्य नगर शाखा में हाल ही में हुई घटना से बेहद चिंतित हैं। मामले की गहन जांच की जा रही है।" एसबीआई ग्राहकों की भावनाओं को प्रभावित करने वाले व्यवहार के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति का पालन करता है और सम्मानजनक आचरण सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इस मामले को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि सूर्य नगर, अनेकल तालुक में एसबीआई शाखा प्रबंधक द्वारा कन्नड़ और अंग्रेजी में बात करने से इनकार करना और नागरिकों के प्रति अनादर दिखाना बहुत निंदनीय है। हम अधिकारी को स्थानांतरित करने में एसबीआई की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हैं। अब इस मामले को बंद माना जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा है कि ऐसी घटनाएं दोबारा नहीं होनी चाहिए। सभी बैंक कर्मचारियों को ग्राहकों के साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करना चाहिए और स्थानीय भाषा में बात करने का हर संभव प्रयास करना चाहिए। मैं वित्त मंत्रालय और वित्तीय सेवा विभाग से आग्रह करता हूं कि वे पूरे भारत में सभी बैंक कर्मचारियों के लिए सांस्कृतिक और भाषा संवेदीकरण प्रशिक्षण अनिवार्य करें। स्थानीय भाषा का सम्मान करना, लोगों का सम्मान करना है।

दिल्ली की आप नेता रीना गुप्ता बनीं पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड की चेयरपर्सन, कांग्रेस-बीजेपी ने घेरा

चंडीगढ, 21 मई (एजेंसियां)। पंजाब की भगवंत मान सरकार ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी की महिला नेता और प्रवक्ता रीना गुप्ता को पंजाब पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड का चेयरपर्सन नियुक्त किया है। वहीं उनकी इस नियुक्ति के बाद विपक्ष मान सरकार पर हमलावर हो गया है। कांग्रेस और बीजेपी ने रीना गुप्ता की नियुक्ति पर सवाल खड़े किए हैं। दरअसल, आम आदमी पार्टी के विरोधी दल ये आरोप लगाते रहे हैं कि पंजाब सरकार को दिल्ली से चलाया का रहा है और दिल्ली के नेताओं का कब्जा पंजाब सरकार पर हो गया है। वहीं अब दिल्ली की नेता की पंजाब के पॉल्यशून कंट्रोल बोर्ड में नियुक्ति के बाद बीजेपी-कांग्रेस पंजाब सरकार पर सवाल खड़े कर रही हैं। इस नियुक्ति को लेकर बीजेपी नेता रजनीश धीमान ने पंजाब सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया कि दिल्ली में हार जाने के बाद अरविंद केजरीवाल का फोकस पंजाब पर हो गया है। उन्होंने सवाल किया क्या सरकार को इस पद के लिए पंजाब में कोई भी काबिल नहीं मिला। इसके अलावा कांग्रेस के दिग्गज नेता सुखपाल खैहरा ने भी रीना गुप्ता की नियुक्ति पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने निशाना साधते हुए कहा कि भगवंत मान ने अरविंद केजरीवाल के सामने खुद को सरेंडर कर दिया है।

मणिपुर में सुरक्षाबलों को मिली बड़ी सफलता 6 उग्रवादी गिरफ्तार, पीएलए पर बड़ा एक्शन

इंफाल, 21 मई (एजेंसियां)। मणिपुर में सुरक्षाबलों का एक्शन जारी है। इसी सिलसिले में 21 मई को आर्मड फोर्सेस ने अभियान चलाते हुए 6 खूंखार उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। सुरक्षाबलों नें जिन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है वो भारत सरकार की तरफ से बैन किए गए पीपुल्स लिबरेशन आर्मी सहित बाकी प्रतिबंधित संगठनों के सदस्य हैं। गिरफ्तारी के दौरान बड़ी मात्रा में गोला बारूद सहित आटोमेटेड पिस्टल और राइफलें बरामद हुई हैं जिन्हें सुरक्षाबलों ने जब्त कर लिया है। सुरक्षाबलों ने बताया कि आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी। सुरक्षाबलों की कार्रवाई में जिन 6 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है, उनमें 3 उग्रवादी भारत सरकार के प्रतिबंधित संगठन पीपुल्स लिबरेशन आर्मी से हैं जिन्हें काकचिंग जिले के एलांगखांगपोकपी और काकचिंग निंगथौ पारेन इलाके से गिरफ्तार किया गया। बाकी 3 सदस्य जो हिरासत में लिए गए हैं उनमें एक कंगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी (तयबंगनबा) का सक्रिय सदस्य ,केसीपी (अपुनबा) समूह का एक सदस्य और केसीपी-पीएससी (पॉलिटब्यूरो स्टैंडिंग कमेटी) का एक कैडर शामिल है। इन सभी की गिरफ्तारी मणिपुर के अलग-अलग इलाकों से की गई है। पुलिस, सेना और पैरामिलिट्री फोर्सेस संयुक्त रूप से अभियान चलाकर उग्रवादियों को गिरफ्तार कर रही हैं। इसी के चलते कई प्रतिबंधित संगठन सरेंडर कर चुके हैं। सुरक्षाबल की जीरो टॉलरेंस के तहत पीएलए, यूएनएलएफ, केसीपी, पीआरईपीएके और केवाईकेएल के सदस्यों पर लगातार एक्शन हो रहा है। इसमें कई उग्रवादी सरेंडर कर चुके हैं तो कई सुरक्षाबलों की कार्रवाई में ढेर हो चुके हैं। सुरक्षा बलों ने बड़े पैमाने पर हथियारों और गोला-बारूद की बरामदगी की है। तलाशी अभियानों के दौरान भारी मात्रा में पिस्तौल, राइफल, बम, ग्रेनेड, आईईडी, एके-47 राइफल, आरपीजी लॉन्चर और अन्य युद्ध सामग्री जब्त की गई है। कई बंकरों को भी ध्वस्त किया गया है। मणिपुर में असम राइफल्स और सेना पर हमला करने वाली पीपुल्स लिबरेशन आर्मी , चीन की सेना पीएलए की नजदीकियां किसी से छिपी नहीं है। चीनी सेना लगातार मणिपुर और पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों में हिंसा फैलाने के लिए पीएलए को ट्रेनिंग और हथियार प्रोवाइड करती है। भारत सरकार ने पीएलए को बैन कर रखा है और इसके खिलाफ लगातार जीरो टालरेंस की पॉलिसी अपना रही है।

'5 घंटे में पोस्ट हटाएं': महिलाओं के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा के लिए अभिजीत अय्यर मित्रा को हाईकोर्ट ने लगाई फटकार

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को टिप्पणीकार अभिजीत अय्यर मित्रा को मीडिया हाउस न्यूजलॉन्ड्री की नौ महिला पत्रकारों के खिलाफ कथित रूप से अपमानजनक सोशल मीडिया पोस्ट के लिए फटकार लगाई। अदालत ने उन्हें पांच घंटे के भीतर पोस्ट हटाने का निर्देश दिया है।

अदालत ने न्यूजलॉन्ड्री के साथ काम करने वाली नौ महिला पत्रकारों की याचिका पर सुनवाई की। न्यायमूर्ति पुरुषेंद्र कुमार कौरव ने मित्रा के वकील से कहा, सभ्य समाज में ऐसी भाषा और शब्दों की अनुमति नहीं है। पहले आप पोस्ट हटाइए, फिर हम आपकी बात सुनेंगे। बता दें कि अभिजीत अय्यर मित्रा के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में मानहानि का मुकदमा दायर किया गया था।

विजिलेंस, सीबीआई के बाद पूर्व डीएफओ किशनचंद पर ईडी का शिकंजा, दाखिल की गई चार्जशीट

देहरादून, 21 मई (एजेंसियां)। विजिलेंस और सीबीआई के बाद अब पाखरो रेंज से जुड़े पूर्व डीएफओ किशनचंद व उनके करीबियों ने ईडी ने भी शिकंजा कसा है। धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) के आरोप में ईडी ने किशनचंद, उनकी पत्नी, स्टोन क्रशन और चंद के एक फाउंडेशन के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। विशेष धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए एक्ट) कोर्ट में इस मामले में अगली सुनवाई 23 मई को होगी। बता दें कि पाखरो रेंज में अवैध पेड़ कटान और अनियमितताओं के मामले में वर्ष 2022 में विजिलेंस ने पूर्व डीएफओ किशन चंद समेत कई आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। विजिलेंस ने किशनचंद को गिरफ्तार भी किया था। इसके बाद चार्जशीट भी कोर्ट में दाखिल की जा चुकी थी। इसी बीच सितंबर 2023 में हाईकोर्ट में इस मामले को उठाया गया। हाईकोर्ट ने प्रकरण की जांच सीबीआई को सौंपने के निर्देश सरकार को दिए थे। विजिलेंस ने जांच से संबंधित सभी दस्तावेज सीबीआई को सौंप दिए। इसके आधार पर सीबीआई ने जांच की और किशनचंद समेत पांच पूर्व व वर्तमान अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति शासन से मांगी थी। इसी बीच मामले में ईडी भी धन शोधन की जांच कर रही थी। इसे लेकर ईडी की देहरादून शाखा में एक मुकदमा दर्ज किया गया। करीब दो साल की जांच के बाद ईडी की ओर से किशनचंद, उनकी पत्नी बृज रानी उर्फ बृज रानी सिंह उर्फ राज रानी, युगेंद्र कुमार सिंह, अभिषेक सिंह, कमलेंद्र सिंह, मैसर्स कुमार स्टोन क्रशर और बृज फाउंडेशन के खिलाफ विशेष पीएमएलए कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। बृज फाउंडेशन किशनचंद दंपती का ही बताया जा रहा है। इस मामले में बड़े पैमाने पर धन शोधन की पुष्टि हुई है। मामले में अगली सुनवाई के लिए 23 मई की तिथि नियत की गई है।

फतेहाबाद लघु सचिवालय में फैली बम की अफवाह, हिसार से पहुंची बम स्क्वायड टीम

फतेहाबाद, 21 मई (एजेंसियां)। फतेहाबाद के लघु सचिवालय में बम की अफवाह सामने आई। जिसके बाद पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद हो गया। पुलिस की ओर से लघु सचिवालय में आने जाने वाले लोगों पर रोक लगा दी गई और लघु सचिवालय के गेट पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। इस दौरान जिला पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन भी पहुंचे। वहीं, शहर थाना प्रभारी ओमप्रकाश भी लघु सचिवालय में मौजूद रहे। करीब 1 घंटे तक यह एक्सरसाइज चलती रही। उसके बाद हिसार से बम स्क्वायड सीआईडी हरियाणा की टीम फतेहाबाद के लघु सचिवालय पहुंची। इस टीम में करीब आधा दर्जन लोग मौजूद थे। बम ढूंढने वाले यंत्र और खोजी कुत्तों की मदद से फिर लघु सच्ची वाले की पिछली दिशा में ऑपरेशन शुरू किया गया। इस दौरान पुलिस की टीम भी साथ मौजूद रही। एतिहात के तौर पर लघु सचिवालय की दूसरी बिल्डिंग जहां पर की ई-दिशा केंद्र है। वहां पर भी स्तर्कता बरती जा रही है। हालांकि प्रशासन की ओर से फिलहाल मीडिया को आधिकारिक तौर पर कोई भी जानकारी नहीं दी गई है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सुविचार

किसी से माफ़ी माँगने से ना घबराये वो आपकी कमजोरी नहीं है बल्कि आपका अच्छा स्वभाव है।

तेलंगाना में बारिश, सीएम रेवंत ने अधिकारियों को दिया हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विभिन्न जिलों और हैदराबाद में भारी बारिश के बाद, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने संबंधित अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने और आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार आवश्यक सावधानी बरतने का निर्देश दिया कि तेलंगाना राज्य में अगले तीन दिनों तक बारिश होगी।

मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्टरों से कहा कि वे खरीद केंद्रों और मंडियों में रखे धान को बारिश के दौरान भीगने से बचाने के लिए उचित सुरक्षा उपाय करें। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे बिना किसी देरी के धान को तौलने के तुरंत बाद चावल मिलों में स्थानांतरित करें और निवासियों को असुविधा पहुँचाए बिना निचले इलाकों में सुरक्षा उपाय करें। हैदराबाद शहर में बारिश को देखते हुए, रेवंत रेड्डी ने नागरिक अधिकारियों को बारिश प्रभावित क्षेत्रों में सड़कों पर जलभराव को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाने और यातायात की भीड़ और बिजली कटौती को सुनिश्चित करने का आदेश दिया। जीएचएमसी, पुलिस, हाइड्रा, यातायात पुलिस और बिजली विभागों को समन्वय में काम करने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव के रामकृष्ण राव को समय-समय पर स्थिति की समीक्षा करने का भी निर्देश दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने पलामुरु-रंगारेड्डी परियोजना पर नागम की याचिका खारिज की

नई दिल्ली, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पूर्व मंत्री नागम जनार्दन रेड्डी द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) को खारिज कर दिया, जिसमें पलामुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना (पीआरएलआईएस) में वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया गया था। न्यायमूर्ति बी.वी. नागरत्ना की अध्यक्षता वाली और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने बुधवार को विस्तृत सुनवाई के बाद एसएलपी को खारिज कर दिया और कहा कि इस मामले में तेलंगाना उच्च न्यायालय के आदेश में हस्तक्षेप करने का कोई आधार नहीं है, जिसने पहले डॉ. नागम जनार्दन रेड्डी द्वारा 3 दिसंबर, 2018 के आदेश के तहत दायर जनहित याचिका को खारिज कर दिया था।

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने पाया कि डॉ. नागम द्वारा उच्च न्यायालय के समक्ष इसी परियोजना से संबंधित चार अन्य मामले या तो खारिज कर दिए गए हैं या उनका निपटारा कर दिया गया है और वे अंतिम हो गए हैं क्योंकि कोई अपील लंबित नहीं है। इसने यह भी दर्ज किया कि केंद्रीय सतर्कता आयुक्त (सीवीसी) ने इस मुद्दे पर उसी नागम द्वारा दायर शिकायत से निपटते हुए स्पष्ट निष्कर्ष दिया था कि आरोप निराधार हैं। पीठ ने याचिकाकर्ता डॉ. नागम की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील प्रशांत भूषण से सवाल किया कि दरों में संशोधन को धोखाधड़ी घोषित करने के लिए रिट याचिका में उच्च न्यायालय के समक्ष प्रार्थना कैसे की जा सकती है। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए, भूषण ने पीठ से प्रार्थना के उस हिस्से को अनदेखा करने और दूसरे हिस्से पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया, जिसमें कथित धोखाधड़ी की जांच के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो को निर्देश देने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि दरों या अनुपातों में कोई भी संशोधन राज्य द्वारा वाणिज्यिक ज्ञान का प्रयोग हो सकता है और आश्चर्य व्यक्त किया कि अदालतें सीबीआई को जांच करने का निर्देश कैसे दे सकती हैं। उन्होंने कहा कि अदालतें राज्य की हर कार्रवाई की निगरानी नहीं कर सकतीं। मेघा इंजीनियरिंग एंड इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (एमईआईएल) की ओर से पेश वरिष्ठ वकील और पूर्व अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी ने अपने सबमिशन में एसएलपी की स्थिरता के बारे में ही आपत्ति जताई। उन्होंने अदालत को बताया कि यही याचिकाकर्ता डॉ. नागम पिछले 10 वर्षों से उच्च न्यायालय, सीवीसी और उनके खिलाफ उत्पीड़न के रूप में एक के बाद एक मामले दायर कर रहे हैं। उन्होंने अदालत का ध्यान डॉ. नागम द्वारा की गई शिकायत पर सीवीसी द्वारा दिए गए निष्कर्ष की ओर आकर्षित किया। दोनों पक्षों की दलीलों को विस्तार से सुनने के बाद, सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने एसएलपी को खारिज करते हुए अपना आदेश सुनाया। इसने नोट किया कि याचिकाकर्ताओं की प्रार्थनाओं को स्वीकार करना उच्च न्यायालय का विवेक है, और उच्च न्यायालय ने इस मामले की जांच के लिए सीबीआई को निर्देश देने के लिए अपने विवेक का प्रयोग न करने के कारणों को दर्ज किया है। हम पाते हैं कि उच्च न्यायालय द्वारा मामले को सीबीआई को संदर्भित करने से इनकार करना उचित था, सर्वोच्च न्यायालय ने जोर दिया और एसएलपी को योग्यता से रहित बताते हुए खारिज कर दिया।

सीपी सीवी आनंद ने टोलीचौकी पुलिस स्टेशन का दौरा किया

पहली एफआईआर याचिकाकर्ता को सौंपी गई

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। डीजी और पुलिस आयुक्त, हैदराबाद सिटी सी.वी. आनंद ने पुलिस स्टेशन टोलीचौकी का दौरा किया और प्रबंधन कार्य प्रक्रिया की निगरानी की। आज याचिकाकर्ता से एक शिकायत प्राप्त हुई, जिसमें पहली एफआईआर जारी की गई थी और एफआईआर याचिकाकर्ता को सौंप दी गई। दौरा कार्यक्रम की देखरेख चंद्र मोहन, पुलिस उपायुक्त, दक्षिण पश्चिम क्षेत्र और सभी जोनल एसीपी और इंस्पेक्टरों के नेतृत्व में की गई। गृह (कानूनी) विभाग द्वारा गोलकुंडा, मेहदीपट्टनम और फिल्मनगर के मौजूदा पुलिस स्टेशनों को विभाजित करके नया पुलिस स्टेशन स्थापित किया गया था। कुछ विशिष्ट क्षेत्रों को मौजूदा पुलिस स्टेशन से विभाजित किया गया है और टोलीचौकी पी.एस. (एल एंड ओ) का गठन किया गया है। वर्तमान में आवंटित कर्मचारी क्षेत्र में गश्त कर रहे हैं और पुलिस स्टेशन को चार सेक्टरों में विभाजित किया गया है, जहाँ ब्लू कोल्ट्स और पेट्रोलिंग कारें पुलिस स्टेशन टोलीचौकी को आवंटित कर्मचारियों द्वारा क्षेत्र में गश्त कर रही हैं। टोलीचौकी पुलिस स्टेशन की सीमा के अंतर्गत आते हैं जो पहले इलाके आते हैं।फिल्म नगर पी.एस समता कॉलोनी, एसए कॉलोनी, गोल्डन सैंड कॉलोनी, विराट नगर, सूर्य नगर कॉलोनी, आदित्य नगर कॉलोनी, एडम्स कॉलोनी, राहुल कॉलोनी, जानकी नगर कॉलोनी, खाजा गुलशन कॉलोनी, मिनी जानकी, डीलक्स कॉलोनी, वृंदावन कॉलोनी, सब्ज़ा कॉलोनी, विराट नगर, हकीमशा कॉलोनी, हकीमपेट कुंटा, रोड नंबर: 86 इलेक्ट्रिकल सब स्टेशन से हकीमपेट कुंटा की ओर जाती है। इसी तरह मेहदीपट्टनम पी.एस पैरामाउंट कॉलोनी गेट नं. 1,2,3,4, आईएएस कॉलोनी, एनएसएफ कॉलोनी, हकीमपेट, न्यू हकीमपेट, हकीमपेट नाला के पास लिमरा एक्स रोड, मेराज कॉलोनी, निजाम कॉलोनी, मेहदीपट्टनम की ओर जाने वाले टोलिचवोकी फ्लाईओवर के अंत से पहले बायां हिस्सा आता है। गोलकोंडा पी.एस एमडी. लाइन्स, अकबरपुरा, मिर्जा कॉलोनी, नदीम कॉलोनी, कुली कुतुब शाह नगर, जमाली कुंटा, अरुणा कॉलोनी, बालरेड्डी नगर, शतम नगर, दुर्गा नगर, वाल्मीकि नगर, तीन दरगाह, जीशान कैफे 7 टॉम्ब्स से टोलीचौकी एक्स रोड तक जाने वाली सड़क, तीन दरगाह से टोलीचौकी एक्स रोड तक जाने वाली सड़क आती है। पीएस टोलीचौकी के सेक्टर का विवरण इस प्रकार है।सेक्टर-1में समता कॉलोनी, एसए कॉलोनी, गोल्डन सैंड कॉलोनी, विराट नगर, सूर्य नगर कॉलोनी, आदित्य एक्सप्रेस टावर्स एडम्स कॉलोनी राहुल कॉलोनी, अजीज बाग कॉलोनी, सीतारामनजनेया मंदिर, पासपोर्ट ऑफिस, आदित्य एम्प्रेस टावर्स 7 टॉम्ब की ओर इलाका आता है। सेक्टर-2 में जानकी नगर कॉलोनी, खाजा गुलशन कॉलोनी, मिनी जानकी,) डीलक्स कॉलोनी, वृंदावन कॉलोनी, सब्ज़ा कॉलोनी, विराट नगर, हकीमशा कॉलोनी, हकीमपेट कुंटा, रोड नंबर: 86 इलेक्ट्रिकल सब स्टेशन से हकीमपेट कुंटा की ओर जाती है। फातिमा नगर कॉलोनी, कोहेसर कॉलोनी, मिनी वृंदावन कॉलोनी है।सेक्टर-3 में पैरामाउंट कॉलोनी गेट नं: 1,2,3,4, आईएएस कॉलोनी, हकीमपेट, न्यू हकीमपेट, हकीमपेट नाला के पास लिमरा एक्स रोड, मेराज कॉलोनी, निजाम कॉलोनी, मेहदीपट्टनम की ओर जाने वाले टोलीचौकी फ्लाईओवर के खत्म होने से पहले का बायां हिस्सा, एनएसएफ कॉलोनी है। इसी क्रम में सेक्टर-4 में एमडी लाइन्स, अकबरपुरा, मिर्जा कॉलोनी, नदीम कॉलोनी, कुली कुतुब शाह नगर, जमाली कुंटा, अरुणा कॉलोनी, बालरेड्डी नगर, शतम नगर, दुर्गा नगर, वाल्मीकि नगर, तीन दरगाह, टोलीचौकी एक्स रोड से जीशान कैफे की ओर जाने वाली सड़क, तीन दरगाह से टोलीचौकी एक्स रोड की ओर जाने वाली सड़क, अज़ान इंटरनेशनल स्कूल, गोल्डन फंक्शन हॉल आता है।

कांग्रेस ने बीआरएस और भाजपा की आलोचना की

मामला गुलजार हौज अग्निकांड पर राजनीति करने का

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कांग्रेस ने गुलजार हौज अग्निकांड को लेकर बीआरएस और भाजपा की असंवेदनशील और अवसरवादी राजनीति के खिलाफ जोरदार तरीके से आवाज उठाई है। टीपीसीसी के आधिकारिक प्रवक्ता सैयद निजामुद्दीन ने विपक्षी दलों पर शोक संतप्त परिवारों के साथ खड़े होने के बजाय लाशों पर राजनीति करने का आरोप लगाया है। बुधवार को गांधी भवन में मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए निजामुद्दीन ने कहा कि अब समय आ गया है कि आरोप-प्रत्यारोप बंद करके तेलंगाना में लोगों को ध्यान में रखकर अग्नि सुरक्षा आंदोलन शुरू किया जाए। गुलजार हौज में एक व्यावसायिक परिसर में 19 मई को लगी भीषण आग में बच्चों समेत 17 लोगों की जान चली गई थी।

निजामुद्दीन ने कहा, यह सिर्फ एक त्रासदी नहीं है, बल्कि यह एक चेतावनी भी है। उन्होंने विपक्षी नेताओं द्वारा राजनीतिक कीचड़ उछालकर लोगों की सुरक्षा के मुख्य मुद्दे से ध्यान हटाने के बेशर्म प्रयासों की निंदा की। निजामुद्दीन ने घरों, स्कूलों, अपार्टमेंट और व्यावसायिक स्थानों में तत्काल राज्यव्यापी अग्नि सुरक्षा जागरूकता अभियान चलाने का आह्वान किया। उन्होंने नियमित विद्युत ऑडिट, पीक आवर्स के दौरान उच्च-शक्ति वाले उपकरणों के नियंत्रित उपयोग, अलार्म लगाने और उचित वेंटिलेशन सिस्टम की सिफारिश की। उन्होंने विशेष रूप से हैदराबाद के पुराने शहर की ओर इशारा किया, जहाँ संकरी गलियाँ अग्निशमन कार्यों में बाधा डालती हैं। पिछले कुछ दिनों में मीडिया द्वारा प्रकाशित परेशान करने वाले डेटा को प्रस्तुत करते हुए, निजामुद्दीन ने कहा कि तेलंगाना में 2025 के पहले पाँच महीनों में 5,407 आग लगने की घटनाएँ हुईं। अकेले हैदराबाद में पिछले साल 2,500 से अधिक और इस साल 450 से अधिक आग लगने की घटनाएँ हुईं।

कार के ट्रक से टकराने से 3 लोगों की मौत, एक घायल

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार सुबह शहर के बाहरी इलाके हयातनगर के कुंतलूर गांव में एक कार और ट्रक के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में तीन युवकों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पीड़ितों की पहचान पी चंद्रसेन रेड्डी (24), चुंचू त्रिनाथ रेड्डी (24) और चुंचू वर्षीथ रेड्डी (23) के रूप में हुई है, जो सभी एक निजी कॉलेज के छात्र हैं। घायल व्यक्ति का नाम ए पवन कल्याण रेड्डी (24) है। सभी कुंतलूर के निवासी हैं।

जानकारी के अनुसार, यह घटना सुबह 6 बजे हुई, जब युवक कार में सवार होकर पसुममुला गांव से कुंतलूर की ओर जा रहे थे और ट्रक पसुममुला से पसुममुला की ओर जा रहा था। कुंतलूर में नारायण कॉलेज (बसारा परिसर) के पास पहुंचने पर कार चालक एक मोड़ को नहीं देख सका और विपरीत दिशा से आ रहे ट्रक से उसकी सीधी टक्कर हो गई। तीन युवकों को गंभीर चोटें आईं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य को इलाज के लिए हयातनगर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

अन्य वाहन चालकों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार से शवों को बाहर निकाला। कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई थी। शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया गया। हयातनगर पुलिस ने बताया कि इस संबंध में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। कुंतलूर गांव में शोक की लहर है क्योंकि इस दुर्घटना में गांव के सभी चार लोगों की मौत हो गई तथा वे घायल हो गए।

श्रमिकों के शवों को निकालने में विफल रही सरकार : केटीआर

कांग्रेस सरकार की विफलता को लेकर मुख्यमंत्री पर साधा निशाना

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामा राव ने 22 फरवरी को एसएलबीसी सुरंग के ढह जाने के बाद से उसमें फंसे श्रमिकों के शवों को निकालने में कांग्रेस सरकार की विफलता को लेकर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर निशाना साधा। इसे कांग्रेस की अक्षमता की दुखद याद दिलाते हुए उन्होंने सरकार पर बड़े-बड़े बयानों और संदिग्ध समय-सीमाओं के बावजूद 'कुछ भी नहीं करने' का आरोप लगाया।

उन्होंने एक्स पर लिखा, 'एक सक्षम नेता के नेतृत्व में पूरी तरह से काम करने वाली सरकार में, आप तीन महीने में मंगल ग्रह से मनुष्यों को वापस ला सकते थे।

लेकिन चूंकि यह कांग्रेस है, इसलिए वे सुरंग से शवों को बाहर निकालने में भी विफल रहे।' रामा राव ने मुख्यमंत्री की निंदा की कि उन्होंने शोक संदेश तक जारी नहीं किया और न ही शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने कहा, 'रेवंत रेड्डी, क्या तुम्हें शर्म नहीं आती? कोई भी सभ्य इंसान अब तक ऐसा कर चुका होता।' उन्होंने मांग की कि रेवंत रेड्डी पीड़ितों के परिवारों से माफ़ी मांगें और उन्हें तत्काल सरकारी सहायता प्रदान करें।

ज्वार के अवैध परिवहन के लिए एक व्यक्ति पर केस

आदिलाबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को थलामाडु मंडल के लक्ष्मीपुर गांव में एक अंतरराज्यीय चेकपोस्ट पर महाराष्ट्र से तेलंगाना तक ज्वार के अवैध परिवहन के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने उसके पास से 30 क्विंटल अनाज और एक ट्रक जब्त किया। पुलिस ने बताया कि पुलिस और कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रूप से चेक पोस्ट पर की गई वाहन जांच के दौरान महाराष्ट्र के धुले जिले के बोया राजेश पिम्पुल के खिलाफ पड़ोसी राज्य से बिना अनुमति लिए अनाज को आदिलाबाद शहर भेजने का मामला दर्ज किया गया है। अनाज और ट्रक को आगे की कार्रवाई के लिए कृषि विभाग को सौंप दिया गया।

तेलंगाना में प्री-मानसून बारिश ने बरपाया कहर

24 घंटों में कई जिलों में भारी नुकसान

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में पिछले सप्ताह आंधी-तूफान और मानसून-पूर्व वर्षा हुई है, तथा पिछले 24 घंटों में कई जिलों में भारी नुकसान हुआ है। किसानों पर इसका बहुत बुरा असर पड़ा है क्योंकि बारिश का पानी फसल कटाई और खरीद केंद्रों में भर गया है, जिससे नई कटी फसलें डूब गई हैं। दक्षिण-पश्चिम मानसून ने मौसम के मिजाज को प्रभावित करना शुरू कर दिया है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में मध्यम से भारी बारिश हो रही है।

नारायणपेट और जोगुलम्बा गडवाल जिलों में भारी बारिश हुई। बेमौसम बारिश ने कई जिलों में व्यवधान पैदा कर दिया है। महबूबनगर में लगातार बारिश के साथ गरज और बिजली चमकने से कटाई केंद्रों और खरीद केंद्रों में धान की फसल में भारी जलभराव हो गया है। कई जगहों पर सड़कें भी जलमग्न हो गईं और निचले इलाकों में बाढ़ आ गई। कुछ कॉलोनियों में घरों में पानी घुस गया है।

मंगलवार को महबूबनगर में जलभराव से सड़कें और सरकारी अस्पताल प्रभावित हुए, जिसके कारण जिला राजस्व अधिकारियों को एहतियाती कदम उठाने पड़े।

बुधवार को भी क्लॉक टॉवर जंक्शन पर मूसलाधार बारिश जारी रही, जिससे निचले इलाकों में पानी जमा हो गया। दिव्यांगों के लिए 523 सर्वे नंबर कॉलोनी के निवासियों को बारिश के कारण भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिले में कांग्रेस सरकार द्वारा पिछले दिनों की गई तोड़फोड़ की कार्रवाई के बाद वे आंशिक रूप से बेघर हो गए थे।

जोगुलम्बा गडवाल जिले में रात भर बारिश हुई जिससे किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ा। नारायणपेट जिले में भी एक घटना की सूचना मिली है, जिसमें मुदुमल लिफ्ट सिंचाई योजना के पास ट्रांसफार्मर के चारों ओर अपर्याप्त बाड़ लगाने के कारण तीन मवेशियों की बिजली गिरने से मौत हो गई। तत्कालीन निजामाबाद में, लिंगमपेट, बांसवाड़ा, इब्राहिमपेट और तिरुमालापुर सहित कई गांवों में तेज हवाएं और भारी बारिश हुई। बांसवाड़ा शहर में, पानी की चादर में डूबी सड़कें बहती धाराओं की तरह लग रही थीं, जबकि कई इलाकों में पेड़ गिरने की वजह से बिजली गुल होने की खबर है।

खम्मम जिला भी अचानक हुई बारिश से प्रभावित हुआ, जिसके कारण बिजली गिरने से 22 मवेशी मारे गए। येलंदु में एक व्यक्ति की मौत दर्ज की गई, जहां खेत में काम कर रहे एक किसान की बिजली गिरने से मौत हो गई। चंचुपल्ली और मुल्कलापल्ली के राजस्व मंडलों ने बाढ़ के कारण धान के स्टॉक को नुकसान पहुंचने की सूचना दी है। अधिकारियों ने निवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी है क्योंकि आगे भी बारिश की आशंका है।

आदिलाबाद, निर्मल और आसिफाबाद जैसे उत्तरी जिलों में तीव्र तूफान आया, जबकि सिद्दीपेट, मेडचल, करीमनगर, सिरसिल्ला, जगतियाल, मेदक, कामारेड्डी, निज़ामाबाद और संगारेड्डी सहित मध्य और पूर्वी जिलों में पहले छिटपुट बारिश के बाद मंगलवार को भारी बारिश हुई। नलगोंडा, सूर्यापेट, खम्मम, वानापर्थी और नागरकुर्नूल जैसे दक्षिणी जिलों में, विशेष रूप से आंध्र प्रदेश सीमा के पास, तीव्र बारिश देखी गई। महबुबाबाद, मुलुगु, वारंगल, हनमकोंडा और जनगांव सहित अन्य जिलों को तूफान का सामना करना पड़ा। मंचेरियल, महबूबनगर, विकाराबाद और भद्राद्री कोत्तागुडेम जिलों में भी छिटपुट बारिश देखी गई।

करीमनगर, पेद्दापल्ली, जयशंकर भूपालपल्ली, मुलुगु, विकाराबाद, संगारेड्डी, महबूबनगर, नगरकुर्नूल, वानापर्थी, नारायणपेट और जोगुलम्बा गडवाल सहित विभिन्न जिलों में अगले 4 दिनों के दौरान भारी बारिश की उम्मीद है।

प्रति व्यक्ति जीएसवीए में तेलंगाना भारत का शीर्ष राज्य बनकर उभरा

आईसीआरए रिपोर्ट में खुलासा

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए प्रति व्यक्ति सकल राज्य मूल्य वर्धन (जीएसवीए) (वर्तमान मूल्यों पर) के मामले में तेलंगाना देश में शीर्ष राज्य के रूप में उभरा है, जो 2014-15 में नौवें स्थान से काफी ऊपर है। राज्य का प्रति व्यक्ति जीएसवीए नौ वर्षों में दोगुना से अधिक हो गया है, जो 2014-15 में लगभग 1.25 लाख रुपये से बढ़कर 2023-24 में लगभग 3.5 लाख रुपये हो गया है।

यह उछाल सभी राज्यों में प्रति व्यक्ति जीएसवीए वृद्धि में सबसे तेज़ है, जिसमें तेलंगाना ने 6.8 प्रतिशत की सीएजीआर दर्ज की है, जो राष्ट्रीय औसत 5.8 प्रतिशत से काफी अधिक है। 2023-24 के लिए शीर्ष तीन रैंकिंग में तेलंगाना के बाद कर्नाटक और तमिलनाडु ने स्थान प्राप्त किया है, जिन्होंने 2014-15 से हरियाणा, उत्तराखंड और केरल को पीछे छोड़ दिया है। आईसीआरए (पूर्व में निवेश सूचना और क्रेडिट रेटिंग एजेंसी) द्वारा जारी नवीनतम अध्ययन में, तेलंगाना के प्रभावशाली प्रदर्शन का श्रेय सिंचाई में सतत निवेश, मजबूत कृषि उत्पादन, विशेष रूप से फसल उत्पादन, तथा औद्योगिक और सेवा क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि को दिया गया। रिपोर्ट साझा करते हुए पूर्व वित्त मंत्री और बीआरएस विधायक टी हरीश राव ने इस उल्लेखनीय वृद्धि का श्रेय पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली पिछली बीआरएस सरकार की दूरदर्शिता और शासन को दिया।

उन्होंने कहा कि यह संयोग से नहीं हुआ। यह चंद्रशेखर राव की स्पष्ट दृष्टि, नेतृत्व, सिंचाई परियोजनाओं, सक्रिय कृषि नीतियों और मजबूत औद्योगिक सुधारों का परिणाम है। उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के उस दावे पर कटाक्ष किया जिसमें उन्होंने तेलंगाना को वित्तीय रूप से दिवालिया बताया है।

प्रो. नागराजू गुंडेमेडा "स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता" पर कार्य समूह के सदस्य नियुक्त

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय के समाजशास्त्र विभाग के प्रमुख प्रो. नागराजू गुंडेमेडा को तेलंगाना शिक्षा आयोग (टीईसी) के "स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता" पर कार्य समूह का सदस्य नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति शिक्षा के क्षेत्र में प्रो. गुंडेमेडा की विशेषज्ञता और योगदान को मान्यता देती है।

टीईसी को तेलंगाना राज्य के लिए व्यापक शैक्षिक नीतियां बनाने का काम सौंपा गया है। अपनी पहल के हिस्से के रूप में, आयोग ने आवश्यक सुधारों का अध्ययन करने और सिफारिश करने के लिए शिक्षा के विभिन्न उप-क्षेत्रों पर कार्य समूहों का गठन किया है। प्रो. गुंडेमेडा को "स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता" पर कार्य समूह में नियुक्त किया गया है, जिसका उद्देश्य 45 दिनों के भीतर तेलंगाना में स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के लिए मुद्दों की पहचान करना और सुधारों का सुझाव देना है। शिक्षा के समाजशास्त्र, युवा अध्ययन और स्कूली शिक्षा के तुलनात्मक समाजशास्त्र में प्रो. गुंडेमेडा के व्यापक शोध अनुभव ने उन्हें इस पद के लिए योग्य बनाया है। इस भूमिका के लिए एक आदर्श उम्मीदवार। उनकी शोध रुचियों में शिक्षक एजेंसी, लड़कियों के लिए स्कूली शिक्षा, स्कूलों में भेदभावपूर्ण व्यवहार और प्रारंभिक शिक्षा में

सीखने और उपलब्धि का सामाजिक संदर्भ शामिल हैं। प्रो. गुंडेमेडा के प्रकाशन शिक्षा और युवा अध्ययन के समाजशास्त्र में कई विषयों को कवर करते हैं। वे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं में भी लगे हुए हैं, जिससे इस क्षेत्र में उनकी विशेषज्ञता और मजबूत हुई है। यह नियुक्ति प्रो. नागराजू गुंडेमेडा की अकादमिक उत्कृष्टता और शिक्षा में नीति-निर्माण में योगदान देने की उनकी क्षमता का प्रमाण है। हम उन्हें इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई देते हैं और तेलंगाना शिक्षा आयोग में उनके बहुमूल्य योगदान की प्रतीक्षा करते हैं। समूह के अन्य सदस्य अर्थात् प्रो. शांता सिन्हा (सेवानिवृत्त प्रो. राजनीति विज्ञान विभाग, यूओएच), प्रो. रेखा पप्पू (टीआईएसएस-हैदराबाद) और सुश्री बी. शेषु कुमारी (पूर्व निदेशक-एससीईआरटी-हैदराबाद) पहले भी हैदराबाद विश्वविद्यालय से जुड़े थे।

मौसम खुशनुमा, दिन में बारिश और आंधी आने की संभावना

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद और जिलों में गुरुवार को बादल छाए रहेंगे तथा छिटपुट गरज के साथ छींटे पड़ेंगे और तेज हवाएं चलेंगी। हालांकि शाम तक कुछ स्थानों पर भारी बारिश और आंधी की संभावना है, लेकिन कुल मिलाकर मौसम बादल छाए रहेंगे और अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस और 34 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहेगा। हैदराबाद मौसम विभाग के पूर्वानुमान के आधार पर, हैदराबाद, मेडचल-मलकाजगिरी और रंगारेड्डी जिले में कुछ स्थानों पर भारी तूफान के साथ 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है।

पूर्व तट रेलवे

(1) सूचना सं. eT-North-WAT-14-2025
दिनांक : 13.05.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के कोरापुट-रायगड़ा लाइन में सहायक मण्डल अभियन्ता/ लक्ष्मीपुर रोड के अधिकार क्षेत्र के अधीन कोरापुट (EX) से सिंगापुर रोड (EX) स्टेशन के बीच सेक्शन में 30.06.2026 को समाप्त होने वाली अवधि के लिए सिविल कार्यों हेतु जानल ठेका।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,61,58,499.74, EMD : ₹ 2,30,800/-

(2) सूचना सं. eT-North-WAT-15-2025
दिनांक : 13.05.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के रायपुर-विजयनगरम लाइन में सहायक मण्डल अभियन्ता/ रायगड़ा के अधिकार क्षेत्र के अधीन थेरूबाली (EX) से कुनेरु (EX) स्टेशन के बीच सेक्शन में 30.06.2026 तक की अवधि के लिए सिविल कार्यों हेतु जानल ठेका।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 1,33,17,763.78, EMD : ₹ 2,16,600/-

(3) सूचना सं. eT-North-WAT-16-2025
दिनांक : 13.05.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल के रायपुर-विजयनगरम लाइन में सहायक मण्डल अभियन्ता/ रायगड़ा के अधिकार क्षेत्र के अधीन बोब्बिलि-सालुरु सेक्शन के साथ एवं कुनेरु (IN) से डोंकिनवलसा (IN) स्टेशन के बीच सेक्शन में 30.06.2026 तक की अवधि के लिए सिविल कार्यों हेतु जानल ठेका।

कार्य की अनुमानित लागत : ₹ 89,13,505.78, EMD : ₹ 1,78,300/-

कार्य पूरा होने की अवधि: 30.06.2026 तक की अवधि के लिए (सभी क्रम सं. के लिए)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 05.06.2025 को 1500 बजे (सभी निविदाओं के लिए)।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा। उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन / शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने की कम से कम 15 (पन्द्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुनःअवलोकन करें।

मण्डल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-148/Q/25-26

बिल्हौर से पानीपत जा रही बस अलीगढ़ में बनी आग का गोला

अलीगढ़, 21 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक चलती बस में आग लग गई। यह घटना रात लगभग 12 बजे दिल्ली-कानपुर हाईवे पर हुई। बस बिल्हौर से पानीपत जा रही थी। ड्राइवर ने समझदारी दिखाते हुए बस को रोका और सभी 60 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। आग लगने का कारण शॉर्ट-सर्किट बताया जा रहा है। इस घटना के कारण हाईवे पर लंबा जाम लग गया। दमकल की दो गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। बिल्हौर से पानीपत जा रही एक प्राइवेट बस में यह हादसा हुआ। बन्नादेवी फायर सर्विस के ऑफिसर ने बताया कि बस यात्रियों को लेकर अलीगढ़ होते हुए हरियाणा के पानीपत जा रही थी, जब बस अकाराबाद टोल पर पहुंची, तो इंजन में कुछ खराबी आ गई। बस के स्टाफ ने तारों को जोड़कर इंजन को ठीक करने की कोशिश की।

इसके बाद बस फिर से चलने लगी। अलीगढ़-मथुरा हाईवे बाईपास पर पहुंचते ही बस में शॉर्ट-सर्किट हो गया और आग लग गई। ड्राइवर ने तुरंत बस को धीमा किया। आग की लपटें देखकर यात्री और स्टाफ बस से कूदकर भागने लगे। पुलिस और दमकल की गाड़ियां तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। रात करीब एक बजे तक आग पर काबू पा लिया गया।

आग में यात्रियों का काफी सामान जल गया। अच्छी बात यह रही कि इस घटना में किसी को भी चोट नहीं आई है। हालांकि, हादसे के बाद बस का ड्राइवर और क्लीनर मौके से गायब हो गए हैं।

पीरपैंती स्टेशन पर बदल जाएगा सबकुछ

पीएम मोदी बिहार आते ही देंगे गुड न्यूज

पीरपैंती, 21 मई (एजेंसियां)। (भागलपुर)। पीरपैंती रेलवे स्टेशन का अमृत भारत योजना के तहत भव्य कायाकल्प किया गया हैं। पीरपैंती रेलवे स्टेशन में किए गए महत्वपूर्ण बदलावों का 22 मई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा वर्चुअल उद्घाटन किया जाएगा। इसको लेकर रेलवे पूरी तैयारी में जुट गया है। स्टेशन पर भगवा रंग के पंडाल का निर्माण किया गया है, जिससे अतिथि पीएम का संवाद सुनेंगे। स्टेशन को एनएसजी-5 श्रेणी में वर्गीकृत स्टेशन बनाया गया है, जो पूर्व रेलवे क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण केंद्र है। स्टेशन में यात्रियों की बढ़ती मांगों को पूरा करने के लिए आधुनिक बुनियादी ढांचे को अपग्रेड किया गया है।

18.93 करोड़ रुपये की लागत से हुए पुनर्विकास कार्य

पहले चरण के अंतर्गत, पीरपैंती स्टेशन के लिए 18.93 करोड़ रुपये की लागत से पुनर्विकास कार्यों से स्वरूप बदलाव किया गया है। सिविल, इलेक्ट्रिकल, सिग्नलिंग और दूरसंचार (एस एंड टी), साइनेज, लिफ्टों की स्थापना और रूफ प्लाजा के साथ 12 मीटर चौड़े फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) कार्य भी निर्माणाधीन है।

स्टेशन में किए गए ये विकास कार्य

इसके अतिरिक्त, स्टेशन की कार्यक्षमता और दृश्य सौंदर्य को बढ़ाने के लिए अलग-अलग आगमन और प्रस्थान ब्लॉक, पैदल यात्री मार्ग, आकर्षक मूर्तियां, मानक आंतरिक सज्जा और सौंदर्यपूर्ण प्रकाश व्यवस्था के साथ एक आधुनिक अग्रभाग निर्माण किया गया है। सौंदर्यपूर्ण प्रकाश व्यवस्था के साथ एक आधुनिक अग्रभाग का निर्माण। प्रथम श्रेणी और द्वितीय श्रेणी के प्रतीक्षालय, एक आरक्षित लाउंज, एक कार्यकारी लाउंज और एक महिला प्रतीक्षालय का विकास। साथ ही यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए परिसंचारी क्षेत्र का विकास भी किया गया है। स्टेशन का डिजाइन और इंटीरियर स्थानीय कला और आस-पास के ऐतिहासिक स्मारकों से प्रेरित है, जो आधुनिक वास्तुकला को क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत के साथ जोड़ता है। यह मिश्रण पीरपैंती स्टेशन को एक अलग पहचान प्रदान करता है। जो बिहार की समृद्ध परंपराओं को दर्शाता है।

कोर्ट में शादी के बाद गांव से निकाला युवक-युवती ने ट्रेन के आगे लगाई छलांग

भदोही, 21 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के भदोही जिले से आत्महत्या का दुखी कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां अदालत में शादी करने के बाद युगल ने मालगाड़ी के आगे कूदकर जान दे दी है। इस घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई है। वहीं, युवती बुरी तरह से घायल हो गई है। जानकारी के मुताबिक, युवक-युवती को शादी के गांव से निष्कासित कर दिया गया था। इसी से आहत होकर दोनों ने ये कदम उठाया है। पुलिस ने इस पूरी घटना के बारे में जानकारी दी है। दरअसल, ये पूरी घटना मंगलवार की रात को कंधिया रेलवे क्रासिंग के पास हुई है जहां युवक और युवती वाराणसी से ऊंचाहार जा रही एक मालगाड़ी के सामने कूद गए। मृतक युवक की पहचान 28 साल के रोहित कुमार यादव और घायल युवती की पहचान 24 साल की काजल गौतम के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, रोहित कुमार यादव की शादी निशा देवी से हुई थी। उसके दो बच्चे भी हैं। हालांकि, रोहित बीते एक साल से काजल के साथ संपर्क में था और दोनों शादी करना चाहते थे। दोनों की अलग जाति के थे। बीते शनिवार को दोनों ही घर से निकल गए थे। रोहित की पत्नी निशा ने उसके शादीशुदा होने को लेकर उप जिलाधिकारी को एक शिकायती पत्र दिया था।

राजगीर नौलखा मंदिर में नोटों का बक्शा देख चौंधिया गई पुजारी के बेटे और भतीजे की आंखें

बिहार शरीफ, 21 मई (एजेंसियां)। राजगीर के प्रसिद्ध नौलखा मंदिर में हुई सनसनीखेज लूट की गुत्थी को पुलिस ने महज 24 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। इस वारदात में सबसे ज्यादा चौंकाने वाली बात यह है कि लूटकांड का मास्टरमाइंड कोई बाहरी व्यक्ति नहीं, बल्कि मंदिर के मुख्य पुजारी का बेटा और भतीजा ही निकला। पुलिस ने इस मामले में कुल पांच अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। नालंदा पुलिस अधीक्षक भारत सोनी ने बताया कि यह घटना 19 मई की रात लगभग 2 से 2:30 बजे के बीच श्वेतांबर धर्मशाला परिसर में घटित हुई। अपराधियों ने मंदिर के नाइट गार्ड को चाकू से गंभीर रूप से घायल कर दानपेटी से 8 लाख 5 हजार 90 रुपये लूट लिए। सूचना मिलते ही राजगीर डीएसपी के नेतृत्व में विशेष जांच टीम का गठन किया गया, जिसने त्वरित कार्रवाई करते हुए वारदात को अंजाम देने वालों को दबोच लिया। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों में विनीत कुमार (मुख्य पुजारी का बेटा), परमीत तिवारी (पुजारी का भतीजा), बच्चन कुमार (श्वेतांबर धर्मशाला का सहायक सुपरवाइजर), कन्हैया कुमार और हीरा कुमार शामिल हैं। पुलिस ने इनके पास से लूट की गई पूरी राशि, एक देसी पिस्तौल, 315 बोर के दो जिंदा कारतूस, 7.65 एमएम के 11 जिंदा कारतूस, वारदात में इस्तेमाल की गई टीवीएस मोटरसाइकिल, तीन मोबाइल फोन तथा एक लोहे का चाकू बरामद किया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घायल नाइट गार्ड को तत्काल इलाज के लिए रूबन अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां अब उनकी स्थिति खतरे से बाहर है।

अली खान महमूदाबाद को अंतरिम जमानत पर

अखिलेश यादव बोले- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बिना हर स्वतंत्रता औपचारिक है

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान महमूदाबाद को मिली जमानत के बाद पहली प्रतिक्रिया दी है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर यूपी के पूर्व सीएम ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का जिक्र किया। उन्होंने लिखा- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के बिना हर स्वतंत्रता औपचारिक है। बता दें सुप्रीम कोर्ट ने कथित आपत्तिजनक पोस्ट के सिलसिले में गिरफ्तार अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर महमूदाबाद को अंतरिम जमानत पर रिहा करने का निर्देश दिया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने अशोका यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर अली खान

महमूदाबाद के शब्दों के चयन पर सवाल उठाए; कहा कि इन शब्दों का इस्तेमाल दूसरों को अपमानित करने, असहज करने के लिए किया गया। जमानत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने अली खान महमूदाबाद को भविष्य में इससे संबंधित कोई प्रतिक्रिया के बारे में कोई भी टिप्पणी करने से रोका है। सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने तीन आईपीएस अधिकारियों वाली एक एसआईटी के गठन का आदेश दिया है, जिसमें एक महिला अधिकारी भी शामिल होगी जो राज्य से बाहर की होगी।

क्या है अली खान महमूदाबाद का मामला?

अशोका यूनिवर्सिटी के राजनीति विज्ञान के विभागाध्यक्ष अली खान महमूदाबाद को हरियाणा पुलिस ने खिलाफ दो प्राथमिकियां दर्ज होने के बाद, 18 मई को उन्हें गिरफ्तार किया था। उन पर आरोप है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के बारे में उनके सोशल मीडिया पोस्ट से देश की संप्रभुता और अखंडता को खतरा पैदा हुआ। महमूदाबाद को 18 मई को सोनीपत की एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया और एक दिन पहले हरियाणा राज्य महिला आयोग (एचएससीडब्ल्यू) की एक शिकायत पर दर्ज मामले में दो दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। मंगलवार को सोनीपत की अदालत ने पुलिस हिरासत की अवधि पूरी होने के बाद उन्हें 27 मई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

हाइटेंशन तार की चपेट में आने से 4 की मौत

गाजीपुर, 21 मई (एजेंसियां)। गाजीपुर के मरदह थाना क्षेत्र के नरवर गांव में काशीदास बाबा की पूजा की तैयारी के दौरान हाइटेंशन तार की चपेट में आने से बड़ा हादसा हो गया। पूजा स्थल पर हरा बांस गाड़ते समय वह ऊपर से गुजर रहे हाईटेंशन तार से छू गया, जिससे करंट फैल गया और कई युवक बुरी तरह झुलस गए। हादसे में 4 युवकों की मौत हो गई। जबकि 2 की हालत गंभीर बनी हुई है। बिजली की चपेट में आते ही बांस धू-धू कर जल उठा और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गाजीपुर में हुई इस घटना का संज्ञान लिया है और करंट लगने से हुई जनहानि पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। सीएम योगी ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनके समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की सजा, विशेष पॉक्सो कोर्ट का फैसला, पांच साल बाद मिला इंसाफ

संभल, 21 मई (एजेंसियां)। संभल के कोतवाली गुन्नौर क्षेत्र में वर्ष 2020 में नाबालिग से दुष्कर्म का एक गंभीर मामला सामने आया था। पीड़िता के पिता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी जफरुद्दीन पुत्र नसरुद्दीन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। पुलिस ने मामले की गहनता से जांच करते हुए सभी साक्ष्य एकत्र किए और न्यायालय में आरोपी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। इसके बाद मामला विशेष न्यायालय पॉक्सो एक्ट कोर्ट चंदौसी में विचाराधीन था। विशेष पॉक्सो कोर्ट ने आरोपी जफरुद्दीन को दोषी करार देते हुए 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही आरोपी पर 33,500 रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है। सरकारी अधिवक्ता नरेंद्र कुमार यादव ने अदालत के इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पांच साल की लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद पीड़ित परिवार को न्याय मिला है।

ऑपरेशन सिंदूर से गरमाई सियासत

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का राहुल गांधी और कांग्रेस पर तीखा वार

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'ऑपरेशन सिंदूर' को लेकर कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी पर तीखा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना की आतंकवाद के खिलाफ सफलता से गांधी परिवार और कांग्रेस बुरी तरह बौखला गई है। मौर्य ने कहा कि "ऑपरेशन सिंदूर" ने आतंक के अड्डों को खत्म कर पूरी दुनिया को चौंका दिया है और यह बात कांग्रेस को रास नहीं आ रही। डिप्टी सीएम ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी का असली दुख यह है कि सेना ने सर्जिकल स्ट्राइक जैसी कार्रवाई कर पाकिस्तान में पल रहे आतंकवाद को कड़ा जवाब दिया और देश को कोई नुकसान नहीं होने दिया। इसी वजह से अब राहुल गांधी सरकार पर सवालों की बिना वजह बौछार कर रहे हैं, ताकि पाकिस्तान को राहत मिले। मौर्य ने कहा कि कांग्रेस और राहुल गांधी को अगर भारतीय सेना पर भरोसा होता तो आज कश्मीर की स्थिति वैसी न होती जैसी कांग्रेस के समय में थी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की सीमाएं पहले से कहीं ज्यादा सुरक्षित हुई हैं, लेकिन यही बात कांग्रेस को चुभ रही है। मौर्य ने कहा कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी की राजनीति राष्ट्रवाद और सेना की ताकत से डरती है। गौरतलब है कि 'ऑपरेशन सिंदूर' हाल ही में भारतीय सेना द्वारा सीमा पार आतंकियों के खिलाफ की गई एक निर्णायक कार्रवाई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार यह ऑपरेशन आतंकियों के ठिकानों को निशाना बनाकर अंजाम दिया गया, जिसमें कई आतंकवादी मारे गए। यह ऑपरेशन एक बार फिर भारत की सेना की रणनीतिक शक्ति और त्वरित कार्रवाई की क्षमता को दर्शाता है। मौर्य ने आगे कहा कि आज का भारत न आतंकवाद को बर्दाश्त करता है और न ही आतंकी मानसिकता के समर्थकों को। अब हर वार का जवाब भारतीय सेना अपनी शर्तों पर देती है और पूरा देश अपने वीर जवानों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के राष्ट्रवादी नेतृत्व के साथ एकजुट होकर खड़ा है। डिप्टी सीएम ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस हमेशा से राष्ट्रवादी कदमों का विरोध करती रही है, चाहे वह सर्जिकल स्ट्राइक हो, बालाकोट एयरस्ट्राइक या फिर धारा 370 हटाने का फैसला। लेकिन अब देश की जनता जान चुकी है कि कौन देश के साथ खड़ा है और कौन दुश्मनों को सुकून देने की राजनीति करता है।

अररिया में बीडीओ और लेखपाल रिश्वत लेते गिरफ्तार

अररिया, 21 मई (एजेंसियां)। बिहार के अररिया से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रानीगंज प्रखंड के बीडीओ रितम कुमार चौहान और उनके अकाउंटेंट आदित्य प्रियदर्शी को निगरानी ने डेढ़ लाख रुपये घूस के साथ गिरफ्तार किया है। साथ में अकाउंटेंट को भी गिरफ्तार किया गया है। दोनों से टीम पूछताछ के लिए पटना ले गई है। निगरानी की यह पूरी कार्रवाई रानीगंज के बीडीओ आवास पर की गयी है। निगरानी डीएसपी चंद्रभूषण ने बताया कि स्थानीय कलानंद सिंह की शिकायत पर कार्रवाई की गई है। स्थानीय कलानन्द सिंह से 15 लाख रुपये राशि की योजना पर काम करने के लिए 10% कमीशन के तौर पर डिमांड किया जा रहा था। इसी शिकायत पर रानीगंज के बीडीओ और उनके अकाउंटेंट को घूस की रकम डेढ़ लाख रुपये के साथ रंगे हाथों बीडीओ आवास पर दबोच लिया है। निगरानी डीएसपी के मुताबिक बीडीओ के आवास में कागजातों को भी खंघाला जा रहा है। बता दें कि उप प्रमुख कलानंद सिंह ने जब लेखपाल मांग को लेकर बीडीओ से बात की, तो उन्होंने भी घूस के पैसे दिए जाने की चेक काटने की बात कही।

नेहा सिंह राठौर पर अब वाराणसी में एफआईआर पीएम मोदी पर विवादास्पद बयान का आरोप

पटना, 21 मई (एजेंसियां)। बिहार की लोकगीत गायिका नेहा सिंह राठौर अक्सर सुर्खियों में रहती हैं, इस बार फिर वो मुश्किलों में फंस गई हैं। वाराणसी के लंका थाने में नेहा सिंह राठौर के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। हनुमान सेना (सामाजिक संस्था) के अध्यक्ष सुधीर सिंह ने लोकगीत गायिका के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। उन पर प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने को लेकर मामला दर्ज किया गया है। नेहा सिंह राठौर पर आरोप है कि वाराणसी के सांसद और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में उन्होंने अपमानजनक वीडियो बनाया है और वीडियो में पीएम मोदी के लिए अपशब्द और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है। साथ ही उन पर आरोप है कि वो ऐसी वीडियो बनाकर पाकिस्तान में वायरल कर रही है।

क्या है नेहा सिंह राठौर पर आरोप

शिकायतकर्ता ने कहा है कि बिहार की लोकगीत गायिका नेहा सिंह राठौर लगातार वाराणसी के लोकप्रिय सांसद और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के बारे में अपमानजनक वीडियो बनाकर उन्हें अपमानजनक शब्द से संबोधित कर रही है और इस वीडियो को पाकिस्तान में वायरल कर रही है, जिससे वाराणसी के सांसद जो हमारे देश के प्रधानमंत्री भी हैं, उनके बारे में अपमानजनक बातें कहना वाराणसी की जनता का ही नहीं बल्कि पूरे देश का अपमान है। साथ ही उन्होंने कहा कि वो इस वीडियो को पाकिस्तान में वायरल कर रही है जोकि देशद्रोह की कैटेगरी में आता है।

पाकिस्तान में किया जा रहा वायरल

शिकायतकर्ता ने आगे दावा किया है कि लोकगायिका का यह वीडियो इस समय पाकिस्तान की मीडिया और टेलीविजन पर लगातार चलाया जा रहा है। इस वीडियो को पाकिस्तान में वायरल किया जा रहा है। इसी के साथ शिकायतकर्ता ने कहा, भारत के अंदर रहने वाले देशद्रोही भी नेहा सिंह राठौर को आर्थिक मदद देकर उनके वीडियो को लगातार वायरल कर रहे हैं। साथ ही शिकायतकर्ता ने अपील की है कि इस आक्रोश को देखते हुए देशद्रोही नेहा सिंह राठौर पर देशद्रोह जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा कायम किया जाए। हाल ही में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले पर नेहा सिंह राठौर ने एक वीडियो बनाया था, जिसको लेकर लखनऊ के हजरतगंज थाने में देशद्रोह और आईटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी।

कार में कछुओं को लेकर घूम रहे थे दो युवक पुलिस ने पकड़ा तो उड़ गए होश

इटावा, 21 मई (एजेंसियां)। मैनपुरी जनपद से कोलकाता तस्करी कर ले जाए जा रहे दुर्लभ प्रजाति के 22 कछुओं समेत दो तस्करों को देर रात आईटीआई चौराहा पर वन विभाग और सिविल लाइंस पुलिस की टीम ने संयुक्त कार्रवाई कर गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से रेड क्राउन रूफ टर्टल प्रजाति के 22 (बटागुर कछुए) बरामद हुए हैं जो कि पकड़े गए तस्कर इन कछुओं को सेक्सवर्धक दवाइयों के इस्तेमाल के लिए अधिक दामों में बेचने के लिए कोलकाता ले जाने की फिराक में थे।

यह है पूरा मामला

उप प्रभागीय अधिकारी विमल कुमार ने बताया कि सोमवार देर शाम टीम को सूचना मिली थी, जनपद मैनपुरी से कुछ कछुआ तस्कर नेशनल हाईवे होकर दुर्लभ प्रजाति के कछुओं को कार में छिपाकर आईटीआई होकर कोलकाता ले जाने वाले हैं। इस सूचना पर क्षेत्रीय वनाधिकारी बसरेहर अमित कुमार सिंह, वन दारोगा श्रीनिवास पांडेय, वन रक्षक सचिन और योगेन्द्र कुमार सिविल लाइंस थाना पुलिस बल के साथ आईटीआई चौराहे पर पहुंच गए और चेकिंग शुरू कर दी। शाम करीब साढ़े पांच बजे मैनपुरी की तरफ से आ रही एक बैगन आर कार को जब रुकने का इशारा किया तो वह वापस मोड़कर भागने लगे। इस पर टीम ने घेराबंदी कर कार को रोककर उसमें सवार दो तस्कर भोगांव-मैनपुरी निवासी संतोष पुत्र महेंद्र कुमार एवं रिजवान पुत्र गुल मोहम्मद को गिरफ्तार किया गया। कार की तलाशी लेने पर बोरे से दुर्लभ बटागुर प्रजाति के 22 कछुए बरामद हुए। कछुओं के संबंध में पूछताछ पर बताया कि कछुओं को अलग-अलग स्थानों से लाकर एकत्रित करके कोलकाता बेचने जा रहे थे। दोनों को गिरफ्तार कर इनके खिलाफ भारतीय वन्यजीव संरक्षण अधिनियम की धारा 9, 39, 48, 49बी, 50, 51 एवं 5 के तहत मामला दर्ज कर जेल भेजा गया। साथ ही जब्त किए गए कछुओं को वन विभाग की निगरानी में सुरक्षित रखा गया है। वन्य जीव संस्थान के पूर्व संरक्षण अधिकारी डॉ। राजीव चौहान ने बताया कि तस्करों से बरामद हुए कछुए बटागुर प्रजाति के हैं।

इनका अंग्रेजी नाम रेड क्राउन रूफ टर्टल हैं जो कि एक संरक्षित प्रजाति है, जिसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संकटग्रस्त भी माना जाता है। यह अमूमन गंगा, चंबल समेत एशियाई सागर में पाए जाते है। इनकी तस्करी वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है। उन्होंने यह भी बताया कि इनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारी मांग है।

पहले 500 तेंदुए, अब खुले में घूम रहे टाइगर बिजनौर के 100 गांवों में अलर्ट

बिजनौर, 21 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बिजनौर के किसान अब तक गुलदार (लेपर्ड) की दहशत में थे, वहीं अब खेतों में टाइगर दिखने के बाद उनकी जान हलक में आ गई है। जिम कार्बेट नेशनल पार्क, अमानगढ टाइगर पार्क, राजाजी नेशनल एलीफेंट एंड टाइगर पार्क, हस्तिनापुर वाइल्ड लाइफ सेंचुरी से घिरे बिजनौर में कई दिन से टाइगर जोड़ों को खुले में घूमते देखा जा रहा है। इनके डर से किसान अपने खेतों की रखवाली करने भी नहीं जा पा रहे हैं। हालात को देखते हुए वन विभाग और प्रशासन भी अलर्ट हो गया है। जिला प्रशासन और वन विभाग ने जिले के 100 गांवों को लेपर्ड-टाइगर हाईरिस्क क्षेत्र घोषित किया है।स्थानीय लोगों के मुताबिक जिले में पहले से गुलदारों का बसेरा है। इन गुलदारों के हमले में बीते तीन साल के अंदर 70 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं ढाई सौ से अधिक लोग घायल भी हुए हैं। अब नई दहशत टाइगर जोड़ों की वजह से सामने आई है। बीते दो तीन दिनों में टाइगर जोड़े खेतों में चहलकदमी करते नजर आ रहे हैं। इससे किसानों में भय की स्थिति बनी हुई है। ऐसे हाल में किसानों को खेती के काम से बाहर निकलना भी मुश्किल हो गया है।

कालागढ़ वन क्षेत्र से निकले टाइगर

बताया जा रहा है कि ये टाइगर जोड़ा कार्बेट टाइगर पार्क की कालागढ वन रेंज से निकल कर बिजनौर के अफजलगढ के खेतों में आए हैं। मंगलवार की सुबह भी ये टाइगर भिक्कावाला गांव के खेतों में घूमते देखे गए। इन्हें देखकर खेतों में काम कर रहे किसान-मजदूर भाग खड़े हुए। वन्य जीव विशेषज्ञों के मुताबिक इस समय भीषण गर्मी पड़ रही है और जंगल में बने पानी के श्रोत सूखने की कगार पर हैं। ऐसे में प्यास बुझाने के लिए टाइगर, भालू, हिरन, गुलदार आदि वन्यजीव पानी की तलाश में जंगल से बाहर भटक रहे हैं।

100 गांव लेपर्ड टाइगर बाहुल्य क्षेत्र घोषित

वन विभाग के अधिकारियों के मुताबिक जिले के खेतों में इस समय 500-600 तेंदुए खेतों में घूम रहे हैं। वहीं अब टाइगर भी दिखाई देने लगे हैं। हालात को देखते हुए बिजनौर की डीएम जसजीत कौर ने वन विभाग के अधिकारियों के साथ मीटिंग की। उन्होंने अधिकारियों को हिंसक वन्य जीवों से निपटने के उपाय करने और इसके लिए डीपीआर तैयार करने को कहा है। इसके लिए उन्होंने जन जागरुकता अभियान भी शुरू करने को कहा है। डीएम के मुताबिक बिजनौर की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यहां नदी, नहरें, रिजर्व और सोशल फॉरेस्ट बहुतायत में होने के कारण वन्य जीवों को भरपूर पोषण और संरक्षण मिलता है। जिससे उनकी आबादी भी लगातार बढ रही है। फिलहाल सौ गावों को चिन्हित कर लेपर्ड और टाइगर बाहुल्य क्षेत्र घोषित किया गया है।

विरोध किया तो गर्लफ्रेंड के भाई को उतारा मौत के घाट, तीन लोगों ने चाकू से चीर डाला

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। पश्चिमी दिल्ली के ख्याला इलाके में तीन लोगों के एक समूह ने 27 साल के एक व्यक्ति की कथित तौर पर पिटाई की और चाकू घोंपकर उसकी हत्या कर दी। पीड़ित पर उसकी बहन और एक आरोपी के बीच प्रेम संबंध पर आपत्ति जताने के बाद यह हमला किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों की पहचान 23 साल के अनमोल उर्फ हन्नी, 25 साल के प्रीतपाल और 23 साल के पीयूष उर्फ पन्नू के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि प्रीतपाल को गिरफ्तार कर लिया गया है। मृतक की पहचान इश्मीत सिंह के रूप में हुई है। इश्मीत के पिता 19 मई को बेहोशी की हालत में उसे दीन दयाल उपाध्याय (डीडीयू) अस्पताल लेकर आए थे जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, 'प्रारंभिक जांच से पता चला है कि यह घटना इश्मीत और मुख्य आरोपी अनमोल के बीच लंबे समय से चल रहे विवाद के कारण हुई। अनमोल के इश्मीत की बहन के साथ रिश्तों को लेकर उनमें विवाद था।' इश्मीत के परिवार ने कथित तौर पर इस रिश्ते का विरोध किया था और अनमोल को संबंध (प्रेम) तोड़ने की चेतावनी दी थी। इश्मीत ने कई बार उसे सलाह भी दी थी, जिसके कारण कथित तौर पर दोनों के बीच दुश्मनी बढ़ गई थी। उन्होंने बताया, '19 मई की शाम को इश्मीत घर लौटा तो उसने अनमोल और उसके दो साथियों (प्रीतपाल और पीयूष) को अपने घर के पास खड़ा पाया। उनके बीच झगड़ा शुरू हो गया, जो जल्द ही मारपीट में बदल गया।' आरोपियों ने कथित तौर पर इश्मीत को पकड़ लिया

ज्योति छोड़िए एलओसी के पास से 4 दिन से गायब है ये महिला

पाक के लिए 12 साल के बच्चे को छोड़कर भागी?

हिसार, 21 मई (एजेंसियां)। यूट्यूबर ज्योति मल्होत्रा पाकिस्तानी जासूस होने के आरोप में पुलिस की पकड़ में है। हर रोज उसे लेकर नए खुलासे हो रहे हैं। देश के साथ गद्दारी करने वाली ज्योति मल्होत्रा ने चंद पैसों के लिए अपने इमान को बेच दिया। ज्योति की गद्दारी की चर्चा के बीच महाराष्ट्र के नागपुर की एक महिला का गायब होना भी चर्चा का केंद्र हो गया है। सुनीता जमगाडे नाम की ये महिला 17 मई से एलओसी के पास से गायब है। वह अपने 12 साल के बेटे के साथ कारगिल के एक पास गांव पहुंची थी, लेकिन 4 दिन से उसकी कोई खोज-खबर नहीं है। सुनीता को आखिरी बार कारगिल के एक गांव में देखा गया था। लद्दाख के डीजीपी एसडी सिंह जामवाल ने कहा कि गायब होने से पहले सुनीता पाकिस्तानी नागरिक के संपर्क में थी। उन्होंने कहा कि जांच से पता चला है कि वह कुछ पाकिस्तानी नंबरों के संपर्क में थी। अनुमान लगाया जा रहा है कि वह सीमा पर कर गई होगी। हम मामले की सक्रियता से जांच कर रहे हैं। उसने पहले भी अटारी-वाघा की तरफ से सीमा पार करने का प्रयास किया था, इसलिए संभावना है कि वह इस बार सफल रही हो। सुनीता अपने 12 वर्षीय बेटे के साथ यात्रा कर रही थी, जिसे उसने हुंदरमन गांव में छोड़ दिया था। उसके भाई सुनील ने 17 मई को नागपुर के कपिल नगर पुलिस स्टेशन में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। सुनील ने कहा कि बच्ची बाल कल्याण समिति की देखरेख में है और पुलिस उसका पता लगाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

डीजीपी ने क्या कहा?

डीजीपी जामवाल के अनुसार, सुनीता के पाकिस्तानी नागरिकों के साथ स्पष्ट और अनुचित बातचीत में कथित रूप से शामिल होने के संकेत मिले हैं। उन्होंने कहा कि उसके वित्तीय मदद का स्रोत भी स्पष्ट नहीं है। कुछ रिपोर्ट्स के अनुसार, सुनीता को सीमा पार करने में मदद करने के आरोप में एक निवासी को हिरासत में लिया गया है, लेकिन इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है कि वह सीमा पार कर गई है। अधिकारियों ने बताया कि तलाशी अभियान जारी है। सुनीता नर्स रह चुकी है। वह नागपुर के एक अस्पताल में काम करती थी। यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि वह लद्दाख कैसे पहुंची।

यवतमाल में प्रिंसिपल पत्नी ने पति को जूस में जहर देकर मार डाला, फिर 3 छात्रों की मदद से जलाया

नागपुर, 21 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के यवतमाल के चौसाला जंगल में 15 मई को एक अधजला शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई थी। अब इस सनसनीखेज हत्या का रहस्य पुलिस ने सुलझा लिया है। जांच में जो तथ्य सामने आए हैं, वो काफी चौंकाने वाले हैं। दरअसल, मृतक की पत्नी, जो खुद एक स्कूल की प्रिंसिपल है, उसने अपने ही पति को जहर देकर मार डाला। इसके बाद उसने 3 नाबालिग छात्रों की मदद से शव को जंगल में जला कर फेंक दिया। पुलिस जांच में मृतक की पहचान शंतनू अरविंद देशमुख (32) के रूप में हुई, जो यवतमाल के सुयोगनगर निवासी थे और सनराइज़ इंग्लिश मीडियम स्कूल में शिक्षक थे। उनकी पत्नी निधि देशमुख (23) उसी स्कूल की प्रिंसिपल थीं। दोनों ने प्रेम विवाह किया था और वे माता-पिता से अलग रह रहे थे। 13 मई की शाम से शंतनू लापता थे। जब चौसाला जंगल में शव मिलने की खबर फैली, तो दोस्तों में हलचल मच गई। पुलिस ने एक दोस्त के मोबाइल में 13 मई की एक तस्वीर पाई, जिसमें शंतनू वही शर्ट पहने हुए नजर आए, जिसके अधजले टुकड़े शव के पास मिले थे। शर्ट के बटन और बाजू के हिस्से से पुलिस को बड़ी लीड मिली। शुरुआत में निधि ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन उसके घर से बरामद की गई अंडरवियर और शव पर मिली अंडरवियर एक ही ब्रांड की पाई गई। जब पुलिस ने सख्ती से पूछताछ की, तो निधि टूट गई और हत्या की साजिश स्वीकार कर ली। उसने बताया कि शंतनू शराब का आदी था, जिससे परेशान होकर उसने गूगल पर जहरीले पदार्थों की जानकारी जुटाई और जहर मिला हुआ जूस बनाकर शंतनू को नशे की हालत में पिला दिया, जिससे उसकी मौत हो गई।

मीठी नदी सफाई घोटाले में नया खुलासा: अब ईडी ने शुरू की जांच, 65 करोड़ का ऐसे हुआ गबन

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। मीठी नदी सफाई परियोजना में हुए बड़े घोटाले में अब ईडी की भी एंट्री हो गई है। ईडी ने मुंबई ईओडब्ल्यू की जांच के आधार पर ईसीआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। ईडी की एंट्री के बाद इस घोटाले में शामिल अभियंताओं, मिडलमैन और ठेकेदारों की मुसिबतें और बढ़ने वाली हैं। वहीं ईओडब्ल्यू ने मीठी नदी सफाई परियोजना में हुए 65 करोड़ रुपये के घोटाले को लेकर एक और बड़ा खुलासा किया है। जांच में सामने आया है कि टेंडर देने से पहले और उसके बाद, बीएमसी के अभियंताओं ने यह कभी जांचा ही नहीं कि वास्तव में मीठी नदी में कितनी गाद मौजूद थी और उसे हटाने में कितना समय लगेगा। ईओडब्ल्यू के सूत्रों के मुताबिक, 2019 से 2025 तक मीठी नदी में गाद की कोई अधिकृत माप ही नहीं की गई। यह जिम्मेदारी बीएमसी के अभियंताओं प्रशांत रामूगडे, गणेश बेंद्रे और तायशेट्टे की थी। लेकिन दावा है कि इन्होंने अपनी ड्यूटी निभाने के बजाय मिडलमैन केतन कदम और जय जोशी और ठेकेदारों के साथ मिलकर घोटाले को अंजाम दिया। फर्जी तस्वीरों और दस्तावेज़ों के सहारे, गाद ज्यादा निकाली, दिखाकर बीएमसी से बड़ी रकम वसूली जाती रही। यह सिलसिला तब तक चला जब तक बीएमसी के दक्षता विभाग ने इस पर आपत्ति नहीं जताई। टेंडर शर्तों के अनुसार एक मीट्रिक टन गाद निकालने का रेट 1693 रुपये था, लेकिन हकीकत में 2100 रुपये तक का भुगतान किया गया। दक्षता विभाग के कहने पर बाद में दुबारा से पैसे कम किए गए। जांच में यह भी सामने आया है कि ठेकेदारों को गाद निकालने वाली मशीनरी किराए पर देने से पहले, बीएमसी अभियंता रामूगडे, बेंद्रे और तायशेट्टे ने मिडलमैन केतन कदम और जय जोशी के साथ बैठक की थी। इस बैठक में तय हुआ कि मशीनरी मैटप्रोप कंपनी से खरीदने का दिखावा किया जाएगा, लेकिन असल में उसे किराए पर दिया जाएगा और बदले में अभियंताओं को कमीशन मिलेगा। बीएमसी की ओर से टेंडर में मशीन खरीदने की शर्त शामिल थी, लेकिन इस पूरी योजना को मोड़कर, किराए पर मशीन देने की हरी झंडी दे दी गई जिससे मशीनरी किराए की आड़ में करोड़ों का कमीशन कमाया गया।

कर्नाटक के विजयपुरा में महिंद्रा एसयूवी और बस की टक्कर; छह लोगों की मौके पर ही मौत

विजयपुरा, 21 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के विजयपुरा के मनागुलु के पास एक निजी बस और महिंद्रा एसयूवी और बोलैरो की टक्कर में पांच लोगों की मौत हो गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। मनागुली पुलिस ने इस हादसे के बारे में जानकारी दी है। पुलिस ने बताया कि कार में सवार पांच लोगों और बस चालक की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, अन्य घायलों को अस्पताल ले जाया गया। मनागुली पुलिस घटनास्थल पर है, मामला दर्ज कर लिया गया है। विजयपुरा के पुलिस अधीक्षक लक्ष्मण निंबरगी ने बताया कि ये हादसा तब हुआ जब सोलापुर की ओर जा रही एक महिंद्रा एसयूवी 300 गाड़ी ने ओवरटेक किया

शिवराज के गढ़ में सेंधमारी की तैयारी, विदिशा से कांग्रेस शुरू करेगी संगठन मजबूती का पायलट प्रोजेक्ट

भोपाल, 21 मई (एजेंसियां)। गुजरात के बाद बीजेपी का सबसे मजबूत दुर्ग मध्य प्रदेश है। बीजेपी लंबे समय से दोनों ही राज्यों की सत्ता पर काबिज है। कांग्रेस दोबारा से खड़े होने के लिए बीजेपी के सबसे मजबूत दुर्ग को खुद को दुरुस्त करने की कवायद में है। गुजरात की तर्ज पर कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में अपने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए 'पायलट प्रोजेक्ट' शुरू करने जा रही है, जिसका 'सियासी प्रयोग' केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के गढ़ और बीजेपी के मजबूत दुर्ग विदिशा में करने की स्ट्रैटेजी बनाई है। मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव में अभी तीन साल का समय बाकी है, लेकिन कांग्रेस को लगता है कि सूबे की सत्ता में वापसी करना है तो पहले अपने कैडर को खड़ा करना और मजबूत करना होगा। इस मद्देनजर मध्य प्रदेश में कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए पायलट प्रोजेक्ट की शुरुआत गुरुवार से करने जा रही है। कांग्रेस के करीब आठ दर्जन यानी 100 नेता जमीन पर उतरकर संगठन को धार देने की कवायद करेंगे। बीजेपी के सबसे कद्दावर नेता और पूर्व सीएम शिवराज सिंह चौहान के गढ़ विदिशा से कांग्रेस संगठन सृजन का काम शुरू करने जा रही है। कांग्रेस के 100 से ज्यादा अनुभवी नेता विदिशा जिले की सभी ग्राम पंचायत और शहर-कस्बों के वार्डों में पार्टी संगठन को बनाने का काम शुरू कर रहे हैं। यह पायलट प्रोजेक्ट करीब 20 दिन तक चलेगा। कांग्रेस नेता और कार्यकर्ता पायलट प्रोजेक्ट के तहत अगले 20 दिन तक विदिशा जिले की हर ग्राम पंचायत और वार्डों में जाकर संगठन की स्कैनिंग करेंगे। इस दौरान किस गांव, वार्ड में कांग्रेस मजबूत है और कहां कमजोर का आकलन करने के साथ, ये भी प्लान बनाने की कोशिश करेंगे कि पार्टी जहां कमजोर है उसके क्या-क्या कारण रहें हैं। कांग्रेस बूथ समितियों में काम करने वाले कुछ सक्रिय नेताओं और कार्यकर्ता भी फीडबैक जुटाने का काम करेंगे। इसी रिपोर्ट के आकलन पर ही आगे की रणनीति बनाएगी और संगठन की नियुक्तियों की रूपरेखा बनाएगी। कांग्रेस के एक्सपर्ट की टीम विदिशा जिले की सभी विधानसभाओं में गांव और वार्ड वार जातीय और स्थानीय समीकरणों की भी रिपोर्ट बनाएंगे। इसमें यह देखा जाएगा कि जिस जाति-वर्ग की गांव-वार्ड में बहुलता है। कांग्रेस के स्थानीय संगठन में उस समाज वर्ग के लोगों ही सहभागिता है या नहीं। इसी आधार पर कांग्रेस अपने संगठन में नियुक्ति करेगी और बूथ संगठन की रूपरेखा बनाएगी। इस तरह जाति समीकरण को साधने की रणनीति है। कांग्रेस संगठन में ऊपर से नीचे तक हर जाति के लोगों को शामिल करने की है, जिसमें खासकर फोकस दलित, ओबीसी समुदाय को तवज्जे देने की है।

हाईस्कूल वाले प्यार के लिए छोड़ा पति

बॉयफ्रेंड से कर ली शादी, अब घर में मिली महिला की लाश, क्या है कहानी?

बागलकोट, 21 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक के बागलकोट में एक सब इंस्पेक्टर की पत्नी ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। महिला ने अपने पहले पति को छोड़कर सब इंस्पेक्टर से दूसरी शादी की थी, जो उनका हाई स्कूल का बॉयफ्रेंड था। लेकिन अब पिछले कुछ दिनों से वह अपने पति से काफी परेशान हो गई थी। इसलिए उन्होंने आत्महत्या कर ली। ये मामला इलकल से सामने आया है। जहां एक सब-इंस्पेक्टर की पत्नी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सब इंस्पेक्टर नागराज की पत्नी शालिनी ने आत्महत्या कर ली। शालिनी ने सोमवार रात एचबीआर लेआउट स्थित अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शालिनी ने अपने पहले पति को तलाक देकर नागराज से शादी की थी, जो उनके साथ हाई स्कूल के समय में ट्यूशन में पढ़ते थे। मृतक शालिनी और सब इंस्पेक्टर नागराज दोनों इलकल के रहने वाले थे। वे हाई स्कूल में ट्यूशन में साथ पढ़ते थे। शालिनी ने आगे चलकर एमएससी और नागराज ने इंजीनियरिंग की पढ़ाई की। इसके बाद नागराज बेंगलुरु में पीएसआई परीक्षा की तैयारी कर रहा था। उस समय शालिनी बेंगलुरु में एक प्रतिष्ठित संगठन में काम कर रही थी। तब दोनों की हाईस्कूल के बाद फिर से मुलाकात हुई। वह नागराज की पीएसआई परीक्षा की तैयारी में मदद करने लगी।

इस तरह दोनों के बीच दोस्ती प्यार में बदल गई। नागराज से मिलने के बाद शालिनी ने अपने पहले पति को तलाक दे दिया और नागराज से दूसरी शादी कर ली। मृतक शालिनी का एक 7 वर्षीय बच्चा भी है। नागराज ने साल 2020 में पीएसआई परीक्षा पास की थी। इसके बाद नागराज ने शालिनी से बचना शुरू कर दिया था। शालिनी ने पुलिस में नागराज के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी,

विदेश दौरे पर जाने की तैयारी में प्रतिनिधिमंडल कांग्रेस विधायक ने शशि थरूर को लिखा पत्र

भोपाल, 21 मई (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद, अलग-अलग राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिमंडल को विदेशों के दौरे पर भेजा जा रहा है। भारत अब पाकिस्तान की आतंकवाद के मुद्दे पर अलग-थलग करने जा रहा है। भारत का ये प्रतिनिधिमंडल विदेशों में ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और उपलब्धियों का विवरण देंगे और पाकिस्तान में पनप रहे आतंकवाद की जानकारी साझा करेंगे। इस बीच भोपाल से कांग्रेस पार्टी के विधायक आरिफ मसूद ने सांसदों के प्रतनिधिमंडल को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में विजय शाह को निलंबित करने या हटाने के मामले में केंद्र सरकार से उचित निर्देश लें। आरिफ मसूद ने अपने पत्र में लिखा, शशि थरूर जी, जैसा कि आप ऑपरेशन सिंदूर और सीमा पार आतंकवाद पर भारत की स्थिति को स्पष्ट करने के लिए सर्वदलीय सांसदों के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने की तैयारी कर रहे हैं। मैं आपका ध्यान एक गंभीर चिंता की ओर आकर्षित करना चाहता हूं, जो अंतरराष्ट्रीय मीडिया के साथ आपकी बातचीत के दौरान उभर सकती है। हाल ही में, मध्य प्रदेश के एक कैबिनेट मंत्री, विजय शाह, जो सत्तारूढ़ भाजपा पार्टी से संबंधित हैं, ने कर्नल सोफिया कुरैशी को आतंकवादी की बहन कहकर घृणा से भरा अपमानजनक बयान दिया है आरिफ मसूद ने आगे लिखा, मध्य प्रदेश राज्य ने उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। मध्य प्रदेश के जबलपुर स्थित उच्च न्यायालय को भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को खतरे में डालने वाले कृत्यों और विभिन्न समुदायों के बीच घृणा और दुश्मनी को बढ़ावा देने वाले कृत्यों के लिए एफआईआर दर्ज करने का निर्देश जारी करके स्वतः संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करनी पड़ी। यहां तक कि सर्वोच्च न्यायालय ने भी उच्च न्यायालय के आदेश को रद्द करने पर सहमति नहीं जताई है, लेकिन फिर भी मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार ने मंत्री को हटाने या उन्हें निलंबित करने जैसी कोई कार्रवाई नहीं की है। उक्त मंत्री अभी भी पद पर बने हुए हैं।

आरिफ मसूद ने शशि थरूर से की ये अपील

आरिफ मसूद ने आगे लिखा कि उपरोक्त पृष्ठभूमि में, जहां एक मंत्री ने एक सैन्य अधिकारी को आतंकवादी की बहन कहा है और राज्य ने कोई कार्रवाई नहीं की है, अंतर्राष्ट्रीय समुदाय और मीडिया आपके प्रतिनिधिमंडल से यह सवाल पूछ सकते हैं कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की प्रतिबद्धता कितनी विश्वसनीय है, जब वे देश की सत्तारूढ़ पार्टी से संबंधित व्यक्तियों/मंत्रियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करते हैं ताकि उन्हें न्याय के कटघरे में लाया जा सके। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि कृपया ऐसे मुद्दों पर भारत सरकार से उचित निर्देश लें और मुझे विश्वास है कि इस मुद्दे पर आपकी अभिव्यक्ति भारत की वैश्विक छवि को मजबूत करने और हमारे साझा लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने में सहायक होगी कि हम सभी अलग-अलग जाति, पंथ और संस्कृति के बावजूद भारतीय हैं।

'इच्छा मृत्यु चाहिए सर' गले में तख्तियां डालकर परिवार पहुंचा कलेक्ट्रेट ऑफिस

ग्वालियर, 21 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में एक परिवार ने सामूहिक आत्महत्या करने की इजाजत मांगी है। परिवार अपनी डेढ़ बीघा जमीन पर जबरन कब्जा कर अवैध कॉलोनी काटने से परेशान है। उन्होंने गले मे "मुख्यमंत्री जी न्याय दो या इच्छामृत्यु की अनुमति दो" लिखी हुई तख्तियां डाली और कलेक्टर से न्याय की गुहार लगाई। इस परिवार की डेढ़ बीघा जमीन पर 8 सदस्यों के पालन पोषण की जिम्मेदारी है। कलेक्टर ने इस मामले में कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। ग्वालियर के करगिवां में रहने वाले सरनाम सिंह मिर्धा की धनेली में डेढ़ बीघा जमीन है। इस जमीन पर उनके परिवार के 8 सदस्यों का पेट पलता है। इस जमीन पर रमेश परिहार और अन्य लोगों ने राजस्व कर्मचारियों के साथ मिलकर फर्जी बटांकन आदेश करवा लिया। सरनाम सिंह ने इस फर्जीवाड़े के खिलाफ मुरार एसडीएम कोर्ट में आवेदन दिया, जिस पर कोर्ट ने स्टे आदेश दे दिया। लेकिन उसके बाद भी उनकी जमीन पर अमित परिहार, राजा परिहार, रमेश परिहार और उनके साथियों ने जबरदस्ती कब्जा कर लिया और यहां रोड डालकर कॉलोनी काटने लगे। सरनाम सिंह और उनके परिवार ने स्टे आदेश के साथ बिजौली थाने में शिकायत की। फिर भी उनकी कोई सुनवाई नहीं हुई। कई बार थाने के चक्कर काटने के बाद निराश होकर उन्होंने अब कलेक्ट्रेट ऑफिस पहुंचकर इच्छा मृत्यु की गुहार लगाई है। पूरा परिवार गले में तख्तियां डालकर जनसुनवाई में पहुंचा। उन्होंने इच्छा मृत्यु की इजाजत के लिए तख्तियां लिखी। परिवार का कहना है कि शिकायत करते-करते दुखी हो चुके हैं। अब उन्होंने मुख्यमंत्री से गुहार लगाई है कि उनको न्याय दिलाया जाए या फिर इच्छा मृत्यु की इजाजत दे दी जाए। परिवार की इच्छा मृत्यु वाली तख्तियां देख जनसुनवाई में मौजूद अधिकारी भी हैरान रह गए। कलेक्टर रुचिका चौहान ने इन सब के गले से तख्तियां उतरवाई और फिर इनकी बात को गंभीरता से सुना।

भोपाल में लव जिहाद का अजीब मामला, युवक का आरोप- महिला धर्म बदलने का बना रही दबाव

भोपाल, 21 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में एक अजीब मामला सामने आया है। हिंदू संगठनों के मुताबिक यह देश का ऐसा पहला लव जिहाद का मामला है, जहां पर मुस्लिम लड़की ने हिंदू नाम बता कर हिंदू युवक को अपने प्रेम जाल में फंसाया और शादी के बाद धर्म परिवर्तन करने का दबाव डालने लगी। यही नहीं उसने युवक पर यह दबाव भी डाला कि वह धर्म परिवर्तन करके मुस्लिम बने और उसके तीन बच्चों को अपना नाम दे। मामला राजधानी के अशोका गार्डन इलाके का है जहां के थाने में शेखर सिलावट ने आवेदन देकर शिकायत दर्ज कराई है कि नीलोफर नाम की युवती ने उसे इंस्टाग्राम और फेसबुक के जरिए श्रेया बनकर बात की और फिर उसे अपने प्रेमजाल में फंसाया। 4 सालों तक श्रेया बने रहने के युवती ने शेखर पर दबाव डालकर शादी की और अब उसे धर्म परिवर्तन कर मुस्लिम बनने को कह रही है। शेखर सिलावट ने थाने में दिए आवेदन में लिखा है कि श्रेया के पास दो-दो आधार कार्ड है। साथ ही उसपर दबाव बनाया जा रहा है कि वह हिंदू धर्म छोड़कर मुस्लिम धर्म अपना ले और युवती के तीन बच्चों को पिता का नाम भी दे। शेखर ने आवेदन में यह भी लिखा है कि नीलोफर ने उसका अपहरण भी करवाया था। इस मामले के सामने आते ही हिंदू संगठनों ने थाने पहुंचकर लव जिहाद का मामला दर्ज कराने की बात की। वही थाने में शिकायती आवेदन पहुंचने के बाद नीलोफर भी सामने आई और उसने अपने दिए आवेदन में बताया, 'मैं जिस बिल्डिंग में रहती थी, उसी बिल्डिंग में शेखर सिलावट रहता था। हम दोनों में दोस्ती हो गई थी। शेखर को मेरे बारे में पता था कि मैं शादीशुदा हूं और मेरे तीन बच्चे हैं और मैं मुस्लिम हूं। इसके बावजूद उसने कई बार मेरे साथ संबंध बनाए।' महिला ने आगे कहा, 'मैं अगस्त 2023 में प्रेग्नेंट हुई तो मैंने शेखर से बोला कि हम शादी कर लेते हैं तो शेखर ने कहा तुम अलग धर्म की हो मेरे घर वाले शादी के लिए नहीं मानेंगे। इसके बाद उसने मुझे अबॉर्शन वाली गोली दी, जिससे मेरा गर्भ में ही अबॉर्शन हो गया। अप्रैल 2025 में भी मैंने सोनोग्राफी कराई तो पता चला मुझे 5 हफ्ते दो दिन का गर्भ है, जिसके बाद शेखर ने मुझे पता नहीं कौन सी दवाई पिलाई।' नीलोफर ने अपने बयान में कहा कि शेखर ने मुझसे 6 मई 2025 को आर्य समाज मंदिर में शादी कर ली और 2 दिन बाद दूसरी लड़की से सगाई कर ली।

ऊंची जाति की गर्लफ्रेंड-छोटी कास्ट का बॉयफ्रेंड

लड़की के पिता-भाई ने डंडे से पीटकर कर दी लड़के की हत्या

जबलपुर, 21 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के जबलपुर में एक युवक की उसकी प्रेमिका के पिता ने अपने बेटे के साथ मिलकर हत्या कर दी। क्योंकि लड़की उच्च जाति से थी और लड़का छोटी कास्ट से था। ऐसे में उच्च जाति की लड़की से प्यार करने की सजा युवक को उसकी मौत से दी गई। पुलिस ने प्रेमिका के आरोपी पिता और भाई को गिरफ्तार कर लिया है और मामले की जांच में जुट गई है। ये मामला गोसलपुर थाना क्षेत्र से सामने आया है। यह घटना 16 मई की रात की है, जहां 17 वर्षीय कुनाल कटारे की हत्या कर दी गई। कुनाल खेत की रखवाली के लिए गया हुआ था। फिर वह गंभीर रूप से घायल अवस्था में खेत में खून से लथपथ पड़ा मिला। परिजनों ने उसे इलाज के लिए जबलपुर के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया, लेकिन 17 मई को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अस्पताल की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक मदनमहल थाना पुलिस ने ये मामला गोसलपुर थाने को सौंप दिया। गोसलपुर पुलिस की जांच में सामने आया कि कुनाल का प्रेम प्रसंग एक 17 वर्षीय लड़की से था, जो उससे उच्च जाति की थी। लेकिन उनका प्यार लड़की के परिवार, खासकर उसके पिता राजू उर्फ राजीव कुमार लोधी पटेल और भाई करण लोधी पटेल से बर्दाश्त नहीं हुआ। 16 मई की रात लड़की कुनाल से मिलने खेत पहुंची। जब घर पर लड़की नहीं मिली तो पिता और भाई उसकी तलाश करते हुए खेत तक पहुंच गए। वहीं उन्होंने अपनी बेटी को कुनाल के साथ देखा और बौखला गए। गुस्से में उन्होंने कुनाल को बुरी तरह पीटा और बांस के डंडे से उसके सिर पर जानलेवा हमला कर दिया। हमले के बाद कुनाल खेत में पूरी रात बेसुध पड़ा रहा।

उधम सिंह नगर जनपद पुलिस की बड़ी कार्रवाई

कार की डिग्गी से बरामद किए 47 किलो गांजा, 2 आरोपी गिरफ्तार

उधम सिंह नगर, 21 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड के उधम सिंह नगर जनपद की पुलिस को अवैध नशे के खिलाफ एक बड़ी कामयाबी हासिल हुई है। एसएसपी मणिकांत मिश्रा के निर्देश पर एएनटीएफ और रुद्रपुर कोतवाली पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए 47.570 किलों गांजा के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि एक अन्य आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस प्रयास कर रही है। उधम सिंह नगर जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा के निर्देश पर एएनटीएफ प्रभारी राजेश पांडे और रुद्रपुर कोतवाल मनोज रतूड़ी के नेतृत्व में एनक्लेव भूरारानी के पास चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान पुलिस ने एचआर 51 एपी 3478 को रोककर चेकिंग की, तो कार की डिग्गी से 47.570 किलोग्राम गांजा बरामद किया। पुलिस ने कार में सवार दीपांकर विश्वास पुत्र दिलीप विश्वास निवासी रविंद्र नगर, रुद्रपुर और घनश्याम पुत्र हेत लाल निवासी थाना हथीन, जिला पलवल को गिरफ्तार कर लिया। जबकि तीसरे आरोपी रमेश साहनी उर्फ पेंटर निवासी भूरारानी रुद्रपुर को गिरफ्तार करने के लिए पुलिस दबिश दे रही है। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपी दीपांकर विश्वास और घनश्याम ने बताया कि गांजा लेने के लिए हम तीनों लोग 14 मई को घनश्याम की कार संख्या एचआर 51 एपी 3478 से रुद्रपुर से छत्तीसगढ़ गए थे। 17 मई को गांजा लेकर उड़ीसा से रुद्रपुर के लिए निकले तथा 20 मई को रुद्रपुर पहुंचे थे। रमेश साहनी उर्फ पेंटर ग्राहक लेने के लिए गया था, हम भी ट्रांजिट कैंप जा रहे थे, तभी पुलिस ने खुशी एनक्लेव पर पकड़ लिया। हम गांजे को सस्ते रेट पर खरीद के रुद्रपुर में महंगे दामों में सप्लाई करते थे। गांजा खरीदने के लिए रमेश साहनी उर्फ पेंटर का पैसा लगता था। उड़ीसा से रुद्रपुर तक गांजा की तस्करी के करने के लिए घनश्याम वकील की ड्रेस पहनकर बैठ जाता था। जिसके कारण कोई भी गाड़ी पर शक नहीं करता था, इसका लाभ उठाकर आसानी से गांजे की तस्करी करता था। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि धनश्याम फर्जी वकील बनकर गांजे की तस्करी कर उत्तराखंड लाता था। और यहां से उधम सिंह नगर जिले में महंगे दामों में सप्लाई करता था। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने बताया कि जिले में अवैध नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस एवं एएनटीएफ की टीम को आदेश दिए गए।

स्वतंत्र वार्ता
गुरुवार, 22 मई - 2025

कोरोना ने रूप बदलकर एक बार फिर दी दस्तक

फिर डराने लगा कोरोना

भारत में कोविड-19 के कहर को लोग आज भी सोच कर ही सिहर उठते हैं। उस समय तो ऐसा कोई कस्बा व गांव नहीं जहां कोरोना ने अपनी बहादुरी से मातम न फैलाया हो। लेकिन समय बीतने के साथ सरकारी टीके के प्रभाव से इस का प्रभाव कम हुआ और एक दिन ऐसा भी आया जब देश से कोरोना की पूरी तरह विदाई हो गई। लेकिन अब वही कोरोना कुछ कम असर के साथ फिर दस्तक देने लगा है। हरियाणा, पश्चिम बंगाल और सिक्किम में कोविड के 1-1 केस ही मिले हैं, लेकिन केरल में इस समय 95 एक्टिव केस हैं, जो चिंता में डालने वाले हैं। देश में फिलहाल 257 एक्टिव मामले सामने आए हैं। कुछ राज्यों में मामूली केस हैं तो कुछ में आंकड़ा अच्छा खासा है। देश की राजधानी दिल्ली में भी इस समय कोविड के 5 एक्टिव केस हैं। हालांकि, कुछ राज्य ऐसे भी हैं, जहां एक भी कोरोना का मामला सामने नहीं आया है। तमिलनाडु में भी कोरोना के 55 एक्टिव मामले हैं। महाराष्ट्र में इससे 10 केस कम यानी 56 हैं। आइए आपको बताते हैं कि किस राज्य में कितने एक्टिव केस इस समय हैं। केरल में 95 तो तमिलनाडु में 66, महाराष्ट्र में 56, कर्नाटक में 13, पुडुचेरी 10, गुजरात 7, राजस्थान 2 हरियाणा, पश्चिम बंगाल व सिक्किम में एक-एक एक्टिव केस मिले हैं। इस तरह पूरे देश में अब तक कुल 257 मामले सामने आए हैं। शुक्र है कि अपने तेलुगु राज्य तेलंगाना और आंध्र प्रदेश इस महामारी से अभी तक अछूता है। बता दें कि भारत के अलावा एशिया के कुछ देशों में भी कोरोना ने तेजी से पांव पसारने शुरू कर दिए हैं। हांगकांग, सिंगापुर, थाईलैंड के अलावा चीन में भी कोविड-19 के मामलों में देजी से बढ़ोतरी देखी गई है। सिंगापुर के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक 27 अप्रैल से 3 मई 2025 के सप्ताह में कोविड-19 के मामलों की संख्या बढ़कर 14,200 हो गई थी, जबकि पिछले सप्ताह यह संख्या 11,100 थी। इसी अवधि में सिंगापुर के अंदर कोविड-19 के कारण अस्पताल में भर्ती होने वाले लोगों की औसत संख्या 102 से बढ़कर 133 हो गई। थाईलैंड में 11 मई से 17 मई के बीच मामले बढ़कर 33,030 हो गए, जबकि वैंकॉक में 6,000 मामले सामने आए हैं। इसी तरह हांगकांग में भी कोविड-19 के मामलों में सिर्फ 4 हफ्तों (6 से 12 अप्रैल) के अंदर 6.21% से 13.66% की वृद्धि हुई। तेजी से फैल रहे कोरोना के प्रकोप से बचने के लिए उपाय ही सबसे बेहतर उपाय है। इसलिए जरूरी होता जा रहा है कि इससे बचने के उपाय यानी मास्क और सेनेटाइजर्स का उपयोग जितनी जल्दी हो सके प्रयोग करना शुरू कर दें।

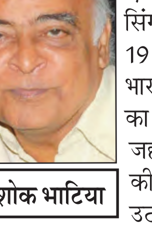

अशोक भाटिया

कोरोना वायरस ने रूप बदलकर एक बार फिर से दस्तक दे दी है। सिंगापुर और हांगकांग में कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी होने से भारत के लोग डरे हुए हैं। कोरोना का नाम सुनते ही हर किसी के जहन में फिर से साल 2020-21 की वो खौफनाक यादें ताजा हो उठती हैं, जिनको सोचने मात्र से ही रूह कांप जाए। एक बार फिर से केरल, तमिलनाडु, महाराष्ट्र में कोरोना मरीज तेजी से बढ़ने लगे हैं। मुंबई के केईएम अस्पताल में दो कोरोना पॉजिटिव मरीजों की मौत के बाद शहर में सतर्कता बढ़ा दी गई है। स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड पर है। पिछले कुछ महीनों से देश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार थमती नजर आ रही थी। लोग राहत की सांस ले ही रहे थे कि, दो लोगों की मौत ने फिर से चेतावनी की घंटी बजा दी है। एक बार फिर कोविड-19 बता दिया है कि, ने उसे नजरअंदाबज करना भारी पड़ सकता है।

बताया जाता है कि हांगकांग में पिछले 10 हफ्तों में हर वीक कोविड केस 30 गुना से अधिक बढ़ गए हैं। लेकिन ये उछाल सिर्फ हांगकांग तक सीमित नहीं है। सिंगापुर में भी एक हफ्ते में करीब 30 फीसदी केस बढ़े हैं। चीन और थाईलैंड से भी कोविड के बढ़ते मामलों की रिपोट्र्स सामने आ रही हैं।हांगकांग ने 10 मई 2025 को खत्म हुए हफ्ते में कुल 1,042 कोविड केस रिपोर्ट किए। उससे पिछले हफ्ते ये आंकड़ा 972 था। मार्च की शुरुआत में यहां हफ्ते के सिर्फ 33 केस थे। यानी मार्च से लगातार केस बढ़ते जा रहे हैं। सबसे बड़ी चिंता की बात ये है कि यहां पॉजिटिविटी रेट लगातार बढ़ रही है। 1 मार्च को खत्म हुए हफ्ते में पॉजिटिविटी रेट सिर्फ 0.31% थी। ये 5 अप्रैल तक 5.09% हो गई और 10 मई को खत्म हुए हफ्ते में बढ़कर 13.66% तक पहुंच गई।कोरोना का नया वेरिएंट JN.1 कितना खतरनाक है, ये अब तक साफ नहीं हो सका है। अधिकारियों के मुताबिक, ऐसा कोई सबूत अब तक मिला नहीं है जिससे ये कहा जा सके कि ये वेरिएंट पहले से ज्यादा खतरनाक है। या फिर ये ज्यादा तेजी से फैल रहा है। अधिकारियों का कहना है कि कमजोर इम्यूनिटी वालों को थोड़ा संभलकर रहने की जरूरत है। ऐसे लोगों को ये आसानी से अपना निशाना बना सकता है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक सोमवार को बुलाई थी। बैठक में देश में मौजूदा कोविड-19 की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की गई। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार देश में कोरोना की स्थिति कंट्रोल में है। 19 मई तक भारत में कोरोना के 257 एक्टिव मामले पाए गए। ये आंकड़ा देश की बड़ी आबादी को देखते हुए बहुत कम है। मुंबई में 2 मरीजों की जान भी संक्रमण से जा चुकी है। भारत में कोरोना के ज्यादातर केस केरल, महाराष्ट्र और तमिलनाडु से मिले हैं। हालांकि, भारत में JN-1 कोरोना वेरिएंट के सर्कुलेट होने की अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पीटीआई ने एक आधिकारिक सूत्र के हवाले से कहा, ₹ देश में पाए गए कोरोना के मामलों में लगभग सभी मामले हल्के हैं, इससे अस्पताल में भर्ती होने की भी जरूरत नहीं है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के आश्वासन के बावजूद देखा जाय तो कोरोना वायरस आम से खास लोगों तक भी पहुंच गया है। हाल ही में बिग बॉस 18 में नजर आईं एक्ट्रेस शिल्पा शिरोडकर कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। शिल्पा ने अपने इंस्टाग्राम के जरिए अपने फॉलोअर्स से अलर्ट रहने की अपील की। उन्होंने लोगों से सुरक्षित रहने और मास्क पहनने की अपील की है। मुंबई में तो पिछले तीन महीनों में मुंबई में हर महीने औसतन 7 से 10 नए कोरोना संक्रमण के मामले दर्ज किए जा रहे हैं, जो भले ही संख्या में कम हैं, लेकिन इनको पूरी तरह से नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है। खासकर तब जब एशिया के कुछ देशों जैसे हांगकांग और सिंगापुर में कोरोना संक्रमण एक बार फिर तेजी से फैल रहा है।

बताया जाता है कि जो लोग पहले कोरोना वैक्सीन ले चुके हैं, उनके लिए भी कोरोना के नए वेरिएंट JN।1 का खतरा है। एक स्टडी के मुताबिक, JN1 का असर इम्यून सिस्टम पर न हो, ये कहना मुश्किल है। पहले की वैक्सीनें या इन्फेक्शन से बनी एंटी बॉडीज इसके खिलाफ कम प्रभावी हैं, लेकिन कहा जा रहा है कि XBB.1।5 मोनोवैलेंट बूस्टर डोज JN1 वेरिएंट से लड़ने में मददगार है। WHO के मुताबिक, इस बूस्टर वैक्सीन को खासकर ओमिक्रॉन के XBB1. ।5 सब-वेरिएंट के लिए बनाया गया है। इसेस शरीर में एंटीबॉडीज बढ़ती हैं। ये डोज JN1 से होने वाली बीमारी को 19% से 49% तक रोक सकती है। हांगकांग सरकार ने लोगों से साफ तौर पर कहा है कि सभी लोग खुद को सुरक्षित रखने के लिए पर्सनल और आस-पास की सफाई का ध्यान रखें। ताकि खुद को और दूसरों को कोविड से बचाया जा सके।कोविड केस बढ़ने के बाद हांगकांग सरकार ने खासतौर पर जिन्हें पहले से कोई बीमारी है या जिनकी इम्युनिटी कमजोर है, ऐसे हाई-रिस्क लोगों को सलाह दी है कि वे पिछली डोज़ या संक्रमण के कम से कम 6 महीने बाद एक और कोविड वैक्सीन की डोज जरूर लें। चाहे उन्होंने पहले कितनी भी डोज क्यों न ली हों।

सिंगापुर में कोविड केस 27 अप्रैल को खत्म हुए हफ्ते में 11,100 थे, जो 3 मई के हफ्ते में बढ़कर 14,200 हो गए। यानी एक हफ्ते में करीब 30% का उछाल। यही नहीं, अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या भी रोज औसतन 102 से बढ़कर 133 हो गई है। ये आंकड़े सिंगापुर सरकार के हैं।सरकार का कहना है कि ये उछाल कई वजहों से हो सकता है। जैसे कि लोगों में वैक्सीन से बनी इम्युनिटी का धीरे-धीरे कम हो जाना। इस वक्त सिंगापुर में जो कोविड वेरिएंट सबसे अधिक फैल रहे हैं, वो हैं LF।7 और NB।1।8। दोनों JN।1 वेरिएंट की ही अगली पीढ़ी हैं। ध्यान देने वाली बात ये है कि JN।1 वेरिएंट ही मौजूदा कोविड वैक्सीन बनाने में इस्तेमाल हुआ था।थाईलैंड में भी हाल ही में छुट्टियों के बाद कोविड केस तेजी से बढ़े हैं। इस साल अब तक वहां 71,067 केस और 19 मौतें रिपोर्ट की जा चुकी हैं।

एशिया के 2 देशों हांगकांग और सिंगापुर में कोरोना के मामले जहां तेजी से बढ़ रहे हैं, वहीं भारत में भी अब डराने वाले आंकड़े सामने आ रहे हैं। इस आंकड़े ने एक बार फिर से पूरी दुनिया को चिंता में डाल दिया है।सिंगापुर में जहां मामलों की संख्या में 28% की वृद्धि हुई है, वहीं, हांगकांग में सिर्फ एक सप्ताह में 31 गंभीर मामले दर्ज किए गए हैं। सिंगापुर को हाई अलर्ट पर रखा गया है, क्योंकि कोविड-19 मामलों की अनुमानित संख्या 14,200 हो गई है। अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या में भी लगभग 30% की वृद्धि देखी गई।

वहीं, भारत में बढ़ते कोरोना के मामले पर स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि फिलहाल मामला कंट्रोल में है। बीते सोमवार को स्वास्थ्य सेवाओं के महानिदेशक की अध्यक्षता में राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र, आपातकालीन चिकित्सा राहत प्रभाग, आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और केंद्र सरकार के अस्पतालों के विशेषज्ञों की समीक्षा बैठक हुई।

स्वास्थ्य मंत्रालयएक अधिकारी ने कहा कि लगभग सभी मामले हल्के हैं, जिनमें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं है। अधिकारी ने कहा कि हम किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। देश में एकीकृत रोग निगरानी कार्यक्रम (IDSP) और ICMR के माध्यम से कोरोना सहित वायरल श्वसन बीमारियों की निगरानी के लिए एक मजबूत प्रणाली है।देश में अधिकतर लोगों ने कोरोना से बचाव के लिए अपना वैक्सीनेशन पूरा करा लिया है। लेकिन वैक्सीनेशन कोरोना के इस नए वेरिएंट से कितना बचाव करता है। इसका जवाब देते हुए डॉ। श्रेय श्रीवास्तव, कहते हैं कि वैक्सीन लगवा चुके लोगों का संक्रमण का खतरा काफी कम है। लेकिन फिर भी सावधानी जरूर रखनी चाहिए। वैक्सीन लेने से वायरस से संक्रमण में आने वाले गंभीर लक्षणों का खतरा टल जाता है। अगर आप भीड़-भाड़ वाली जगहों पर जा रहे हैं तो मास्क पहनना जरूरी है। चाहे मॉल हो, मेट्रो हो या स्कूल में बच्चों को छोड़ने जा रहे हों।साबुन से हाथ धोना या सैनिटाइज़र का इस्तेमाल एक छोटी-सी आदत है, लेकिन इसका असर बहुत बड़ा है। वायरस को फैलने से रोकने के लिए यह बुनियादी सावधानी जरूरी है।

चारधाम यात्रा - खच्चरों की बीमारी और बदहाल खच्चर वाले!

मनोज अग्रवाल

केदारनाथ में यात्रा कराने के लिए खच्चर चला कर रोजी-रोटी कमाने वाले एक खच्चर वाले ने आत्महत्या कर अपनी जान दे दी।दरअसल यह खच्चर वाला अपने परिवार के भरण-पोषण के एकमात्र साधन अपने इकलौते खच्चर की बीमारी से मौत होने पर इतना परेशान हताश हो गया कि उसने सुसाइड कर जान दे दी। आपको पता है इस देश के हर हिस्से में रोजाना सैकड़ों लोग आत्महत्या करते हैं लेकिन इस खच्चर वाले की आत्महत्या के पीछे छिपी बेबसी बेरोजगारी और सरकार की कागजों पर दौड़ने वाली योजनाओं शासन प्रशासन की संवेदनहीनता का गठजोड़ जिम्मेदार है जो इस छोटी सी दिखने वाली घटना के पार्श्व में छिपे सत्य को इस रिपोर्ट के जरिए सामने रखने के लिए मजबूर करता है।

आपको बता दें कि रूद्र प्रयाग अगस्त्यमुनी और आसपास के लगभग हर गाँव से बहुत सारे लोग केदारनाथ जाते हैं अपनी आजीविका के लिए।भारी ठण्ड में वहां रहते हैं।छः महीने खच्चर को पालते हैं यात्रा के लिए लेकिन यहीं पर एक ग़रीब आदमी अपनी आजीविका ख़त्म होने पर आत्महत्या कर लेता है।इससे बुरा क्या होगा? मृतक एक हिन्दू पशुपालक था और तीर्थयात्रियों के लिए अपने खच्चर समेत सेवा देता था।

हमारे देश में कई पहाड़ी क्षेत्रों में कई प्रमुख तीर्थयात्रा वैष्णोदेवी चारधाम यात्रा केदारनाथ अमरनाथ यात्रा आदि में एक निरीह पशु खच्चर घोड़े की सेवा को अनदेखा नहीं किया जा सकता है। हजारों लाखों तीर्थ यात्रियों की यात्रा तो सिर्फ खच्चरों के भरोसे ही होती है जबकि परोक्ष तौर पर तमाम धार्मिक यात्रा स्थलों पर लगभग सभी जरूरी सामान खच्चरों के जरिए ही पहाड़ पर पहुंचता है। ये खच्चर ही परिवहन का सबसे सुगम साधन हैं। चार धाम यात्रा के पहले तीन दिनों में केदारनाथ ट्रेक पर 14 खच्चरों की मौत हो गई। पशुओं में संक्रमण के संभावित प्रसार को रोकने के प्रयास में, राज्य सरकार ने 6 मई को यात्रा मार्ग पर खच्चर सेवाओं को निलंबित करने की घोषणा की। यह निर्णय 3 मई को आठ और 4 मई को छह घोड़ों की मौत के बाद लिया गया, जिससे तीर्थयात्रियों और पशु कल्याण कार्यकर्ताओं दोनों के बीच गंभीर चिंता पैदा हो गई।

सूत्रों ने बताया कि जांच से पता चलता है कि ये मौतें इक्वाइन इन्फ्लूएंजा से जुड़ी हो सकती हैं, जो एक बहुत ही संक्रामक बीमारी है। इस साल की शुरुआत में, इक्वाइन इन्फ्लूएंजा के मामले सामने आए थे, जिसके कारण 16,000 घोड़ों और खच्चरों की जांच की गई थी। हालांकि, सीरो-सैंपलिंग में 152 जानवरों के पॉजिटिव पाए जाने के बाद, वायरस के लिए उनके आरटीपीसीआर टेस्ट में नकारात्मक परिणाम आए, जिससे मौतों का कारण अनिश्चित हो गया।

हर साल औसतन चार से पांच मौतें होती हैं। हालांकि, इस साल संख्या में वृद्धि ने चिंता बढ़ा दी है। 2010 में भी इसी तरह की चिंता जताई गई थी, जब खच्चरों की मौतों में वृद्धि के बाद यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया गया था। अधिकारियों ने आश्वस्त किया है कि इस साल यात्रा जारी रहेगी, हालांकि सुरक्षा उपायों में वृद्धि की गई है।

गंगोत्री मंदिर के कपाट खुलने के साथ 28 अप्रैल को शुरू हुई चार धाम यात्रा के दौरान 2 मई को केदारनाथ मंदिर के कपाट खुले। केदारनाथ और यमुनोत्री के तीर्थयात्रा मार्गों के लिए 4,300 से अधिक घोड़ा-खच्चर संचालकों के साथ-साथ 8,000 पशुओं ने पंजीकरण कराया है। गौरीकुंड से केदारनाथ मंदिर तक 18 किलोमीटर की कठिन यात्रा के कारण कई तीर्थयात्री पशुओं के परिवहन का विकल्प चुन रहे हैं।

आपको बता दें कि केदारनाथ यात्रा में सबसे बेचारा खच्चर और खच्चर मालिक होता है। खच्चरों को लेकर हर साल नई समस्या सामने आती है इस बार एक नई समस्या हॉर्स फ्लू की आ गई है। इस बीमारी के लक्षण 2 मार्च को केदारनाथ विधानसभा के कुछ गांवों में मिल गए थे। इत्तेफाकन तब अश्व प्रजाति पर देश में काम करने वाले सबसे अच्छे संस्थान राष्ट्रीय अश्व अनुसंधान केंद्र हिसार के वैज्ञानिक इस क्षेत्र में आए उन्होंने खच्चरों में सैंपलिंग की और पता चला कि केदारघाटी में इकविन इनफलेंजा यानि हॉर्स फ्लू के लक्षण आ गए हैं इससे पहले ये बीमारी 2018 में भी आई थी। पिछले सालों तक खच्चरों के रजिस्ट्रेशन के साथ उनका इंश्योरेंस भी हो जाता था। इस साल बताया जा रहा है कि सरकार ने कुछ दिन पहले तक इंश्योरेंस कंपनियों को सरकार काअनुदान या अंशदान नहीं दिया जिससे घोड़े खच्चरों का इंश्योरेंस नहीं हो पाया है। हालांकि इंश्योरेंस में मिलने वाली राशि भी ऊंट के मुंह में जीरे जैसी होती थी फिर भी उसका कुछ सहारा होता था।

जैव विविधता को बचाएं और बढ़ाएं

अमिताभ पाण्डेय

हम और हमारे आसपास प्राकृतिक वातावरण में जो कुछ भी दृश्य - अदृश्य - जीवंत है , वह सब जैव विविधता का प्रतीक है। इस पृथ्वी पर प्रकृति में जो रचे - बसे हैं , वे सब जैव विविधता का हिस्सा हैं । जल - जंगल , जीव - जंतु , नदी- पहाड़ , समुद्र - दलदल , रेगिस्तान - हरियाली , पेड़ - पौधे , फूल - फल, जड़ी - बूटी - घास, पशु - पक्षी और मनुष्य । जी हां ! यह सब कुछ जैव विविधता का हिस्सा है । जैव विविधता के अंतर्गत ही आते हैं। जैव विविधता बहुत व्यापक और जीवंत विषय है। इसके अंतर्गत पृथ्वी पर मौजूद विभिन्न प्रजातियों की संख्या, उनकी विविधता , एक ही प्रजाति के अंदर जीन की अनुवांशिकी विविधता, पास्थितिकी तंत्र की विविधता आती है। इसमें वन , घास के मैदान , समुद्री स्थिति की तंत्र भी शामिल है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा वर्ष 1992 में आयोजित पृथ्वी शिखर सम्मेलनके दौरान जैव विविधता के बारे में बताया गया कि ₹ सभी स्रोतों से जीवित जीवन के बीच परिवर्तनशीलता को ही जैव विविधता कहते हैं । इस परिवर्तनशीलता में स्थलीय, समुद्री एवं अन्य जलीय परिस्थितिकी तंत्र और पारिस्थितिक परिवर्तन शामिल है। जैव विविधता में प्रजातियों के भीतर , प्रजातियों के बीच , पारिस्थितिकी तन्त्र की विविधता आती है । संयुक्त राष्ट्र अन्य देशों में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ मिलकर जैव विविधता संरक्षण के लिए लगातार काम कर रहा है। भारत में भी जैव विविधता के संरक्षण और संवर्धन के लिए शासकीय स्तर पर , अशासकीय स्तर पर , सामाजिक और समुदाय के स्तर पर विशेष कार्यक्रम सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहे हैं । जैव विविधता के संरक्षण के लिए केंद्र सरकार के पर्यावरण मंत्रालय, जलवायु परिवर्तन मंत्रालय , वन मंत्रालय सहित अन्य विभाग समन्वय के साथ विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जैव विविधता संरक्षण संबंधी विशेष योजनाओं का संचालन कर रहे हैं। जैव विविधता का प्रकृति, पर्यावरण, जीव जंतुओं ,मनुष्यों सहित अन्य जीवंत इकाइयों से गहरा संबंध है । जैव विविधता पारिस्थितिकी तंत्र की सेवाएं प्रदान करती है। जैसे वायु और जल का शुद्धिकरण करना , मिट्टी का निर्माण करना , जलवायु का प्रबंधन करना। जैव विविधता खाद्य सुरक्षा के लिए भी आवश्यक है क्योंकि यह फसलों , पशुओं को भी प्रजातियों संबंधी विविधता प्रदान करती है। जैव विविधता औषधिय संसाधनों का स्रोत है , जैसे कि पौधे और जानवर जो जिनका प्रकृति में अपना महत्व है। जैव विविधता के संदर्भ में भारत देश को बहुत समृद्ध माना जाता है भारत के विभिन्न इलाकों में भौगोलिक विविधता और जलवायु की विभिन्नता के कारण जैव विविधता के विविध रूप देखने को मिलते हैं । भारत में विभिन्न प्रकार के पारिस्थितिकी तंत्र पाए जाते हैं। इनमें वन , घास के मैदान, रेगिस्तान , समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र भी शामिल है। भारत में लगभग 18 हजार विभिन्न प्रकार के पौधों की प्रजातियां पाई जाती है । हमारे देश में लगभग 90 हजार विभिन्न प्रकार के जीव जंतुओं की प्रजातियां पाई जाती हैं। हमारे देश में जो वन क्षेत्र ,घास के मैदान, दलदल , मरुस्थल, समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र, नदी, पहाड़ , हैं। इन सबका भी जैव विविधता को बनाए रखने में बड़ा महत्व है। भारत में पश्चिमी घाट पर एक विस्तृत पर्वत श्रृंखला है ।इसी प्रकार हिमालय पर्वत की श्रृंखला , सुंदरबन क्षेत्र की मैंग्रोव वन वाली श्रृंखला , जैव विविधता के विशिष्ट उदाहरण है। इसके साथ ही हमारे देश में जितने भी राष्ट्रीय उद्यान और वन्य जीव अभ्यारण है , वह भी जैव विविधता के प्रतीक हैं ।भारत में जैव विविधता अधिनियम वर्ष 2002 पारित किया गया है जो कि जैव विविधता के संरक्षण और स्थाई उपयोग के लिए नियमन प्रदान करता है। यह अधिनियम जैव विविधता के संरक्षण एवं उसके अवयवों के पोषण उपयोग , जैव संसाधनों और ज्ञान के उपयोग से अर्जित लाभ में उचित एवं संपूर्ण हिस्सा बढ़ाने , उससे संबंधित या उसके अनुषांगिक विषयों का अपबंधन करने संबंधित है। इस नियम के अंतर्गत जैव विविधता के संरक्षण और संवर्धन के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि जैव विविधता के संदर्भ में प्रकृति ने भारत के हृदय स्थल मध्य प्रदेश पर अपना भरपूर प्यार लुटाया है। मध्य प्रदेश में प्राकृतिक संसाधनों की बहुलता है । वन एवं वन्य प्राणियों की विविधता है । यहां वन और नदियों की उपस्थिति का बीच संबंध है जिससे जैव विविधता का संरक्षण होता है । वनों की गोद से निकलती सोन, नर्मदा , ताप्ती , चंबल , के साथ ही केन बेतवा , माही , पाहुज , शिप्रा, कालीसिंध, पार्वती, नेवज , जैसी नदियां जनजीवन और जैवविविधता को बेहतर बनाती हैं। मध्य प्रदेश में विभिन्न पर्वतों की श्रृंखलाएं और उनके जल ग्रहण क्षेत्र जैवविविधता के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण हैं। यहां उष्णकटिबंधीय शुष्क पतझड़ वाले सागौन मिश्रित साल के वन है। मंडला- डिंडोरी - सिवनी - बालाघाट जैसे जिलों में में साल के वन है तो चंबल क्षेत्र के ग्वालियर , शिवपुरी , भिंड तथा दतिया में छोटे झाड़ीदार वन हैं। मध्यप्रदेश के बेतूल - हरदा सहित कुछ अन्य जिलों में बहुमूल्य सागौन वृक्ष के वन है । इन वनों से लकड़ी के अलावा बांस और प्रचुर मात्रा में विभिन्न प्रकार की लघु वनोंपज एवं औषधि प्रजातियां मिलती हैं। यह सब जैव विविधता में ही शामिल है।

प्रसंगवश बताते चलें कि मध्य प्रदेश में वन विभाग की स्थापना वर्ष 1860 में हुई और तभी से वनों का वैज्ञानिक प्रबंधन प्रारंभ हो गया । संभवत ः मध्य प्रदेश भारत का ऐसा राज्य है जहां भारत की प्रथम वन नीति अनुसार वर्ष 1994 से ही वर्किंग प्लान बनाने का कार्य किया गया। वनों के वैज्ञानिक प्रबंधन की परंपरा भारत सरकार के वर्तमान उद्देश्यों और नीति निर्देशक के अनुरूप जैव विविधता का संरक्षण और संवर्धन कर रही है। भारत सरकार द्वारा अधिसूचित जैव विविधता अधिनियम वर्ष 2002 की धारा 63 (1)के अनुसार मध्य प्रदेश जैव विविधता अधिनियम 2004 दिनांक 17 दिसम्बर 2024 को अधिसूचित किया गया । इसके अंतर्गत 11 अप्रैल 2005 में मध्य प्रदेश राज्य जैव विविधता बोर्ड का गठन किया गया । इसका उद्देश्य मध्य प्रदेश में जैव विविधता का संरक्षण करना , जैव विविधता के संगठनों का संवहनीय , पोषणीय उपयोग तथा जीव संसाधनों के ज्ञान के वाणिज्यिक उपयोग से अर्जित लाभ का उचित और साम्य पूर्वक वितरण करना है। मध्य प्रदेश में जैव विविधता का संरक्षण करने के लिए विभिन्न पहलुओं पर शोध, दस्तावेजीकरण परियोजनाएं , महाविद्यालयों एवं अशासकीय संस्थाओं के सहयोग से संचालित की जा रही है। वर्ष 2024 - 25 में कुल 24 परियोजनाएं संचालित की गई जिनके माध्यम से जैव विविधता के बारे में जागरूकता अभियान भी चलाए गए हैं। विभागों के माध्यम से प्रतिवर्ष विद्यालय छात्र-छात्राओं के लिए मोगली बाल उत्सव का आयोजन किया जाता है।

बोल बच्चन बनायेंगे भारत !

डॉ. सुरेश मिश्रा

नेताजी एक दिन अचानक मंच से चीख पड़े— हमें नया भारत बनाना है! जनता पहले तो समझी कोई नया टीवी सीरियल आ रहा है, फिर ताली बजा दी। नेताजी ने सोचा कि यह ताली उनके जोशीले भाषण के लिए है, पर असल में ताली इस बात की थी कि दो घंटे बाद होने वाली नल-जल योजना की घोषणा टल गई थी। नेताजी के मुंह से ये नारा ऐसा फिसला जैसे साबुन के केस से गीला साबुन— फिसल गया, पर महक छोड़ गया। उन्होंने पहली बार जब कहा नया भारत , खुद भावविभोर हो गए, मानो उन्होंने 'शोले' का डायलॉग मारा हो इस हाथ ले, उस हाथ दे! अब नेताजी को इस वाक्य से ऐसा मोह हो गया जैसे बेरोजगार युवक को सरकारी नौकरी से। हर बार, हर मंच, हर पंचायत, हर शादी और यहाँ तक कि हर शौचालय उद्घाटन में भी नेताजी वही बात दोहराते— हमें नया भारत बनाना है! लोग कहते पहले शौचालय तो बना लो बाबू, भारत बाद में बनाना!

जिनके घर की छत टपक रही थी, वे भी इस नारे से प्रभावित होकर बाल्टी हटाकर ताली बजाने लगते। नेताजी के भाषण में अब इतना लोहा था कि किसी दिन सुनते-सुनते जूते भी पिघल जाएँ। उनके हर भाषण के बाद जनता का मन करता कि भाषण के बदले कुछ 'ईंट-रेत' ही गिरवा देते तो अच्छा था। पर नेताजी को तो सिर्फ बोलने से फुर्सत नहीं थी। उनका हर भाषण 'नये भारत' की नयी किस्त लगता, पर किस्त बिना ब्याज की नहीं थी—हर बार वोट के ब्याज की डिमांड जुड़ी रहती। वो मंच से चिल्लाते देखो, नया भारत ऐसा होगा जैसे फिल्म 'बाहुबली' की सेटिंग! जनता सोचती— पर हम तो 'ब्लैक एंड व्हाइट' ज़िंदगी जी रहे हैं!

नेताजी से जब किसी पत्रकार ने पूछा नया भारत कब बनेगा? नेताजी बोले पहले पुराना कुछ और खराब हो ले, फिर बनाएंगे! जैसे डॉक्टर बोले पहले बुखार 105 पहुँचे, फिर दवा दूँगा! नेताजी की विकास योजना 'पेंडिंग' नहीं, 'पोस्टमार्टम' में पड़ी रहती। वह कहते— हम नया अस्पताल बनाएंगे, जहाँ मशीनें नहीं, मिशन होंगे! फिर गांव की कोई प्रसूता महिला ट्रैक्टर की ट्रॉली में तड़पते तड़पते दम तोड़ देती। अस्पताल बना नहीं, कागज़ में खुल चुका होता। नेताजी फिर कहते ये एक योजनागत दुर्घटना थी।

'नया भारत' अब ऐसा नारा बन चुका था कि बच्चों की लोरी से लेकर सरकारी फाइलों तक में गूंजता था।

इन्फ्लुएंसर, जागो! जिम्मेदारी भी वायरल हो

डॉ सत्यवान 'सौरभ'

आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा बन चुका है। यह न केवल संचार का एक सशक्त माध्यम है, बल्कि जनमत निर्माण, सामाजिक जागरूकता और राजनैतिक विमर्श का भी एक महत्वपूर्ण मंच बन गया है। ट्विटर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और फेसबुक जैसे प्लेटफॉर्म्स पर मौजूद इन्फ्लुएंसर्स का प्रभाव अब केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वे सामाजिक और राजनैतिक मामलों पर भी जनता की सोच को दिशा देने लगे हैं। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या इन इन्फ्लुएंसर्स की कोई नैतिक या कानूनी जवाबदेही होनी चाहिए? क्या उन्हें भी निष्पक्षता का पालन करना चाहिए जैसे पत्रकारों से अपेक्षा की जाती है?

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स वे लोग हैं जिनके पास हजारों या लाखों की संख्या में अनुयायी (followers) होते हैं। उनके विचार, प्रतिक्रियाएं, समीक्षाएं और टिप्पणियां लोगों को प्रभावित करती हैं। कई ब्रांड्स और कंपनियां इन्हीं इन्फ्लुएंसर्स की सहायता से अपने उत्पादों का प्रचार करती हैं। अब यह प्रभाव केवल आर्थिक नहीं रहा, बल्कि यह सामाजिक और राजनैतिक क्षेत्र में भी गहराई से प्रवेश कर चुका है।

2024 के लोकसभा चुनावों और कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में यह स्पष्ट देखने को मिला कि सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स किस प्रकार राजनैतिक दलों के लिए प्रचारक की भूमिका निभा रहे हैं। वे सीधे तौर पर किसी पार्टी विशेष के समर्थन या विरोध में पोस्ट साझा करते हैं, वीडियो बनाते हैं या लाइव डिबेट करते हैं। इनमें से अधिकतर पोस्ट्स में प्रचार सामग्री होती है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं होता कि वह 'पेड' है या नहीं। पारंपरिक मीडिया में पेड न्यूज की निगरानी के लिए चुनाव आयोग की गाइडलाइन है, लेकिन सोशल मीडिया की इस नई दुनिया पर यह नियंत्रण नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट और विभिन्न हाईकोर्ट्स ने भी समय-समय पर सोशल मीडिया पर गलत सूचना, नफरत फैलाने वाले भाषण और चुनावी प्रचार की निगरानी को लेकर चिंता व्यक्त की है। तकनीक ने भले ही लोगों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता दी हो, लेकिन जब यह स्वतंत्रता बिना किसी जिम्मेदारी के प्रयोग की जाती है, तो वह लोकतंत्र को कमजोर करने लगती है।

आज हर कोई पत्रकार बन सकता है – एक स्मार्टफोन और इंटरनेट कनेक्शन के ज़रिए। ऐसे में पत्रकारिता और इन्फ्लुएंसर्स की भूमिका में एक महीन सी रेखा रह गई है, जिसे स्पष्ट रूप से चिन्हित करना आवश्यक है। पत्रकारों के लिए आचार संहिता है, प्रेस काउंसिल है, समाचार संगठनों की जवाबदेही है। लेकिन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स के लिए ऐसा कोई तंत्र मौजूद नहीं है।

यहां पर दो बातें अहम हैं – एक, इन्फ्लुएंसर्स की स्वतंत्रता और दूसरा, उनकी जिम्मेदारी। स्वतंत्रता का अर्थ यह नहीं है कि वे किसी भी तरह की जानकारी या विचार को बिना तथ्यों की जांच के फैलाएं। यदि वे किसी राजनैतिक विचारधारा का प्रचार कर रहे हैं या किसी विशेष पार्टी के पक्ष में जनमत को प्रभावित कर रहे हैं, तो यह जरूरी है कि वे इसे पारदर्शी ढंग से करें और यह स्पष्ट हो कि वे किसी एजेंडे के तहत कार्य कर रहे हैं।

इसके अतिरिक्त, इन्फ्लुएंसर्स की पोस्ट या वीडियो को पेड प्रमोशन मानते हुए चुनाव आयोग को भी इसके लिए स्पष्ट नियम बनाने चाहिए। जिस तरह टीवी और अखबार में विज्ञापन के लिए शुल्क का निर्धारण होता है और उसकी घोषणा अनिवार्य होती है, उसी प्रकार सोशल मीडिया पर भी प्रचार पोस्ट्स की निगरानी होनी चाहिए।

आखिरकार, लोकतंत्र की ताकत उसकी पारदर्शिता और निष्पक्षता में निहित होती है। अगर कोई भी माध्यम – चाहे वह पारंपरिक मीडिया हो या सोशल मीडिया – पक्षपातपूर्ण व्यवहार करता है, तो इससे जनमत प्रभावित होता है और लोकतंत्र की जड़ें कमजोर होती हैं।

दूसरी ओर, बहुत से इन्फ्लुएंसर्स यह तर्क दे सकते हैं कि वे स्वतंत्र नागरिक हैं और उन्हें किसी भी विचार को समर्थन देने का अधिकार है। यह तर्क कुछ हद तक सही भी है, लेकिन जब कोई व्यक्ति या समूह अपने विचारों के ज़रिए लाखों लोगों की राय को प्रभावित कर रहा हो, तब उसकी सामाजिक और नैतिक जिम्मेदारी भी बनती है।

इन्फ्लुएंसर्स को यह समझना चाहिए कि उनकी बातों का असर केवल मनोरंजन या सौंदर्य उत्पादों के प्रचार तक नहीं है, बल्कि वे सामाजिक सरोकारों और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं को भी प्रभावित कर सकते हैं। इस प्रभाव के साथ उन्हें जवाबदेही भी स्वीकार करनी चाहिए।

कुंडली में है मांगलिक दोष, तो निवारण के लिए करें ये 8 उपाय

कुंडली में मांगलिक दोष होने पर व्यक्ति का विवाह देरी से होता है या फिर विवाह में अधिक देरी होने लगती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, किसी भी कुंडली के पहले, दूसरे, चौथे, सातवें, आठवें या बारहवें भाव में मंगल उपस्थित होता है तो वह दोष उत्पन्न करता है, इससे वैवाहिक जीवन में समस्याएं आती हैं। इससे बचने के लिए बहुत से उपाय और टोटके बताए गए हैं, जिसको करने से मांगलिक दोष का निवारण हो सकता है। मांगलिक दोष होने की वजह से वैवाहिक जीवन में कलह की स्थिति बन सकती है या तलाक भी हो सकता है। लाइफ पार्टनर की सेहत खराब हो सकती है और उसकी आयु पर इसका दुष्प्रभाव हो सकता है। आइए जानते हैं मांगलिक दोष निवारण के उपाय और टोटकों के बारे में।

मांगलिक दोष निवारण उपाय और टोटके

मांगलिक दोष निवारण के लिए आाप किसी योग्य पंडित से मंगल ग्रह की शांति के लिए पूजा करा सकते हैं। मंगल ग्रह शांति की पूजा किसी हनुमान मंदिर, नवग्रह मंदिर या फिर त्रयंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग स्थान पर कराना चाहिए।

मांगलिक दोष से मुक्ति के लिए मंगल के मंत्र ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः का जाप कर सकते हैं। इस मंत्र का जाव नियमित रूप से करना चाहिए। इस मंत्र का जाप तुलसी या फिर रुद्राक्ष माला से कर सकते हैं।

मंगल दोष के निवारण के लिए मंगलवार का व्रत रखें और वीर हनुमान जी की पूजा करें। हनुमत कृपा से मंगल ग्रह दोष शांत होगा और आपको लाभ प्राप्त होगा। मंगलवार के दिन हनुमान जी को चमेली के तेल और सिंदूर का चोला चढ़ाएं। पूजा के समय लाल फूल और गुड़-चना अर्पित करें।

मंगलवार के दिन हनुमान चालीसा, सुंदरकांड और बजरंग बाण में से किसी एक का नियमित पाठ करने से भी मंगल दोष का दुष्प्रभाव खत्म होता है।

मंगल दोष से मुक्ति के लिए आप लाल मूंगा रत्न धारण कर सकते हैं। यह मंगल का शुभ रत्न है। लाल मूंगा को तांबे में जड़कर पहना जाता है। इसे मंगलवार के दिन मंत्रों से अभिमंत्रित करके पहनना चाहिए। इसके लिए आप किसी ज्योतिषाचार्य से सुझाव ले सकते हैं।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मांगलिक दोष से मुक्ति के लिए पीड़ित व्यक्ति का विवाह घड़ा से कराते हैं या फिर पीपल के पेड़ से भी विवाह कराने की लोक मान्यता है। ऐसा करने से विवाह से संबंधित मांगलिक दोष मिट जाता है।

मांगलिक दोष के निवारण के लिए आप मंगलवार के दिन मंगल ग्रह से जुड़ी वस्तुओं का दान करें। मंगलवार को लाल वस्त्र, मसूर की दाल, तांबा, गुड़, चना आदि दान कर सकते हैं।

यदि आप मंगलवार का व्रत रखते हैं तो क्रोध, अहंकार, तामसिक प्रवृत्ति, गलत आचरण आदि से बचकर रहें। ब्रह्मचर्य के नियमों का पालन करें।

हर व्यक्ति की कुंडली में मंगल दोष नहीं होता है। यदि आपको शंका हो तो सबसे पहले अपनी कुंडली की जांच किसी अच्छे ज्योतिषाचार्य से कराएं। कई बार कुंडली में मांगलिक दोष घातक या अशुभ प्रभाव वाला नहीं होता है, इसलिए जांच कराना जरूरी है।

कल एक राशि में होंगे सूर्य और बुध ग्रह

15 दिन तक इन 4 राशियों को नहीं होगी किसी चीज की कमी

बुध ग्रह 23 मई को वृषभ राशि में गोचर करने वाले हैं, जहां पहले से ही ग्रहों के राजा सूर्य विराजमान हैं। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, सूर्य और बुध जब एक राशि में होते हैं, तब बुधादित्य योग का निर्माण होता है। बुधादित्य योग 6 जून तक रहेगा क्योंकि फिर बुध मिथुन राशि में गोचर कर जाएंगे, इसलिए इस योग का फायदा केवल 15 तक मिलने वाला है। बुधादित्य योग सूर्य और बुध की संयुक्त शक्तियों से मिलकर बनता है, जो व्यक्ति को हर क्षेत्र में फायदा देता है। सूर्य जहां मान-सम्मान, प्रशासन, नेतृत्व और ऊर्जा का प्रतीक माने जाते हैं, वहीं बुध बुद्धि, वाणी, तर्क, संचार, कारोबार के कारक ग्रह माने जाते हैं। वृषभ राशि में सूर्य और बुध की युति से 4 राशियों को हर क्षेत्र में फायदा मिलेगा और कुंडली में सूर्य और बुध ग्रह की स्थिति भी मजबूत होगी। आइए जानते हैं बुधादित्य योग से किन किन राशियों को फायदा मिलेगा...

मिथुन राशि

बुधादित्य योग 2025 मिथुन राशि वालों के लिए सकारात्मक परिवर्तन लाने वाला है। इस योग के प्रभाव से वित्तीय स्थिरता बनी रहेगी, जिससे आर्थिक चुनौतियों से राहत मिलेगी और नए आय स्रोतों की संभावना बनेगी। इस राशि के अविवाहित जातकों को इस अवधि में अच्छे विवाह प्रस्ताव मिल सकते हैं, जबकि जो पहले से ही रिश्ते में हैं या विवाहित हैं, उनका प्रेम और मजबूत होगा। भाग्य का साथ मिलने से नौकरी व कारोबार में आपको जमकर लाभ होगा और करियर में अच्छी उन्नति भी होगी।

सिंह राशि

बुधादित्य योग 2025 सिंह राशि वालों के लिए अत्यंत शुभकारी होने वाला है। 15 दिन की इस अवधि में आध्यात्मिकता की ओर अधिक झुकाव रहेगा, जिससे आंतरिक शांति और स्पष्टता मिलेगी। चल रहे संघर्षों में प्रयासों के फल मिलने की उम्मीद है, जिससे सफलता और प्रगति होगी। भाई-बहनों से प्रचुर मात्रा में समर्थन मिलेगा, जिससे पारिवारिक संबंध और भी अधिक मजबूत होंगे। बुधादित्य योग के प्रभाव से सिंह राशि वालों के बच्चों की अच्छी प्रगति होगी, जो विकास और उपलब्धि को दर्शाएगी।

कन्या राशि

बुधादित्य योग 2025 से कन्या राशि वालों को पर्सनल व प्रेफेशनल समेत कई क्षेत्रों में अपार सफलता मिलने की संभावना बन रही है। कन्या राशि वालों का वैवाहिक जीवन अधिक समझ, आपसी सम्मान और एक-दूसरे के प्रति जिम्मेदारी की भावना के साथ फलने-फूलने की उम्मीद है। इसके अलावा, संपत्ति या भूमि से संबंधित लंबे समय से लंबित इच्छाएं पूरी होने की संभावना बन रही है, जिससे भावनात्मक संतुष्टि और भौतिक लाभ भी मिलेगा। अगर आप नौकरी कर रहे हैं तो इस अवधि में आप अपने कार्यों की वजह से ऑफिस में चमकता हुआ सितारा बनेंगे और करियर में तरक्की के अच्छे मौके भी मिलेंगे।

जब ऐसा लगने लगे कि कोई समस्या हल नहीं हो रही है, तब ग्रंथों का पाठ करें

आज जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए सपने कैसे साकार हो सकते हैं?

ग्रंथ, पुस्तक, महापुरुषों और संतों के उपदेशों की मदद से हम समस्याओं के समाधान खोज सकते हैं। जब कभी जीवन में ऐसा लगने लगे कि हमारी समस्या हल नहीं हो रही है, तब ग्रंथों का पाठ करें। ग्रंथों में अपार ऊर्जा और सफलता पाने के अनेक साधन बताए गए हैं। ग्रंथ हमारा नजरिया और जीवन बदल देते हैं।

प्रेरक कथा: भगवान विष्णु और नारद मुनि का प्रसंग

जब कोई सलाह दे तो उस व्यक्ति की भावना जरूर समझें अहंकार में किसी की सलाह का अनादर न करें

एक बार नारद मुनि ने कामदेव को पराजित कर दिया था। वे संयम में थे, ध्यान में थे और उन पर कामदेव का असर नहीं हुआ। इस उपलब्धि ने नारद के भीतर अहंकार भर दिया।

अब वे जहां-जहां जाते, यह कहते कि "मैंने कामदेव को जीत लिया है, वह भी बिना क्रोध, बिना लोभ के।" इस आत्मप्रशंसा में वे कैलाश पर्वत जा पहुंचे और भगवान शिव से भी यही बात कही।

शिव जी मुस्कराए। उन्होंने कामदेव को भस्म किया था, लेकिन वे जानते थे कि भावनाओं की परीक्षा से अहंकार उत्पन्न हो सकता है। उन्होंने नारद से कहा, "आपने जो किया, वह सराहनीय है, ये बात आपने मुझे कही, ये भी ठीक है, लेकिन अब ये बात विष्णु जी से मत कहना।"

लेकिन हमारा स्वभाव होता है कि जिसे मना किया जाए, वही काम हम पहले करते हैं।

नारद मुनि शिव जी की बात को अनदेखा कर सीधे विष्णु जी के पास पहुंच गए और वही कहानी सुनाई। विष्णु जी सब समझ गए कि मेरे भक्त को अहंकार हो गया है। इसके बाद विष्णु जी ने एक लीला रची, जिससे नारद का घमंड चूर हो गया।विष्णु जी के कारण नारद मुनि को मोह, अपमान, क्रोध और दुःख का अनुभव हुआ। तब उन्हें अपनी गलती समझ आई।

इस कथा का सबसे गहरा संदेश शिव जी की बातों में छिपा है। शिव जी ने नारद मुनि से कहा था- "आप बार-बार कह रहे हैं कि आपने कामदेव को पराजित कर दिया है, लेकिन लोग तो आपके मुख से रामकथा सुनना चाहते हैं और आप कामकथा सुना रहे हैं। जो हमारा मूल धर्म है, कार्य, उत्तरदायित्व है, हमें उसी को निभाना चाहिए।"

कथा की सीख

अहंकार में अच्छी सलाह को अनदेखा न करें: जब कोई सलाह दे तो पहले यह देखें कि सलाह देने वाला कौन है और उसका उद्देश्य क्या है। कई बार हम समझते हैं कि सामने वाला हमारा बुरा चाहता है, जबकि वह निःस्वार्थ भाव से हमें बचाना चाह रहा होता है।अपने मूल कर्तव्य से विचलित न हों: हर व्यक्ति का एक मुख्य कार्य होता है। यदि वह उसे छोड़कर दूसरे क्षेत्र में चला जाए तो न केवल असफलता मिलती है, बल्कि अपमान भी झेलना पड़ सकता है। जैसा कि नारद मुनि के साथ हुआ। जब आप अपने कार्यक्षेत्र में प्रशंसा पाते हैं तो यह जरूरी है कि आप अपनी मूल पहचान से न भटके। आपकी उपलब्धियां दूसरों को प्रभावित कर सकती हैं, लेकिन आपको अपनी जिम्मेदारी और भूमिका से जुड़े रहना चाहिए।

इस मंदिर में फर्श पर सोने से भर जाती है महिलाओं की सूनी गोद!

भारत में आस्था और चमत्कारों की कहानियां हर कोने में बसी हैं। हजारों सालों से यहां मंदिरों, तीर्थों और पवित्र स्थलों के साथ जुड़े किस्से लोगों के विश्वास को मजबूती देते आए हैं। कई स्थान ऐसे भी हैं जहां भक्त सिर्फ पूजा नहीं, बल्कि किसी विशेष मनोकामना की पूर्ति के लिए आते हैं। हिमाचल प्रदेश में स्थित सिमसा माता मंदिर भी ऐसा ही एक स्थान है। यहां हर साल नवरात्रि के दौरान हजारों महिलाएं सिर्फ एक ही आस लेकर आती हैं मां बनने की। मान्यता है कि इस मंदिर में फर्श पर एक रात सोने से ही किसी महिला की गोद भर सकती है।

संतान प्राप्ति का मिलता है आशीर्वाद

सिमसा माता मंदिर हिमाचल के सिमसा गांव में है, जो बैजनाथ से करीब 30 किलोमीटर की दूरी पर पड़ता है। मंदिर में माता शारदा की पूजा होती है। स्थानीय लोग और दूर-दराज से आए श्रद्धालु मानते हैं कि यहां मांगी गई मनोकामनाएं जरूर पूरी होती हैं, खासकर उन महिलाओं की जो संतान की इच्छा लेकर यहां आती हैं।

क्या है सालिंदारा की मान्यता?

नवरात्रि के दिनों में यहां खास आयोजन होता है जिसे सालिंदारा कहा जाता है। इस शब्द का मतलब होता है 'सपना' यहां मान्यता है कि अगर कोई महिला मंदिर में रात को फर्श पर सोती है और उसे सपने में फल या सब्जी दिखाई देती है, तो उसे जल्दी ही संतान की प्राप्ति होती है। इसी वजह से नवरात्रि में मंदिर में भीड़ बहुत बढ़ जाती है और कई महिलाएं एक साथ मंदिर परिसर में रात बिताती हैं।

रहस्यमयी बावड़ी के संकेत

मंदिर के पास एक पुरानी बावड़ी है, जो खुद में कई रहस्य समेटे हुए है। ऐसा कहा जाता है कि जब किसी महिला को माता का आशीर्वाद मिल जाता है, तो उसे इस बावड़ी के पास चींटियां काटने लगती हैं। यह संकेत होता है कि अब उसे मंदिर से विदा ले लेनी चाहिए। अगर वह समय पर नहीं जाती, तो शरीर पर लाल चकत्ते बनने लगते हैं, जिससे उसे मजबूरी में मंदिर छोड़ना पड़ता है।

वहीं, अगर किसी महिला को सपने में लकड़ी, पत्थर या धातु जैसी कोई चीज दिखे, तो उसे यह संकेत माना जाता है कि मां ने उसकी प्रार्थना अभी नहीं सुनी है।

चमत्कारी शिला

मंदिर में एक खास पत्थर है, जिसे लेकर एक और रहस्य जुड़ा है। इसे दोनों हाथों से कोई नहीं हिला सकता, लेकिन जैसे ही कोई इसे एक हाथ से छूता है, तो यह धीरे से हिलने लगता है। यह चमत्कार आज भी वैज्ञानिकों की समझ से बाहर है।

क्या रास्ता है मंदिर तक जाने का?

सिमसा गांव, मनाली के नजदीक है और सड़क के जरिए आसानी से वहां पहुंचा जा सकता है। अगर आप हवाई यात्रा करना चाहते हैं, तो भुंतर एयरपोर्ट सबसे नजदीकी हवाई अड्डा है, जहां से सिमसा माता मंदिर की ओर आगे का सफर तय किया जा सकता है। निजी वाहन से जाना सबसे सुविधाजनक होता है।

आपने भी तो इस दिशा में नहीं लगा रखा है टीवी? तुरंत हटा दें

घर के अंदर मौजूद हर चीज़ का असर हमारे जीवन पर पड़ता है फिर चाहे वह सजावट की कोई वस्तु हो या रोज़मर्रा का इस्तेमाल होने वाला इलेक्ट्रॉनिक सामान। इन्हीं में से एक है टीवी, जो आज हर घर का अहम हिस्सा बन चुका है। टीवी सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि घर के माहौल को भी प्रभावित करता है। मगर क्या आपने कभी सोचा है कि इसे कहां रखा गया है और वो दिशा आपके लिए कितनी सही है? वास्तु के अनुसार, अगर टीवी सही दिशा में न हो, तो यह मानसिक अशांति, रिश्तों में तनाव और आर्थिक परेशानियों का कारण बन सकता है। वहीं, अगर इसे सही दिशा में रखा जाए तो यह घर में खुशहाली और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देता है।

किस दिशा में टीवी रखना है फायदेमंद?

पूर्व दिशा – टीवी रखने के लिए सबसे उपयुक्त दिशा मानी जाती है। यहां रखने से घर के सदस्य मानसिक रूप से शांत रहते हैं। विद्यार्थियों और कामकाजी लोगों के लिए यह दिशा खास लाभकारी है। क्योंकि इससे एकाग्रता और सोचने-समझने की क्षमता बेहतर होती है।

उत्तर दिशा – इस दिशा को धन और समृद्धि से जोड़कर देखा जाता है। टीवी अगर उत्तर दिशा की दीवार पर लगा हो, तो यह काम में तरक्की और आर्थिक लाभ के अवसर ला सकता है। इसके अलावा, इस दिशा में टीवी रखने से घर में मानसिक तनाव भी कम होता है।

किस दिशा से बचना जरूरी है?

दक्षिण दिशा – इस दिशा को वास्तु में अनुकूल नहीं माना गया है, खासकर टीवी रखने के लिए। लंबे समय तक दक्षिण दिशा में टीवी देखकर समय बिताने से घर में कलह, स्वास्थ्य से जुड़ी दिक्कतें और नकारात्मक सोच बढ़ सकती है। यह दिशा मानसिक अशांति और पारिवारिक तनाव को जन्म दे सकती है।

बेडरूम में टीवी रखना ठीक है या नहीं?

आजकल ज्यादातर लोगों के बेडरूम में टीवी होता है। लेकिन यह आदत रिश्तों में दूरी और सेहत में गिरावट का कारण बन सकती है, खासकर जब टीवी को बेड के ठीक सामने रखा गया हो। बेडरूम में टीवी रखना ज़रूरी हो तो ध्यान रखें कि वह पूर्व या उत्तर दिशा में ही हो और सोते समय टीवी को ढक दें, ताकि उसमें शरीर का प्रतिबिंब न दिखे। इससे अनजाने में होने वाले नकारात्मक प्रभाव से बचा जा सकता है।

वास्तु के छोटे बदलाव, बड़े फायदे

वास्तु शास्त्र जीवन को संतुलित और सकारात्मक बनाने की एक प्राचीन भारतीय पद्धति है। टीवी जैसे आम उपकरण को भी सही दिशा में रखने से न केवल घर का माहौल बेहतर होता है, बल्कि मानसिक, भावनात्मक और आर्थिक रूप से भी फायदे मिलते हैं। इसलिए अगली बार जब आप टीवी देखें, तो यह जरूर देख लें कि वह किस दिशा में है।

सोमवार को वट सावित्री व्रत, न करें ये 10 काम

वट सावित्री व्रत पर क्या न करें?

यदि आपके यहां वट सावित्री का व्रत निर्जला रखा जाता है तो भूलकर भी उस दिन अन्न और जल ग्रहण न करें, वरना आप व्रत टूट जाएगा। यह सिर्फ निर्जला व्रत के लिए है।

वट सावित्री व्रत के दिन पति के साथ वाद विवाद से दूर रहें। उसके प्रति मन में कोई गलत विचार न लाएं। यह बात पति के लिए भी लागू होती है। वह भी अपनी पत्नी से वाद विवाद न करें। किसी भी काम से उसका मन व्यथित न करे।

वट सावित्री व्रत के दिन सुहागन महिलाओं को काले और नीले रंग के कपड़ों को पहनने से बचना चाहिए। इसे अशुभ माना जाता है। इस दिन आप लाल, पीले या हरे रंग के कपड़ों का चुनाव कर सकती हैं।

कोई भी व्रत तभी फलित होता है, जब आप मन, कर्म और वचन की पवित्रता के साथ उस व्रत को करते हैं। वट सावित्री व्रत के दिन झूठ न बोलें, किसी को अपशब्द न कहें, क्रोध न करें।

वट सावित्री व्रत के दिन साफ-सफाई का ध्यान रखें। पूरी पवित्रता के साथ व्रत करें। पतिव्रता धर्म का पालन करें।

व्रत से एक दिन पूर्व और बाद तक ब्रह्मचर्य के नियमों का पालन करें।

वट सावित्री व्रत की कथा को पूरी श्रद्धा और नियम के साथ सुनें या पढ़ें। पूजा को अधूरा न छोड़ें।

वट सावित्री व्रत में बरगद के पेड़ की पूजा करते हैं क्योंकि इसे देव वृक्ष माना जाता है। इस दिन आप देव वृक्षों को हानि न पहुंचाएं।

व्रत के बाद दान देनी की परंपरा है। दान अधूरे मन से न दें। सच्चे मन से दान करें और उसके बाद दक्षिणा दें।

यदि व्रत के दिन या इसके आस पास माहवारी हुई है, तो ऐसे में महिलाओं को वट सावित्री व्रत की कथा सुननी चाहिए। व्रत और पूजा से दूरी रखनी चाहिए।

अपरा एकादशी कल : पाप कर्मों से मुक्ति दिलाता है अपरा एकादशी का व्रत

ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को अपरा एकादशी और अचला एकादशी (शुक्रवार, 23 मई) कहते हैं। इस तिथि पर भगवान विष्णु के लिए व्रत-उपवास करते हैं, भगवान का महालक्ष्मी के साथ अभिषेक किया जाता है। इस बार शुक्रवार को एकादशी होने से इस दिन शुक्र ग्रह की भी विशेष पूजा करनी चाहिए। शुक्र ग्रह की पूजा से कुंडली के ग्रह दोषों का असर कम हो सकता है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा बताते हैं, अपरा एकादशी वह व्रत है, जिसमें भक्त जाने-अनजाने में किए गए पापों के लिए भगवान से क्षमा मांगते हैं। इस दिन का व्रत और पूजन जीवन में सुख-शांति, समृद्धि और सफलता लाता है। ये व्रत मन को शांति प्रदान करने वाला माना जाता है।

ये है व्रत और पूजा की विधि

जो भक्त एकादशी व्रत करना चाहते हैं, उन्हें एक दिन पहले यानी दशमी (22 मई) की शाम से इसकी तैयारी शुरू कर देनी चाहिए। दशमी की शाम खाने में सात्विक आहार लें। सूर्यास्त के बाद भगवान विष्णु का ध्यान करें, ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें।

अगले दिन यानी एकादशी पर सुबह ब्रह्म मुहूर्त से पहले जागें और स्नान आदि कामों के बाद उगते सूर्य को जल चढ़ाएं।

घर के मंदिर में सबसे पहले गणेश पूजा करें। इसके बाद भगवान विष्णु और महालक्ष्मी की पूजा शुरू करें।

भगवान विष्णु और लक्ष्मी जी का दक्षिणावर्ती शंख से अभिषेक करें। पीले वस्त्र और हार-फूल से श्रृंगार करें। पूजन सामग्री चढ़ाएं।

माखन-मिश्री, मिठाई का भोग तुलसी के साथ लगाएं। धूप-दीप जलाएं, आरती करें। ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप करें। भगवान के सामने एकादशी व्रत करने का संकल्प लें। पूजा के बाद प्रसाद बांटें।

एकादशी व्रत में दिनभर निराहार रहना होता है, लेकिन जो लोग भूखे नहीं रह पाते हैं, वे फलाहार कर सकते हैं, दूध और फलों के रस का सेवन कर सकते हैं।

सुबह-शाम भगवान की पूजा करें। मंत्र जप और भगवान की कथाएं पढ़ें-सुनें। अगले दिन यानी द्वादशी की सुबह भगवान की पूजा करें, जरूरतमंद लोगों को भोजन कराएं, इसके बाद स्वयं भोजन करें। इस तरह एकादशी व्रत पूजा होता है।

अचला एकादशी की पौराणिक कथा

प्राचीन काल में महिध्वज नामक एक राजा थे। उनके छोटे भाई वज्रध्वज ने ईर्ष्या के कारण उनकी हत्या कर दी और शव को एक पीपल के पेड़ के नीचे दफना दिया। अकाल मृत्यु के कारण महिध्वज की आत्मा प्रेत बन गई और उस स्थान पर भय फैलाने लगी।

एक दिन वहां एक तपस्वी ऋषि पहुंचे। उन्होंने योगबल से यह सब जान लिया। उन्होंने अपरा एकादशी का व्रत रखा और उसकी द्वादशी तिथि पर व्रत का पुण्य राजा की आत्मा को अर्पित किया। इससे राजा की प्रेत योनि से मुक्ति हो गई और उसे मोक्ष की प्राप्ति हुई।

'मैं 19 की थी, वो लड़की होकर मुझसे ये सब कह रही थी' साउथ सिनेमा पर सैयामी खेर का चौंकाने वाला खुलासा

लाइट्स, कैमरा और एक्शन की चकाचौंध भरी दुनिया के पीछे कई ऐसे गहरे स्याह रंग है, जिसकी परछाई भी सिहरन पैदा कर देती है। फिर चाहे हिंदी सिनेमा हो या साउथ की फिल्मी दुनिया, रोल के बदले जिस्म का मोल लगाने वाले दरिंदों की कारिस्तानी कई बार सामने आ चुकी है। बीते साल जिस तरह मॉलीवुड को लेकर जस्टिस हेमा कमिटी की रिपोर्ट ने हसीन दुनिया की बखिया उधेड़ी, उसने सबको चौंका दिया। अब कास्टिंग काउच को लेकर एक ऐसा ही चौंकाने वाला खुलासा सैयामी खेर ने किया है।

साल 2016 में 'मर्जिया' से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली सैयामी खेर ने एक साल पहले 2015 में तेलुगू फिल्म 'रे' से एक्टिंग में कदम रखा था। बीते 10 साल में उन्होंने 'चोक्ड', 'घूमर' और हालिया रिलीज 'जाट' जैसी फिल्मों से अपनी अलग पहचान बनाई है। OTT पर वह 'स्पेशल ऑप्स', 'ब्रीदः इनटू द शैडोज' और 'फाडू' में नजर आ चुकी हैं। अब 'बॉलीवुड बबल' से बातचीत में सैयामी ने कास्टिंग काउच को लेकर अपनी आपबीती सुनाई है।

तब महज 19 साल की थीं सैयामी खेर

सैयामी का यह खुलासा, इसलिए भी अधिक चौंकाने वाला है, क्योंकि उनके सामने 'रोल के बदले कॉम्प्रोमाइज' करने का यह ऑफर किसी मर्द ने नहीं, बल्कि एक औरत ने रखा था। एक्ट्रेस ने बताया कि तब वह 19 या 20 साल की थीं। 29 जून 1992 को नासिक में पैदा हुई सैयामी बताती हैं, 'मुझे अभी तक फिल्मों के जितने भी ऑफर मिले हैं, मैं उसके लिए खुद को भाग्यशाली मानती हूं। लेकिन करियर की शुरआत में मेरे साथ एक बार ऐसा जरूर हुआ था।'

तेलुगू फिल्म के लिए आया था ऑफर

एक्ट्रेस ने आगे कहा, 'फिल्म इंडस्ट्री में एक एजेंट थी, जिसने मुझे 19 या 20 साल की उम्र में एक तेलुगू फिल्म के लिए बुलाया था। उसने कहा- तुम्हें पता है ना, तुम्हें इसके लिए कॉम्प्रोमाइज (समझौता) करना होगा।'

सैयामी ने बताया वह पहले इशारे में ही समझ गई थीं। लेकिन फिर भी उस एजेंट को परखने के लिए दोबारा पूछा, क्योंकि वह भी एक महिला थी। ऐसे में उन्हें पहले-पहल इस पर भरोसा नहीं हुआ। एक्ट्रेस ने कहा, 'तो मैंने कहा, मैडम मैं समझ नहीं पा रही हूं कि आप क्या कह रही हैं। मैं यही दोहराती रही। और फिर आखिरकार उसने कहा- देखिए, आपको समझना होगा।'

सैयामी ने उससे कहा- मेरी सीमाएं हैं, उसे कभी पार नहीं किया

नागार्जुन के साथ 'वाइल्ड डॉग' में काम कर चुकीं सैयामी ने कहा, 'मैंने उससे वहीं कह दिया कि मुझे खेद है कि आपको ऐसा लगता है कि मुझे रोल के लिए इस रास्ते पर चलने की जरूरत है। मेरी कुछ सीमाएं हैं जिन्हें मैंने अपने जीवन में कभी पार नहीं किया है।'

सैयामी ने हर्षवर्धन कपूर के साथ किया था डेब्यू

सैयामी खेर का ने तेलुगू फिल्मों से एक्टिंग डेब्यू के बाद राकेश ओमप्रकाश मेहरा के डायरेक्शन में बनी 'मिजर्या' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। इस फिल्म में उनके साथ अनिल कपूर के बेटे हर्षवर्धन कपूर ने भी डेब्यू किया था। हालांकि, फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई थी। उनकी हालिया रिलीज सनी देओल और रणदीप हुड्डा स्टारर 'जाट' थी। गोपीचंद मालिनेनी के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म ने देश में 88.57 करोड़ का नेट कलेक्शन और वर्ल्डवाइड 118.70 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया।

'वॉर 2' से कियारा आडवाणी की बिकिनी फोटो शेयर कर राम गोपाल वर्मा ने किया भद्दा कमेंट

ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर स्टारर 'वॉर 2' का टीजर जारी हो चुका है और इसमें सबसे ज्यादा जो चर्चा में है वो है कियारा आडवाणी का बिकिनी सीन। कियारा ने खुद बताया कि उन्होंने अपने करियर में पहली बार बिकिनी में शूट किया है। फैंस को उनका बोल्ड अवतार पसंद आ रहा है, इसी बीच फिल्ममेकर राम गोपाल वर्मा ने उनकी बैक की तस्वीर शेयर करते हुए अभद्र टिप्पणी की है। जिसे लेकर उनकी खूब आलोचना हो रही है।

राम गोपाल ने 'वॉर 2' से कियारा की गोल्डन बिकिनी पहने हुए बैक की तस्वीर शेयर की है। इसके साथ उन्होंने भद्दा कैप्शन लिखा है, जो है- देशों और समाजों के बजाय, यदि ऋतिक और जूनियर एनटीआर के बीच वॉर इस बात पर है कि किसे ये बैक मिलेगी, तो 'वॉर 2' एक बैकबस्टर होगी।"

भड़के यूजर्स

राम गोपाल वर्मा ने बाद में ये ट्वीट डिलीट कर दिया, मगर उसका स्क्रीनशॉट तेजी से वायरल हो गया। रेडिट पर राम गोपाल वर्मा को उनके भद्दे कमेंट के लिए खरी खोटी सुनाई जा रही है। एक यूजर ने लिखा, "इनका दिमाग सालों पहले ही खराब हो चुका है।" दूसरे यूजर ने लिखा कि राम गोपाल वर्मा का लेवल गिर चुका है, वहीं कुछ ने लिखा कि वो सठिया गए हैं।

एक ने लिखा, "आरजीवी हमेशा अपनी ठरकी बातों के लिए चर्चा में रहते है। मैं उन्हें सोशल मीडिया के शुरुआती दिनों से ही फॉलो कर रहा हूं और इससे पहले भी जब मीडिया ने सोशल मीडिया पोस्ट को ट्रैक करना शुरू किया था। ये अभी भी उनके पहले के ट्वीट्स की तुलना में बहुत हल्का पोस्ट है।" राम गोपाल वर्मा ने भले ही अपना पोस्ट डिलीट कर दिया, लेकिन यूजर्स कह रहे हैं कि उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

बता दें कि 20 मई को फिल्म का टीजर रिलीज हुआ। जहां टीजर में ऋतिक और जूनियर एनटीआर की एंट्री एक्शन के साथ हुई, वहीं कियारा की एंट्री ग्लैमर के साथ हुई। ऋतिक और कियारा के बीच रोमांस की झलक भी दिखाई दिया। फिल्म में कियारा ने पहली बार बिकिनी पहनी और टीजर रिलीज होने के बाद उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर इसके बारे में जानकारी भी दी।

सारा तेंदुलकर और सिद्धांत चतुर्वेदी का ब्रेकअप परिवार से मिलने के बाद टूटा रिश्ता?

बॉलीवुड एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी और सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर का ब्रेकअप हो गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक-दूसरे के परिवार से मिलने के बाद ये रिश्ता टूट गया। इससे पहले सारा तेंदुलकर का नाम क्रिकेटर शुभमन गिल के साथ जुड़ा था, वहीं सिद्धांत का नाम अमिताभ बच्चन की पोती नव्या नवेली नंदा के साथ जुड़ चुका है।

दो हफ्ते पहले ही ये बात सामने आई थी कि सिद्धांत और सारा डेट कर रहे हैं, लेकिन उनका रोमांटिक रिश्ता ठीक तरह से शुरू होने से पहले ही खत्म हो गया है। कपल के करीबी के हवाले से पता चला है, "उनका हाल ही में ब्रेकअप हो गया। सिद्धांत ने रिश्ता खत्म करने का फैसला किया। यह सब एक-दूसरे के परिवार से मिलने के बाद हुआ।" इससे पहले एक मैगज़ीन से बात करते हुए सिद्धांत ने रिश्ते को लेकर कहा था, "मेरे लिए अब तक रिश्ते लेन-देन वाले नहीं रहे हैं। मैं अपना सब कुछ दे देता हूँ। इतनी हद तक कि मैं ही 'रेड फ्लैग' बन जाता हूँ।" सिद्धांत ने अपने एक ब्रेकअप के बारे में भी बात की थी। एक्टर ने कहा था कि मुझे एम्बिशन और रिश्ते में से किसी एक को चुनना था और मैंने अपना एम्बिशन चुना था।

प्रियंका चोपड़ा से दीपिका पादुकोण तक, फिल्मों के लिए तगड़ी फीस लेती हैं ये अभिनेत्रियां

हाल ही में खबर आई कि दीपिका पादुकोण की एंट्री प्रभास अभिनीत फिल्म 'स्पिरिट' में हो गई है। इस फिल्म के लिए अभिनेत्री ने मोटी फीस चार्ज की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने करीब 20 करोड़ रुपये लिए हैं। इस रकम के साथ वे बॉलीवुड की सर्वाधिक फीस लेने वाली अभिनेत्रियों के लिस्ट में शामिल हो गई हैं।

प्रियंका चोपड़ा

भारत में सर्वाधिक फीस लेने वाली अभिनेत्रियों के लिस्ट में देसी गर्ल प्रियंका चोपड़ा सबसे ऊपर हैं। हालांकि, पिछले छह वर्ष से उनकी कोई भारतीय फिल्म रिलीज नहीं हुई है। अब वे एस एस राजामौली की फिल्म SSMB29 में नजर आएंगी। इसमें वे महेश बाबू के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। रिपोर्ट के मुताबिक प्रियंका चोपड़ा ने इस साउथ फिल्म के लिए करीब 30 करोड़ रुपये फीस चार्ज की है। भारतीय सिनेमा में यह किसी अभिनेत्री के लिए सबसे ज्यादा फीस हो सकती है, लेकिन हॉलीवुड में वे इससे भी ज्यादा फीस चार्ज करती हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक सिटाडेल सीरीज के लिए उन्होंने करीब 41 करोड़ रुपये फीस ली।

कैटरीना कैफ

कैटरीना कैफ बॉलीवुड की टॉप एक्ट्रेस में शामिल हैं। फीस के मामले में भी वह हाइएस्ट पेड अदाकाराओं में शामिल हैं। वे विज्ञापनों के लिए करीब छह से सात करोड़ रुपये फीस चार्ज करती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कैटरीना प्रति फिल्म करीब 10-12 करोड़ रुपये प्रति फीस लेती हैं।

आलिया भट्ट

आलिया भट्ट का नाम भी लिस्ट में शामिल है। कपूर परिवार की बहू बन चुकीं आलिया प्रति फिल्म करीब 10 से 15 करोड़ रुपये फीस चार्ज कती हैं। इसके अलावा वे विज्ञापनों के लिए भी तगड़ी फीस वसूलती हैं।

करीना कपूर

इंडस्ट्री के प्रतिष्ठित कपूर परिवार की करीना कपूर बॉलीवुड की पावरहाउस स्टार हैं। शादी और मां बनने के बाद भी करियर को किस कदर आगे बढ़ाया जा सकता है, करीना ने इसका उदाहरण सेट किया है। फीस की बात करें तो मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वे प्रति फिल्म करीब 8-18 करोड़ रुपये फीस लेती हैं।

श्रद्धा कपूर

बीते वर्ष फिल्म 'स्त्री 2' से बॉक्स ऑफिस की गद्दी पर राज करने वाली अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की भी अपनी चमक है। वह फिल्मों के लिए 7-15 करोड़ रुपये फीस लेती हैं। इसके अलावा विज्ञापनों के लिए भी वह अच्छी-खासी रकम चार्ज करती हैं।

अमला पॉल बिना शादी के हुई थीं प्रेग्नेंट, कहा- हम कुछ ही महीने साथ रहे और... तब पता नहीं था आगे क्या करना है

तमिल और मलयालम फिल्मों की फेमस एक्ट्रेस अमला पॉल पर्सनल लाइफ के कारण भी खूब चर्चा में रहीं। साल 2011 में अमला का नाम डायरेक्टर एएल विजय के साथ जुड़ा, लेकिन उन्होंने डेटिंग की अफवाहों को खारिज कर दिया। फिर 2014 में कोच्चि में उनसे ही शादी की।

पर ये रिश्ता ज्यादा दिन नहीं चल पाया औरर 2016 में तलाक की अर्जी देने के बाद 2017 में डिवॉर्स हो गया। पर उनकी जिंदगी में प्यार फिर से लौटा। उन्होंने 2023 में बिजनेसमैन जगत देसाई से दूसरी शादी की। जून 2024 में उनके बेटे इलाई का जन्म हुआ। अब साउथ एक्ट्रेस ने शादी से पहले हुई प्रेग्नेंसी पर खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि वो उस वक्त प्रेग्नेंट हुईं, जब उन्हें पता ही नहीं था कि लाइफ में आगे क्या करना है!

अमला पॉल ने कहा, 'मैं उस समय प्रेग्नेंट हुई, जब मुझे नहीं पता था कि मुझे अपनी लाइफ में क्या करना है। लेकिन उस एक्सपीरियंस ने मुझे दिशा दी और मुझे एक बेहतर इंसान बनाया। सबकुछ मेरे अंदर के उस छोटे से जीवन के बारे में हो गया। मुझे नहीं पता था कि 'मैं' कहां चला गया, पर ये नया फेज मुझे पसंद आया।'

प्रेग्नेंट होने के बाद हुई शादी

अमला पॉल ने आगे बताया कि वो और उनके पार्टनर जगत देसाई कुछ ही महीनों तक साथ रहे थे, तभी उन्हें अपनी प्रेग्नेंसी के बारे में पता चला। उन्होंने कहा, 'शादी बाद में हुई।'

घरवालों के नाम भूलने लगी थीं अमला

अमला का स्ट्रगल तब शुरू हुआ, जब उन्होंने अपने पिता को खो दिया और कोरोना काल के दौरान इमोशनली डिस्टर्ब हो गईं। तब उन्हें मानसिक बीमारी के गंभीर लक्षण (सिजोफ्रेनिया) भी महसूस हुए। उन्होंने कहा, 'मैं अपने ही घरवालों के नाम भूल रही थी। तनाव इतना ज्यादा था।'

अमला ने खुद को ऐसे किया ठीक

अमला ने बाली, थाईलैंड, श्रीलंका और लंदन टूर किया। सोलो ट्रिप के दौरान उन्हें खुद से फिर से जुड़ने के महत्व का अहसास हुआ। उन्होंने कहा, 'आप खुद को बचाने के लिए दूसरों पर निर्भर नहीं रह सकते। आपको अपना रास्ता खुद ही खोजना होगा।'

अमला की अपकमिंग मूवी

मालूम हो कि अमला साल 2009 से एक्टिंग की दुनिया में हैं। उन्होंने मलयालम, तमिल, तेलुगू, कन्नड़ भाषाओं की फिल्मों में काम किया। एक हिंदी फिल्म 'भोला' (2023) में कैमियो किया। अब वो 2025 में दीविजा में नजर आएंगी।

नैंसी त्यागी के कान लुक को लेकर नेहा भसीन ने लगाए आरोप, ड्रेस कॉपी करने का किया दावा

सोशल मीडिया की मशहूर इंफ्लुएंसर और फैशन डिजाइनर के तौर पर पहचान बनाने वाली नैन्सी त्यागी अब एक नए विवाद में फंसती नजर आ रही हैं। सिंगर नेहा भसीन ने नैन्सी पर उनके आउटफिट की नकल करने का गंभीर आरोप लगाया है, जिसके बाद फैशन और सोशल मीडिया की दुनिया में बहस तेज हो गई है।

नेहा भसीन ने उठाए सवाल

सिंगर नेहा भसीन ने 18 मई को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए दावा किया कि नैन्सी त्यागी का रेड कार्पेट लुक काफी हद तक उनकी पहनी हुई ड्रेस से मेल खाता है। उन्होंने पहले पोस्ट में लिखा कि यह लुक कुछ जाना-पहचाना लग रहा है और फिर एक दूसरी स्टोरी में उसी आउटफिट में अपनी तस्वीर शेयर करते हुए 'सेम सेम' लिखकर साफ इशारा किया कि नैन्सी ने उनका स्टाइल कॉपी किया है।

खुद से बनाने का दावा निकला झूठ?

नैन्सी त्यागी ने अपने इंस्टाग्राम पर दावा किया था कि उन्होंने अपनी कान की ड्रेस खुद तैयार की है और यह उनकी मां के प्रति श्रद्धांजलि है। लेकिन अब इस दावे पर सवाल उठ रहे हैं। बांद्रा के एक बुटीक की ओर से दावा किया गया कि यह ड्रेस उन्होंने नैन्सी को 25,000 में बेची थी। बुटीक की मालकिन ने बताया कि नैन्सी ने शायद उस ड्रेस में एक केप जोड़कर उसे अलग लुक देने की कोशिश की हो, लेकिन मूल ड्रेस उन्हीं की डिजाइन थी और नैन्सी ने इसे खरीदा था, न कि खुद सिलाई की थी।

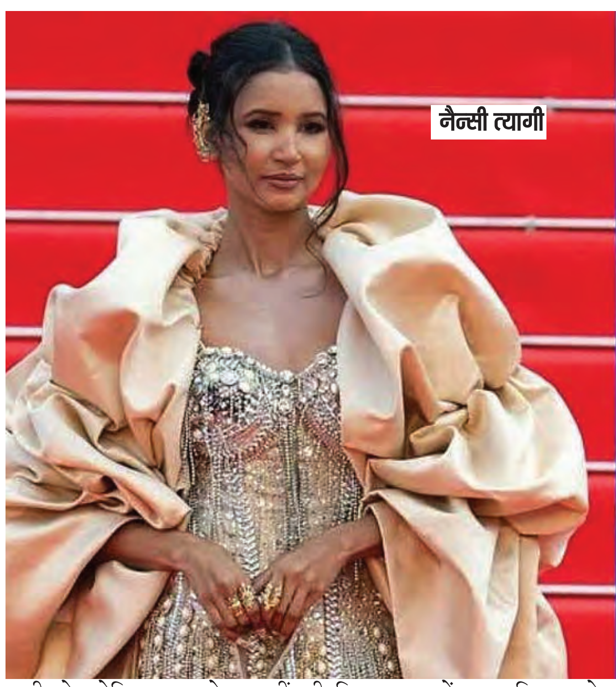

नैन्सी की इमेज पर पड़ेगा असर

नैन्सी त्यागी को उनके फैशन स्टाइल और खुद से ड्रेस सिलने की कला के लिए जाना जाता है। उनके कई ट्रांसफॉर्मेशन वीडियो लाखों लोगों द्वारा देखे और सराहे गए हैं। ऐसे में इस विवाद के बाद उनके ब्रांड और फॉलोअर्स के बीच उनकी छवि को बड़ा झटका दे सकता है। हालांकि अभी तक नैन्सी की ओर से इस पूरे मामले पर कोई सफाई नहीं दी गई है।

फैंस हुए दो गुटों में बंटे

इस पूरे विवाद के सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई है। कुछ लोग नैन्सी को उनके स्टाइल और ड्रेस को रीस्टाइल करने के लिए क्रिएटिव बता रहे हैं, वहीं कई यूजर्स उन्हें झूठ फैलाने और दूसरों की मेहनत को चुराने का दोषी ठहरा रहे हैं। कुछ का कहना है कि भले ही ड्रेस खरीदी गई हो, लेकिन नैन्सी ने उसे नए अंदाज में पेश किया, जबकि दूसरों का कहना है कि ऐसा करके उन्होंने अपने फैंस को धोखा दिया है।

भिंडी के साथ कभी नहीं खाएं ये 3 लिक्विड फूड, ये चमत्कारी सब्जी बन जाएगी ज़हर

भिंडी एक ऐसी गर्मी की सब्जी है जो ज्यादातर लोगों को भाती है। भरवा भिंडी, भिंडी की भुजिया,सूखी भुनी हुई भिंडी,भिंडी की सब्ज़ी ग्रेवी के साथ और भिंडी का रायता कई तरह से इस सब्जी को गर्मी में लोग खाते हैं। भिंडी एक ऐसी सब्जी है जो पोषक तत्वों से भरपूर होती है। इसमें मौजूद पोषक तत्वों की बात करें तो इसमें विटामिन, फाइबर, कैल्शियम, आयरन, मैग्नीशियम,फोलेट और फास्फोरस पर्याप्त मात्रा में मौजूद होता है। गर्मी में इस सब्जी का सेवन पकाकर और इसका पानी बनाकर दोनों तरह किया जाता है। आयुर्वेद के मुताबिक गर्मी में भिंडी का सेवन उसका पानी बनाकर किया जाए तो ब्लड शुगर नॉर्मल रहता है और वजन भी कंट्रोल रहता है। पाचन को दुरुस्त करने में भिंडी अनमोल है।

भिंडी सेहत के लिए अमृत है लेकिन कुछ फूड्स के साथ अगर इसका सेवन किया जाए तो ये सब्जी सेहत के लिए ज़हर बन जाती है। एम्स के पूर्व कंसल्टेंट और साओल हार्ट सेंटर के फाउंडर एंड डायरेक्टर और प्रसिद्ध कार्डियोलॉजिस्ट डॉ बिमल झांझर ने बताया भिंडी के लहसा में ऑक्सलेट होता है जो एक प्रकार का प्राकृतिक यौगिक है। यह शरीर में जाकर कैल्शियम से मिलकर कैल्शियम ऑक्सलेट बना सकता है जो किडनी स्टोन का कारण बनता है।

भिंडी का सेवन अगर कर रहे हैं तो कुछ लिक्विड फूड से परहेज करें। कुछ लिक्विड फूड्स को भिंडी के साथ खाने से बॉडी में ऑक्सलेट की मात्रा बढ़ने लगती है जो आपकी हड्डियों से लेकर किडनी तक के लिए खतरा है। आइए एक्सपर्ट से जानते हैं कि भिंडी के साथ किन फूड्स का सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए।

भिंडी के साथ दूध से करें परहेज

अगर आप भिंडी का सेवन सुबह के नाश्ते में कर रहे हैं तो उसके साथ दूध पीने की गलती बिल्कुल नहीं करें। रात के खाने में भिंडी खा रहे हैं तो उसे खाने के बाद दूध बिल्कुल नहीं पिएं। भिंडी के साथ दूध का सेवन करने से बॉडी में oxalate की मात्रा बढ़ने लगती है। दूध में कैल्शियम मौजूद होता है जो oxalate के ऑब्जर्बशन को ज्यादा कर देता है। इन दोनों फूड्स को एक साथ खाने से किडनी स्टोन की समस्या हो सकती है। ये आंतों की सेहत को नुकसान पहुंचा सकता है।

भिंडी के साथ चाय और कॉफी दोनों ज़हर हैं

अक्सर लोग खाना खाते हैं और चाय की सिप भी लेते रहते हैं। भिंडी की सब्जी खा रहे हैं और उसके साथ चाय का सेवन करेंगे तो ये आपकी बॉडी पर ज़हर की तरह असर करेगी। चाय और कॉफी में टैनिन और कैफीन होते हैं जो कुछ पोषक तत्वों के अवशोषण में बाधा डाल सकते हैं। जबकि भिंडी में म्यूसिलेज (चिपचिपा तत्व) और फाइबर अधिक मौजूद होता है जो पाचन को धीमा कर देता है और बहुत देरी से पचता है। चाय और कॉफी में मौजूद टैनिन का सेवन करने से भिंडी में मौजूद पोषक तत्व बॉडी में अवशोषित नहीं होते।

चाय और कॉफी के साथ भिंडी का कॉम्बिनेशन पाचन से जुड़ी परेशानियां जैसे गैस, एसिडिटी और अपच का कारण बनता है। आयुर्वेद के मुताबिक चाय और कॉफी की गर्म तासीर और भिंडी को ठंडी तासीर दोनों का प्रभाव एक-दूसरे के विपरीत होता है जो सेहत के लिए घातक है।

भिंडी के साथ मूली से करें परहेज

अगर आप अक्सर भिंडी की सब्जी के साथ सलाद के रूप में मूली खाते हैं तो इन दोनों सब्जियों को एक साथ खाने से परहेज करें। मूली में oxalate की मात्रा ज्यादा होती है जो किडनी में स्टोन बनाने मदद करता है। इन दोनों को एक साथ खाने से पेट में गैस और ब्लोटिंग होती है। इसमें मौजूद ग्लोकोसाइनोलेट गैस, एसिडिटी और अपच का कारण बनता है।

मोटापा व जिद्दी चर्बी कम करने के लिए पिएं ये 3 तरह के रायते

वेट लॉस के लिए लोग तरह-तरह के उपायों को फॉलो करते हैं। हालांकि, इसके लिए सबसे अधिक जरूरी है डाइट पर ध्यान देना। अगर आप भी वेट लॉस करना चाहते हैं, तो आपको हाई कैलोरी वाले खाद्य पदार्थों से दूरी बनाने की जरूरत होती है। वहीं, एक्सपर्ट जिद्दी चर्बी को कम करने के लिए डेली डाइट में फाइबर और प्रोटीन से भरपूर चीजें खाने की सलाह देते हैं।

दही से बनाएं रायता

वहीं, वेट कम करने वाले लोगों के लिए रायता काफी फायदेमंद हो सकता है। यह गर्मी के मौसम में शरीर को ठंडक भी पहुंचाता है। दरअसल, रायते को दही से तैयार किया जाता है और इसमें प्रोबायोटिक्स भरपूर मात्रा में होते हैं, जो पाचन के लिए भी काफी बेहतर होते हैं। इसको खाने से मेटाबॉलिज्म तेज हो जाता है, जिससे वजन कम करने में काफी मदद मिलती है।

खीरे का रायता

खीरे में पानी की मात्रा अधिक और कैलेरी काफी कम होती है। इसके रायता को बनाने के लिए आप खीरे को कद्दूकस करें और दही में मिलाएं। आप इसमें काला नमक और पिसा हुआ जीरा भी डालें। हर रोज इस रायते को खाने से पाचन तो बेहतर होगा ही, आप ओवरईटिंग से भी बच सकते हैं।

पुदीने का रायता

गर्मी के मौसम में पुदीना का सेवन करना काफी फायदेमंद होता है। पुदीने का रायता वजन घटाने में काफी मददगार साबित होता है। इसको तैयार करने के लिए आप एक कप दही में बारीक कटा पुदीना, काला नमक, भूना जीरा पाउडर और थोड़ा सा नींबू का रस मिलाएं और तैयार कर लें। यह रायता चर्बी को कम करने के साथ शरीर को ठंडक भी देता है।

लौकी का रायता

लौकी में कैलोरी की मात्रा कम और फाइबर की मात्रा अधिक होती है। इसमें पानी भी अधिक होता है। इसको खाने से शरीर को ठंडक तो पहुंचता ही है, लेकिन वजन भी आसानी से घटता है। लौकी का रायता तैयार करने के लिए आप सबसे पहले उबली हुई लौकी को सही से मैश कर लें और दही में मिलाएं।

अब ऊपर से हल्का काला नमक और जीरा को डालें। इसके सेवन से बॉडी आसानी से डिटॉक्स हो जाती है।

कैंसर-कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज, 100 रोगों की एक दवा ये हरी जड़ी बूटी

आयुर्वेद में ऐसी कई जड़ी बूटियां हैं जिनका दवाओं और कई तरह के विकारों के इलाज के लिए घरेलू उपायों में इस्तेमाल किया जाता है। यह जड़ी बूटियां और पेड़-पौधे आपके आसपास होते हैं लेकिन शायद ही आपको इन्हें इस्तेमा करना आता हो। ऐसी ही एक पावरफुल जड़ी बूटी गुडूची (टिनोस्पोरा कोर्डीफोलिया) है, जिसे आमतौर पर गिलोय के नाम से जाना जाता है।

आयुर्वेद डॉक्टर के अनुसार, गिलोय अगर यह नीम के पेड़ पर उगी हो, तो इसे और भी प्रभावशाली माना जाता है। आयुर्वेद में इसे 'अमृता' कहा गया है, जिसका मतलब है अमरत्व देने वाला दिव्य अमृत। डॉक्टर ने बताया कि इसके इस्तेमाल से आपकी सेहत को क्या-क्या फायदे हो सकते हैं और इसे कैसे इस्तेमाल करना चाहिए।

आयुर्वेद की सबसे प्रभावशाली जड़ी बूटी

गुडूची को आयुर्वेद की सबसे प्रभावशाली जड़ी-बूटी में से एक माना गया है। यह बुखार, डेंगू, चिकनगुनिया, गाउट, वायरल फीवर, खांसी/जुकाम, ऑटोइम्यून बीमारियों, डायबिटीज़ आदि में बहुत अच्छे परिणाम दिखा चुकी है।

दिमाग के लिए टॉनिक से कम नहीं

गिलोय में इम्यून सिस्टम बढ़ाने वाले गुण होते हैं यानी इसके सेवन से संक्रमण और बीमारियों से लड़ने की ताकत मिलती है. इतना ही नहीं, यह दिमागी टॉनिक और एडाप्टोजेनिक गुणों वाली औषधि है। यह तनाव कम करती है, मेमोरी सुधारती है और दिमाग की ताकत बढ़ाती है।

इम्यूनिटी बढ़ाने में फायदेमंद

वर्तमान समय में जब वायरल इंफेक्शन आम हो गया है, गिलोय हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) को बेहतरीन तरीके से बढ़ाता है। यह वायरल फीवर, पेट खराब, खांसी-जुकाम, डेंगू, टाइफाइड आदि में असरदार है।

गिलोय के प्रमुख गुण

- नेचुरल एंटी-इन्फ्लेमेटरी
- एंटी-बायोटिक
- एंटी-एजिंग
- एंटी-ऑक्सीडेंट
- एंटी-वायरल
- एंटी-डायबिटिक
- एंटी-कैंसर

गिलोय के इस्तेमाल के तरीके

डॉक्टर ने बताया कि यह सभी लोग ले सकते हैं और अब तक कोई ज्ञात साइड इफेक्ट नहीं मिले हैं, लेकिन प्रेग्नेंसी के दौरान डॉक्टर की सलाह से ही लें।

ताजी पत्तियां और तना- रातभर पानी में भिगो दें, सुबह कूटकर 1 गिलास पानी में उबालें जब तक आधा ना रह जाए। छानकर पी लें।

सूखा काढ़ा- 10 ग्राम क्वाथ को 400 ml पानी में रातभर भिगो दें। सुबह उबालें जब तक 100 ml रह जाए। छानकर पिएं। स्वाद के लिए गुड़ मिला सकते हैं (डायबिटिक लोग न मिलाएं)। इसमें तुलसी पत्ते, हल्दी और लौंग डाल सकते हैं।

गिलोय पाउडर- 1 चम्मच पाउडर गर्म पानी या शहद के साथ सुबह खाली पेट लें।

गिलोय / गुडूची घन वटी / संशमनी वटी- 2 गोली दिन में दो बार भोजन से पहले लें।

गिलोय जूस- सुबह खाली पेट 10 ml गिलोय जूस गरम पानी के साथ लें (यह सबसे ताकतवर रूप है लेकिन पचाने में भारी, इसलिए अच्छी पाचन शक्ति वाले लोग ही लें।

हलवाई जैसी कुरकुरी जलेबी घर में कैसे बनाएं?

चाहें कोई भी मौसम हो जलेबी का स्वाद हमेशा लोगों को पसंद आता है। किसी को जलेबी रबड़ी के साथ पसंद होती है तो कोई इसे दही के साथ खाता है। यूं तो अक्सर लोग इसे बाजार से खरीदकर खाना पसंद करते हैं। क्योंकि बाजार में मिलने वाली जलेबी कुरकुरी और रस से भरी होती हैं। लेकिन गर्मियों के दिनों में मार्केट में मिलने वाली खाने-पीने की चीजें आपका पेट खराब कर सकती हैं। इससे बचने के लिए आप घर पर जलेबी बनाकर खा सकते हैं। महिलाएं इसे बनाने की कोशिश तो करती हैं लेकिन हलवाई की तरह स्वाद नहीं आता है। अगर आप हलवाई भैया जैसी कुरकुरी रेसिपी घर पर बनाना चाहती हैं तो यहां हम आपके लिए परफेक्ट और आसान रेसिपी लेकर आए हैं।

हलवाई जैसी जलेबी के लिए इन चीजों की पड़ेगी जरूरत

- मैदा- 1/2 कप
- दही-1 चम्मच
- पानी-2 कप
- पीला रंग-1 चुटकी
- कॉर्न फ्लोर-1 चम्मच
- चाशनी बनाने के लिए
- चीनी-2 कप
- पानी-2 कप
- बेकिंग पाउडर-1/2 चम्मच
- इलायची पाउडर-1/2 चम्मच
- तेल या घी-(फ्राई करने के लिए)
- कॉटन का कपड़ा (जिसके बीच में छेद हो)

हलवाई जैसी जलेबी बनाने के लिए सबसे पहले आपको जलेबी का घोल बनाना होगा। इसके लिए पहले एक बर्तन लें। उसमें मैदा, कॉर्न फ्लोर और बेकिंग सोडा मिलाएं। फिर इसे अच्छे से मिक्स करें। इसके बाद इसमें दही मिलाएं। फिर उसे भी सही से मिला लें। ऐसा घोल बनाएं कि उसमें गांठ न हो। इसे कुछ घंटे के लिए रेस्ट करने रख दें।

जलेबी के लिए चाशनी कैसे बनाएं?

जलेबी के लिए चाशनी बनाने के लिए सबसे पहले किसी बर्तन में करीब 2 कप पानी डालकर उबालें। फिर इसमें चीनी और इलायची पाउडर डालें। इसे बीच-बीच में चलाते रहें। इस बात का ध्यान रखें कि ये बहुत ज्यादा पतली या गाढ़ी नहीं होनी चाहिए।

जलेबी कैसे बनाएं?

अब बारी आती है जलेबी को तलने की। इसके लिए सबसे पहले किसी कढ़ाही में तेल गर्म करें। फिर जलेबी के लिए तैयार मिश्रण को दोबारा अच्छे से फेट लें। इसे कॉटन के कपड़े से तैयार कोन में भर लें। इसे दबाकर तेल में जलेबी की शेप में मिश्रण को डालें। फिर दोनों साइड अच्छी तरह पका लें। इसके बाद जलेबी तो चाशनी में डालें। आपकी हलवाई स्टाइल जलेबी बनकर तैयार है।

गर्मी की सबसे ठंडी हैं ये सब्जियां

गर्मी पूरे उफान पर है, पारा 42 डिग्री सेल्सियस है लेकिन गर्मी का अहसास 50 डिग्री सेल्सियस वाला हो रहा है। हीट इंडेक्स लगातार बढ़ रहा है, खासकर शहर में नमी की वजह से हीट इंडेक्स 49.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिससे बीमारियों का खतरा भी बढ़ रहा है। इस समय भले ही लू न चल रही हो, लेकिन उमस भरी गर्मी से लोगों का बुरा हाल है। मौसम विभाग ने लोगों से गर्मी से बचाव करने की अपील की है। इस मौसम में अगर गर्मी से बचाव नहीं किया जाए तो डिहाइड्रेशन, लूज मोशन,लू,सनबर्न, हीट रैश, फूड पॉइजनिंग और भी कई तरह की परेशानियां तंग कर सकती हैं। इस मौसम में बॉडी में पानी की कमी को पूरा करना और इलेक्ट्रोलाइट का बैलेंस बनाए रखना जरूरी है।

समर में बॉडी में पानी की कमी को पूरा करने के लिए सिर्फ पानी का सेवन करना पर्याप्त नहीं हैं बल्कि डाइट में कुछ खास फूड का सेवन करना भी जरूरी है। इस मौसम में शरीर को ठंडा रखने के लिए पानी से भरपूर डाइट का सेवन करना जरूरी है। गर्मी में कुछ सब्जियों का सेवन वरदान साबित होता है। अगर इनका सेवन तपती गर्मी में करें तो आसानी से पानी की कमी को पूरा कर सकते हैं। कुदरत ने कुछ सब्जियां हमें तोहफे में दी हैं जो गर्मी में बॉडी को पानी से भर देती है, हीट से बचाव करती है और बॉडी को अंदर से ठंडा भी रखती है। आइए जानते हैं कि कौन-कौन सी ऐसी 4 सब्जियां हैं जिनका सेवन गर्मी में हीट से बचाव करने में और पानी से तर रखने में कर सकते हैं।

गर्मी में पेठा का करें सेवन बॉडी रहेगी कूल। पीली, मोमी ये सब्जी गर्मियों की क्लासिक सब्जी है। इस सब्जी की तासीर ठंडी होती है जो गर्मी में बॉडी को ठंडा रखती है। अक्सर लोग इस सब्जी का सेवन बॉडी को ठंडा रखने के लिए करते हैं। ये सब्जी गर्मी में खाएं तो बॉडी हाइड्रेट रहती है और पाचन दुरुस्त रहता है। इसमें शरीर की गर्मी को कम करने की ताकत है। तपती गर्मी में बॉडी को हाइड्रेट रखने में ये बेहतरीन सब्जी है। तोरई एक ऐसी सब्जी है जो पानी से भरपूर, हल्की और रेशेदार होती है। गर्म मौसम में भारी खाना उबाउ लगता है ऐसे में बॉडी को ठंडा रखने के लिए तोरई एक माकूल सब्जी है। गर्मी में इसे खाने से बॉडी कूल रहती है और बॉडी के सिस्टम को ठंडा रखती है। इस सब्जी का सेवन करके बॉडी से टॉक्सिन बाहर निकलते हैं और पाचन दुरुस्त रहता है।

लौकी खाएं गर्मी का तोहफा है

लौकी गर्मी से बचाव करने की सबसे भरोसेमंद सब्जी है। पानी से भरपूर, हल्के स्वाद की ये सब्जी गर्मी में बॉडी को पानी से तर रखती है और डिहाइड्रेशन से बचाव करती है। इसकी ठंडी तासीर बॉडी को ठंडा रखती है और वजन भी कंट्रोल करती है। इस सब्जी को खाने से लिवर की हेल्थ दुरुस्त रहती है। गर्मी में इसका सेवन सेवन उसका जूस बनाकर,रायता के रूप में, सब्जी पका कर कर सकते हैं। यह एक मल्टीटास्कर सब्जी है जो गर्मियों के भोजन के लिए एकदम सही है।

परवल खाएं

परवल की सब्जी गर्मी में खाएं बॉडी का गर्मी से बचाव होगा। परवल हल्का ठंडा होता है और सूखे या ग्रेवी वाले व्यंजनों में भी अच्छा लगता है। गर्मी में इसका सेवन करने से बॉडी को एनर्जी और पोषण दोनों मिलता है। गर्मी में बॉडी को हाइड्रेट रखने के लिए बॉडी का गर्मी से बचाव करने के लिए इस सब्जी का सेवन करें।

घी बनाने के लिए रखी मलाई अब नहीं होगी खराब, और ना ही खट्टी, बिना फ्रिज के भी आसानी से कर सकते हैं स्टोर

अक्सर घी बनाने के लिए दूध से निकाली गई मलाई खट्टी हो जाती है। गर्मियों के मौसम में मलाई को लंबे समय तक ताजा रखना चुनौती होती है। हालांकि स्टोर करने का सही तरीका अपनाने से इसे ताजा रख सकते हैं। जिसके लिए फ्रिज की भी जरूरत नहीं पड़ेगी।

बदलते वक्त में आजकल लगभग हर घर में फ्रिज होता है, जो खाने-पीने की चीजों को ताजा रखने का सबसे आसान तरीका है। लेकिन अगर आपके पास फ्रिज नहीं है, या बिजली की कमी है, तो दूध की मलाई को खट्टा होने से बचाना एक बड़ी चुनौती हो सकती है। हालांकि चिंता की कोई बात नहीं है।

पहले लोग बिना फ्रिज के भी मलाई को स्टोर करते थे। ऐसे में हम आपको कुछ ट्रेडिशनल और प्रभारी तरीकों के बारे में बता रहे हैं। जिनकी मदद से आप गर्मी के मौसम में भी घी बनाने के लिए निकाली गई मलाई को लंबे समय पर फ्रेश रख सकते हैं। इसके लिए मलाई निकालने का सही तरीका भी जानना होगा।

इस तरह से निकालें मलाई

दूध को हमेशा धीमी आंच पर तब तक उबालें जब तक कि वह अच्छी तरह से गरम न हो जाए और एक उबाल न आ जाए। उबाल आने के बाद भी 5-7 मिनट तक धीमी आंच पर पकने दें। इससे दूध में मौजूद नमी कम होती है और मलाई अच्छी और मोटी बनती है। दूध को उबालने के बाद, उसे कमरे के तापमान पर पूरी तरह से ठंडा होने दें। जब यह ठंडा हो जाए और मलाई की परत जम जाए, तभी मलाई निकालें।

सूखी और साफ जगह पर करें स्टोर

मलाई निकालने के बाद उसे साफ और सूखे बर्तन में रखें। मलाई जिस डिब्बे पर रख रहे हैं वो एयर टाइड होना चाहिए लेकिन अगर नहीं है तो इसे किसी साफ कपड़े या ढक्कन से ढक दें ताकि धूल और कीड़े दूर रहें। अब बर्तन को किसी ठंडी और अंधेरी जगह पर रखें। जैसे कि रसोई के सबसे ठंडे कोने में, किसी अलमारी के अंदर, या मिट्टी के घड़े में। आपको इसे धूप और गर्मी से बचाकर रखना होगा।

नमक का इस्तेमाल

मलाई को स्टोर करते समय उसमें चुटकी भर नमक मिलाना एक पुराना और आजमाया हुआ तरीका माना जाता है। नमक एक प्राकृतिक प्रिजर्वेटिव के रूप में काम करता है और बैक्टीरिया के विकास को धीमा करता है। ध्यान रहे कि नमक बहुत कम मात्रा में हो, ताकि मलाई के स्वाद पर असर ना हो। इसी तरह गर्मी के मौसम में दही को खट्टा होने से बचाने के लिए भी यह उपाय आजमा सकते हैं।

यह तरीके भी आएंगे काम

आप चाहें तो मलाई के डिब्बे को एक ठंडे पानी से भरे बर्तन में रख सकते हैं। हालांकि सुनिश्चित करें कि पानी मलाई के बर्तन के अंदर न जाए। दरअसल पानी के वाष्पीकरण से आसपास का तापमान थोड़ा कम रहेगा। इस प्रोसेस में आपको रोजाना पानी बदलना होगा।

मलाई के बर्तन को एक साफ, गीले कपड़े से लपेट दें। यह कपड़े से होने वाले वाष्पीकरण से ठंडक पैदा करेगा, जिससे मलाई थोड़ी देर तक ठंडी रहेगी। कपड़े को नियमित रूप से गीला करना ना भूलें।

मलाई निकालने के लिए हमेशा सूखे और साफ चम्मच का ही इस्तेमाल करें। मलाई के डिब्बे में पानी की एक बूंद भी न जाने दें। नमी बैक्टीरिया के पनपने का मुख्य कारण है। मलाई को जरूरत के हिसाब से निकालना और उपयोग करना चाहिए। इन उपायों से आप इसकी शेल्फ लाइफ बढ़ा सकते हैं, लेकिन इसे आसान तरीके से घी बनाने या अन्य कामों के लिए इस्तेमाल कर लेना चाहिए।

साइलेंट किलर है हाई ब्लड प्रेशर, 120/80 एमएम एचजी से ज्यादा बीपी होना खतरनाक

हाई ब्लड प्रेशर एक ऐसी बीमारी है जिसे साइलेंट किलर के नाम से जाना जाता है। हमारा ब्लड प्रेशर दिन में कई बार बदलता रहता है। बीपी में होने वाला ये उतार-चढ़ाव हमारी बॉडी एक्टिविटी, तनाव और नींद की वजह से होता है। हाई ब्लड प्रेशर को साइलेंट किलर इसलिए कहा जाता है क्योंकि ये बीमारी बेहद खामोशी से हमारे शरीर को खोखला बनाती रहती है। हाई बीपी की परेशानी का सिर्फ एक ही इलाज है कि इसे कंट्रोल में किया जाए।

अगर हाई बीपी को कंट्रोल नहीं किया जाए तो ये बीमारी कई बीमारियों को अपने साथ ले आती है। लम्बे समय तक बीपी हाई होने से दिल के रोगों का खतरा, स्ट्रोक , हार्ट अटैक और किडनी से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ने लगता है।

ब्लड प्रेशर की नॉर्मल रेंज की बात करें तो 120/80 एमएम एचजी को सामान्य बीपी कहा जाता है। ऊपर वाले बीपी को सिस्टोलिक कहा जाता है जबकि नीचे वाले बीपी को डायस्टोलिक कहा जाता है। दोनों में किसी एक का स्तर भी अगर ज्यादा रहे तो ये बॉडी के लिए खतरा बनता जाता है।

अक्सर हाई बीपी होने पर भी लोग नॉर्मल महसूस करते हैं, लेकिन ब्लड प्रेशर मॉनिटर करने पर पता चलता है कि बीपी हाई है। बीपी का हाई और लो होना दोनों ही सेहत के लिए खतरा है। लो बीपी होने पर जहां मरीज बेहोशी और चक्कर महसूस करता है वहीं हाई बीपी होने पर भी बॉडी में कुछ अलग वार्निंग साइन दिखते हैं।

न्यूरोम क्लिनिक गुड़गांव में जनरल फिजिशियन और न्यूरोलॉजिस्ट डॉक्टर प्रियंका सहरावत ने बताया अगर मरीज को बीपी हाई होने का पता चल जाए तो ब्रेन हेमरेज जैसी खतरनाक बीमारी से बचा जा सकता है। लगातार बीपी हाई होने से किडनी, दिल के रोग और स्ट्रोक का खतरा बढ़ने लगता है। आइए जानते हैं कि हाई बीपी होने पर बॉडी में कौन-कौन से वार्निंग साइन दिखते हैं और उनकी पहचान और बचाव कैसे करें।

हाई ब्लड प्रेशर के वार्निंग साइन

जिन लोगों का बीपी हाई होता है उन्हें गंभीर सिरदर्द हो सकता है।

हाई बीपी होने पर सीने में दर्द होता है। ये दर्द कभी हल्का तो कभी चुभन वाला होता है।

हाई और लो दोनों बीपी होने पर मरीज को चक्कर आ सकते हैं।

सांस लेने में कठिनाई होना हाई बीपी के लक्षण हैं।

मतली और उल्टी होना हाई बीपी के संकेत हो सकते हैं।

आंखों से धुंधला दिखाई देना भी हाई बीपी के लक्षण हो सकते हैं।

चिंता,भ्रम, कानों में भनभनाहट होना भी हाई बीपी के वार्निंग साइन हैं।

नाक से खून आना

दिल की धड़कन का असामान्य होना हाई बीपी के लक्षण हैं।

हाई बीपी को कैसे करें कंट्रोल

एक्सपर्ट ने बताया अगर आपको हाई बीपी रहता है तो रेगुलर मॉनिटर करें।

डाइट में संतृप्त वसा , ट्रांस फैट और नमक का सेवन कम करें। डाइट में सब्जियां, फल और साबुत अनाज को शामिल करें।

डाइट और लाइफस्टाइल में बदलाव करें।

वजन को कम करें।

स्मोकिंग और अल्कोहल से परहेज करें।

30 मिनट तक एक्सरसाइज करें या ब्रिक्स वॉक करें। अगर आप आधा घंटे तेजी से चलते हैं तो आपका बीपी नॉर्मल रहता है।

घर में ही ट्रंप की किरकिरी

एनवीडिया चीफ बोले– चीन को एआई चिप निर्यात पर अमेरिका का नियंत्रण गलत फैसला

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। टैरिफ और वैश्विक बाजार पर अपने रोज नए बयानों के कारण अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दोबारा सत्ता संभालाने के बाद खासे चर्चा में रहे हैं। इस दौरान उन्होंने कई ऐसे फैसले भी लिए जिनकी खासी अलोचना हुई। ऐसा ही एक फैसला चीन को एआई चिप निर्यात करने पर रोक लगाने का भी था। अब इस मामले में उनकी अपने घर में ही किरकिरी हो रही है। एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी जेन्सन हुआंग के अनुसार, चीन को कृत्रिम बुद्धिमत्ता चिप्स पर अमेरिका की ओर से लगाया गया निर्यात नियंत्रण ₹विफल₹ रहा है। समाचार एजेंसी रॉयटर्स ने यह जानकारी दी है। हुआंग के अनुसार, कुल मिलाकर, निर्यात नियंत्रण विफल रहा। उन्होंने आगे कहा, ₹शुरुआत में एआई के प्रसार नियम को जन्म देने वाली मूलभूत धारणाएं, सबसे पहले, मौलिक रूप से त्रुटिपूर्ण साबित हुई हैं।

उन्होंने तर्क दिया कि त्रुटिपूर्ण प्रारंभिक धारणाओं पर आधारित इन नियंत्रणों ने चीनी कंपनियों को हुआवेई जैसी घरेलू फर्मों से चिप्स खरीदने के लिए प्रेरित किया है और चीन को आक्रामक रूप से अपनी स्वतंत्र सेमीकंडक्टर आपूर्ति श्रृंखला बनाने के लिए प्रेरित किया है। हुआंग की टिप्पणी सोमवार को चीन की आलोचना के बाद आई, जिसमें अमेरिका से अपनी गलतियों को तुरंत सुधारने₹ और अमेरिकी मार्गदर्शन के बाद भेदभावपूर्ण उपायों को रोकने का आग्रह किया गया था। इन उपायों के तहत कंपनियों को चीन से उन्नत कंप्यूटर चिप्स का उपयोग न करने की चेतावनी दी गई थी। इन चिप्स में हुआवेई के एस्केंड एआई चिप्स भी शामिल हैं।

चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने दावा किया कि इन अमेरिकी कार्रवाइयों ने व्यापार वार्ता को कमजोर किया और दृढ़ प्रतिवाद की धमकी दी। ताइपे में कंप्यूटेक्स में बोलते हुए, हुआंग ने यह भी कहा कि बिडेन प्रशासन की शुरुआत के बाद से चीन में एनवीडिया की बाजार हिस्सेदारी 95% से घटकर 50% हो गई है। हाल ही में, फॉक्सकॉन होन हाई टेक्नोलॉजी ग्रुप ने एनवीडिया और ताइवान सरकार के साथ मिलकर एक एआई फैक्ट्री सुपरकंप्यूटर विकसित किया है। जिससे अत्याधुनिक एनवीडिया ब्लैकवेल इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार होगा और यह शोधकर्ताओं, स्टार्टअप और उद्योगों की मदद करेगा।

साझेदारी के हिस्से के रूप में, फॉक्सकॉन अपनी सहायक कंपनी बिग इनोवेशन के जरिए एनवीडिया से क्लाउड पार्टनर के रूप में एआई इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदान करेगा। एनवीडिया के अनुसार इस इंफ्रास्ट्रक्चर में 10,000 एनवीडिया ब्लैकवेल जीपीयू होंगे। एआई से जुड़ी यह आधारभूत संरचना एआई कंप्यूटिंग उपलब्धता का विस्तार करेगी। यह ताइवान के शोधकर्ताओं और उद्यमों के लिए नवाचार को बढ़ावा देगी।

केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी 18,000 से 51,000 हो जाएगी

8वां वेतन आयोग 1 जनवरी से लागू होगा, बेसिक सैलरी करीब 3 गुना बढ़ाए जाने की उम्मीद

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। सरकार 8वें वेतन आयोग को 1 जनवरी 2026 से लागू करेगी। वेतन आयोग को 16 जनवरी 2025 को मंजूरी दी गई थी। इस बीच सरकार को सुझाव दिया गया है कि कर्मचारियों के लेवल को मर्ज किया जाए। साथ ही उम्मीद की जा रही है कि वेतन आयोग 2.86 तक का फिटमेंट फैक्टर लागू कर सकता है।

इससे केंद्रीय कर्मचारियों की सैलरी 40,000 रुपए से बढ़कर 1 लाख रुपए तक हो सकती है। वहीं सैलरी, पेंशन और अलाउंस (भत्ते) को रिवाइज किए जाने से 50 लाख से ज्यादा केंद्र सरकार के कर्मचारियों और लगभग 65 लाख पेंशनर्स को लाभ मिलेगा।

यह आयोग सैलरी और पेंशन में एडजस्टमेंट्स का आंकलन करेगा। तथा फिटमेंट फैक्टर और मिनिमम वेज स्टैंडर्ड्स जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर फोकस करेगा। लाखों कर्मचारी और पेंशनर्स 8वें पे-कमिशन के इम्प्लिमेंटेशन का इंतजार कर रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि इसमें आज की इकोनॉमिक रियलिटीज की हिसाब से चेंजेस होंगे।

16 जनवरी 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और यूनियन कैबिनेट ने 8वें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी दी थी। हालांकि, सरकार ने अभी तक 8वें वेतन आयोग के लिए रेफरेंस की शर्तें प्रकाशित नहीं की हैं। हालांकि, बजट 2025 में टैक्सपेयर्स के लिए कई प्रपोजल रखे गए हैं। वहीं बजट डाक्यूमेंट्स में 8वें वेतन आयोग को लागू करने में केंद्र सरकार को होने वाली लागतों का जिक्र नहीं किया गया है।

स्टाफ की ओर से प्रपोजल देने वाले एडवोकेट्स ने सरकार को कई लेवल को मर्ज करने का सुझाव दिया है। उनके सुझाव में इन लेवल को मर्ज करना शामिल है- लेवल 1 को लेवल 2 के साथ, लेवल 3 को लेवल 4 के साथ और लेवल 5 को लेवल 6 के साथ। यह एडवोकेट्स लोअर पे स्केल वाले कर्मचारियों के वेतन बढ़ाने और कैरियर ग्रोथ के अवसरों को बढ़ावा देने के लिए सुझाव देते हैं।

इस मर्जर का टारगेट मौजूदा वेतन वृद्धि असमानताओं को दूर करना और ज्यादा ट्रांसपेरेंट सैलरी स्ट्रक्चर बनाना है। इन लेवल्स को मिलाकर यह उम्मीद की जाती है कि कर्मचारियों को ज्यादा ग्रोथ का अनुभव होगा। क्योंकि यह ठहराव को कम करेगा और समय के साथ वित्तीय सुधार को बढ़ाएगा।

वर्तमान में लेवल-1 कर्मचारी की मंथली बेसिक सैलरी 18,000 रुपए है। वहीं लेवल-2 कर्मचारी को 19,900 रुपए मिलते हैं। मर्जर के बाद लेवल-1 कर्मचारी को ज्यादा लाभ मिल सकता है। क्योंकि नया सैलरी स्ट्रक्चर इसी स्तर से शुरू होगा। इसके अलावा 8वें वेतन आयोग से उम्मीद है कि ये 2.86 तक का फिटमेंट फैक्टर लागू कर सकता है। इससे एस्टिमेटेड रिवाइज्ड बेसिक पे 51,480 रुपए तक बढ़ जाने का अनुमान है। फिटमेंट फैक्टर वेतन आयोग का एक महत्वपूर्ण पहलू है, जो सभी लेवलों पर सैलरी और पेंशन को फिर से निर्धारित करने के लिए एक स्टैंडर्ड मल्टिप्लायर के रूप में काम करता है। यह सिस्मट लगातार सैलरी ग्रोथ की गारंटी देता है, चाहे कर्मचारी का ग्रेड या सैलरी बैंड कुछ भी हो।

7वें वेतन आयोग की शुरुआत के साथ मिनिमम बेसिक सैलरी में पर्याप्त ग्रोथ हुई थी, जो 2.57 के फिटमेंट फैक्टर की बदौलत 7,000 रुपए से बढ़कर 18,000 रुपए हो गई थी। इसी तरह, पेंशन में भी चेंज हुआ था, जो 3,500 रुपए से बढ़कर 9,000 रुपए हो गया।

धनशोधन से जुड़े मामले में देश के कई शहरों में तलाशी

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को मुंबई, बेंगलुरु, जालंधर, इंदौर और कोलकाता सहित विभिन्न शहरों में तलाशी अभियान चलाया। एजेंसी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि एक फर्म में कथित धन शोधन की जांच के सिलसिले में यह तलाशी धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत की गई। तलाशी अभियान के दौरान ईडी ने करीब 6.43 लाख रुपये मूल्य की विदेशी मुद्राएं जब्त कीं। इनमें अमेरिकी डॉलर, सिंगापुर डॉलर और दिरहम शामिल हैं। इसके अलावा 55.74 लाख रुपये मूल्य के सोने के सिक्के भी जब्त किए गए। इसके अलावा बैंक खातों में करीब 94 लाख रुपये की राशि भी जब्त कर ली गई।

एजेंसी ने बताया कि संपत्ति के दस्तावेज, कई डिजिटल डिवाइस और विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज भी जब्त किए गए।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2082**
शक संवत् **-1947**,सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- **ग्रीष्म**
महावीर निर्वाण संवत् **-2551**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - 05-47 सूर्यास्त - 18-38
भोग्य कलि वर्ष-**426874**
कलियुग संवत् **-5126** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949126**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885126**

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय		
सूर्य-	वृष	मे	वृष---	05-20	बजे
चंद्र-	मकर	मे	मिथुन..	07-20	बजे
मंगल	कर्क	मे	कर्क--	09-32	बजे
बुध-	वृष	मे	सिंह---	11-43	बजे
गुरु-	मिथुन	मे	कन्या...	13-50	बजे
शुक्र-	मीन	मे	तुला....	15-56	बजे
शनि-	मीन	मे	वृश्चिक..	18-06	बजे
राहु-	कुंभ	मे	धनु.....	20-19	बजे
केतु-	सिंह	मे	मकर....	22-26	बजे
			कुंभ...	00-16	बजे
			मीन....	01-58	बजे
			मेष.....	03-31	बजे

दिशाशूल - दक्षिण - जीरा खाकर घर से निकले
तिथि- दशमी **01-12** तक उपरान्त एकादशी
मास - ज्येष्ठ कृष्ण , गुरुवार **22 May**
नक्षत्र - पूर्वभाद्रपद **17-47** तक उपरान्त उ.भाद्रपद
योग - विष्कुंभ **21-49** तक उप प्रीति
करण- वणिज **14-21** तक उप विष्टी (भद्रा)
विशेष:-
व्रत -त्योहार - भद्राकाल **14-22** से

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 13:50 से 15:28 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
शुभ .	05:44 - 07:21	शुभ	अमृत	18:42 - 20:05	शुभ
रोग.	07:21 - 08:58	अशुभ	चंचल	20:05 - 21:28	शुभ
उत्पात	08:58 - 10:36	अशुभ	रोग	21:28 - 22:50	अशुभ
चंचल	10:36 - 12:13	शुभ	काल	22:50 - 00:13	अशुभ
लाभ	12:13 - 13:50	शुभ	लाभ	00:13 - 01:35	शुभ
अमृत	13:50 - 15:28	शुभ	उत्पात	01:35 - 02:58	अशुभ
काल	15:28 - 17:05	अशुभ	शुभ	02:58 - 04:21	शुभ
शुभ	17:05 - 18:42	शुभ	अमृत	04:21 - 05:43	शुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आप अपने कार्य क्षेत्र में कुछ भ्रमित है और काफी समय से कुछ प्रश्न आपकी परेशानिया बढ़ा रहे है । आज इसका हल आपको नजर आ सकता है । आप इस विचार पर अडिग रहे और समाधान निकलने की कोशिश करे चाहे वह कितना भी अटपटा या अजीब लगे । अगर आप कुछ जोखिम लेंगे।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
एक छोटा लेकिन बेहद आकर्षक अवसर आज आप के लिए खुलने की संभावना है। निर्माण या अचल संपत्ति के कारोबार में निवेश आपके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकता है । हालांकि, अगर आप समय पर निर्णायक कार्रवाई करते है तभी आपको लाभ मिलेगा । अगर आप समय बर्बाद करेंगे तो अवसर आपके हाथ से निकल जाएंगे । संपत्ति से संबंधित ऋण भी आज मंजूर होने की संभावना है।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
छात्रों के लिए, यह किसी भी परीक्षा में उतरने लिए एक अच्छा दिन है। सफलता आपके साथ है। पेशेवरों के लिए, आपके कार्य स्थल पर एक सकारात्मक दिन होगा। लंबित मुद्दों का हल मिलेगा । अगर आपको लगता है की वेतन वृद्धि के लिए आज का दिन उपयुक्त है तो अपने उच्च अधिकारियो से बात करने का दिन आज अच्छा है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आप सक्रिय हैं और आज आपकी सक्रिय प्रकृति आपको शीर्ष पर रखेगी । आप सभी गतिविधियों के केंद्र पर हैं । आप बहुत अच्छा कर रहे हैं। बस अपनी गति को बनाए रखने और आगे बढ़ते रहे । अब भी लक्ष्य को हासिल करने के लिए बहुत कुछ है। आप अपने कार्य क्षेत्र को व्ययवस्थित रखें और समय-समय पर अपने दस्तावेजों को देखते रहे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आपके नए व्यापार विचार जो आपने सुझाये थे वे अब फल देने लगेंगे । आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की सोच सकते है। यह अपने दम पर कुछ करने के लिए सबसे अच्छा समय है। संभावना है कि आप इस समय अपने नए व्यापार के लिए पर्याप्त वित्तपोषण प्राप्त करने में सक्षम होंगे । आपको इस व्यवसाय को स्थापित करने के लिए विदेश में से किसी के साथ साझेदारी में काम करना पड़ सकता है।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज का दिन नौकरी से संबंधित कार्यो के लिए काफी अनुकूल है। आपने हमेशा से ईमानदारी और मेहनत के साथ कार्य किया है और अतीत में, हालाँकि आपको उतना फल नहीं मिला , लेकिन अब भाग्य आपके लिए स्थितियां अनुकूल करेगा । आपकी काफी सारी परियोजनाए सफलता के साथ फलित होंगी और आज का दिन अपने वरिष्ठ अधिकारियों और अपने से नीचे कार्य पद पर तैनात सहकर्मियों से प्रशंसा पाने का समय है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप अपने वांछित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए और अपने परिवार की धन वृद्धि के लिए शक्तिशाली ऊर्जा से भरे हुए हैं। आप अधिक ज्ञान को प्राप्त करने में सक्षम हो जायेंगे और जिससे आप अगली बार किसी की सेवा करने पर अधिक कमाने लायक हो जाएंगे , इस तरह से आपके हाथो में वित्तीय सुरक्षा और सफलता के लिए सभी सामग्री रहेगी ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
जो लोग अध्ययन में कार्यरत हैं , उनकी मेहनत का फल पाने के लिए ये एक अच्छा समय है। यही चीज़ काम कर रहे पेशेवरों के लिए भी लागू होती है। सफलता और प्रशंसा आपको मिल सकती हैं। लेकिन अगर आपने कोई निवेश किया है तो उसमे आपको नुकसान हो सकता है , इसलिए निवेश की योजना को आज ठंडे बस्ते में डाल दे और शुभ समय का इंतजार करे ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आप अपने संबंधित काम में गंभीर रूप से तनाव से प्रभावित हो सकते हैं। आंतरिक दबाव आपके सिर चढ़ कर बोलेगा और अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए आपके पास आवश्यक समय की कमी हो सकती है , लेकिन आप इसमें कुछ भी नहीं कर सकते है इसलिये इस समय को आसानी से निकालने का प्रयास करें।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आप समय के महत्व को जानते हैं और आप आज एक लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में काम करेंगे। आप सही रास्ते पर हैं। कड़ी मेहनत करे , सफलता आप से दूर नहीं है। आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर है और इसलिए आप व्यापार और शेयरों में कुछ जोखिम ले सकते हैं । आय के नए अवसर आज दिखाई दे सकते हैं। आगे जाने से पहले अपने शुभचिंतकों से परामर्श करें।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज का दिन निवेश के लिए उपयुक्त है बशर्ते के आपने उस के लिए पहले से ही कुछ नीतिया बनाई हुई हो । किसी के आग्रह पर निवेश करना से आपको सही फल नहीं मिलेगा किन्तु अगर आप गहराई से अनुसंधान करे तो आप सही निष्कर्ष पर पहुंच सकते है । आपके निवेश आपको लम्बी दुरी के लक्ष्यों को पूरा करने में मददगार साबित होंगे।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आपने पिछले कुछ दिनों में कुछ अधिक खर्च किया है जिसके आप आदी नहीं हैं । आज सतर्कता की अवस्था आप के अंदर रहेगी । आपके दृष्टिकोण में एक उल्लेखनीय बदलाव आएगा और आप अपने बजट को सख्त बनाने और धन संचय पर अधिक जोर देंगे , हालाँकि आपको अपने दृष्टिकोण में बदलाव लाना होगा की आपका धन बर्बाद और खत्म हो जाएगा ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

जी20 अर्थव्यवस्थाओं में भारत की स्थिति मजबूत

मूडीज ने कहा– वैश्विक व्यापारिक व्यावधानों का असर नहीं

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। मूडीज रेटिंग्स की बुधवार को जारी रिपोर्ट में भारत की अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक टिप्पणी की गई है। रिपोर्ट के अनुसार भारत अमेरिकी टैरिफ और वैश्विक व्यापार व्यवधानों के नकारात्मक प्रभावों से निपटने के मामले में अच्छी स्थिति में है। भारत की बड़ी घरेलू अर्थव्यवस्था और निर्यात पर कम निर्भरता स्थिति को मजबूत बनाती है। यदि व्यापार वार्ता करने से अन्य बाजारों की तुलना में भारत पर टैरिफ कम हो जाता है, तो अमेरिकी बाजारों में भारत-निर्मित वस्तुओं की मांग बढ़ सकती है और इससे भारत को लाभ होगा।

रेटिंग्स एजेंसी ने कहा कि हमें उम्मीद है कि 10 प्रतिशत वैश्विक टैरिफ और अमेरिका की ज्यादातर चीनी सामानों पर लगाई गई 30% टैरिफ वैश्विक विकास में बाधा डालेंगी। इससे वर्ष 2025 में भारत की आर्थिक वृद्धि 6.7% से घटकर 6.3% हो सकती है। फिर भी, यह वृद्धि दर जी-20 अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक होगी। सरकार की निजी खपत बढ़ाने, उद्योगों की क्षमता बढ़ाने और बुनियादी ढांचे पर खर्च बढ़ाने की योजनाएं वैश्विक मांग में कमी के प्रभाव को कम करेंगी।

मूडीज के अनुसार, अमेरिकी टैरिफ का प्रभाव अधिकांश बुनियादी ढांचा पर कम प्रभाव पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र घरेलू मांग पर निर्भर है और सरकारी समर्थन से लाभान्वित होता है। उन्होंने आगे कहा कि बिजली,परिवहन और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों की मजबूत मांग अगले पांच-सात सालों में पूंजी निवेश को आकर्षित करना जारी रखेगी।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि वैश्विक अस्थिरता के बावजूद भारत का मजबूत बैंकिंग बाजार और स्थिर ऋण स्थितियां इसकी आर्थिक मजबूती को रेखांकित करती हैं। फिर भी,वैश्विक आर्थिक और ऋण स्थितियों में गिरावट का असर पड़ेगा। महंगाई में कमी से ब्याज दरों में कटौती की संभावना बनती है,जिससे अर्थव्यवस्था को और अधिक समर्थन मिलेगा। साथ ही बैंकिंग क्षेत्र की आसान प्रक्रिया होने से ऋण देने में सुविधा होगी। मूडीज ने चेतावनी दी है कि विनिमय दर में उतार-चढ़ाव मौद्रिक नीति में ढील की गति को प्रभावित कर सकता है। दरों में बहुत तेजी से कमी करने से पूंजी में गिरावट बढ़ सकती है और रुपये का मूल्य तेजी से गिर सकता है, जो पिछले साल के आखिर में डॉलर के मुकाबले काफी कमजोर हुआ था। हालांकि अन्य उभरते बाजारों की मुद्राओं के साथ-साथ रुपया कुछ हद तक मजबूत हुआ है।

बैंकों को गैर-ब्याज आय में लाभ मिलेगा

बैंकों के लिए गैर-ब्याज आय में इजाफा होगा। इसमें बड़े कारोबारी वॉल्यूम, वेल्थ और बीमा सेवाओं और अवसरवादी बॉन्ड के कारण लाभ मिलेगा। मूडीज ने कहा, कुल मिलाकर, हमें उम्मीद है कि संपत्तियों पर सिस्टमवाइड रिटर्न वित्त वर्ष 2024-25 की पहली छमाही में 1.40% से घटकर वित्त वर्ष 26 में 1.25% की सीमा तक आ जाएगा। साथ ही, पाकिस्तान-भारत तनाव के कारण भारत की तुलना में पाकिस्तान के विकास पर ज्यादा दबाव पड़ेगा।

व्यापार समझौता: वित्त मंत्री सीतारमण बोलीं

मंजूरी में नियामकों की देरी से विभिन्न देशों के साथ रिश्ते पर असर

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। मंजूरी में नियामकों की देरी से अनिश्चितता पैदा होने के साथ अमेरिका और यूरोप सहित विभिन्न देशों के साथ चल रहे भारत के मुक्त व्यापार सौदों पर भी असर पड़ सकता है। ऐसे में विनियमन और स्वतंत्रता के बीच सही संतुलन होना जरूरी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को कहा, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) के 16वें वार्षिक समारोह में कहा, निवेशकों की नजर नियामकों की क्षमता और तत्परता पर होती है। जब आप उचित समय में कुछ मुक्त व्यापार समझौतों पर सहमति बनाने की बात करते हैं, तो इसका बहुत गंभीर अर्थ होता है। इसलिए, चाहे वह मुकदमेबाजी हो या इसमें लगने वाला समय हो या जब नियामक कम पारदर्शी हों, तो बातचीत जटिल हो सकती है।

वित्त मंत्री ने कहा, नियामक ढांचे में कठोर निगरानी बनाए रखने के साथ ऐसे संयोजनों के लिए तुरंत और निर्बाध मंजूरी की सुविधा भी दी जाए, जिससे प्रतिस्पर्धा को नुकसान न पहुंचे। उन्होंने कहा, न सिर्फ व्यावसायिक आचरण बल्कि सरकारी नीतियों, कानूनों और विनियमों को भी प्रतिस्पर्धा को प्रभावित नहीं करना चाहिए।

सीतारमण ने कहा, भारत जैसे देश के लिए स्वतंत्र और निष्पक्ष बाजार सुनिश्चित करना महज आर्थिक ही नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक जरूरत भी है। किसी भी चीज की कीमतें चैरिटी के कारण नहीं गिरतीं, बल्कि इसलिए गिरती हैं क्योंकि कोई और उसी उत्पाद को कम दाम पर बेचने को तैयार है। गुणवत्ता में सुधार नैतिकता के कारण नहीं होता, बल्कि इसलिए होता है क्योंकि बाजार की ताकतें औसत दर्जे को दंडित करती हैं।

सीसीआई की प्रमुख रवनीत कौर ने कहा, उत्पादन लागत के नए मानदंडों से अधिक सटीक और मूल्यांकन करने में मदद मिलेगी। इससे प्रवर्तन परिणाम आसान हो जाएंगे। डिजिटल बाजारों में तेजी से बदलाव आ रहा है और पहले कदम उठाने का लाभ बहुत जल्दी ही ठोस रूप ले लेता है। सीसीआई डिजिटल बाजारों, वैश्वीकरण और उभरते व्यापार मॉडल की जटिलताओं का प्रभावी ढंग से जवाब देने के लिए ढांचे को पुनः व्यवस्थित करने में सक्रिय रहा है।

देश में खाद्यान्न की महंगाई से रहेगी राहत

आगामी महीनों में भी नहीं सताएंगे बढ़े दाम; गेहूं की बंपर फसल

नई दिल्ली , 21 मई (एजेंसियां)। देश के लोगों को खाद्यान्न की महंगाई नहीं सताएगी। बंपर पैदावार और मुद्रास्फीति का ऐतिहासिक रूप से 42 माह में सबसे निचले स्तर पर होना बताता है। देश खाद्यान्न के मामले में सक्षम है और भंडार भरे हैं। खाद्य सचिव संजीव चोपड़ा ने कहा कि देश में खाद्यान्न उत्पादन इस बार भी बंपर है। इसलिए निकट भविष्य में भी स्थितियां सामान्य रहने वाली है। देश में अप्रैल में कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स सबसे कम 1.78 फीसदी था। इससे पहले यह अक्तूबर 2021 में 0.85 फीसदी सबसे कम था। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि देश में खाद्यान्न की कीमतों में निकट भविष्य में कोई बड़ी बढ़ोत्तरी नहीं होगी।

इसके अलावा देश में चालू रबी मार्केटिंग सीजन में अभी तक गेहूं की सरकारी खरीद तय लक्ष्य से कम रहने वाली है। किंतु यह चिंता का विषय नहीं है, क्योंकि यह तय लक्ष्य से थोड़ी ही कम है। किसानों को उनकी फसल का भरपूर दाम मिला है। निजी कंपनियों ने किसानों से खूब खरीदी की है। देश के सरकारी गोदामों में 382.22 लाख मीट्रिक टन चावल का भंडार है। अक्टूबर नवंबर से नई फसल आ जाएगी, जिसके पूर्वानुमान भी काफी अच्छे होने की उम्मीद है।

गेहूं की अभी तक 296 लाख मीट्रिक टन खरीद

सरकारी खरीद में गेहूं की अभी तक 296 लाख मीट्रिक टन की खरीद हो चुकी है। चोपड़ा ने कहा कि जबकि सरकारी खरीद का लक्ष्य 312 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीद का रखा गया था। इसमें पंजाब में निजी कंपनियों और उत्तर प्रदेश से कम सरकारी खरीद के कारण तय लक्ष्य से कुछ कम रह गया है। सरकार ने इसमें पंजाब से 124 लाख मीट्रिक टन, हरियाणा से 75 लाख मीट्रिक टन, मध्य प्रदेश से 80 लाख मीट्रिक टन, उत्तर प्रदेश से 30 लाख मीट्रिक टन, राजस्थान से 20 लाख मीट्रिक टन और गुजरात से 0.01 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदने था।

सोने–चांदी के दामों में बड़ी बढ़त

एक दिन में सोना 1,645 और चांदी 1,775 बढ़ी, इस साल अब तक सोना हुआ 19,290 महंगा

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 21 मई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,645 बढ़कर 95,452 पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 93,807 प्रति 10 ग्राम थी।

वहीं, चांदी का भाव 1,775 बढ़कर 97,475 हो गया है। इससे पहले चांदी का भाव 95,800 प्रति किलो था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था।

4 महानगरों में सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,450 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,570 रुपए है।
मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,420 रुपए है ।कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 89,300 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 97,420 रुपए है।
चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,300 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,420 रुपए है। भोपालः 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 89,350 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 97,470 रुपए है।

सेंसेक्स 410 अंक ऊपर 81,597 पर बंद

निफ्टी 130 अंक चढ़ा, रियल्टी और फार्मा शेयरों में ज्यादा खरीदारी; बेलराइज इंडस्ट्रीज का IPO ओपन

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन यानी बुधवार, 21 मई को सेंसेक्स 410 अंक चढ़कर 81,597 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 130 अंक की तेजी रही। ये 24,813 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 24 ऊपर बंद हुए। बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, सनफार्मा सहित कुल 8 शेयरों में 2% तक की तेजी रही। जबकि, इंडसइंड बैंक बैंक सहित 6 शेयरों में 1% तक की गिरावट रही।

निफ्टी के 50 शेयरों में से 34 में तेजी है। NSE के रियल्टी इंडेक्स में 1.72%, फार्मा में 1.25%, ऑटो में 0.72% और IT में 0.70% की तेजी रही।कंज्यूमर ड्यूरेबल्स में 0.49% की गिरावट रही।

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 231 अंक (0.61%) नीचे 37,299 पर बंद हुआ। कोरिया का कोस्पी करीब 24 अंक (0.91%) ऊपर 2,626 पर बंद हुआ।

क्या है यूएस की गोल्डन डोम योजना

जिसके लिए 14.5 लाख करोड़ खर्चने को तैयार

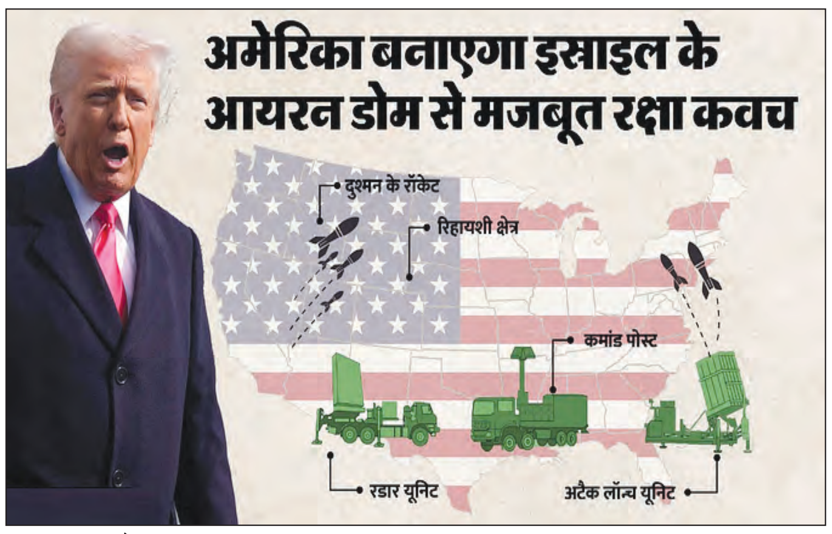

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसी साल मार्च में अमेरिकी संसद में दिए अपने भाषण में इस्राइल के आयरन डोम सुरक्षा कवच की तर्ज पर ही अपने देश में एक गोल्डन डोम बनाने का प्रस्ताव रखा था। मंगलवार को उन्होंने इस सिस्टम की तैनाती को लेकर मंजूरी भी दे दी। ट्रंप ने कहा, 'हम गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस शील्ड के बारे में ऐतिहासिक घोषणा कर रहे हैं। यह कुछ ऐसा है जो हम चाहते हैं। रोनाल्ड रीगन (40वें अमेरिकी राष्ट्रपति) इसे कई साल पहले ही चाहते थे, लेकिन उनके पास तकनीक नहीं थी।' यह योजना अमेरिका की पहली ऐसी प्रणाली होगी जिसमें अंतरिक्ष में हथियार तैनात किए जाएंगे।

ऐसे में यह जानना अहम है कि आखिर ट्रंप ने जिस गोल्डन डोम के निर्माण को मंजूरी दी है, वह है क्या? अमेरिका को अब इसकी जरूरत क्यों है? उसे किस तरह के हमलों और हथियारों से खतरा महसूस हुआ है? इसके अलावा अमेरिका का यह गोल्डन डोम इस्राइल के आयरन डोम से कितना अलग होगा?

> पहले जानें-ट्रंप ने गोल्डन डोम को लेकर क्या बताया?

गोल्डन डोम मिसाइल डिफेंस शील्ड से जुड़ी घोषणा को लेकर व्हाइट हाउस की तरफ से जारी एक वीडियो संदेश में ट्रंप ने कहा, 'यह कुछ ऐसा है जो हमारे पास होगा। हम इसे उच्चतम स्तर पर रखने जा रहे हैं।' ट्रंप प्रशासन के मुताबिक डोम की लागत 175 बिलियन डॉलर (लगभग 14.5 लाख करोड़ रुपये) आएगी।

> अमेरिका को अचानक क्यों याद आई इस्राइल जैसी रक्षा व्यवस्था बनाने की याद?

ऐसा नहीं है कि अमेरिका के पास अब तक किसी भी तरह के हमले के लिए कोई रक्षा कवच नहीं है। अमेरिका ने अपने आसपास पूर्वी तट और अटलांटिक महासागर में किसी खतरे से निपटने के लिए यूएस फ्लीट फोर्स कमान की तैनाती की है। वहीं, जमीनी क्षेत्रों में अमेरिका ने दूसरे देशों से लगती अपनी सीमाओं ही नहीं, बल्कि दुनियाभर में अलग-अलग जगहों पर सैन्य, नौसैन्य और वायुसेना के लिए बेस कैंप भी बनाए हैं। इससे अमेरिकी सेना पूरी दुनिया में किसी भी क्षेत्र में कुछ घंटों के अंदर ही हमले करने और किसी खतरे से खुद का बचाव करने में सक्षम है। हालांकि, यह टुकड़ियां पूरा हवाई क्षेत्र कवर नहीं करतीं। यानी कई ऐसे क्षेत्र भी हैं, जो कि अमेरिकी सेना, वायुसेना और नौसेना के लिए ब्लाइंड स्पॉट हैं। ऐसे में दुश्मन इन क्षेत्रों की पहचान कर के या आसानी से रडार की पकड़ में न आने वाले हथियारों के जरिए उसे निशाना बना सकता है।

अमेरिका के पास फिलहाल ऐसी कोई सुरक्षा प्रणाली नहीं है, जिसके जरिए वह आधुनिक समय की हाइपरसोनिक मिसाइलों, ड्रोन हमलों की बाढ़ का सामना कर सके। अमेरिका के पास फिलहाल हवाई हमलों से रक्षा के लिए कुछ मिसाइल डिफेंस सिस्टम जरूर हैं। इनमें पेट्रियट मिसाइल डिफेंस सिस्टम, नाइकी हरक्यूलीज सिस्टम और टर्मिनल हाई एल्टीट्यूड एरिया डिफेंस (टीएचएएडी) सिस्टम प्रमुख हैं। इसके अलावा अमेरिका ने कुछ बैलिस्टिक मिसाइलों को भी अपनी सुरक्षा के लिए देश और बाहर समुद्री क्षेत्रों में तैनात किया है। हालांकि, यह पूरी व्यवस्था अब तक काफी बिखरी हुई मानी जाती है। रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि तकनीकी क्षमता होने के बावजूद अगर अमेरिका पर हमलों की बाढ़ आती है तो यह सुरक्षा प्रणाली टूट सकती है। ऐसे में अमेरिका को सुरक्षा कवच के तौर पर एक केंद्रीकृत प्रणाली की जरूरत है।

अमेरिका की मौजूदा हवाई सुरक्षा व्यवस्थाओं को इस्राइल के आयरन डोम सिस्टम की टक्कर का नहीं माना जाता। दरअसल, आयरन डोम सिस्टम एक एकीकृत रक्षा प्रणाली है, जो हवाई हमलों को एक साथ रोकने में सक्षम है। यह सिस्टम एक साथ पूरे इस्राइल की सुरक्षा के लिए लगाया गया है। इसकी वजह से ही हमास और हिज्बुल्ला की तरफ से किए गए बड़े मिसाइल और ड्रोन हमलों को इस्राइल नाकाम कर चुका है।

> क्या है गोल्डन डोम, जिसकी दुनिया में फिर छिड़ी चर्चा?

डोनाल्ड ट्रंप ने संसद में दिए अपने भाषण में अमेरिका के 40वें राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन के नाम का जिक्र किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 1983 में अमेरिका में कूटनीतिक रक्षा पहल (स्ट्रैटेजिक डिफेंस इनीशिएटिव) का एलान किया गया था। इसे मुख्य तौर पर रूस से आने वाली अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइलों से सुरक्षा के लिए तैयार किया जाना था। हालांकि, अमेरिका इस प्रोजेक्ट को लागू करने में सफल नहीं हो पाया। अब करीब 42 साल बाद डोनाल्ड ट्रंप ने फिर ऐसे ही सिस्टम को तैयार करने पहल की है।

दरअसल, सैटेलाइट्स रडार और इंटरसेप्टर्स के जरिए मिसाइलों या दूसरे हवाई खतरों की लोकेशन की जानकारी अलग-अलग बिंदुओं पर भेजती है। ऐसे में अमेरिका की तरफ आने वाले किसी भी खतरे को सबसे पहले देश से दूर ही अमेरिकी सैन्य बेस या नौसैन्य पोत के करीब ही खत्म करने की कोशिश की जाती है। यहां से जरूरी मिसाइलों या लड़ाकू विमानों के जरिए हवाई खतरों को नष्ट किया जाता है।

यहीं से गोल्डन डोम सिस्टम का अगला काम यहीं से शुरू होता है। दरअसल, इस्राइल के सिस्टम का ही उदाहरण ले लें तो इस सिस्टम में तीन हिस्से होते हैं। पहला- रडार, दूसरा- कमांड पोस्ट और तीसरा- लॉन्चर। रडार के जरिए डोम सिस्टम यह तय करता है कि आसमान में दिख रही चीज कितना बड़ा खतरा है, इसकी क्या गति है और इसे खत्म करने के लिए किस गति की और कितनी ताकत की जरूरत होगी। यह पूरी जानकारी गोल्डन डोम के दूसरे हिस्से के तौर पर काम कर रहे कमांड पोस्ट को लगातार मिलती है, जो कि खतरे को भांपकर लॉन्चर को सिग्नल देता है और यह लॉन्चर यूनिट इंटरसेप्टर मिसाइलों के जरिए हमला करता है और खतरे को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही नष्ट कर देता है।

लॉन्चर दो तरह के होते हैं- स्टेशनरी और मोबाइल। स्टेशनरी एक ही जगह पर फिटेड सिस्टम होता है और मोबाइल को एक जगह से दूसरी जगह पर ले जाया जाता है। मिसाइलें हवा में सीधे ऊपर की तरफ छोड़ी जाती हैं। उसके बाद ये अपने निशाने को ढूंढते हुए दिशा बदल लेती है। ये मिसाइलें हीट या मोशन सेंसिंग होती हैं और हवा में ही खतरों को नष्ट कर देती है। वहीं कमांड पोस्ट से इस पूरी प्रकिया पर नजर रखी जाती है।

किस खतरे से सुरक्षा की तैयारी?

रिपोर्ट्स की मानें तो अमेरिका अपने गोल्डन डोम सिस्टम के लिए कई तरह की मिसाइलों को रखने की योजना बना रहा है। यह मिसाइलें जरूरत के हिसाब से छोटे या लंबे रेंज की मिसाइलों को खत्म कर देंगी। इतना ही नहीं हाइपरसोनिक गति से आने वाली मिसाइलों के लिए अलग तरह के हथियार और फ्लेयर तैयार किए जा सकते हैं। बताया जाता है कि फिलहाल अमेरिका गोल्डन डोम में पहले से मौजूद मिसाइल रक्षा प्रणालियों को एकीकृत कर इस्तेमाल करेगा। जैसे कि पैट्रियट डिफेंस सिस्टम और उन्नत रडार। हालांकि, समय के साथ गोल्डन डोम की क्षमता को बढ़ाने का काम किया जाएगा।

> इस्राइल के मुकाबले काफी अलग होगा अमेरिका का गोल्डन डोम

इस्राइल का आयरन डोम सिस्टम छोटे से देश की रक्षा के लिए बना है। वहीं अमेरिका क्षेत्रफल में इस्राइल से 430 गुना और जनसंख्या में 35 गुना बड़ा है। यानी अमेरिका में इस्राइल जैसे डिफेंस सिस्टम को तैनात करना बड़ी चुनौती होगी।

इस्राइल ने अमेरिका के सहयोग से राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम को ध्यान में रखते हुए आयरन डोम को रॉकेट हमलों का मुकाबला करने के लिए विकसित किया है। इस्राइल साल 2011 से इस प्रणाली का इस्तेमाल कर रहा है।

इस्राइल की सेना और सरकार दावा करती है कि आयरन डोम दुनिया का सबसे विकसित एयर डिफेंस सिस्टम है और इसका सक्सेस रेट 90 प्रतिशत से भी ज्यादा है।

अच्छी खबर : गुजरात में पांच वर्षों में शेरों की संख्या 674 से बढ़कर 891 हुई

अब 11 जिलों में फैले एशियाई शेर

गांधीनगर, 21 मई (एजेंसियां)। गुजरात में एशियाई शेरों की संख्या में बीते पांच वर्षों में बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। मई 2024 में कराए गए ताजा शेर जनगणना के अनुसार, अब राज्य में शेरों की संख्या 891 हो गई है, जो कि 2020 में 674 थी। यानी शेरों की संख्या में 217 का इजाफा हुआ है। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अब शेर सिर्फ गिर के जंगलों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पूरे सौराष्ट्र क्षेत्र के 11 जिलों में फैले हुए हैं, जिनमें जंगलों के अलावा तटीय और गैर-जंगल इलाके भी शामिल हैं।

> अब गिर से बाहर भी बसे शेर

गुजरात के वन विभाग के प्रमुख चीफ कंजर्वेटर जयपाल सिंह ने बताया कि गिर नेशनल पार्क और वाइल्डलाइफ सैंक्चुरी में 384 शेर पाए गए, जबकि 507 शेर पार्क के बाहर के इलाकों में गिने गए। इसका मतलब है कि अब शेरों की संख्या गिर के बाहर तेजी से बढ़ रही है।

> कैसे हुई यह जनगणना?

यह 16वीं एशियाई शेर जनगणना थी। इसे 10 से 13 मई के बीच किया गया। इसका क्षेत्रफल 35,000 वर्ग किलोमीटर था, जिसमें 11 जिलों के 58 तालुका कवर किए गए। इसमें करीब 3,000 स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया- जिनमें वन विभाग के अधिकारी, जोनल इंचार्ज, गिनतीकर्ता और निरीक्षक शामिल थे।

नया तरीका : 'डायरेक्ट बीट वेरिफिकेशन' इस बार जनगणना एक नई और अधिक सटीक पद्धति से की गई जिसे कहा जाता है। 'प्रत्यक्ष बीट सत्यापन' इसमें हर शेर के देखे जाने का समय, दिशा, लिंग, उम्र, शारीरिक निशान, और जीपीएस लोकेशन रिकॉर्ड की गई। इसके साथ ही हाई-टेक तकनीकों का इस्तेमाल हुआ जैसे- कैमरा ट्रैप्स, हाई-रिज़ॉल्यूशन कैमरे, रेडियो कॉलर - इस तरीके से लगभग 100% सटीकता और शून्य गलती का दावा किया गया है।

> जनसंख्या बढ़ने के क्या मायने हैं?

यह अच्छी खबर है कि एशियाई शेरों की संख्या में इजाफा हो रहा है, क्योंकि ये दुनिया में केवल गुजरात के गिर क्षेत्र में ही पाए जाते हैं। शेरों का नए इलाकों में फैलना उनके लिए सुरक्षित जगहों की जरूरत को दिखाता है। वन विभाग को अब उन नए क्षेत्रों में भी शेरों की सुरक्षा और मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने के उपाय करने होंगे। वहीं शेरों की बढ़ती संख्या से यह भी साबित होता है कि वन विभाग, स्थानीय प्रशासन और स्थानीय लोगों के सहयोग से शेरों की सुरक्षा में बड़ी सफलता मिली है। लेकिन साथ ही, अब चुनौती यह है कि बढ़ती आबादी को देखते हुए उनके लिए नई सुरक्षित जगहों, खाद्य स्रोतों, और प्राकृतिक आवास की व्यवस्था की जाए ताकि शेरों और इंसानों के बीच किसी भी तरह का संघर्ष न हो।

जनगणना के आंकड़ों की झलक

- > कुल शेर : 891
- > 2020 में शेरों की संख्या : 674
- > वृद्धि : 217
- > नर शेर : 196
- > मादा शेर : 330
- > युवा शेर : 140
- > शावक : 225

शेरों को सौराष्ट्र के इन 11 जिलों में देखा गया

> जूनागढ़ > गिर सोमनाथ > भावनगर > राजकोट > मोरबी > सुरेंद्रनगर > देवभूमि द्वारका > जामनगर > अमरेली > पोरबंदर > बोटाद

इन संरक्षित क्षेत्रों में भी दिखे शेर

गिर के अलावा, शेर इन संरक्षित क्षेत्रों और जंगलों में भी देखे गए।

- > पानिया सैंक्चुरी
- > मितियाला सैंक्चुरी
- > गिरनार रिजर्व
- > बारडा सैंक्चुरी (यहां 17 शेर गिने गए, पोरबंदर से 15 किमी दूर)

इसके अलावा कुछ शेर तटीय क्षेत्रों और खुले मैदानी इलाकों में भी देखे गए। भावनगर जिले में एक झुंड (प्राइड) में सबसे ज्यादा 17 शेर पाए गए।

छत्तीसगढ़ के 11 जिलों में यलो अलर्ट

> रायपुर समेत कईं जगहों पर भारी बारिश की संभावना

रायपुर, 21 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में बुधवार से फिर मौसम करवट लेने वाला है। अगले तीन दिनों तक हल्की मध्यम बारिश के साथ तीव्र तूफान की संभावना है। तापमान में चार डिग्री तक गिरने की संभावना है, इससे पड़ रही भीषण गर्मी में लोगों को राहत मिल सकती है। मौसम विभाग ने प्रदेश के 11 जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है।

इन जिलों में सुकमा, बीजापुर, दक्षिण बस्तर दंतेवाडा, बिलासपुर, कोरबा, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही, मुंगेली, सुरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, बलरामपुर शामिल हैं। इन जिलों में बादल गरजने, आकाशीय बिजली चमकने और 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवायें चलने के साथ ही बारिश होने की संभावना है। पिछले 24 घंटे में प्रदेश के कुछ इलाकों में हल्की मध्यम बारिश हुई है। वहीं दुर्ग में सबसे ज्यादा दिन का तापमान 41.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। आज पूरे प्रदेश में बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, रायपुर में आज आकाश आंशिक मेघमय रहने की संभावना है। हालांकि सुबह से ही गर्मी पड़ रही है। तापमान अधिकतम 41 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम और 28 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है। छत्तीसगढ़ में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। उत्तर-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ और हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ाने के लिए परिस्थितियों अनुकूल हैं। आज 21 मई से प्रदेश में बारिश, बिजली और तेज हवा के साथ मध्यम से तीव्र तूफान के गतिविधि बढ़ जाएगी। इस दौरान कई इलाकों में हल्की मध्यम बारिश की भी संभावना जताई जा रही है।

रायपुर रेलवे स्टेशन के पास पटरी से उतरे मालगाड़ी के दो डिब्बे

ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित, रेस्क्यू जारी

रायपुर, 21 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर रेलवे स्टेशन से पहले ही मालगाड़ी के दो रैक पटरी से उतर गए हैं। इस वजह से प्लेटफॉर्म पांच और छह से कई ट्रेनों को डायवर्ट कर चलाया जा रहा है। घटना सुबह सात बजे के आसपास की बताई जा रही है। दो ट्रैक पर ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित हुई है। इस घटना के बाद यात्री ट्रेनों को स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक, दो और तीन पर आने वाली ट्रेनों को चार, पांच और छह प्लेटफार्म से डायवर्ट कर चलाया जा रहा है।

बताया जाता है कि बिलासपुर से दुर्ग की ओर जा रही मालगाड़ी के दो डिब्बे रायपुर रेलवे स्टेशन पर पहुंचने से ठीक पहले पटरी से उतर गये। सूचना पर रेलवे की टीम मौके पर पहुंची। रैक को पटरी पर लाने का काम आनन-फानन में शुरू किया गया। रायपुर रेल मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अवधेश त्रिवेदी ने बताया, यह घटना सुबह 7.45 पर हुई... यह एक लोह अयस्क से लदी हुई गाड़ी थी जो 10 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से जा रही थी।

साल्वेंट प्लांट में 27 लाख की डकैती, संचालक-स्टाफ से मारपीट

सूरजपुर, 21 मई (एजेंसियां)। सूरजपुर में साल्वेंट प्लांट से 27 लाख की डकैती हुई है। मंगलवार रात को पत्थर और हथियार से लैस करीब 30-40 लोगों ने प्लांट पर धावा बोल दिया। आरोपियों ने प्लांट के संचालक आशीष मित्तल और अमन मित्तल और स्टाफ को बंधक बनाकर मारपीट की। अमन के सिर पर गंभीर चोट आई हैं। प्लांट में तोड़फोड़ की गई, जिससे 40-50 लाख के नुकसान का अनुमान है। अमन की गोल्ड चेन-रिंग भी छीनकर ले गए। मामला कोतवाली थाना इलाके के नेवरा ग्राम स्थित साल्वेंट फैक्ट्री का है। बताया जा रहा है कि, प्लांट संचालक का आसपास के गांव वालों से रुपयों की लेन-देन से जुड़ा विवाद था। इसके बाद आसपास के गांव के लोगों ने प्लांट में घुसकर तोड़फोड़ की।

7 साल पहले बेटे को मारकर सेप्टिक टैंक में डाला

धमतरी की वारदात, सौतेले बेटे से झगड़ा था, मारकर सीमेंट पोल में बांधा, टैंक में छिपा दिया

धमतरी, 21 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में बंद पड़े गोदाम के सेप्टिक टैंक से बरामद कंकाल मामले की गुत्थी सुलझा ली गई है। पुलिस ने इस मामले में आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सेप्टिक टैंक में मिला कंकाल आरोपी के सौतेले बेटे का है। 7 साल पहले आरोपी ने खाने को लेकर हुए विवाद के बाद सौतेले बेटे की हत्या कर दी थी। वहीं सबूत मिटाने के लिए शव को सेप्टिक टैंक में छिपा दिया था।

सेप्टिक टैंक के अंदर खोपड़ी दिखाई दी

यह मामला अर्जुनी थाना क्षेत्र के ग्राम भोयना का है। गोदाम में जमीन का नाप-जोख चल रहा था, तभी सेप्टिक टैंक के ऊपर से मानव खोपड़ी दिखाई दी। गांव के कोटवार ने इसकी सूचना पुलिस को दी। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। जब टैंक की करीब 4 फीट खुदाई की गई, तो वहां से कंकाल के एक-एक अवशेष बरामद हुए। साथ ही घटनास्थल से डॉट पेन, सीरीज इंजेक्शन, प्लास्टिक बटन, अंडरवियर का रबर, सीमेंट पोल, नायलॉन की रस्सी और साइकिल की ट्यूब भी मिली।

बेटे के गुमशुदगी की नहीं दर्ज कराई रिपोर्ट

इसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने गांव के लोगों से किसी के लापता होने को लेकर पूछताछ की तो पता चला कि राममिलन गोड़ का 23 वर्षीय बेटा नंदू सोनी पिछले सात साल से गायब है। पुलिस ने थाने में पता लगाया कि इस गांव के नंदू सोनी नाम के युवक की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज हुई है या नहीं। जांच में पता चला कि कोई गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है। इस पर पुलिस को राममिलन पर शक हुआ और तुरंत उसको पूछताछ के लिए बुलाया। पूछताछ में आरोपी ने जुर्म कबूल कर लिया।

पुलिसकर्मी के साथ बाइक सवार तीन लोगों ने की जमकर मारपीट, आरोपियों की तलाश शुरू

कोरबा, 21 मई (एजेंसियां)। सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत रामपुर आईटीआई चौक के पास एक पुलिसकर्मी के साथ बाइक सवार तीन लोगों ने मारपीट की है। मामूली बात को लेकर विवाद शुरू हुआ था, जो मारपीट में बदल गया। मारपीट में उन्हें चोंटे आई हैं। पुलिसकर्मी की शिकायत तत्काल सिविल लाइन थाना पुलिस से की। आरोपियों की तलाश की जा रही है।

जानकारी के मुताबिक, पुलिसकर्मी संजय लहरे (36) बाइक में सवार होकर अपने काम से कहीं जा रहे थे। एक बाइक पर सवार तीन लोगों के साथ उसकी पहले मामूली सी बात को लेकर बहस हुई, बहस इतनी बढ़ गई कि आरक्षक संजय लहरे की तीन लोगों ने जमकर पिटाई कर दी। बताया जा रहा है कि मारपीट के दौरान राहगीरों की भीड़ भी एकत्रित हो गई। इस मामले में कोरबा सीएसपी भूषण एक्का ने बताया कि पुलिसकर्मी संजय लहरों की शिकायत पर सिविल लाइन थाने में मामला दर्ज किया गया है। वहीं, सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है।

आंगनबाड़ी में खाना खाने से बच्चे बीमार, ग्रामीणों का हंगामा

कोडरमा, 21 मई (एजेंसियां)। कोडरमा में आंगनबाड़ी केंद्र संख्या 226 में भोजन खाने के कारण कई बच्चे बीमार हो गए हैं। बुधवार को ग्रामीण आंगनबाड़ी पहुंचे और हंगामा शुरू कर दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि सेविका ने बासी खिचड़ी और खराब अंडे खिला बच्चों की तबीयत बिगाड़ दी। वहीं, हंगामे की सूचना के बाद प्रभारी बीडीओ मनोज कुमार भी मौके पर पहुंचे और मामले की छानबीन की। जांच में यह बातें स्पष्ट हुई हैं कि बच्चों को खराब खाना परोसा गया था। वहां रखे अंडे भी पूरी तरह से खराब पाए गए। वहीं, सेविका मंजू देवी ने कहा कि उन्हें झूठे मामले में फंसाने की साजिश की जा रही है।

सड़क पर गिरी टोपी, उठाने के दौरान पिकअप ने कुचला

गोड्डा, 21 मई (एजेंसियां)। गोड्डा में बीती रात सड़क हादसे में एक अधेड़ की मौत हो गई। वो बाइक पर अपने साथी के साथ तिलक समारोह में जा रहे थे। इसी बीच हवा से उनके सिर पर लगी टोपी उड़कर सड़क पर गिर गई। वो टोपी उठाने के लिए बीच सड़क पर पहुंचे और इसी दौरान सामने से आ रही पिकअप ने उन्हें रौंद दिया। हादसा बोआरीजोर ललमटिया मुख्य मार्ग मोहल्ला पर हुआ। मृतक की पहचान ललमटिया थाना क्षेत्र के तुलसीपुर गांव निवासी लालजी सोरेन के रूप में हुई।

आज 5 रेलवे स्टेशन का पीएम उद्घाटन करेंगे

रायपुर, 21 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल (22 मई) छत्तीसगढ़ के 5 रेलवे स्टेशनों का उद्घाटन करेंगे। इन सभी रेलवे स्टेशन को अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत री-डेवलप किया गया है। अंबिकापुर में इसे लेकर कार्यक्रम भी होगा, यहां सीएम साय मौजूद रहेंगे। पीएम मोदी वर्चुअली छत्तीसगढ़ के स्टेशंस का उद्घाटन करेंगे। छत्तीसगढ़ राज्य के कुल 32 रेलवे स्टेशनों का चयन इस योजना के तहत किया गया है, जिन पर कुल अनुमानित लागत 1680 करोड़ है।

छत्तीसगढ़ से गुजरने वाली कई ट्रेनें रद्द; दूसरे रूट से चलेंगी चार से ज्यादा रेलगाड़ी

रायपुर, 21 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में पड़ रही भीषण गर्मी में भी ट्रेनों के रद्द होने का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। कई ट्रेनों को रद्द करने के साथ ही रूट डायवर्ट किया गया है। अलग-अलग सेक्शन में चल रहे कार्यों की वजह से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे कुल 7 ट्रेनों को रद्द किया गया है।

वहीं चार ट्रेनों का रूट डायवर्ट किया गया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से रायपुर मंडल के निपनिया यार्ड पर गर्डर डी-लांचिंग रिलिविंग कार्य के लिये ब्लॉक लिया जाएगा। इस वजह से कई गाड़ियां कैंसिल रहेंगी। 21 मई 2025 की रात्रि में 21.30 बजे से 01.30 बजे तक अपलाइन पर 04.00 बजे यातायात सह विद्युत ब्लॉक तथा 20 एवं 21 मई 2025 की राताित्र में 21.30 बजे से 00.55 बजे तक अप और मिडिल लाइन पर ब्लॉक रहेगा।

फ्रांस-जापान को चाहिए ऑपरेशन सिंदूर में तबाह चीनी मिसाइल

> भारत से पीएल-15 का मलबा मांगा > पाक ने दागी थी 6000 कि.मी की स्पीड वाली मिसाइल

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की पीएल-15ई मिसाइल को अपने एयर डिफेंस सिस्टम से तबाह कर दिया था। यह मिसाइल चीन में बनी थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फाइव आइज देश (अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड) के अलावा फ्रांस और जापान इस मिसाइल के मलबे की जांच करना चाहते हैं, ताकि यह पता कर सकें कि इसे बनाने के लिए चीन ने किन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया है।

9 मई को पंजाब के होशियारपुर जिले में एक खेत से पीएल-15ई मिसाइल के टुकड़े बरामद किए गए थे। इसके बाद 12 मई को वायु सेना ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहली बार इसका मलबा दिखाया था।

पहली बार पीएल-15ई मिसाइल का इस्तेमाल हुआ

भारतीय वायुसेना के एक अधिकारी के मुताबिक, पाकिस्तान ने जेएफ-17 लड़ाकू विमान से चीन में बनी पीएल-15ई मिसाइल दागी थी। लेकिन उसे हवा में ही नाकाम कर दिया गया, जिससे वह अपने निशाने तक नहीं पहुंच सकी। रिपोर्ट्स के मुताबिक पहली बार किसी संघर्ष में पीएल-15ई मिसाइल का इस्तेमाल हुआ है। पीएल-15ई मिसाइल की एडवांस तकनीक और लंबी रेंज की वजह से चीन की सरकारी मीडिया जैसे ग्लोबल टाइम्स और चीन के रक्षा विश्लेषकों इसे पश्चिमी देश और भारत के लड़ाकू विमानों के लिए चुनौती बताते रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत को जो टुकड़े मिले हैं, अगर वे सही-सलामत हैं, तो उनसे बहुत अहम जानकारी मिल सकती है।

अमेरिका से जापान तक मलबे में ले रहे दिलचस्पी

फाइव आइज देशः ये पांच देश (अमेरिका, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड) खुफिया जानकारी साझा करते हैं। वे पीएल-15ई के मलबे की जांच कर चीन की एडवांस मिसाइल तकनीक को समझना चाहते हैं।

फ्रांस : पीएल-15ई मिसाइल का मुकाबला फ्रांस के राफेल जेट में इस्तेमाल होने वाली मीट्योर मिसाइल से माना जाता है। फ्रांस इस मिसाइल की रडार सिग्नेचर, मोटर स्ट्रक्चर, और गाइडेंस तकनीक को समझना चाहता है।

जापान : इंडो-पैसिफिक रीजन में चीन की बढ़ती आक्रामकता की वजह से जापान अपने मिसाइल डिफेंस सिस्टम को अपग्रेड करना चाहता है।

पुतिन ने कुर्स्क का दौरा किया

अब ये फिर से हमारा, पिछले साल यूक्रेन ने यहां कब्जा कर लिया था

मास्को, 21 मई (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कुर्स्क शहर का दौरा किया। पुतिन ने कुर्स्क के नेताओं से मुलाकात की और यहां बन रहा एक बिजली घर भी देखा। कुर्स्क वही जगह है जहां पिछले साल अगस्त में यूक्रेन की सेना ने अचानक हमला किया था और 1100 वर्ग किमी इलाके पर कब्जा कर लिया था।

यह हमला इसलिए बहुत खास था, क्योंकि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद पहली बार किसी विदेशी सेना ने रूस की जमीन पर हमला किया था। पुतिन ने इस इलाके का दौरा करते हुए कहा कि अब इस जमीन पर फिर से रूस का कब्जा हो गया है। उन्होंने यहां पर बारूदी सुरंगें हटाने के लिए और सैनिक भेजने का आदेश भी दिया, ताकि लोग अपने घर वापस लौट सकें। हालांकि, यूक्रेन का कहना है कि उसकी सेना अब भी उस इलाके में डटी हुई है और लड़ाई जारी है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने कहा कि उनकी सेना कुर्स्क और बेलगोरोड जैसे इलाकों में रूस के खिलाफ अभियान चला रही है।

इस्राइली हमलों में गाजा में 45 की मौत, कई महिलाएं शामिल

दीर अल-बलाह, 21 मई (एजेंसियां)। इस्राइल और हमास के बीच जारी भीषण जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। गाजा के अस्पतालों ने बताया कि इस्राइली हवाई हमलों में बुधवार को कम से कम 45 लोगों की मौत हो गई। इनमें एक हफ्ते का शिशु और कई महिलाएं भी शामिल हैं। इस्राइल की ओर से यह सैन्य कार्रवाई ऐसे समय में तेज हुई है, जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसे आलोचनाओं का भी सामना करना पड़ रहा है। सहायता समूहों के मुताबिक, इस्राइल ने मंगलवार को गाजा में मानवीय मदद के लिए दर्जनों को ट्रकों को प्रवेश की अनुमति दी। हालांकि, यह मदद उन लोगों तक नहीं पहुंच पाई, जो बहुत जरूरतमंद थे।

लश्कर के को-फाउंडर आमिर हमजा के घायल होने की खबर

इस्लामाबाद, 21 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में कुख्यात आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) का को-फाउंडर आमिर हमजा एक हादसे में घायल हो गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उसे उसे पाकिस्तानी एजेंसी आईएसआई की सुरक्षा में लाहौर के एक मिलिट्री हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक घर में हुए एक हादसे में उसे चोट लग गई थी, जिसके बाद उसे इलाज के लिए ले जाया गया। वहीं, कुछ सोशल मीडिया पोस्ट्स में यह दावा किया गया है कि आमिर हमजा पर हमला हुआ है और उसे गोली मारी गई है। हालांकि, अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है। 2 दिन पहले लश्कर-ए-तैयबा और जमात का आतंकवादी रजुल्लाह निजामनी उर्फ अबू सैफुल्लाह के मारे जाने की जानकारी आई थी।

लश्कर की पत्रिकाओं का संपादक था

आतंकी आमिर हमजा 1987 में लश्कर-ए-तैयबा की स्थापना में शामिल 17 लोगों में से एक है। वह आतंकी गतिविधियों, प्रचार, फंड जुटाने और लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े कई अखबारों और पत्रिकाओं का संपादन करता था। वह लश्कर की सेंट्रल एडवाइजरी कमेटी का सदस्य भी रहा है और अन्य आतंकी समूहों के साथ संबंध स्थापित करने में एक्टिव रहा है। हमजा ने हाफिज सईद के नेतृत्व में लश्कर-ए-तैयबा को दूसरे आतंकी समूहों से जोड़ने का काम किया। वह लश्कर से जुड़े एक चैरिटी संगठन का नेतृत्व करता था और लश्कर के यूनिवर्सिटी ट्रस्ट के बोर्ड में शामिल था, जिसे पहले हाफिज सईद संभालता था।

हमजा ने 1980 के दशक में अफगानिस्तान में सोवियत संघ के खिलाफ युद्ध में हिस्सा लिया था। इसके बाद वह हाफिज सईद और अन्य आतंकियों के साथ जुड़ गया। वह हाफिज सईद और अब्दुल रहमान मक्की का करीबी है। अमेरिका ने साल 2012 में हमजा को वैश्विक आतंकी घोषित किया था। हमजा को भारत के खिलाफ कई आतंकी हमलों से जोड़ा गया है। उसे जम्मू के सुंजवां में सेना के ब्रिगेड मुख्यालय पर हुए आतंकी हमले का मास्टरमाइंड बताया जाता है।

पाकिस्तान में स्कूल बस को बनाया निशाना

आत्मघाती कार बम विस्फोट में 4 बच्चों की मौत, 38 घायल

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के अशांत दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र में स्कूल बस को निशाना बनाकर किए गए आत्मघाती कार बम विस्फोट में 4 बच्चों की मौत हो गई है। अधिकारियों ने जानकारी दी है कि इस घटना में 38 लोग घायल हैं, जिन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। बुधवार सुबह बलूचिस्तान के खुजदार में बुधवार को सुबह एक स्कूल बस को निशाना बनाया गया। 'डॉन' अखबार ने खुजदार के उपायुक्त यासिर इकबाल दश्ती के हवाले से बताया कि विस्फोट खुजदार जिले के ज़ीरो प्वाइंट के पास हुआ, जब बस वहां से गुजर रही थी। दश्ती ने बताया कि विस्फोट में चार बच्चों की मौत हो गई जबकि 38 अन्य घायल हो गए। घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कुनार नदी पर बांध बनाने की तैयारी में अफगानिस्तान

तेहरान, 21 मई (एजेंसियां)। भारत के बाद अब अफगानिस्तान भी पाकिस्तान की ओर जाने वाले पानी के प्रवाह को रोकने के लिए डैम बनाने की तैयारी कर रहा है। तालिबान सरकार के आर्मी जनरल मुबीन ने तालिबान सरकार से कुनार नदी पर डैम बनाने के लिए धन जुटाने की अपील की। अफगानिस्तान के मंत्री ने हाल ही में कहा था कि उनका देश कुनार नदी पर भी बांध बनाएगा।

कार्यवाहक ऊर्जा और जल मंत्री अब्दुल लतीफ मंसूर ने अफगानिस्तान में बांधों के निर्माण के बारे में बात करते हुए कहा था कि पानी अफगानिस्ता न का अधिकार है और अगर संसाधन उपलब्ध हैं तो कुनार नदी पर भी बांध बनाया जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अफगानिस्तान के वॉटर मैनेजमेंट से किसी भी देश को नुकसान नहीं होगा और कहा कि अगर किसी देश को आपत्ति है तो कूटनीतिक बातचीत का दरवाजा खुला है।

कुनार नदी पर बांध बनाने पर क्या बोला अफगानिस्तान?

टोलो न्यूज के साथ एक इंटरव्यू में मंसूर ने कहा था, "स्टडी से पता चलता है कि अगर हम कुनार नदी पर 1,000 मेगावाट बिजली पैदा करने में सक्षम बांध बनाते हैं तो इसके लिए 2 से 3 बिलियन डॉलर के बीच की फंडिंग की आवश्यकता होगी।" मंसूर ने कहा, "अगर हमें संसाधन मिलते हैं तो हम अपने लोगों की सेवा के लिए अपने पानी का इस्तेमाल करेंगे। चाहे कोई खुश हो या नाखुश, हम आगे बढ़ेंगे। अगर कोई दावा करता है कि उसके अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है तो कूटनीतिक चैनल उपलब्ध हैं, वे आकर बात कर सकते हैं।" वहीं, जनरल मुबीन ने कहा था, "यह पानी हमारा खून है और हम अपने खून को अपनी नसों से नहीं बहने दे सकते। हमें अपने पानी को रोकना होगा।

चित्राल नदी, जिसे अफ़गानिस्तान में कुनार नदी के नाम से भी जाना जाता है, उत्तरी पाकिस्तान और पूर्वी अफ़गानिस्तान में 480 किलोमीटर लंबी नदी है। यह पाकिस्तान में गिलगित बाल्टिस्तान और चित्राल की सीमा पर स्थित चियांटार ग्लेशियर से निकलती है। बाद में यह अफ़गानिस्तान के नंगहार प्रांत में काबुल नदी में मिल जाती है। कुनार नदी काबुल नदी की एक प्रमुख सहायक नदी के रूप में कार्य करती है।

पाकिस्तान की आपत्ति

कुनार नदी पाकिस्तान का एक अहम जल स्रोत है। पाकिस्तान पहले भी अफगानिस्तान की डैम परियोजनाओं पर चिंता जता चुका है, क्योंकि इससे उसके इलाके में आने वाली जल की आपूर्ति कम हो सकती है। दरअसल, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच काबुल नदी और इसकी सहायक नदियों के जल बंटवारे को लेकर कोई औपचारिक द्विपक्षीय समझौता नहीं है। पाकिस्तान मीडिया के मुताबिक कुनार नदी पर बांध बनने से काबुल नदी के जल प्रवाह में 16-17% तक की कमी आ सकती है। इससे पाकिस्तान की खेती और जल आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ेगा।

यूरोपीय संघ ने की रेडियो फ्री यूरोप के लिए आपात फंडिंग की घोषणा

ट्रंप की रोक के बाद मिला जीवनदान

ब्रुसेल्स, 21 मई (एजेंसियां)। यूरोपीय संघ (ईयू) ने एक बड़ा फैसला लेते हुए स्वतंत्र और लोकतांत्रिक पत्रकारिता को समर्थन देने के लिए रेडियो फ्री यूरोप/रेडियो लिबर्टी को आपातकालीन फंड देने की घोषणा की। मामले में जानकारी देते हुए ईयू की विदेश नीति प्रमुख काजा कैलास ने बताया कि यूरोपीय देशों के विदेश मंत्रियों ने रेडियो फ्री यूरोप को 5.5 मिलियन यूरो (करीब 6.2 मिलियन अमेरिकी डॉलर) की सहायता देने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा कि यह पैसा स्वतंत्र पत्रकारिता की सुरक्षा के लिए आपातकालीन सहायता के रूप में दिया जाएगा।

काजा कैलास ने कहा कि हम पूरी दुनिया में इसकी फंडिंग का अंतर नहीं भर सकते, लेकिन जो देश ईयू के पड़ोसी हैं और जो बाहरी स्रोतों से मिलने वाली खबरों पर निर्भर हैं, वहां इसकी मदद जरूरी है। बता दें कि अमेरिका की ट्रंप सरकार ने इस मीडिया संगठन की फंडिंग रोक दी थी, यह आरोप लगाते हुए कि यह लिबरल एजेंडा को बढ़ावा दे रहा है। इसके बाद संस्था को बंद होने का खतरा था। रेडियो फ्री यूरोप/रेडियो लिबर्टी का मुख्यालय वॉशिंगटन में है और पत्रकारिता से जुड़ा कार्यालय चेक गणराज्य में स्थित है। बीते महीने एक अमेरिकी अदालत ने ट्रंप प्रशासन को आदेश दिया था कि वह कांग्रेस द्वारा स्वीकृत 12 मिलियन डॉलर की राशि संस्था को लौटाए।

अफगानिस्तान से अमेरिका की 'शर्मनाक वापसी' की समीक्षा करेगा पेंटागन, रक्षा सचिव ने दिए निर्देश

वाशिंगटन, 21 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने पेंटागन को साल 2021 में अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की 'असफल और शर्मनाक वापसी' की व्यापक समीक्षा शुरू करने का निर्देश दिया है। इस वापसी से अफगानिस्तान में लगभग 20 वर्षों की अमेरिकी सैन्य उपस्थिति समाप्त हो गई थी और इसे तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन और उनकी राष्ट्रीय सुरक्षा टीम ने अगस्त 2021 में किया था।

एक मेमोरेंडम में बताया गया, "26 अगस्त, 2021 को बाइडन प्रशासन ने अफगानिस्तान से अमेरिकी सैन्य और दूतावास अधिकारियों की वापसी का नेतृत्व किया, जिसके कारण काबुल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के एबे गेट पर एक आत्मघाती बम विस्फोट में 13 अमेरिकी सैनिकों और 170 नागरिकों की मौत हो गई।"

उन्होंने कहा, यह कदम अमेरिकी लोगों और सैनिकों के बीच विश्वास बहाल करने के लिए महत्वपूर्ण है। वहीं, इस वापसी के दौरान हुए हताहतों और उपकरणों के नुकसान को देखते हुए भी उचित है।

हेगसेथ ने कहा कि रक्षा विभाग का कर्तव्य है कि वह इस ऑपरेशन की जांच करे, क्योंकि अमेरिकी प्रशासन का अमेरिकी लोगों और अफगानिस्तान में लड़े सैनिकों के प्रति सच्चाई सामने लाने का दायित्व है। उन्होंने बयान में कहा, तीन साल पहले बाइडन प्रशासन की अफगानिस्तान से असफल और शर्मनाक वापसी के कारण काबुल हवाई अड्डे पर आत्मघाती बम विस्फोट में 13 अमेरिकी सैनिकों और 170 नागरिकों की मौत हुई। राष्ट्रपति ट्रंप ने इस सैन्य वापसी के लिए जवाबदेही का वादा किया था और मैं उस वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। अमेरिकी रक्षा सचिव ने पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता और वरिष्ठ सलाहकार सीन पार्नेल को अफगानिस्तान से अमेरिकी सैन्य वापसी की विशेष समीक्षा पैनल का नेतृत्व करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा, सीन पार्नेल ने अफगानिस्तान में 485 दिन सेवा की। वह युद्ध में घायल हुए और उनकी प्लाटून के 85 प्रतिशत सदस्य भी घायल हुए और आतंकवाद के खिलाफ युद्ध में अनगिनत दोस्तों को खो दिया। यह उचित है कि वह बाइडन प्रशासन के दौरान यूएस सेंट्रल कमांड द्वारा की गई एबे गेट जांच की पुनः जांच का नेतृत्व करेंगे। रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने यह भी बताया कि लेफ्टिनेंट कर्नल स्टुअर्ट शेलर एक सम्मानित मरीन अधिकारी हैं, जिन्होंने अफगानिस्तान से वापसी के बारे में खुलकर बात की और जेरी डनलेवी ने हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी की अफगानिस्तान वापसी की जांच में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, वो भी इस विशेष समीक्षा पैनल में शामिल होंगे।

टॉम फ़्लैचर ने की, ग़ाज़ा में मानवीय सहायता बहाली की मांग

गाजा, 21 मई (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र के आपातकालीन राहत समन्वयक टॉम फ़्लैचर ने युद्धग्रस्त फ़लस्तीनी क्षेत्र ग़ाज़ा में, मानवीय सहायता की आपूर्ति बहाल किए जाने की अपनी प्रबल मांग दोहराते हुए कहा है कि मानवतावादी एजेंसियाँ ग़ाज़ा पट्टी तक पहुँच की मांग करते हैं और वहाँ लोगों को जीवन रक्षक सहायता पहुँचाने के लिए पहले से ही एक योजना तैयार है।

ध्यान रहे कि इसराइल ने ग़ाज़ा में प्रवेश के लिए तमाम सीमा चौकियों को 2 मार्च बन्द कर दिया था, जिसके बाद ग़ाज़ा में बिल्कुल भी मानवीय सहायता सामग्री दाख़िल नहीं हो सकी है और वहाँ की पूरी लगभग 21 लाख की आबादी अकाल के ख़तरे में हैं.टॉम फ़्लैचर ने शुक्रवार दे रात जारी एक वक्तव्य में कहा है, जैसा कि हमने इस वर्ष युद्धविराम के दौरान दिखाया है - और हर बार जब हमें पहुँच प्रदान की गई है, संयुक्त राष्ट्र और हमारे मानवीय भागीदारों के पास ग़ाज़ा में जीवन बचाने के लिए आवश्यक पैमाने पर सहायता प्रदान करने के लिए विशेषज्ञता, संकल्प और नैतिक स्पष्टता है. आगे बढ़ने के लिए तैयारउन्होंने कहा कि सहायता सामग्री के वितरण के लिए वैकल्पिक तौर-तरीक़ों का प्रस्ताव करने वालों को समय बर्बाद नहीं करना चाहिए, क्योंकि एक योजना पहले से ही मौजूद है।

सूडान भेजे गए प्रवासियों को हिरासत में ही रखने का आदेश

> अमेरिकी अदालत ने ट्रंप प्रशासन के फैसले को रोका

वाशिंगटन, 21 मई (एजेंसियां)। अमेरिका की एक संधीय अदालत ने ट्रंप प्रशासन को बड़ा झटका दिया है। इसके तहत कोर्ट ने मंगलवार देर रात आदेश दिया कि साउथ सूडान भेजे गए प्रवासियों को हिरासत में ही रखा जाए, क्योंकि यह साफ नहीं है कि उन्हें वहां भेजना कानूनी रूप से सही था या नहीं।

यह आदेश मैसाचुसेट्स के यूएस डिस्ट्रिक्ट जज ब्रायन ई मर्फी ने दिया, जिन्होंने बुधवार को इस मामले की आपात सुनवाई भी तय की है। जज ने यह फैसला तब सुनाया जब प्रवासियों के वकीलों ने कोर्ट में कहा कि म्यांमार, वियतनाम और कुछ अन्य देशों से आए करीब 12 लोगों को मंगलवार सुबह साउथ सूडान भेज दिया गया।

कोर्ट आदेश के खिलाफ की गई कार्रवाई?

मामले में प्रवासियों के वकीलों का आरोप है कि ट्रंप प्रशासन ने एक मौजूदा अदालत आदेश का उल्लंघन किया है, जिसमें कहा गया था कि किसी व्यक्ति को उसके देश से अलग किसी अन्य देश भेजने से पहले उसे अपना पक्ष रखने का पूरा मौका दिया जाना चाहिए। वहीं एक मामले में म्यांमार से आए एक व्यक्ति को टेक्सास में अधिकारियों ने केवल अंग्रेजी में बताया कि उसे भेजा जा रहा है, जबकि वह ठीक से अंग्रेजी नहीं समझता। उसके वकीलों को उसकी फ्लाइट से कुछ घंटे पहले ही इसकी सूचना मिली। हालांकि एक महिला ने बताया कि उसका पति वियतनाम से और लगभग 10 अन्य लोग अफ्रीका भेज दिए गए हैं।

साउथ सूडान को लेकर चिंता

बता दें कि साउथ सूडान 2011 में बना नया देश है, लेकिन तब से लगातार गृहयुद्ध, हिंसा और मानवाधिकार हनन का शिकार रहा है। हाल ही में संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी थी कि वहां फिर से पूर्ण युद्ध की स्थिति बन रही है। मामले में अमेरिका के विदेश मंत्रालय की 2024 की रिपोर्ट में कहा गया है कि वहां मनमानी हत्याएं, लापता करना, यौन हिंसा और सुरक्षा बलों द्वारा अमानवीय व्यवहार आम हैं।

अमेरिका पहले से दे रहा है संरक्षण

गौरतलब है कि अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने पहले से ही साउथ सूडान से आए कुछ लोगों को टेंपरेरी प्रोटेक्टेड स्टेटस (टीपीएस) दे रखा है, जिससे उन्हें वापस नहीं भेजा जा सकता। हाल ही में इस सुरक्षा को नवंबर तक बढ़ा दिया गया है ताकि स्थिति की और समीक्षा की जा सके।

अब अदालत तय करेगी कि इन प्रवासियों को जबरन भेजा जाना कानून के खिलाफ था या नहीं। इस मामले की सुनवाई बुधवार को होगी।

सीपीईसी परियोजना को चीन ने अफगानिस्तान तक बढ़ाया

त्रिपक्षीय बैठक में पाकिस्तान भी हुआ शामिल

बीजिंग, 21 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान और अफगानिस्तान ने बुधवार को चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) को अफगानिस्तान तक विस्तारित करने पर सहमत हुए हैं। इस्लामाबाद में विदेश कार्यालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि सीपीईसी से संबंधित घोषणा पाकिस्तान के उपप्रधानमंत्री/विदेश मंत्री इशाक डार, चीनी विदेश मंत्री वांग यी और अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के बीच बीजिंग में एक अनौपचारिक त्रिपक्षीय बैठक के बाद की गई।

पाकिस्तान के विदेश मंत्री तीन दिवसीय बीजिंग यात्रा पर हैं, जो भारत द्वारा पाकिस्तान और इसके कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में आतंकवादी स्थलों को निशाना बनाकर शुरू किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पहली उच्चस्तरीय वार्ता है। बैठक के बाद इशाक डार ने कहा, पाकिस्तान, चीन और अफगानिस्तान क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और विकास के लिए एक साथ खड़े हैं। उन्होंने तीनों नेताओं की एक साथ तस्वीर भी साझा की। पाकिस्तान की ओर से जारी बयान में कहा गया है, उन्होंने कूटनीतिक जुड़ाव बढ़ाने, संचार को मजबूत करने और साझा समृद्धि के प्रमुख कारकों के रूप में व्यापार, बुनियादी ढांचे और विकास को बढ़ावा देने के लिए व्यावहारिक कदम उठाने पर चर्चा की। इसमें कहा गया, उन्होंने 'बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव' (बीआरआई) सहयोग को गहरा करने और चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) को अफगानिस्तान तक विस्तारित करने पर सहमति व्यक्त की। भारत ने 60 अरब अमेरिकी डॉलर की लागत वाले सीपीईसी के निर्माण का विरोध किया है, क्योंकि यह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से होकर गुजर रहा है।

भाजपा विधायक कंवरलाल मीणा ने एसीजेएम कोर्ट में किया सरेंडर

कहा-कोर्ट पर पूरा विश्वास, जेल गए

झालावाड़, 21 मई (एजेंसियां)। आखिरकार सभी अटकलों को विराम देते हुए भाजपा विधायक कंवरलाल मीणा ने आज बुधवार को झालावाड़ के एसीजेएम कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। इस अवसर पर कंवरलाल मीणा ने कहा मुझे पर कोर्ट पर विश्वास है। अपील के बारे में उन्होंने कहा मेरे वकील ही इस बारे में कुछ बता सकते हैं। करीब 20 मिनट तक कोर्ट रूम में रहने के बाद एसीजेएम मनोहरथाना ने विधायक कंवरलाल मीणा को न्यायिक हिरासत में भेजा। पुलिस कस्टडी में मीणा को मनोहरथाना सामुदायिक अस्पताल लाया गया। यहां उनका मेडिकल मुआयना हो रहा। इसके बाद मीणा को अकलेरा उपकारागृह ले जाया जाएगा। सम्भवतः यहां से उन्हें जिला कारागृह में भेजा जा सकता हैं। करीब बीस साल पहले एसडीएम पर पिस्तौल तानने और जान से धमकी देने के मामले में सजा भुगतने के लिए अन्ता से भाजपा विधायक कंवरलाल मीणा बुधवार सुबह सवा ग्यारह बजे मनोहरथाना के एसीजेएम कोर्ट में

सरेंडर कर दिया। सरेंडर करने की सुप्रीम कोर्ट की मोहलत बुधवार को पूरी हो गई थी। जानकारी के अनुसार कंवरलाल मीणा बुधवार सुबह करीब सवा दस बजे अपने वकीलों और समर्थकों के साथ अकलेरा से मनोहरथाना रवाना हुए। रास्ते मे वे कामखेड़ा बालाजी मंदिर रुके और बालाजी के दर्शन किए। यहां से वे करीब सवा ग्यारह बजे मनोहरथना एसीजेएम कोर्ट पहुंचे। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के आदेश की पालना में सरेंडर कर दिया।

इस दौरान बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी और कंवरलाल मीणा के समर्थक अदालत परिसर में मौजूद रहे। गौरतलब हैं कि सुप्रीम कोर्ट ने गत 7 मई को इस मामले में हाइकोर्ट के आदेश के खिलाफ कंवरलाल मीणा की ओर से पेश प्रार्थना पत्र खारिज करते हुए 15 दिन के भीतर अधीनस्थ न्यायालय में सरेंडर करने के आदेश दिए है। यह अवधि बुधवार को पूरी हो गई।

गौरतलब है कि कंवरलाल मीणा के खिलाफ वर्ष 2005 में मनोहर थाने में मामला दर्ज हुआ था। ट्रायल कोर्ट ने अप्रेल 2018 में साक्ष्य के अभाव में मीणा को बरी किया। लेकिन 14 दिसम्बर 2020 को अकलेरा के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने दोषी मानते हुए तीन साल की सजा सुनाई। कंवरलाल की ओर से इस मामले में हाईकोर्ट में निगरानी पेश की गई, जिसे गत 2 मई को हाईकोर्ट ने खारिज करते हुए कंवरलाल को तत्काल सरेंडर करने के आदेश दिए थे। इसके खिलाफ कंवरलाल ने सुप्रीम कोर्ट में प्रार्थना पत्र पेश किया था।

एसएचओ-एएसआई समेत पूरे स्टाफ पर उनके ही थाने में एफआईआर

कोर्ट ने कहा-पुलिसकर्मी शामिल, सीनियर अफसर करे जांच; साइबर ठगी के आरोप में हाथ-पैर तोड़ दिए

भरतपुर, 21 मई (एजेंसियां)। डीग जिले में पूरे थाने के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। मामला साइबर ठगी की दबिश के दौरान महिला के पति से मारपीट कर हाथ-पैर तोड़ने का है।

गोपालगढ़ थाना एसएचओ मनीष शर्मा, एएसआई राधाचरण सहित 7 पुलिसकर्मियों, समस्त थाना और 50 अन्य के खिलाफ उन्हीं के थाने में मामला दर्ज हुआ है।

एफआईआर दर्ज करने के आदेश डीग जिले के अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संख्या-2 ने मंगलवार को दिए थे। कोर्ट ने डीग एसपी से सीनियर ऑफिसर से जांच कराने के निर्देश दिए थे।

कोर्ट ने अपने आदेश में लिखा था कि चूंकि मामले में थाने के अधिकारी और पुलिसकर्मी भी शामिल हैं।

इसलिए जांच उच्चाधिकारी से करवाएं। बुधवार को पहाड़ी सीईओ गिर्राज प्रसाद मीणा को इसकी जांच सौंपी गई।

विधानसभा अध्यक्ष का रवैया पक्षपातपूर्ण

ये डबल इंजन नहीं डबल स्टैंडर्ड वाली सरकार- डोटासरा

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में मौसम के साथ सियासत में भी तपिश बढ़ती दिख रही है। एक तरफ विधायक कंवरलाल मीणा की सदस्यता का मुद्दे पर कांग्रेस तनातनी के मूड में है, तो दूसरी तरफ विधानसभा कमेटी से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के इस्तीफे ने माहौल और ज्यादा गरमा दिया है। डोटासरा और स्पीकर के बीच टकराव के इस नए फ्रंट पर सियासत की नजरें गड़ी हैं। इन्हीं सब मुद्दों पर डोटासरा से ने कहा कांग्रेस की स्पीकर से कोई अदावत नहीं है। कांग्रेस ने तो देवनानीजी को निर्विरोध स्पीकर चुना था। हो ही नहीं सकती... हमेशा जो परंपरा रही है उसके अनुसार स्पीकर सम्मानीय होता है। वह सरकार का भी काम करवाता है और विपक्ष का भी पूरा ख्याल उन्हीं को रखना होता है तो अदावत का तो कोई सवाल ही नहीं। संवैधानिक जो व्यवस्थाएं हैं, जो नियम हैं, जो प्रक्रियाएं हैं, उनकी जब अवहेलना होती है, तो विपक्ष का धर्म बनता है कि वो अपनी आवाज उठाए और अपनी बात रखे।

जो पक्षपातपूर्ण रवैया स्पीकर अपना रहे हैं... जिस प्रकार से कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता नरेंद्र बुढ़ानिया को एक कमेटी का चेयरमैन बनाया, उन्होंने खुद ने बुढ़ानिया का नाम दिया कि मैं चाहता हूं कि वरिष्ठ व्यक्ति नरेंद्र बुढ़ानिया जी विशेष अधिकार समिति के अध्यक्ष बनें। तो हमारे सीएलपी ने सहर्ष स्वीकार कर लिया कि ठीक है, आप विपक्ष को कमेटी दे रहे हो और

वरिष्ठ आदमी का नाम आपने लिया, तो हमें इसमें ऐतराज नहीं है लेकिन उसके बावजूद, जब वे अपना काम करने लगे, मीटिंग कर ली और फिर किसी ने विशेषाधिकार हनन का मामला उठाया और कमेटी ने सर्वसम्मति से उसके ऊपर रिपोर्ट मांगी, तो उन्होंने (स्पीकर ने) बुढ़ानिया को ही हटा दिया। यह तो गलत है। उनको असीमित अधिकार नहीं हैं, उन्हें कमेटी गठन का अधिकार है। वह भी उन्हें हाऊस ने दिया था।

जब कमेटी का गठन हो गया है और सदस्य नियुक्त हो चुके हैं, तो अध्यक्ष उन्हीं में से चुना जाता है। नरेंद्र बुढ़ानिया को वर्तमान में बदलकर जिस समिति का अध्यक्ष बनाया गया था, वे उसके सदस्य ही नहीं हैं। एक साल के लिए समिति का कार्यकाल होता है, स्पीकर हर रोज अपनी मर्जी से उसमें बदलाव नहीं कर सकते।

सबकुछ ब्यूरोक्रेसी ही तो कर रही है। जो कुछ भी 'खेला' हो रहा है राजस्थान में, वो ब्यूरोक्रेसी ही कर रही है, बाकी नेता तो हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। इन्हें तो कोई खुरचन मिल रही होगी, बाकी तो सब कुछ अफसर कर रहे हैं। और क्यूं नहीं लड़ें ये, आपस में जब यहां अलग-अलग गुट बन गए, अफसरों ने अलग-अलग दिल्ली के आकाओं को पकड़ लिया गया, तो निश्चित रूप से टकराव होगा।

1 जनवरी को आईएएस, आईपीएस प्रमोशन हो गए। इसके बाद भी नीचे के पदों पर अफसर आज तक जमे हुए हैं। ऐसे सात जिले तो मेरी जानकारी में हैं, जहां प्रमोशन के बाद एडीजी बन चुके अफसर अब भी एसपी लगे हुए हैं।

मुख्यमंत्री हर विभाग की समीक्षा बैठक कर रहे हैं, लेकिन मंत्री नहीं हैं। वीडियो कांफ्रेंस के जरिए उद्घाटन हो रहे हैं और विभाग के मंत्री को जानकारी तक नहीं। बजट घोषणाओं की क्रियान्विति की बैठक ले रहे हैं और उसमें बजट पढ़ने वाली उपमुख्यमंत्री ही नहीं हैं। मुख्यमंत्री का काम दिल्ली से आई पर्ची पढ़ना नहीं होता, उनका खुद का विजन होना चाहिए।

मोदी सरकार अंग्रेजों की नीति फूट डालो और राज करो अपना रही है। सरकार ने जब नाम मांगे तो जो नाम नेता प्रतिपक्ष ने दिए उन्हीं में से मोदी सरकार को चुनना चाहिए था, उसके अलावा उन्हें अपनी राजनीति नहीं करनी चाहिए थी। आप पॉलिटिकल अपॉइंटमेंट की बात तो छोड़िए, जो नारा देकर ये सत्ता में आए थे कि आरपीएससी भंग, पेपर लीक उसका क्या हुआ।

कंवरलाल मीणा की विधानसभा सदस्यता मामले में वासुदेव देवनानी का बड़ा बयान

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने भाजपा विधायक कंवरलाल मीणा के मामले में राज्य के महाधिवक्ता को तुरंत अपनी विधिक राय विधानसभा सचिवालय को भेजने के निर्देश दिए हैं। स्पीकर देवनानी ने कहा है कि एक-दो दिन में महाधिवक्ता से विधिक राय प्राप्त होते ही विधायक मीणा की विधानसभा सदस्यता को लेकर तत्काल विधि सम्मत निर्णय किया जाएगा।

बरती जा रही शिथिलता : जूली

टीकाराम जूली ने पत्रकारों से कहा कि शिष्टमंडल ने स्पीकर वासुदेव देवनानी से इस मामले में बरती जा रही शिथिलता पर आपत्ति व्यक्त की। जूली ने नरेन्द्र बुढ़ानिया को विशेषाधिकार समिति के सभापति पद से हटाने पर भी आपत्ति जताई। इस पर देवनानी ने इसे सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा बताते

हुए कहा कि उन्हें महत्वपूर्ण समिति का सभापति बनाया गया है।

नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में मिला प्रतिनिधिमंडल

स्पीकर वासुदेव देवनानी से विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली के नेतृत्व में प्रतिपक्षी सदस्यों के प्रतिनिधिमंडल ने कंवरलाल मीणा की सदस्यता समाप्त करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीणा, रफीक खान, हरिमोहन शर्मा, राजेन्द्र पारीक सहित अन्य विधायक शामिल थे।

विधानसभा अध्यक्ष क्यों नहीं ले रहे निर्णय : सचिन पायलट

सचिन पायलट ने कहा कि भाजपा विधायक कंवरलाल मीणा वाले मामले में जब सब कुछ स्पष्ट है। कोर्ट का आदेश आ चुका है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी इस पर निर्णय क्यों नहीं कर रहे। यहां तो निष्पक्षता का प्रदर्शन होना चाहिए। जबकि राहुल गांधी की जल्दबाजी में सदस्यता रद्द की गई थी।

सियासी संकट पर गहलोत बोले- डोटासरा उसी की देन हैं

कहा- हम जादूगर हैं, केवल ट्रिक करते हैं तो लोग कहते हैं जादू हो गया

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा को सचिन पायलट खेमे की बगावत से बने सियासी संकट की देन बताकर नई सियासी चर्चाएं छेड़ दी हैं।

गहलोत ने कहा- तीन बार मुख्यमंत्री के रूप में पूरे करना बड़ी बात है। तीसरी बार तो मालूम है आपको...सरकार बच गई, वह एक चमत्कार है। यह तो हाईकमान का आशीर्वाद और आपकी दुआएं थीं, इसलिए 5 साल पूरे कर लिए वरना पांच साल पूरे करने का सवाल ही पैदा नहीं होता। डोटासरा भी उसी की देन है।

दरअसल, प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में बुधवार को राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर हुई विचार गोष्ठी में पूर्व सीएम अशोक गहलोत भी पहुंचे थे। इसी दौरान उन्हें सियासी संकट को लेकर बयान दिया।

जितना मुझे मिला उतना एक दो नेताओं को ही मिला होगा

गहलोत ने कहा- जितना मुझे मिला हिंदुस्तान में पार्टी में कोई एक दो नेता ही मुश्किल से होंगे। तीन बार मुख्यमंत्री के रूप में पूरे करना बड़ी बात है। जब देश में नंबर एक और नंबर दो यह तय कर ले कि सरकार गिरानी है, नंबर एक और नंबर दो आप समझते हैं। जब वो तय कर ले सरकार गिराने का तो मध्य प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र में सरकारें गिर गईं। महाराष्ट्र में 50 विधायक शिवसेना में चले गए।

गहलोत ने जुलाई 2020 में सचिन पायलट खेमे की बगावत के बाद पैदा हुए सियासी संकट की तरफ इशारा किया। उस वक्त सचिन पायलट को प्रदेशाध्यक्ष और डिप्टी सीएम पद से बर्खास्त करने के साथ उनके समर्थक दो मंत्रियों को बर्खास्त कर दिया था। पायलट की जगह गोविंद सिंह डोटासरा को कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष बनाया था।

कार्यक्रम में गहलोत ने डोटासरा को उसी घटना की देन बताकर सियासी हलकों में अटकलों का दौर शुरू कर दिया है। सियासी जानकार इसे डोटासरा को मैसेज के तौर पर देख रहे हैं, जिसमें गहलोत ने यह जताया है कि सियासी संकट की वजह से ही डोटासरा अध्यक्ष बने थे।

गहलोत ने कहा- जिन्होंने इंदिरा गांधी का साथ दिया, उन नेताओं को उस वक्त जिम्मेदारियां मिलीं। 40 साल से वही लोग पदों पर हैं। हमारी भी एक सीमा है, नई पीढ़ी आनी चाहिए, बदलाव होना चाहिए। जो संभव है वह हम कर रहे हैं।

हम जादूगर हैं, हम तो केवल ट्रिक करते हैं, लोग कहते हैं जादू हो गया

गहलोत ने कहा- आप सबने एआई के बारे में सुना होगा। एआई चमत्कार है। हम जादू की बात करते हैं, हम जादूगर हैं। हम तो केवल ट्रिक करते हैं, लोग कहते हैं जादू हो गया। लोगों को विश्वास हो जाता है कि जादू है, ट्रिक हो ही नहीं सकती। जादूगर जो कलाकार होता है, इतनी शानदार ट्रिक होती है लोगों को यह लगती है कि वास्तविक है। एआई जादू है। यह वास्तव में चमत्कार है। मैं इसे बहुत यूज करता है। कांग्रेस के नेता और कार्यकर्ता भी एआई को यूज करें।

5 करोड़ में हुआ रीट परीक्षा के पेपर का सौदा

अब आरोपी उदाराम व्याख्याता बर्खास्त

जालोर, 21 मई (एजेंसियां)। विभिन्न नकल प्रकरणों में संलिप्त पाए जाने पर माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक ने चितलवाना क्षेत्र के बिश्नोईयों की ढाणी रणोदर निवासी उदाराम बिश्नोई पुत्र जगराम हाल निलंबित व्याख्याता राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कीलवा को 19 मई को सेवा से बर्खास्त किया है।

राजूराम ईराम के साथ मिलकर उक्त पेपर को सॉल्व करवाने तथा पेपर को सॉल्व करवाने के पश्चात उक्त सॉल्वड पेपर को वाट्सएप के माध्यम से भजनलाल विश्नोई व अन्य सहयोगियों को भेजकर कई अभ्यर्थियो से भारी राशि लेकर परीक्षा पूर्व पेपर पढ़ाना पाया गया। नकल प्रकरण में प्रयुक्त मोबाइल एवं रीट परीक्षा के पेपर के संबंध में हिसाब किताब की डायरियां, रीट परीक्षा का सॉल्वड पेपर की छाया प्रति एवं अभियुक्त उदाराम के कब्जे से अभ्यर्थियों की सूची एवं अपराध में प्रयुक्त वाहन को जब्त किया गया। उदाराम ने राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड जयपुर की ओर से आयोजित ग्राम विकास अधिकारी सीधी भर्ती परीक्षा (प्रारम्भिक) 2021 का पेपर रूपए देकर लाने व आगे परीक्षार्थियों से रुपए प्राप्त कर

परीक्षा का पेपर का आन्सर पढ़ाने में उदाराम विश्नोई की संलिप्तता एवं षडयंत्र रचने के प्रकरण में प्राप्त दुराचरण रिपोर्ट अनुसार पुलिस थाना सिरोही में दर्ज प्रकरण में चार्जशीट 30 मई 2023 को न्यायालय सिरोही में पेश की गई । कनिष्ठ अभियन्ता भर्ती परीक्षा 2020 में पुलिस थाना सांगानेर जयपुर पूर्व में दर्ज रिपोर्ट में कनिष्ठ अभियन्ता भर्ती परीक्षा का प्रश्न पत्र आउट करवाकर उसे आगे अभ्यर्थियों को 10-15 लाख रुपए में बेचने का कृत्य किया गया।

ऐसे में अनुसंधान के दौरान उदाराम विश्नोई, निलंबित व्याख्याता के विरूद्ध रीट परीक्षा 2017 में धांधली करने, रीट परीक्षा 2021 नकल गिरोह में संलिप्तता पाए जाने, ग्राम विकास अधिकारी सीधी भर्ती परीक्षा 2021 तथा कनिष्ठ ठ अभियन्ता भर्ती परीक्षा 2020 का पेपर आउट कराने में संलिप्तता पाई गई।

गर्मी से पहली मौत! डाक्टर-परिजनों का दावा-अत्यधिक गर्मी व पानी की कमी से गई जान

सीकर, 21 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में गर्मी से पहली मौत! सीकर के लोसल के नजदीकी गांव सिंगरावट में सीकर-डीडवाना मार्ग मोरडूंगा तिराहे पर सड़क किनारे एक गड्ढे में एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। मौके पर धोद थानाधिकारी राकेश मीणा मय जाप्ते के पहुंचे। शव को लोसल के उपजिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। यहां पर परिजनों की मौजूदगी में मेडिकल बोर्ड से शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

धोद थानाधिकारी राकेश मीणा ने बताया कि उनको फोन पर सुबह करीब 8 बजे शव की सूचना मिली थी। मृतक की पहचान पूर्ण पूरा गांव निवासी नेमाराम पुत्र रामूराम जांगिड़ (47 वर्ष) के रूप में हुई। मामले में मृतक के परिजनों ने रिपोर्ट दी है कि अत्यधिक गर्मी के चपेट में आने और प्यासा रहने के कारण नेमाराम की मौत हुई है। मामले में मृग रिपोर्ट दर्ज कर जांच पड़ताल की जा रही है।

परिजनों ने धोद थाने में रिपोर्ट दी है कि नेमाराम की मौत गर्मी के चलती हुई है। मृतक के भाई सुरजा राम ने बताया कि सोमवार सुबह किसी काम से घर से निकला था। शाम तक घर नहीं आने पर इधर-उधर तलाश की गई। कचरा बीनने वाले लोगों ने गड्ढे में नेमाराम के मृत अवस्था में पड़े होने की सूचना। इसके बाद मौके पर पहुंचे तो देखा कि नेमाराम का पूरा शरीर काला पड़ चुका था। नेमाराम की मौत अत्यधिक गर्मी की चपेट में आने और प्यासा रहने के कारण हुई है।

पपला गुर्जर को छुड़ाने वाला और बहरोड़ थाने पर हमले का मास्टरमाइंड गिरफ्तार

अलवर, 21 मई (एजेंसियां)। बहरोड़ थाने पर वर्ष 2019 में एके-47 जैसे घातक हथियारों से हमला कर कुख्यात गैंगस्टर पपला गुर्जर को फरार कराने के मामले में लंबे समय से फरार चल रहे मुख्य आरोपी राजवीर गुर्जर को एसओजी ने गिरफ्तार कर लिया है। राजस्थान की एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स द्वारा पकड़ा गया आरोपी खैरोली गांव का निवासी है और उस पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। गिरफ्तारी के बाद उसे एसीजेएम कोर्ट में पेश किया गया, जहां न्यायिक मजिस्ट्रेट मुकुल अग्रवाल ने उसे पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया।

एके-47 और एके-56 जैसे अत्याधुनिक हथियार

विशिष्ट लोक अभियोजक जितेंद्र कुमार शर्मा ने जानकारी दी कि राजवीर 6 सितंबर 2019 को हरियाणा के मोस्ट वांटेड अपराधी विक्रम गुर्जर उर्फ पपला के साथ स्कॉर्पियो में मौजूद था। उसी दिन बहरोड़ थाने पर हमला कर पपला को छुड़ाया गया था। राजवीर फरारी के दौरान हथियारों से भरा बैग लेकर भागा था, जिसमें एके-47 और एके-56 जैसे अत्याधुनिक हथियार थे।

गौरतलब है कि पपला गुर्जर को उस समय 32 लाख रुपए की नकदी के साथ गिरफ्तार किया गया था। लेकिन राजवीर ने उसकी रिहाई की साजिश रची। पहले पुलिस को रिश्वत देने का प्रयास किया गया और विफल रहने पर थाने पर सीधा हमला किया गया। हमले में अंधाधुंध फायरिंग की गई। इसके बाद राजवीर पपला के साथ दिल्ली भाग गया और वहीं से गैंग का नेतृत्व करने लगा। अब राजवीर की गिरफ्तारी से इस बहुचर्चित मामले की जांच में एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि पूछताछ में कई और खुलासे हो सकते हैं।

तीन बांग्लादेशी महिलाएं डिटेन

विदेशी नागरिकों पर कसा शिकंजा

अजमेर, 21 मई (एजेंसियां)। अजमेर जिले में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिकों के खिलाफ जिला पुलिस की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। चलाए गए विशेष अभियान के तहत तीन बांग्लादेशी महिलाओं को डिटेन किया गया है। इस कार्रवाई के साथ ही अब तक कुल 38 बांग्लादेशी नागरिकों को डिटेन किया जा चुका है, जो राज्य में अलग-अलग पहचान और नामों के साथ वर्षों से रह रहे थे। यह अभियान महानिरीक्षक पुलिस, सीआईडीराजस्थान, जयपुर के निर्देशों पर चलाया गया। जिला पुलिस अधीक्षक अजमेर के निर्देशन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. दीपक कुमार तथा वृताधिकारी किशनगढ़ ग्रामीण उमेश गौतम के सुपरविजन में यह संयुक्त अभियान संचालित हुआ। कार्रवाई को जिला विशेष शाखा, सीआईडी जोन अजमेर और पुलिस थाना रूपनगढ़ की टीमों ने मिलकर अंजाम दिया। डिटेन की गई तीनों महिलाएं मूल रूप से बांग्लादेश के कुमिल्ला जिले की रहने वाली हैं। ये महिलाएं लंबे समय से जयपुर और अजमेर के ग्रामीण क्षेत्रों में अलग-अलग नामों और पहचान के साथ जीवन यापन कर रही थीं।

क्रिप्टो करंसी लूट का मास्टर माइंड् गिरफ्तार

आईआईटी छात्र निकला आरोपी, पूछताछ जारी

जयपुर, 21 मई (एजेंसियां)। राजधानी जयपुर की सिंधी कैंप थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए क्रिप्टो करंसी लूट के मास्टर माइंड को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दिव्यांशु सिंह के रूप में हुई है, जो आईआईटी का छात्र है। आरोपी को थानाधिकारी श्यामसुंदर शर्मा के निर्देशन में पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार पीड़ित समीर खान ने नवंबर 2024 में सिंधी कैंप थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। समीर को एक शख्स श्याम ने शेयर मार्केट में नौकरी दिलाने के नाम पर जयपुर बुलाया। जयपुर पहुंचने पर श्याम ने उसे अपने साथियों समेत एक गाड़ी में बैठाया, जिसमें पहले से दो अन्य व्यक्ति मौजूद थे। गाड़ी दौलतपुरा ले जाई गई, जहां करीब एक दर्जन लोग और मौजूद थे।

इन लोगों ने समीर से मारपीट कर उसकी रकम छीन ली और उसके चाचा को जान से मारने की धमकी दी। पीड़ित को बचाने के एवज में आरोपियों ने उसके चाचा से साढ़े 4 लाख रुपये की क्रिप्टो करंसी ट्रांसफर करवा ली और रकम वसूलने के बाद समीर को छोड़ दिया।

मामले की जांच के दौरान पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर दिव्यांशु सिंह को चिन्हित कर उसे गिरफ्तार किया है। पुलिस फिलहाल आरोपी से पूछताछ कर रही है। उम्मीद जताई जा रही है कि पूछताछ में इस गैंग के अन्य सदस्यों और वारदातों का भी खुलासा हो सकता है।

पोकरण में मिट्टी में दबने से ढाई साल के मासूम की मौत

जैसलमेर, 21 मई (एजेंसियां)। देवपालपुरा निवासी सादाराम का ढाई वर्षीय पुत्र मोटाराम सोमवार को अपने परिवार के खेत में खेल रहा था। खेत में उसी वक्त परिजन ट्रैक्टर से जुताई का काम कर रहे थे। खेलते हुए मोटाराम अचानक एक गहरे गड्ढे में जा गिरा, जिसमें ढीली मिट्टी भरी हुई थी। जैसे ही वह गड्ढे में गिरा, ऊपर से मिट्टी खिसक गई और वह पूरी तरह दब गया। घटना इतनी चुपचाप हुई कि खेत में मौजूद परिजनों को भनक तक नहीं लगी। कुछ देर बाद जब बच्चा नजरों से ओझल हो गया और उसकी आवाज भी नहीं आई, तो परिवार के लोगों ने इधर-उधर तलाश शुरू की।

अंतरराज्यीय गिरोह के चार तस्कर गिरफ्तार

एक करोड़ से अधिक का घी बरामद

करौली, 21 मई (एजेंसियां)। करौली जिले में महवा थाना पुलिस ने एक बड़ी कामयाबी हासिल कर देशी घी की तस्करी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। महज पांच दिनों के भीतर पुलिस ने एक करोड़ बीस लाख रुपये मूल्य के करीब 18 टन देशी घी की तस्करी का मामला सुलझाते हुए चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई जिले में संगठित आर्थिक अपराधों पर करारा प्रहार मानी जा रही है। महवा थाना क्षेत्र स्थित दाउजी मिल्क फैक्ट्री से देशी घी की धोखाधड़ी कर यह तस्करी की गई थी। गिरफ्तार आरोपियों ने करीब 18 टन देशी घी चोरी कर उसे धौलपुर के ओम शंकर मिल्क फैक्ट्री में छिपा दिया था। बरामद घी की बाजार में अनुमानित कीमत करीब एक करोड़ रुपये बताई जा रही है। यह घी एक 12 चक्का टैंकर में भरकर तस्करी के इरादे से भेजा गया था। इस तस्करी के पीछे एक संगठित गिरोह का हाथ सामने आया है, जिसने ट्रांसपोर्टरों की मिलीभगत से पूरे धोखाधड़ी की साजिश रची। गिरोह का उद्देश्य दाउजी मिल्क फैक्ट्री से घी लोड कर उसे सीधे ओम शंकर मिल्क फैक्ट्री में पहुंचाना और बाजार में अवैध रूप से बेच देना था। गिरफ्तार आरोपियों में संजय, योगेन्द्र देव, रोहित और पवन शामिल हैं।

दोस्त के बर्थडे पार्टी के लिए एक रात में कर डाली 4 लूट

कोटा, 21 मई (एजेंसियां)। कोटा शहर में 16 मई की रात एक के बाद एक चार लूट की वारदातों का पुलिस ने खुलासा किया। इन वारदातों में लिप्त तीन बाल अपचारियों को निरुद्ध किया और दो युवकों को गिरफ्तार किया गया। आरकेपुरम, भीमगंजमण्डी और गुमानपुरा थाना क्षेत्र में बाइक सवार तीन फूड डिलीवरी बॉय और एक सब्जी बेचने वाले को चाकू की नोक पर लूट लिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि एक मित्र के जन्मदिन की पार्टी के लिए पैसा जुटाने के उद्देश्य से कोटा शहर में सुनसान इलाकों में अकेले बाइक सवारों को निशाना बनाया।

तेलंगाना देश में शीर्ष प्रदर्शन करने वाला पुलिस विभाग बनकर उभरा : डॉ. जितेंद्र

डीजीपी ने सर्वश्रेष्ठ पुलिस कर्मियों को पुरस्कार प्रदान किए

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पुलिस महानिदेशक डॉ. जितेंद्र ने कहा कि तेलंगाना पुलिस विभाग देश में शीर्ष प्रदर्शन करने वाला पुलिस विभाग बनकर उभरा है और अपनी उत्कृष्टता के लिए देश भर में सराहना प्राप्त कर रहा है। बुधवार को डीजीपी ने अपराध जांच, पता लगाने और अन्य संबंधित क्षेत्रों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले (52) पुलिस कर्मियों को पुरस्कार प्रदान किए। अधिकारियों को डीजीपी द्वारा प्रशंसा प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डीजीपी कार्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में बोलते हुए डॉ. जितेंद्र ने इस बात पर प्रकाश डाला कि इंडिया जस्टिस रिपोर्ट 2025 के अनुसार तेलंगाना पुलिस ने राष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान हासिल किया है। उन्होंने यह भी कहा कि विभाग सेल फोन रिकवरी में देश में अग्रणी है। डीजीपी ने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस कर्मियों के असाधारण प्रदर्शन ने विभाग की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और वे मान्यता और प्रोत्साहन के पात्र हैं। उन्होंने अधिकारियों को याद दिलाया कि उत्कृष्टता को कायम रखा जाना चाहिए और इसे और बढ़ाया जाना चाहिए। डॉ. जितेंद्र ने सभी कर्मियों से निरंतर सुधार के लिए प्रयास करने और सफलता की गति बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने अधिकारियों से राष्ट्रीय स्तर पर और अधिक पहचान हासिल करने के लिए ईमानदारी, निष्ठा और सार्वजनिक प्रतिबद्धता के साथ काम करने का आह्वान किया। अधिकारियों, कर्मचारियों और होमगार्डों के सामूहिक प्रयास को स्वीकार करते हुए उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि लगातार और ईमानदार प्रदर्शन से तेलंगाना पुलिस की प्रतिष्ठा और बढ़ेगी। इस अवसर पर बोलते हुए सीआईडी की महानिदेशक शिखा गोयल ने बताया कि सावधानीपूर्वक जांच के बाद, वर्ष 2024 में उनके अच्छे प्रदर्शन के लिए (52) अधिकारियों का चयन विभिन्न श्रेणियों में किया गया। इनमें सबसे अच्छा गंभीर अपराध का पता लगाना, सबसे अच्छा दोषसिद्धि, अधिकतम संख्या में यूआई मामलों का परिसमापन, अधिकतम संख्या में एनबीडब्ल्यू का निष्पादन, निर्धारित समय अवधि (60 दिन) के भीतर पोक्सो मामलों का अधिकतम निपटान, राष्ट्रीय लोक अदालत में अधिकतम निपटान, साइबर अपराध मामलों में अधिकतम रिफंड और संपत्ति अपराधों का पता लगाने में उत्कृष्ट प्रदर्शन शामिल है। साथ ही शीर्ष 3 इकाइयों (यानी हैदराबाद, मेदक और रामागुंडम) और शीर्ष 10 पुलिस स्टेशनों को क्यूआर कोड सहित नागरिक प्रतिक्रिया तंत्र के माध्यम से उच्चतम रेटिंग दी गई, जहां कार्यक्रम के दौरान पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में खुफिया महानिदेशक बी. शिवधर रेड्डी, अतिरिक्त डीजीपी महेश एम. भागवत और अनिल कुमार, आईजीपी एम. रमेश, चंद्रशेखर रेड्डी, रमेश नायडू और श्रीनिवास, सीआईडी डीआईजी नारायण नायक, सीआईडी एसपी श्रीनिवास और अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए।

पीएम मोदी आज बेगमपेट में पूर्णतः महिला संचालित रेलवे स्टेशन का करेंगे उद्घाटन

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पीएम नरेन्द्र मोदी गुरुवार को तेलंगाना में तीन रेलवे स्टेशनों का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन करेंगे, जिसमें बेगमपेट में पूर्णतः महिलाओं द्वारा संचालित रेलवे स्टेशन भी शामिल है। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी किशन रेड्डी ने बुधवार को कहा कि तेलंगाना में तीन अमृत भारत स्टेशन - बेगमपेट, वारंगल और करीमनगर - प्रधानमंत्री द्वारा सुबह 9.30 बजे जनता को समर्पित किए जाएंगे।

प्रधानमंत्री देश भर के करीब 100 अन्य स्टेशनों के साथ-साथ इनका भी वर्चुअल उद्घाटन करेंगे। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि जनप्रतिनिधियों और लोगों की मौजूदगी में उद्घाटन के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। दक्षिण-मध्य रेलवे (एससीआर) में पहला पूर्णतः महिला संचालित रेलवे स्टेशन बेगमपेट, करीमनगर और वारंगल स्टेशनों के अलावा, आधुनिक यात्री सुविधाओं के साथ 25-25 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से पुनर्विकास किया गया है, तथा स्थानीय संस्कृति और विरासत को दर्शाया गया है।

रॉयल सोसाइटी के फेलो के रूप में चुने गए प्रतिष्ठित प्रोफेसरों की वैश्विक मान्यता का जश्न मना

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद (आईआईटीएच) को एक महत्वपूर्ण उपलब्धि की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है, क्योंकि इसके दो प्रतिष्ठित प्रोफेसरों - ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय के प्रोफेसर चेन्नुपति जगदीश और एरिक्सन के सीटीओ डॉ. मल्लिकार्जुन तातिपामुला को रॉयल सोसाइटी (एफआरएस) के फेलो के रूप में चुना गया है, जो विश्व स्तर पर सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिक सम्मानों में से एक है। रॉयल सोसाइटी का फेलो (एफआरएस) एक प्रतिष्ठित उपाधि है जो उन व्यक्तियों को प्रदान की जाती है जिन्होंने गणित, इंजीनियरिंग विज्ञान और चिकित्सा विज्ञान सहित प्राकृतिक ज्ञान के सुधार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। रॉयल सोसाइटी दुनिया की सबसे पुरानी लगातार मौजूद वैज्ञानिक अकादमी है, जो फेलोशिप को एक महत्वपूर्ण सम्मान बनाती है। प्रो. चेन्नुपति जगदीश और डॉ. मल्लिकार्जुन तातिपामुला रॉयल सोसाइटी के फेलो के रूप में दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों में शामिल हो गए हैं - यह सम्मान उन व्यक्तियों को दिया जाता है जिन्होंने विज्ञान, इंजीनियरिंग और चिकित्सा में प्राकृतिक ज्ञान के सुधार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। दोनों सम्मानित व्यक्तियों की जड़ें भारत में हैं और वे आईआईटीएच के साथ घनिष्ठ शैक्षणिक संबंध रखते हैं। एफआरएस में उनकी पदोन्नति देश की बौद्धिक विरासत का सम्मान करती है और वैश्विक वैज्ञानिक उन्नति में भारत के योगदान की ताकत को दर्शाती है। ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में एक प्रतिष्ठित प्रोफेसर एमेरिटस, प्रो. जगदीश सेमीकंडक्टर नैनोटेक्नोलॉजी, फोटोनिक्स और ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक्स में अपने अग्रणी कार्य के लिए प्रसिद्ध हैं। उनका जन्म आंध्र प्रदेश के एक छोटे से गाँव वल्लूरूपलेम में हुआ था और वे तेलंगाना के एक छोटे से गाँव अरेकायालापडु में पले-बढ़े और उन्होंने एएनयू-गुंटूर से बीएससी भौतिकी, एयू से एमएससी (टेक) अप्लीकेशन भौतिकी और दिल्ली विश्वविद्यालय से भौतिकी में एमफिल और पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। वह वर्तमान में ऑस्ट्रेलियाई राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में भौतिकी और इलेक्ट्रॉनिक सामग्री इंजीनियरिंग के प्रतिष्ठित प्रोफेसर एमेरिटस के रूप में सेवारत हैं। वह ऑस्ट्रेलिया के गवर्नर जनरल से सर्वोच्च नागरिक सम्मान, कम्पेनियन ऑफ़ द ऑर्डर ऑफ़ ऑस्ट्रेलिया (एसी) प्राप्त करने वाले पहले भारतीय हैं। उन्हें भारत के राष्ट्रपति से प्रवासी भारतीय सम्मान पुरस्कार मिला है। प्रो. चेन्नुपति जगदीश ऑस्ट्रेलियाई विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष चुने गए पहले भारतीय और गैर-यूरोपीय ऑस्ट्रेलियाई हैं, जो वर्तमान में ऑस्ट्रेलियाई सरकार और संसद को सलाह दे रहे हैं। वे ऑस्ट्रेलिया, भारत, यूरोप, अमेरिका, ब्रिटेन, चीन और टीडब्लूएएस में प्रमुख विज्ञान और इंजीनियरिंग अकादमियों के फेलो हैं। 2025 में, उन्हें अमेरिकन एकेडमी ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज और रॉयल सोसाइटी (एफआरएस) के लिए चुना गया था। उन्हें 2024 में यूनिवर्सिटी ऑफ़ सरे और नॉटिंघम ट्रेंट यूनिवर्सिटी से मानद डॉक्टरेट की उपाधि भी मिली। एरिक्सन में वैश्विक प्रौद्योगिकी नेता और सीटीओ, डॉ. मल्लिकार्जुन तातिपामुला ने 5G और अगली पीढ़ी के नेटवर्क के विकास में एक परिवर्तनकारी भूमिका निभाई है। तेलंगाना के वारंगल में जन्मे डॉ. मल्लिक दूरसंचार के क्षेत्र में विश्व स्तर पर सम्मानित नेता हैं। उन्होंने एनआईटी वारंगल से बीटेक, आईआईटी मद्रास से एमटेक और टोक्यो विश्वविद्यालय से पीएचडी की है।

1980 के दशक में भारत में लैंडलाइन के लिए एक दशक तक इंतजार करने से प्रेरित होकर, डॉ. मलिक ने 35+ साल के करियर की शुरुआत की और मोबाइल इंटरनेट से लेकर 5G तक हर बड़े टेलीकॉम परिवर्तन को आकार दिया। इस उपलब्धि से उत्साहित, आईआईटीएच के निदेशक, प्रोफ़ेसर बी एस मूर्ति ने कहा, "यह आईआईटी हैदराबाद के लिए एक गौरवपूर्ण और ऐतिहासिक क्षण है।

कैंसर रोगियों के लिए रक्तदान शिविर आयोजित

महेश कुमार गौड़, मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, पूर्व सांसद वी हनुमंत राव, टीपीसीसी अभियान समिति के अध्यक्ष मधु यशकी गौड़, राज्य

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत रत्न और पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 34वीं पुण्यतिथि के अवसर पर बुधवार को यहां गांधी भवन में कैंसर रोगियों के लिए एक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम तेलंगाना राज्य युवा कांग्रेस के अध्यक्ष जक्किडी शिव चरण रेड्डी के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि टीपीसीसी अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़, मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, पूर्व सांसद वी हनुमंत राव, टीपीसीसी अभियान समिति के अध्यक्ष मधु यशकी गौड़, राज्य मछुआरा निगम के अध्यक्ष मेट्टू साई कुमार, टीएमआरईआईएस के उपाध्यक्ष फहीम कुरैशी और युवा कांग्रेस के राज्य प्रभारी सैयद खालिद थे। बाद में, रक्तदान करने वालों को सम्मानित किया गया और प्रशंसा पत्र प्रदान किए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रदेश युवा कांग्रेस के महासचिव, सचिव, विभिन्न जिलों, विधानसभा क्षेत्रों, मंडलों के अध्यक्ष, कार्यकर्ता व अन्य लोग शामिल हुए।

कालेश्वरम परियोजना को नष्ट करने की साजिश कर रही कांग्रेस : केटीआर

नलगोंडा, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कांग्रेस सरकार पर कालेश्वरम परियोजना को नष्ट करने और तेलंगाना के विकास को खतरे में डालने की साजिश रचने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि न्याय और न्याय की जीत होगी, उन्होंने कहा कि कांग्रेस की ध्यान भटकाने वाली रणनीति लोगों को उनकी विफलताओं को देखने से नहीं रोक पाएगी।

सीएम से मूसी पुनरुद्धार के एक हिस्से के रूप में हुसैन सागर झील को साफ करने का आग्रह

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। फोरम फॉर गुड गवर्नेंस के अध्यक्ष एम. पद्मनाभ रेड्डी ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी को एक पत्र लिखकर मूसी नदी के पुनरुद्धार के एक हिस्से के रूप में हुसैन सागर झील को साफ करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आग्रह किया।

एम. पद्मनाभ रेड्डी ने अपने पत्र में कहा कि हैदराबाद शहर के ऐतिहासिक स्थलों में से एक हुसैन सागर है। मूल रूप से पेयजल स्रोत के रूप में निर्मित इस झील की वर्षों से उपेक्षा की गई और बंजारा नाला, पिकेट नाला, बालकापुर नाला और कुकटपल्ली नाला जैसे नालों के माध्यम से अनुपचारित सीवरेज और औद्योगिक अपशिष्टों के प्रवेश के कारण यह प्रदूषित हो गया। पहले तीन नाले सीवेज ले जाते हैं जबकि कुकटपल्ली नाला बालानगर औद्योगिक क्षेत्र से खतरनाक रसायन ले जाता है और हुसैन सागर में बहता है। उन्होंने कहा कि एचएमडीए ने 2006 में जापान इंटरनेशनल को-ऑपरेटिव एजेंसी (जेआईसीए) से 310 करोड़ रुपये के ऋण और 60 करोड़ रुपये के राज्य सरकार के अनुदान से कुल 370 करोड़ रुपये की लागत से हुसैन सागर झील और जलग्रहण क्षेत्र सुधार परियोजना (एचसीआईपी) नामक एक परियोजना शुरू की है। इस परियोजना का उद्देश्य झील के पानी में सुधार करना, झील में साल भर जल संतुलन बनाए रखना, झील के तल से पोषक तत्वों से भरपूर तलछट को हटाना, झील में बहने वाले नालों में सुधार करना, जैव विविधता को समृद्ध करने के लिए झील और उसके आसपास के समग्र पर्यावरण में सुधार करना और इको-पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ाना है।

उन्होंने कहा कि परियोजना 2006 में शुरू हुई थी और इसे 2013 तक पूरा किया जाना था। लेकिन विभिन्न कारणों से परियोजना में 370 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद कोई भी घोषित उद्देश्य हासिल नहीं हो सका। हमारे अधिकारियों के जापान और अन्य यूरोपीय देशों के अध्ययन दौरों और हमारे अधिकारियों को सलाह देने के लिए जापान से विशेषज्ञों को बुलाने पर अच्छी खासी रकम खर्च की गई उनकी परामर्शदात्री सेवाएं और यात्रा व्यय। चूंकि कुकटपल्ली नाले को एक गंभीर खतरे के रूप में पहचाना गया था, इसलिए अस्थायी उपाय के रूप में कुकटपल्ली नाले को मोड़ने की योजना बनाई गई थी, जिसकी अनुमानित लागत 50 करोड़ रुपये थी, हालांकि आवंटित धन बिना किसी परिणाम के खर्च किया गया क्योंकि नाला खतरनाक रसायनों को ले जा रहा था, जो अभी भी हुसैन सागर झील में बह रहा था। फिर 20 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ बुद्धपूर्णिमा परियोजना आई।

कुख्यात चेन स्नैचर, गांजा तस्कर लांबा साथियों के साथ गिरफ्तार

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कुख्यात चेन स्नेचर सह गांजा तस्कर सैयद सईद हुसैन उर्फ लांबा को मंगलवार को उसके चार साथियों के साथ गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनके पास से 21 किलोग्राम गांजा, पांच मोबाइल फोन और एक मारुति कार जब्त की है। गिरफ्तार किए गए लोगों में सैयद सईद हुसैन उर्फ लांबा (39), अमीर खान (31), फारूक खान (27), मोहम्मद गौस (40) और मोहम्मद आजम खान (27) शामिल हैं, जो सभी नवाब साहब कुंता के निवासी हैं।

मुखबिरों से मिली सूचना के बाद हैदराबाद डिटेक्टिव डिपार्टमेंट की विशेष टीम ने इस गिरोह को पकड़ा। पुलिस के अनुसार लांबा अपनी कार में नागपुर से गांजा लाकर शहर में अलग-अलग लोगों को ऊंचे दामों पर सप्लाई करता था। वह पिछले कुछ समय से इस धंधे में लिप्त था। लांबा शहर का कुख्यात चेन स्नेचर है और पुलिस ने उसे उसके साथियों के साथ कई चेन स्नेचिंग मामलों में ट्राई कमिश्नरेट में गिरफ्तार किया था। इससे पहले भी उसने शहर में एक पुलिसकर्मी पर चाकू से हमला किया था, जब उसे पकड़ने की कोशिश की गई थी। उसने कालापाथर, नवाब साहब कुंटा और जहांनुमा इलाके के कुख्यात असामाजिक तत्वों का एक गिरोह बना रखा था। पुलिस की कार्रवाई के बाद शहर में गांजे की भारी मांग के कारण लांबा ने अन्य शहरों से गांजा की तस्करी कर शहर में बेचने का फैसला किया।

आज समाधि पार्क में इक्षापूर्ति गणेशजी की पूजा में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। राजेंद्र कुमार अग्रवाल, पद्मा किरण संध्या रानी अग्रवाल, पुष्पलता, विजया सेसैया गारू, बाबुल समर्पण कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदेवा, पीसी जैन, जवाहरलाल सोलंकी, महेश कुमार डकोटिया, विनोद टिकमानी, सुभाष अग्रवाल, विट्ठलदास अग्रवाल, प्रमोद कुमार सरायवाला, हेमंत शाह, बद्रीनारायण मेंथा रॉय, नित्या रॉय, वैष्णवी प्रतुया सौएबग, ईशा दीक्षांजलि ।

मिर्जालगुडा स्थित लचेटा परिवार द्वारा आयोजित स्व.श्री सुकनलालजी लचेटा की श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए चुन्नीलाल, पुकाराम, भंवरलाल, वेनाराम, छगन लचेटा, हंसाराम सैंणचा, हेमाराम गेहलोत, जुगाराम मुलैवा व अन्य।

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा सूचना सं. सी/ई.29/इलेक./एम/एससी/11/ओईडब्ल्यू/ओटी/2025-26 दि.21-05-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य हेतु दि.13-06-2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदा आमंत्रित है।

क्रम सं.01 ई-निविदा सं.ईटेंडर नं. सी/ई.29/इलेक./एम/एससी/11/ओइडब्ल्यू/ओटी/2025-26, ईटेंडर नं. ई-एम-एससी-11-ओटी-2025-26 कार्य विवरणः सिकंदराबाद डिवीजन बिजली रखरखाव विभागः मुरुगुट्टी टन्नेल में नई या न्यू वायरिंग का प्रस्ताव। बिजली व्यवस्थाएं। निविदा मूल्यःरु.82,43,143.40 पूर्व धरोहर राशि(पूधरा)रु. 1,64,900/- सीटीएफःरु.0.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 6 महिने

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता(एम)/सिकंदराबाद

ई-निविदा सूचना सं.-एसएण्डटी/0%/2025 दि.21-05-2025

कृते भारत के राष्ट्रपति की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल एवम् दूर संचार अभियंता(रखरखाव), दक्षिण मध्य रेलवे, गुंटकल द्वारा निम्न कार्यो हेतु दि.13-06-2025 के 15.00 बजे तक ई-निविदाएं(खुली) आमंत्रित हैं।

निविदा सं. - 01-एसएनटी-07-2025 कार्य विवरण(सिग्नल व दूर संचार कार्य) - गुन्टकल डिवीजन के येरपेडू स्टेशन पर इन्डोर तथा आउटडोर गेयर्स का रिप्लेसमेन्ट या प्रतिस्थापन। कार्य का विज्ञापित मूल्यःरु.54234833.23 पूर्व धरोहर राशि(पूधरा) रु.42,1200.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने

तत्संबंधित प्रस्ताव या आफर की वैधता, खोलने की तिथि से लेकर 60 दिनोंतक होनी चाहिए। उपरोक्त निविदा सूचना हेतु यदि आवश्यक होने पर, शुध्दिपत्र को, केवल आनलाईन पर ही जारी किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल व दूर संचार अभियंता(एम), गुन्टकल

निविदा सूचना सं. बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-08-2025-26 दि.21-05-2025

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु आईआरइपीएस में निविदाएं आमंत्रित हैं।

निविदा सं.- बी-ई29-टीआरडी-टीएनडीआर-08-2025-26 कार्य विवरणः विजयवाडा डिवीजन- बीजेडए डिवीजन के विकेटी/एसपी पर एफसीआई साइडिंग के लिए, अलग या सेपरेट आईसोलेशन का प्रावधान। अनुमानित लागतः रु. 42,72,693.65 बोली सुरक्षा(पूधरा) रु.85,500.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 महिने बंद करने की तिथिः 13-06-2025 के 15.00 बजे क्रम सं.- निविदा प्रपत्र मूल्य(रु.)-शून्य

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियंता, टीआरडी, विजयवाडा

A0722

निविदा शर्तों/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in अथवा www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

लुफ्थांसा विमान की हैदराबाद हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग

लैंडिंग गियर में हो गई थी समस्या

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को शमशाबाद स्थित राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक विमान उस समय दुर्घटना से बच गया, जब पायलट ने उड़ान भरने के तुरंत बाद ही विमान में तकनीकी खराबी देखी और उसे आपातकालीन स्थिति में उतारा। जानकारी के अनुसार, जर्मनी के फ्रैंकफर्ट के लिए उड़ान भरने वाला लुफ्थांसा एयरलाइंस का विमान सुबह आरजीआईए से रवाना हुआ, जिसमें करीब 160 यात्री सवार थे। हालांकि, विमान के उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद पायलट को लैंडिंग गियर में तकनीकी समस्या का पता चला।

पायलट ने तुरंत ही ज़मीन पर एयर ट्रैफ़िक कंट्रोल (एटीसी) अधिकारियों को सूचित किया। तुरंत जवाब देते हुए, विमान को मंजूरी दे दी गई और विमान को वापस हवाई अड्डे पर भेज दिया गया। विमान ने आपातकालीन लैंडिंग की और सुरक्षित रूप से उतर गया। विमान में सवार यात्रियों, चालक दल के सदस्यों और हवाईअड्डा अधिकारियों ने राहत की सांस ली।

मार्केट यार्ड से कब्जा हटाने की चेतावनी

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बोइनपल्ली मार्केट यार्ड में काफी दिनों से सब्जी बेचने वालों ने अवैधरूप से कब्जा कर रास्ता तक जाम कर रखा था। इससे ट्रैफिक जाम तो होता ही था पैदल आने जाने वालों को भी काफी परेशानियों का सामना करना पडता था। लोगों की समस्याओं को देखते हुए एएमसी बोइनपल्ली के चेयरमैन आनंद बाबू ने कब्जा करने वाले सब्जी बेचने वालों को चेताया कि यदि यहां से हटे तो कानूनी रूप से कडी कार्रवाई की जाएगी। उनके साथ वाइस चेयरमैन डीबी देवेंद्र, यार्ड के सलेक्शन ग्रेड के सेक्रेटरी वेंकन्ना,एएमसी के वरिष्ठ सरकारी सलाहकार ए. गौतम जैन, सत्यनारायण , श्रीनिवास एवं अन्य वरिष्ठ लोग मौजूद थे।

प्रभाकर ने ट्रेनों की संख्या बढ़ाने की के लिए मंत्री से मुलाका की

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद शहर के अंदर एमटीएस गाड़ियों की संख्या बढ़ाने के वास्ते आज केंद्र रेलवे राज्य मंत्री सोमन्ना से भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष और उप्पल पूर्व विधायक एनवीएस प्रभाकर मुलाकात कर कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा रेल गतिविधियों को गति तेज से बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि चेर्लापल्ली रेलवे टर्मिनल, बेगमपेट रेलवे स्टेशन काचीगुड़ा नामपल्ली और कई स्टेशन को अभिवृद्धि किया जा रहा है। इसके अलावा भी हैदराबाद शहर के अंदर कहीं रेलवे स्टेशन को विकसित किया गया है। शहर के हर कोने से आज एमएमटीएस गाड़ी चल रही है। इससे विद्यार्थियों के साथ ही नौकरी पेशा युवा के लिए भी काफी सुविधा मिल रही है। वजह साफ है कि ये ट्रेनें साधारण नागरिकों के लिए भी कम रेट में लोगों को गंतव्य तक पहुंचाती हैं। उन्होंने सोमन्ना से मांग की है कि एमएमटीएस ट्रेनों की संख्या और बडाई जाए ताकि आम नागरिकों के ज्यादा से ज्यादा फायदा मिल सके।

जिला कलेक्टरों को अग्रिम मानसून के बारे में सचेत किया : अरविंद कुमार

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वर्तमान मानसून सीजन में सरकार ने जिला कलेक्टरों को किसी भी आपदा को रोकने के लिए एहतियाती कदम उठाने के निर्देश दिए हैं, क्योंकि इस महीने के अंत तक मानसून आने की उम्मीद है, जिसके कारण राज्य के कई जिलों में मध्यम से भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग की इस घोषणा के मद्देनजर कि मई के अंत तक तेलंगाना में मानसून आ जाएगा, राज्य सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार ने जिलों के लिए निवारक उपायों पर उचित दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि अगस्त 2024 में भारी बारिश के कारण एनडीआरएफ बलों के समय पर मौके पर नहीं पहुंचने से होने वाले नुकसान को ध्यान में रखते हुए इस बार 12 राज्य आपदा राहत बल (एसडीआरएफ) को पहले से तैयार रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक टीम में तेलंगाना विशेष पुलिस के 100 प्रशिक्षित पुलिसकर्मी शामिल होंगे और ये टीमें राज्य के विभिन्न हिस्सों में गठित की गई हैं। इस प्रकार, कलेक्टरों को सूचित किया गया कि यदि कहीं भी भारी बारिश या तूफान आता है, तो निकटतम एसडीआरएफ टीमें तुरंत पहुंच जाएंगी। इसके साथ ही बताया गया कि इस बार हैदराबाद में विशेष रूप से एनडीआरएफ की तीन टीमें गठित की गई हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने एनडीआरएफ से अनुरोध किया है कि इस बार भारी बारिश वाले जिलों में एनडीआरएफ की अतिरिक्त टीमें तैनात की जाएं। उन्होंने बताया कि संयुक्त जिला केन्द्रों के सभी अग्निशमन केन्द्रों पर तैनात अग्निशमन कर्मियों को आपदा निवारण उपायों के बारे में विशेष प्रशिक्षण दिया गया है। हमने हैदराबाद और उसके उपनगरों में तुरंत प्रतिक्रिया देने के लिए हाइड्रा टीमें गठित की हैं। बताया गया है कि उपरोक्त उपाय भारी बारिश और अचानक बारिश की स्थिति में नुकसान को कम करने में उपयोगी होंगे। यदि भारी बारिश और बाढ़ की संभावना है, तो संबंधित जिलों में तैनात एसडीआरएफ और एनडीआरएफ टीमों के संपर्क में रहने और संबंधित अधिकारियों को संबंधित टीमों का विवरण उपलब्ध कराने की सलाह दी जाती है।

एआईएमसी ने अनुशासनहीनता के लिए तेलंगाना महिला अध्यक्ष को कारण बताओ नोटिस भेजा

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस (एआईएमसी) ने बुधवार को तेलंगाना महिला कांग्रेस अध्यक्ष सुनीता राव को अनुशासनहीनता के लिए कारण बताओ नोटिस भेजा और नोटिस प्राप्त होने के 7 दिनों के भीतर लिखित स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने को कहा है।

अखिल भारतीय महिला कांग्रेस (एआईएमसी) की अध्यक्ष अलका लांबा द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस में कहा गया है कि सुनीता राव ने पार्टी कार्यालय के परिसर में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया और यह कृत्य पार्टी अनुशासन का स्पष्ट उल्लंघन है और इसे उनके पद के अनुरूप आचरण नहीं माना गया है।

महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। महबूबाबाद के एक सरकारी अस्पताल में काम करने वाले एक डॉक्टर पर बंजारा हिल्स पुलिस ने शहर में काम करने वाली 34 वर्षीय महिला डॉक्टर से शादी का झूठा वादा करके कथित तौर पर बलात्कार करने और धोखा देने का मामला दर्ज किया है। कथित तौर पर उसने यह तथ्य छिपाया कि वह पहले से ही शादीशुदा है।

पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता डॉक्टर ने पुलिस को बताया कि हाल ही में बंजारा हिल्स के रोड नंबर 1 स्थित एक स्टार होटल में संदिग्ध व्यक्ति ने उसका शोषण किया। पीड़िता ने बताया कि वह पहली बार सरकारी डॉक्टर से करीब एक साल पहले हैदराबाद में एक मेडिकल सेमिनार में मिली थी और उसके बाद वे दोस्त बन गए।

संदिग्ध डॉक्टर ने झूठ बोला था कि वह अविवाहित है और शादी का वादा करके उसने होटल में उसके साथ बलात्कार किया। बाद में उसे पता चला कि वह पहले से ही शादीशुदा है। डॉक्टर की शिकायत के आधार पर बंजारा हिल्स पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। डॉक्टर की गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email : svaarttha2006@gmail.com svaarttha@rediffmail.com svaarttha2006@yahoo.com
Epaper : epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement : swadds1@gmail.com

आईपीएल में कम हो रहा है ऑलराउंडर्स का दबदबा

इस बार 100+ रन और 10+ विकेट लेने वाले दो खिलाड़ी, पिछली बार 8 थे

साल 2025: 100+ रन और 10+ विकेट वाले खिलाड़ी...

खिलाड़ी	टीम	रन	विकेट
हार्दिक पंड्या	मुंबई	158	13
सुनील नरेन	कोलकाता	215	10

मुंबई, 21 मई (एजेंसियां)। आईपीएल में पिछले कई वर्षों से ऑलराउंडर्स ही टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं। चाहे वह पिछले सीजन केकेआर को विजेता बनाने वाले सुनील नरेन (488 रन,17 विकेट) हों या फिर साल 2023 में चेन्नई को आखिरी दो गेंदों में 10 रन बनाकर पांचवीं ट्रॉफी दिलाने वाले रवींद्र जडेजा।

हालांकि, मौजूदा सीजन ने काफी हद तक ऑलराउंडर्स के महत्व को खत्म कर दिया है। पिछले सीजन में 100+ रन और 10+ विकेट वाले खिलाड़ियों की संख्या मौजूदा सीजन की तुलना में चार गुना अधिक थी।

सीजन में इस आंकड़े तक केवल दो खिलाड़ी ही पहुंच सके हैं। इनमें केकेआर के नरेन और मुंबई इंडियंस के हार्दिक शामिल हैं। पिछले सीजन में आठ खिलाड़ियों ने 100 से ज्यादा रन बनाने के साथ-साथ 10 या उससे ज्यादा विकेट हासिल किए थे। इसका इम्पैक्ट इसी बात से समझा जा सकता है कि पिछली बार की चैम्पियन कोलकाता ही एक ऐसी टीम थी, जिनके दो खिलाड़ियों नरेन और रसेल ने ऐसा किया था।

ऑलराउंडर्स की भूमिका कम होने का कारण है इम्पैक्ट प्लेयर नियम

आईपीएल में ऑलराउंडर्स की भूमिका कम होने का सबसे बड़ा कारण इम्पैक्ट प्लेयर नियम रहा है। इस नियम से टीमें 11 के बजाए 12 खिलाड़ियों के साथ मैदान पर उतरती हैं।

वे अपनी जरूरत के अनुसार प्लेइंग-11 के किसी भी खिलाड़ी की जगह किसी भी बल्लेबाज या फिर गेंदबाज को मैदान में उतार सकती हैं। इसलिए टीमें किसी पार्ट टाइम गेंदबाज और बल्लेबाज के बजाए नियमित बल्लेबाज या फिर गेंदबाज को चुनना पसंद करती हैं।

क्या कहती हैं टीमें

राजस्थान रॉयल्स के हेड कोच राहुल द्रविड़ का कहना है कि यह नियम ऑलराउंडर्स की ग्रोथ को प्रभावित करता है। पहले केवल 11 खिलाड़ियों के होने से कुछ खिलाड़ियों को अलग-अलग परिस्थितियों में बल्लेबाजी या गेंदबाजी करने के अधिक मौके मिलते थे। लेकिन इम्पैक्ट प्लेयर नियम ने कुछ हद तक इसे बदल दिया है।

साल 2024 में 100+ रन और 10+ विकेट वाले खिलाड़ी...

खिलाड़ी	टीम	रन	विकेट
सुनील नरेन	कोलकाता	488	17
सैम करन	पंजाब	270	16
कैमरन ग्रीन	बेंगलुरु	255	10
अक्षर पटेल	दिल्ली	235	11
आंद्रे रसेल	कोलकाता	222	19
हार्दिक पंड्या	मुंबई	216	11
पैट कमिंस	हैदराबाद	136	18
राशिद खान	गुजरात	102	10

मुंबई इंडियंस के हेड कोच महेला जयवर्धने का कहना है कि इम्पैक्ट प्लेयर नियम से आप टीम में एक पूर्ण ऑलराउंडर को शामिल कर सकते हैं। लेकिन अन्य ऑलराउंडर्स खेल से बाहर हो जाते हैं क्योंकि टीम मैच के बीच एक संपूर्ण बल्लेबाज या गेंदबाज शामिल कर लेती है।

केकेआर के सीईओ ने आईपीएल नियम बदलाव पर उठाए सवाल

कहा-120 मिनट का अतिरिक्त समय, 17 मई से लागू होना चाहिए था

कोलकाता, 21 मई (एजेंसियां)। कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल के बचे हुए लीग मैचों के लिए 120 मिनट का अतिरिक्त समय दिए जाने के फैसले पर सवाल उठाए हैं। पहले यह एक घंटा था। कोलकाता का कहना है कि इसे आईपीएल के दोबारा शुरू होने के साथ ही लागू किया जाना चाहिए था। अगर ऐसा होता तो कोलकाता अभी प्लेऑफ की रेस में बनी रहती। आईपीएल के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर हेमांग अमीन ने सभी 10 टीमों को भेजे ईमेल में कहा है कि हाल ही के सीजन में बारिश के मौसम को देखते हुए आईपीएल गवर्निंग काउंसिल ने फैसला किया है कि 20 मई से सभी मैच शुरू करने के लिए 120 मिनट का अतिरिक्त समय मिलेगा। पहले, मैच खेलने की शर्तों में बताया गया था कि लीग मैचों को शुरू करने के लिए 60 मिनट का अतिरिक्त समय उपलब्ध रहता था। प्लेऑफ मैचों में, यह समय 120 मिनट तक बढ़ा दिया गया था।

अमीन के ईमेल के जवाब में केकेआर के सीईओ वेंकी मैसूर ने खेल की शर्तों में संशोधन करने के निर्णय के समय पर सवाल उठाया और पूछा कि क्या इसे आईपीएल के फिर से शुरू होने के बाद पहले मैच यानी आरसीबी बनाम केकेआर से ही लागू किया जा सकता था। मैसूर ने ईमेल में कहा है कि हालांकि परिस्थितियों के अनुसार नियमों में ये मध्य-सीजन परिवर्तन आवश्यक हो सकते हैं, लेकिन इस तरह के बदलावों को लागू करने के तरीके में अधिक एकरूपता की उम्मीद की जा सकती है। आईपीएल भारत-पाक सीमा पर बढ़ते तनाव के बाद 9 मई को एक हफ्ते के लिए सस्पेंड कर दिया गया था। दोनों देशों के बीच सीजफायर की घोषणा के बाद फिर से इसे 17 मई को शुरू करने का फैसला किया गया।

पहला मैच बेंगलुरु में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच था। बारिश की वजह से इसे रद्द कर दिया गया था। दोनों टीमों को 1-1 अंक मिले। इसके साथ ही केकेआर के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावना खत्म हो गई।

मैसूर ने कहा कि अगर 17 मई को आरसीबी और केकेआर के बीच हुए मैच में दो घंटे का अतिरिक्त प्रावधान होता, तो पांच ओवर प्रति साइड का मुकाबला होने की संभावना हो सकती थी।

उन्होंने कहा कि जब आईपीएल दोबारा शुरू हुआ, तब यह स्पष्ट था कि 17 मई को बेंगलुरु में होने वाले पहले मैच केकेआर बनाम आरसीबी में बारिश की ज्यादा संभावना थी। मौसम का पूर्वानुमान सभी के सामने था। न केवल मैच धुल गया, बल्कि जो अतिरिक्त 120 मिनट का नियम अब लागू किया जा रहा है, वह अगर उस समय होता तो कम से कम 5 ओवर प्रति टीम का मैच हो सकता था।

उन्होंने आगे कहा कि इस मैच के रद्द होने से केकेआर के प्लेऑफ में पहुंचने की संभावनाएं समाप्त हो गईं। इस स्तर के टूर्नामेंट में इस तरह के तदर्थ निर्णय और उन्हें लागू करने में असंगतता उचित नहीं है। मुझे यकीन है कि आप समझ सकते हैं कि हम खुद को क्यों ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

'बार-बार आकर खेल खराब किया' धोनी पर भड़का पूर्व दिग्गज

फैंस को चुभेगी ये बात

चेन्नई, 21 मई (एजेंसियां)। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान एमएस धोनी आईपीएल 2025 के सबसे उम्रदराज खिलाड़ी है। 43 की उम्र में भी धोनी सीएसके के लिए खेल रहे हैं। हालांकि अब धोनी का प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा है इस सीजन धोनी ने काफी निराश किया है। ये सीजन सीएसके के लिए भी काफी खराब रहा है। इस सीजन सीएसके 13 में से 10 मैच हार चुकी है। वहीं धोनी के प्रदर्शन पर भी काफी सवाल उठ रहे हैं। बीती रात राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए धोनी ने 17 गेंदों पर महज 16 रन ही बनाए थे। वहीं अब धोनी के प्रदर्शन को लेकर पूर्व भारतीय क्रिकेटर क्रिस श्रीकांत ने अपनी भड़ास निकाली है और उनको रिटायरमेंट लेने की सलाह दी है।

धोनी पर भड़के क्रिस श्रीकांत

राजस्थान रॉयल्स के हाथों सीएसके को 6 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद अपने यूट्यूब चैनल पर बोलते हुए श्रीकांत ने कहा "धोनी की उम्र भी बढ़ रही है, आप उनसे बहुत ज्यादा उम्मीद नहीं कर सकते। लेकिन साथ ही, आप बार-बार आकर खेल को खराब नहीं कर सकते, अगर आप ऐसा करने में सक्षम नहीं हैं, तो कह दें कि आप ऐसा करने में सक्षम नहीं हैं और चले जाएं। यह एक ऐसा फैसला है जो सिर्फ धोनी ही ले सकते हैं। क्या वह खेलना जारी रखेंगे, अगर खेलना जारी रखेंगे, तो किस भूमिका में कप्तान, विकेटकीपर या फिनिशर?

आगे उन्होंने कहा ईमानदारी से कहूं तो, उनकी सजगता कम हो गई है। उनके घुटने शायद जवाब दे चुके हैं, उनकी फिटनेस, रिफ्लेक्स लेवल, सब कुछ निश्चित रूप से कम हो जाएगा और इसके अलावा, शीर्ष क्रम फ्लॉप हो रहा है। आज चेन्नई सुपर किंग्स के साथ समस्या यह है कि धोनी अपने खेल को दोहराने में सक्षम नहीं हैं। स्पिनर उन्हें बांध रहे हैं। एक समय था जब वह स्पिनरों की गेंदों को स्टैंड में 10 पंक्तियों के अंदर तक मारते थे। ईमानदारी से कहें तो वह संघर्ष कर रहे हैं।"

3 मैच ही जीत पाई सीएसके

इस सीजन की शुरुआत में सीएसके की कमान रुतुराज गायकवाड़ के हाथों में ही थी, इसके बाद गायकवाड़ इंजरी के चलते पूरे सीजन से बाहर हो गए और धोनी को फिर से कप्तान बनाया गया। सीजन की शुरुआत जरूर सीएसके ने जीत के साथ की थी, लेकिन उसके बाद से टीम लगातार फ्लॉप होती रही। बल्लेबाजी में सीएसके ने सबसे ज्यादा निराश किया है।

एचएस प्रणय और करुणाकरन की शानदार जीत

दूसरे दौर में पहुंचे; सिंधू पहले ही दौर में बाहर

कुआलालंपुर, 21 मई (एजेंसियां)। एचएस प्रणय और सतीश करुणाकरन ने पुरुष एकल मुकाबलों में उलटफेर करते हुए जीत हासिल की और मलेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बना ली। हालांकि, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू को बुधवार को महिला एकल मुकाबले के पहले ही दौर में हार का सामना करना पड़ा और वह टूर्नामेंट से बाहर हो गईं।

पुरुष एकल में भारतीयों का जलवा

प्रणय ने पहले जापान के पांचवीं वरीयता प्राप्त केंटा निशिमोतो को एक घंटे 22 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 19-21, 21-17, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। इसके बाद करुणाकरन ने तीसरी वरीयता प्राप्त चीनी ताइपे के चोउ टिएन चेन को महज 39 मिनट में 21-13, 21-14 से हराया। भारत के एक अन्य पुरुष खिलाड़ी आयुष शेट्टी भी अगले दौर में पहुंचने में सफल रहे। आयुष ने कनाडा के ब्रायन यांग को 20-22, 21-10, 21-8 से मात दी।

सिंधू की खराब फॉर्म जारी

पुरुष एकल वर्ग में जहां भारत के लिए अच्छा दिन रहा, वहीं, महिलाओं के वर्ग में सिंधू की खराब फॉर्म यहां भी बरकरार रही और वह इस सुपर 500 टूर्नामेंट का शुरुआती दौर ही पार नहीं कर सकीं। सिंधू को वियतनाम की नगुयेन थियू लिंथ के खिलाफ 11-21, 21-14, 15-21 से हार मिली।

कल बंगलूरू में होने वाला आईपीएल मैच लखनऊ शिफ्ट

रोकी गई हैदराबाद की टीम; दो बार आएंगे कोहली

लखनऊ, 21 मई (एजेंसियां)। बीते दिनों टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहने वाले विराट कोहली आईपीएल में धूम मचा रहे हैं। अब बंगलूरू में 23 मई को प्रस्तावित रॉयल चैलेंजर्स और सनराइजर्स हैदराबाद का मुकाबला मौसम खराब होने के कारण लखनऊ में शिफ्ट किया गया है। इस खबर के साथ शहर में विराट के प्रशंसक खुशी से झूम रहे हैं, क्योंकि अब उन्हें एक नहीं, बल्कि दो बार अपने पसंदीदा खिलाड़ी का जलवा देखने का मौका मिलेगा।

विराट को लेकर शहर में पहले से ही काफी उत्साह था। दरअसल, यहां 27 मई को लखनऊ और बंगलूरू का मैच तय है। विराट को खेलता देखने के लिए इस मुकाबले के टिकट काफी पहले ही बिक चुके हैं। अब 23 मई को इकाना स्टेडियम में हैदराबाद और बंगलूरू का मैच विराट प्रशंसकों के लिए बोनस है।

मंगलवार शाम को हैदराबाद की टीम बंगलूरू के लिए उड़ान भरने वाली थी, लेकिन उन्हें लखनऊ में ही रुके रहने के लिए कह दिया गया है। मुकाबले के लिए बंगलूरू टीम बुधवार को लखनऊ आ जाएगी। टीम का बृहस्पतिवार को इकाना स्टेडियम में अभ्यास का शेड्यूल भी है। इस दिन हैदराबाद की टीम भी अभ्यास कर सकती है।

प्लेऑफ नहीं तो एक अतिरिक्त लीग मैच ही सही

पिछले तीन साल से आईपीएल के मुकाबलों की मेजबानी करने वाले लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में पहली बार आठ मुकाबले खेले जाएंगे। पहले दो सत्रों में लखनऊ सुपरजायंट्स के घरेलू मैदान में सात-सात लीग चरण के मुकाबले खेले गए थे। हालांकि इस सत्र में आईपीएल के मुकाबलों को लेकर उमड़ी भीड़ को देखकर लगा था कि शायद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) लखनऊ को प्लेऑफ मुकाबले की मेजबानी दे दे, लेकिन ऐसा हो न सका। इसके बाद यहां एक अतिरिक्त मैच आने से स्टेडियम प्रबंधन भी उत्साहित है। हम प्लेऑफ के मुकाबले की मेजबानी का इंतजार कर रहे थे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। इसमें निराश होने की कोई बात नहीं है, क्योंकि अब प्रशंसक अपने पसंदीदा विराट कोहली को इकाना स्टेडियम एक नहीं, दो बार खेलते दिखेंगे। उम्मीद है कि इन मुकाबलों को देखने के लिए बड़ी संख्या में दर्शक अपनी उपस्थित दर्ज कराएंगे।

पीसीबी का बड़ा फैसला : बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी पाकिस्तान क्रिकेट टीम से बाहर

इस्लामाबाद, 21 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बड़ा फैसला लिया है. ये फैसला उसके उन तीन सुपरस्टार खिलाड़ियों को लेकर है, जिन्हें टीम से बाहर कर दिया गया है. पीसीबी ने बाबर आजम, मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी को पाकिस्तान क्रिकेट टीम से बाहर किया है. इन तीनों को पाकिस्तान की अगली होने वाली सीरीज के लिए नहीं चुना गया है. पीसीबी ने ये फैसला क्यों लिया है, उसके पीछे की वजह का भी पता चला है. लेकिन, सवाल तो वही है क्या इन तीनों को टीम से बाहर रखना सही है?

बांग्लादेश के खिलाफ टीम से बाहर

पाकिस्तान को अगली सीरीज बांग्लादेश से अपने घर में ही खेलनी है, जिसका आगाज 27 मई से हो रहा है. पीसीबी ने बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली इसी घरेलू सीरीज के लिए टीम का सेलेक्शन किया, जिसमें ना तो बाबर आजम, ना ही मोहम्मद रिजवान और शाहीन अफरीदी को जगह दी है. बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान की ये सीरीज 3 T20 मैचों की होनी है.

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के 3 जिम्मेदार लोग

पीसीबी ने 21 मई को पाकिस्तान की 16 सदस्यीय टी20 टीम का ऐलान किया, जिसकी कमान सलमान अली आगा के हाथों में है, जबकि शादाब खान को टीम का उप-कप्तान बनाया गया है. पाकिस्तान का हेड कोच बनने के बाद माइक हेसन की ये पहली सीरीज होगी.

बाबर, रिजवान और शाहीन को बाहर करने की वजह क्या है?

हालांकि, सवाल ये है कि पाकिस्तान क्रिकेट टीम से बाबर, शाहीन और रिजवान को बाहर क्यों किया गया? इसके पीछे की वजह तो सामने नहीं आई. लेकिन PCB ने अपनी प्रेस रिलीज में जो कहा उसके मुताबिक 16 खिलाड़ियों में उन्हीं को शामिल किया गया है, जिनका प्रदर्शन पीएसएल 10 में अच्छा रहा है.

बाबर आजम ने पीएसएल 10 के 10 मैचों में सिर्फ 288 रन बनाए हैं, जिसमें 3 अर्धशतक रहे हैं. वहीं रिजवान ने थोड़ा अच्छा करते हुए 10 मैचों में 367 रन 1 शतक के साथ बनाए हैं. वहीं अफरीदी ने 10 मैचों में केवल 11 विकेट ही लिए हैं.

अप्रैल में भी हुए थे टीम से बाहर

ये कोई पहली बार नहीं है जब बाबर, रिजवान और शाहीन को पाकिस्तान की टई20 टीम से बाहर किया गया है. इससे पहले इस साल अप्रैल में भी ये तीनों न्यूजीलैंड के खिलाफ खेली टई20 सीरीज का हिस्सा नहीं थे. मतलब ये हो सकता है कि पीसीबी अब इन्हें पाकिस्तान की टई20 टीम के लिए फिट नहीं मान रही.

बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान की टी20 टीम

सलमान अली आगा (कप्तान), शादाब खान (उप-कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमां, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हैरिस, मोहम्मद वसीम जूनियर, मोहम्मद इरफान खान, नसीम शाह, शाहिबजादा फरहान और सैम अयूब.

बांग्लादेश के खिलाफ ड्रॉ खेलने से अब भी निराश हैं कोच मार्केज, बोले- सुधार की जरूरत

नई दिल्ली, 21 मई (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच मनोलो मार्केज एशिया कप क्वालिफाइंग दौर के मुकाबले में बांग्लादेश के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ खेलने से निराश हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि टीम में सुधार की जरूरत है। मार्केज ने स्पष्ट किया है कि अगर टीम को एशिया कप के लिए क्वालिफाई करना है तो उन्हें प्रदर्शन में सुधार लाना ही होगा।भारत को 25 मार्च को शिलांग में बांग्लादेश की फुटबॉल टीम से गोलरहित ड्रॉ पर रोक दिया था।

भारत का 10 जून को हांगकांग से सामना

भारतीय टीम को अपना दूसरा मैच 10 जून को हांगकांग से खेलना है। टीम ने सोमवार को अपना प्रशिक्षण शिविर शुरू कर दिया है। बांग्लादेश के खिलाफ मैच का जिक्र करते हुए मार्केज ने कहा, हमें बहुत सुधार करने की जरूरत है क्योंकि मुझे लगा कि टीम पिछले सत्र को छोड़कर हर फीफा विंडो में आगे बढ़ रही थी। यह सच है कि बांग्लादेश के खिलाफ मैच के लिए हमें कुछ अहम खिलाड़ियों की सेवाएं नहीं मिली। लेकिन हम अपने खराब प्रदर्शन को लेकर कोई बहाना नहीं बना रहे हैं।

मार्केज ने कहा, हमें इस बात से अवगत होना चाहिए कि हांगकांग में हमारा मैच काफी चुनौतीपूर्ण होगा। हमारे पास तैयारी करने और जीत कर तीन अंक हासिल करने की कोशिश करने का समय है।

भारत ग्रुप सी में शामिल

भारत को 2027 एशियाई कप क्वालिफाइंग तीसरे दौर के ग्रुप सी में बांग्लादेश, हांगकांग और सिंगापुर के साथ रखा गया है। घरेलू और दूसरे टीम के घर में कुल छह मैच खेलने के बाद केवल शीर्ष टीम ही महाद्वीपीय टूर्नामेंट के अगले चरण के लिए क्वालीफाई करती है। सिंगापुर और हांगकांग ने भी अपना शुरूआती मैच गोलरहित ड्रॉ खेला था। ऐसे में अंक तालिका में सभी टीमें बराबरी पर है। सिंगापुर 10 जून को बांग्लादेश का सामना करने के लिए ढाका की यात्रा करेगा।

प्रधानमंत्री के रूप में दूरदर्शी नेता राजीव गांधी ने देश का मान बढ़ाया : रेवंत रेड्डी

सीएम ने राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पुष्पांजलि अर्पित की

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के रूप में दूरदर्शी नेता राजीव गांधी ने देश का मान बढ़ाया और गौरव बढ़ाया। पूर्व प्रधानमंत्री ने आर्थिक उदारीकरण की अनेक नीतियां लागू करके भारत को एक मजबूत आर्थिक देश के रूप में विकसित किया।राजीव गांधी ने 18 वर्ष की आयु में युवाओं को वयस्क मताधिकार प्रदान करने और उन्हें सरकारों के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का अवसर प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पहलगाम की घटना के समय देश के प्रत्येक नागरिक ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जुझारू भावना को याद किया। लौह महिला इंदिरा गांधी ने आतंकवाद की आड़ में पड़ोसी देश द्वारा प्रायोजित हमलों का जवाब देकर पाकिस्तान को करारा सबक सिखाया। उन्होंने कहा कि इंदिरा गांधी ने कहा कि भारत को किसी की मध्यस्थता की आवश्यकता नहीं है क्योंकि देश अपनी सुरक्षा करने के लिए पर्याप्त मजबूत है। अब प्रधानमंत्री ने पहलगाम की घटना में पाकिस्तान से बदला लेने के लिए एक कदम पीछे हट लिया है।

वर्तमान केंद्र सरकार ऐसी अक्षम स्थिति में है, जहां देश को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निर्देश पर युद्ध विराम का आह्वान करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की आलोचना करके भाजपा नेता अपनी अक्षमता छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी गहरी नींद में हैं, जिन्हें मुश्किल समय में केंद्र के साथ खड़ा होना चाहिए था। उन्होंने कहा कि हमने आगे आकर केंद्र सरकार को पूर्ण समर्थन देने की घोषणा की। केंद्रीय मंत्री ने हमें स्वीकार नहीं किया और इसके बजाय राहुल गांधी की आलोचना की। किशन रेड्डी ने अपनी अक्षमता को छिपाने के लिए ही राहुल गांधी पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सचिवालय के पास राजीव गांधी की प्रतिमा लगाने में कुछ राजनीतिक ताकतों ने खामियां निकालीं। कुछ संकीर्ण सोच वाले लोगों ने पूर्व पीएम राजीव गांधी की आलोचना की। उन्होंने कहा कि देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने का इतिहास गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी का है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम देश की रक्षा के लिए भारतीय सैनिकों के साथ खड़े रहें। हम देश की अखंडता पर राजनीतिक प्रहार नहीं करेंगे तथा देश की सुरक्षा के लिए सेवा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

मेडचल डीसीपी ने मासिक अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मेडचल डीसीपी एन. कोटि रेड्डी की अध्यक्षता में शमीरपेट में अपराध समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मेडचल जोन के सभी स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ), सब-इंस्पेक्टर (एसआई), जांच अधिकारी (आईओ), कोर्ट ड्यूटी ऑफिसर (सीडीओ), सीसीटीएनएस ऑपरेटर और स्टेशन राइटर शामिल हुए। डीसीपी ने कानून व्यवस्था और आपराधिक जांच से संबंधित प्रमुख पहलुओं पर प्रदर्शन और प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। प्राथमिक फोकस क्षेत्रों में लंबित मामलों का निपटान, अपराध रोकथाम रणनीति, उपद्रवियों की निगरानी, आगामी बकरीद त्योहार के लिए सुरक्षा व्यवस्था और वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा जारी निर्देशों का पालन करना शामिल था।

एजेंडे में आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) मामलों की स्थिति और केस डायरी (सीडी) फाइलों के वितरण सहित सभी जांचाधीन (यूआई) मामलों, गंभीर और गैर-गंभीर दोनों का गहन विश्लेषण शामिल था। 2023 से पहले लंबित मामलों और 2024 की पहली छमाही में दर्ज यूआई मामलों पर विशेष ध्यान दिया गया।

समीक्षा में पोक्सो मामले, एससी/एसटी मामले और मजिस्ट्रियल केस (एमसी), पोस्टमार्टम जांच (पीएमई) और फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) रिपोर्ट की लंबितता भी शामिल थी।अतिरिक्त चर्चा बिंदुओं में पुलिस स्टेशन के आधार पर सजा दर, संपत्ति का पता लगाना और वसूली दर और अभियोजन वापसी के मामले शामिल थे। लंबे समय से लंबित कंपाउंडेबल प्राइवेट ट्रीटी (पीटी) मामलों और सक्रिय संदिग्ध शीट की निगरानी की भी समीक्षा की गई। ध्वनि प्रदूषण के मामलों में की गई कार्रवाई, अपराध और आपराधिक ट्रैकिंग नेटवर्क और सिस्टम (सीसीटीएनएस) में अपडेट और विसंगतियां, और बकरीद के लिए चेक-पोस्ट जैसी सुरक्षा व्यवस्था की भी जांच की गई। 4सी याचिकाओं, प्रजावाणी शिकायतों, आयोग की पूछताछ और साइबर अपराध कार्यवाही (पीओएच) के लंबित मामलों की भी समीक्षा की गई। डीसीपी ने जवाबदेही, समय पर जांच और सक्रिय पुलिसिंग पर जोर दिया। अधिकारियों को आगामी बकरीद त्योहार के मद्देनजर कड़ी निगरानी रखने और गहन गश्त, चेक-पोस्ट और सामुदायिक सहभागिता के माध्यम से कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अतिरिक्त डीसीपी, सहायक पुलिस आयुक्त (एसीएसपी), एसएचओ, आईओ और मेडचल जोन के सहायक कर्मचारियों ने भाग लिया।

उद्योग मंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी का पुण्य स्मरण किया

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारत रत्न एवं पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर, आईटी एवं उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने जयशंकर भूपलपल्ली जिले के कटारम मंडल स्थित उनके पैतृक गांव धनवाड़ा में दिवंगत नेता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस पवित्र अवसर पर मंत्री ने राष्ट्र के लिए राजीव गांधी के अमूल्य योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि राजीव गांधी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश विकास के पथ पर आगे बढ़ा और अनेक उपलब्धियां हासिल कीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि राजीव गांधी के आदर्शों से प्रेरित होकर रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में जनता की सरकार राज्य में सभी क्षेत्रों में व्यापक प्रगति सुनिश्चित करने के लिए ईमानदारी से काम करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भाजपा नेता की कार की टक्कर से व्यक्ति की मौत

नागरकुरनूल, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नागरकुरनूल जिले में कथित तौर पर भाजपा नेता भरत प्रसाद की कार की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। हैदराबाद में इलाज के दौरान पीड़ित की मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, तेलकापल्ली मंडल के गट्टू रविपाकुला गांव के निवासी चतमोनी रामुलु (40) अपने दोपहिया वाहन से घर लौट रहे थे, तभी कोल्लापुर जंक्शन के पास भरत प्रसाद की गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी। दुर्घटना के समय भाजपा नेता अचंपेट से नागरकुरनूल जा रहे थे।

रामुलू के सिर में गंभीर चोटें आईं और उसका शुरू में नागरकुरनूल जनरल अस्पताल में इलाज किया गया, बाद में उसे हैदराबाद ले जाया गया, जहां उसकी हालत बिगड़ती चली गई और बाद में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

तूप्रान में वाहन टक्कर में 8 लोग घायल

मेदक, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार तड़के तूप्रान मंडल के यावपुर गांव में मारुति स्विफ्ट कार और महिंद्रा बोलेरो के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में आठ लोग घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए तूप्रान के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। कार में सवार लोगों को गंभीर चोटें आई हैं। आठ में से चार की हालत गंभीर बताई जा रही है। तूप्रान पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

सोना खोने से दुखी महिला ने बच्चे के साथ इमारत से कूदकर दी जान

हैदराबाद, 21 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कथित तौर पर लाखों रुपये के सोने के गहने खोने से दुखी महिला ने अपने छोटे बेटे के साथ बहुमंजिला इमारत से कूदकर आत्महत्या करने की कोशिश की, जिसकी मंगलवार देर रात वनस्थलीपुरम के अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। बच्चे का इलाज चल रहा है। चिन्थलकुंटा निवासी सुदेशना (28) की शादी चार साल पहले आशीष कुमार से हुई थी और उनका दो साल का बेटा आरुष कुमार है। वे वनस्थलीपुरम के अगमैय्या नगर कॉलोनी में किराए के मकान में रहते हैं।

पुलिस के अनुसार 16 मई को सुदेशना नचारम में एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने गई थी। वहां उसने कथित तौर पर अपने सात तोले सोने के गहने खो दिए। उसने सभी संभावित स्थानों पर गहनों की तलाश की, लेकिन कहीं नहीं मिला। सुदेशना को विश्वास हो गया कि सोने के आभूषणों की चोरी का कारण वह ही है, इसलिए वह परेशान हो गई। मंगलवार को उसने अपने बच्चे के साथ बिल्डिंग की तीसरी मंजिल से छलांग लगा दी। दोनों जमीन पर गिर गए और उन्हें चोटें आईं। उन्हें तुरंत पास के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान सुदेशना की मौत हो गई। बच्चे का इलाज चल रहा है। मामला दर्ज कर लिया गया है और वनस्थलीपुरम पुलिस जांच कर रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.